www.deshbandhu.co.in खबरें लगातार ...
छत्तीसगढ़ का पहला राष्ट्रीय दैनिक
संपर्क करें : deshbandhuraipur@gmail.com

पत्र नहीं मित्र

देशबन्धु

रायपुर, गुरुवार, 10 जुलाई 2025 । वर्ष – 67 । अंक –85 । पृष्ठ –12 । मूल्य – 4.00 रु प्रेस पंजीयन- 06072/59

बढ़ती बेरोजगारी दूर करने के लिए ठोस कदम नहीं उठा रही केंद्र सरकार : कांग्रेस पृष्ठ 2
■ भारत को नीचा दिखाने में लगी अघोषित शक्तियां
■ भारत को रक्षा व्यय में पर्याप्त वृद्धि करने की आवश्यकता पृष्ठ 6
■ मैं पुतिन से खुश नहीं हूं : डोनाल्ड ट्रम्प
■ अमेरिकी व्यापार गतिविधियों पर बारीकी से नजर : रूस पृष्ठ 7
तीरंदाजी विश्व कप: ऋषभ-ज्योति ने बनाया 'मिक्स्ड टीम 'वर्ल्ड पृष्ठ 8

जनप्रतिनिधियों के दायित्व निर्वहन में सहायक सिद्ध होगा मैनपाट प्रशिक्षण : विष्णुदेव साय

■ डिप्टी सीएम साव बोले- विकसित छत्तीसगढ़ बनाने के लिए साबित होगा मील का पत्थर

भाजपा के प्रशिक्षण शिविर का समापन

अंबिकापुर, 9 जुलाई (देशबन्धु)। प्राकृतिक हरीतिमा से भरपूर सरगुजा संभाग के मैनपाट में भाजपा का त्रिदिवसीय सांसद.विधायक प्रशिक्षण वर्ग सफलतापूर्वक संपन्न हुआ इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने प्रशिक्षण वर्ग को अत्यंत उपयोगी बताते हुए प्रदेश भाजपा को आयोजन के लिए बधाई दी और इस महत्वपूर्ण आयोजन में योगदान देने वाले सभी कार्यकर्ताओं और व्यवस्था में लगे सभी दायित्ववानों के प्रति आभार जताया उन्होंने कहा जनप्रतिनिधियों के दायित्व निर्वहन में मैनपाट प्रशिक्षण सहायक सिद्ध होगा मुख्यमंत्री साय ने अपने ग् हैंडल पर लिखा कि निरंतर अभ्यास और प्रशिक्षण भारतीय जनता पार्टी की कार्यपद्धति का एक मजबूत स्तंभ है पार्टी में मंडल इकाई से लेकर राष्ट्रीय कार्यकारिणी तक नियमित प्रशिक्षण की परंपरा है जिससे कार्यकर्ताओं पदाधिकारियों और जनप्रतिनिधियों को न केवल संगठन की रीति.नीति कार्यक्रम और कार्ययोजना की जानकारी मिलती ह बल्कि समसामयिक विषयों पर भी गहन मार्गदर्शन प्राप्त होता है उन्होंने कहा कि मैनपाट प्रशिक्षण वर्ग में राष्ट्रीय नेताओं और विषय विशेषज्ञों के विविध सत्रों के माध्यम से सांसदों और विधायकों को उनके दायित्व निर्वहन में सहायक अमूल्य मार्गदर्शन मिला यह प्रशिक्षण हमें अपनी कार्यशैली को और अधिक प्रभावी समन्वित और जनसेवी बनाने में सहायता करेगा मुख्यमंत्री ने कहा कि इस प्रकार के प्रशिक्षण वर्गों में कार्यकर्ताओं का एक साथ रुकना रहना सहभोज करना आपसी समझ और सामूहिकता की भावना को गहराता है इससे न केवल संगठनात्मक समरसता बढ़ती है बल्कि एक परिवार के रूप में पार्टी का भाव भी सुदृढ़ होता है उन्होंने कार्यक्रम में सहभागी राष्ट्रीय नेताओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि अपने व्यस्त समय में से इस प्रशिक्षण के लिए समय निकालकर उन्होंने कार्यकर्ताओं को ऊर्जावान और मार्गदर्शित कियाण् साथ ही उन्होंने सरगुजा संभाग विशेषकर सीतापुर विधानसभा के सभी कार्यकर्ताओं आयोजन समिति और सहयोगी समूहों को आयोजन की सफलता के लिए बधाई दी मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि ऐसे प्रशिक्षण वर्ग भाजपा की वैचारिक प्रतिबद्धता और जनसेवा की भावना को और अधिक सशक्त बनाएंगे।

प्रशिक्षण भाजपा की कार्ययोजना का अभिन्न अंग : किरण देव

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव और उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने प्रेसवार्ता में प्रशिक्षण शिविर की जानकारी दी प्रदेश अध्यक्ष किरण देव ने कहा प्रशिक्षण भाजपा की कार्य पद्दति कार्य योजना का अभिन्न अंग है इस तरह का प्रशिक्षण बीजेपी कार्यकर्ताओं शक्ति केंद्र और अलग.अलग मोर्चो को भी समय.समय पर दिया जाता है प्रदेश अध्यक्ष किरण देव ने कहा प्रशिक्षण में कार्यकर्ताओं को संगठन में कैसा काम करना है पदाधिकारियों की क्या जिम्मेदारी है इन सभी विषयों पर हर कोई संसद.विधायकों को बताया जाता है शिविर में हमारे पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के साथ वरिष्ठ राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष समेत कई वरिष्ठ केंद्रीय नेताओं का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ जिसे हम अपने कार्यशैली में अपनाने वाले हैं प्रशिक्षण सत्र के बाद कॉर्डिनेशन में किस तरह बदलाव होगा इस पर किरण देव ने कहा हमारी सरकार में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय समेत पूरे कैबिनेट के बीच किसी प्रकार से समन्वय को लेकर कोई तकलीफनहीं होती है हमारा मूल कार्य राष्ट्र प्रेम और राष्ट्र सेवा के साथ प्रधानमंत्री की परिकल्पना से विकसित भारत और विकसित छत्तीसगढ़ बनाना है जिससे इसका लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंच सके भाजपा का कार्यक्रम हमारे कार्य करने की पद्दति योजनाओं का महत्वपूर्ण अंग है राष्ट्रीय नेतृत्व के निर्देश पर समय.समय पर प्रशिक्षण वर्ग लगाया जाता है

ऐतिहासिक रहा प्रशिक्षण शिविर : अरुण साव

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा सांसद.विधायक प्रशिक्षण वर्ग हर एक दृष्टि से ऐतिहासिक और महत्वपूर्ण रहा है अंबिकापुर के मैनपाट की खूबसूरती को पूरे देश और दुनिया ने देखा है इस जगह पर ऐसा कार्यक्रम होना बहुत ऐतिहासिक रहा है प्रशिक्षण शिविर बीजेपी के कार्य पद्दति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है हमारे सभी सांसद और विधायक एक साथ तीन दिन एक स्थान पर रहकर कार्यक्रम में शामिल हुए यह ये बताता है कि बीजेपी में परिवार का भाव कैसे बनता है।

सरकार की योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाएंगे–डिप्टी सीएम साव ने कहाए हमारी प्रतिबद्धता केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है शिक्षण शिविर ⇨ शेष पृष्ठ 7 पर ⇨

सीएम को ज्ञापन देने मैनपाट जा रहे पूर्व मंत्री भगत गिरफ्तार

पुलिस ने प्रदेश के पूर्व खाद्य मंत्री अमरजीत भगत को गिरफ्तार कर लिया है। उन्हें कमलेश्वरपुर थाने में रखा गया है। अमरजीत भगत मैनपाट में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को ज्ञापन देने जा रहे थे। तभी पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार किया है। इसी शिविर के दौरान मुख्यमंत्री को ज्ञापन देने अमरजीत भगत जा रहे थे। तभी पुलिस ने उन्हें रोक लिया। बता दें कि प्रशिक्षण शिविर सीतापुर विधानसभा क्षेत्र में आता है। अमरजीत यहां से विधायक थे, जो इस बार विधानसभा चुनाव हार गए थे। पहली बार यहां भाजपा जीती है। अमरजीत भगत अपने क्षेत्र में मुख्यमंत्री सहित पूरे सरकार की मौजूदगी की वजह से उन्हें ज्ञापन देने जा रहे थे।

गुजरात में महिसागर नदी पर बना पुल टूटा, 13 की मौत

कई वाहन नदी में गिरे, 8 को बचाया

■ गुजरात का सौराष्ट्र से संपर्क टूटा
■ लोगों ने प्रशासन को जिम्मेदार बताया

वडोदरा, 9 जुलाई (एजेंसियां)। गुजरात के वडोदरा में महिसागर नदी पर बना ब्रिज बुधवार सुबह टूट गया। हादसे के समय ब्रिज से गाड़ियां गुजर रही थीं। पुल टूटने पर दो ट्रक, दो कार और एक रिक्शा कुल पांच गाड़ियां नदी में गिर गईं। एक टैंकर टूटे सिरे पर फंस गया।

हादसे में 13 लोगों की मौत हो गई, जबकि 8 को स्थानीय लोगों ने बचाया। दो लोग लापता हैं। फायर ब्रिगेड की टीमें रेस्क्यू में जुटी हैं। 45 साल पुराना यह ब्रिज दक्षिण गुजरात को सौराष्ट्र से जोड़ता है। हादसे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दुख जताया है और प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से मृतकों के परिजनों को 2 लाख और घायलों को 50,000 की आर्थिक मदद देने की घोषणा की है। हादसे के बाद तुरंत ही स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और लोगों को रेस्क्यू किया। एक स्थानीय युवक ने बताया, 'हम सुबह से ही बचाव अभियान चला रहे हैं। अब तक 13 शव बरामद हुए हैं, जिनमें से एक बच्चा है और एक बच्चा लापता है।

इस दौरान हमें प्रशासन और अधिकारियों से कोई मदद नहीं मिली है।' इनका कहना है कि 45 साल पुराने इस पुल की मरम्मत के लिए प्रशासन को कई बार सूचित किया जा चुका है। प्रशासन की तरफ से कोई कार्रवाई न किए जाने के कारण आज यह हादसा हुआ है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि इस हादसे के लिए पूरी तरह से प्रशासन ही जिम्मेदार है।

1985 में बनाया गया था पुल

यह पुल 1985 में बनाया गया था। गुजरात सरकार ने हाल ही में 212 करोड़ रुपए की लागत से एक नए पुल को बनाने की मंजूरी दी थी। फिलहाल मुख्यमंत्री ने तकनीकी विशेषज्ञों को घटनास्थल पर भेजकर जांच का आदेश दिया है।

घटना की गंभीरता को देखते हुए मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने तकनीकी विशेषज्ञों की टीम को घटनास्थल पर भेजकर जांच का आदेश दिया है।

सार संक्षेप

वायु सेना का जगुआर लड़ाकू विमान दुर्घटनाग्रस्त, दोनों पायलटों की मौत

नई दिल्ली। भारतीय वायुसेना का एक जगुआर ट्रेनर विमान बुधवार दोपहर राजस्थान के चुरू के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया, दुर्घटना में दोनों पायलट की मौत हो गई। वायु सेना ने कहा है कि यह विमान नियमित प्रशिक्षण उडान के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। दुर्घटना में दोनों पायलट की मौत हो गई। दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए जांच समिति गठित की गई है। दो ईंजन वाले इस लड़ाकू विमान को वर्ष 1970 में वायु सेना के बेड़े में शामिल किया गया था। दुनिया के अनेक देशों की वायु सेनाओं ने इन विमानों को अपने बेड़े से बाहर कर दिया है लेकिन भारतीय वायु सेना अभी भी इस लड़ाकू विमान का इस्तेमाल कर रही है।

पीएम मोदी को नामीबिया के सर्वोच्च सम्मान से नवाजा

विंडहोक। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को नामीबिया के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'ऑर्डर ऑफ़ द मोस्ट एन्शिएंट वेल्वित्शिया मिराबिलिस' से सम्मानित किया गया है। नामीबिया की राष्ट्रपति डॉ. नेटुम्बो नंदी-नदैतवा ने बुधवार को यहां श्री मोदी के साथ वार्ता के बाद उन्हें यह सम्मान प्रदान किया। 'ऑर्डर ऑफ द मोस्ट एन्शिएंट वेल्वित्शिया मिराबिलिस' नामीबिया का सर्वोच्च नागरिक सम्मान है।

अरुणाचल के पूर्व विधायक कपचेन का निधन

ईटानगर। अरुणाचल प्रदेश में तत्कालीन खोंसा उत्तर के पूर्व विधायक कपचेन राजकुमार का बुधवार को यहां निधन हो गया। प्राप्त जानकारी के मुताबिक आज सुबह तिरप जिले के नामसांग और देवमाली इलाकों के बीच एक संदिग्ध जंगली हाथी ने उन पर हमला कर दिया जिससे उनकी मौत हो गई। वह 65 वर्ष के थे।

कोरोना मामलों की संख्या एक हजार से नीचे

नई दिल्ली। देश में बुधवार को कुल सक्रिय मामलों का आंकड़ा एक हजार से नीचे 796 पर आ गया।

भारत बंद का मिला जुला असर रहा

सरकार की नीतियों के खिलाफ ट्रेड यूनियनों ने बुलाया था बंद

नई दिल्ली, 9 जुलाई (देशबन्धु)। केंद्र सरकार की नीतियों के खिलाफ और विभिन्न मांगों को लेकर प्रमुख ट्रेड यूनियनों के भारत बंद के आह्वान का आज देशभर में मिलाजुला असर रहा। पश्चिम बंगाल और केरल में इस बंद का ज्यादा असर देखा गया और कई राज्यों में बैंकिंग सेवाएं प्रभावित रही।

बंद का आह्वान दस केंद्रीय ट्रेड यूनियनों ने किया था। केंद्र सरकार की नीतियों के विरोध में आयोजित इस बंद के तहत कुछ वाम संगठनों ने राजधानी दिल्ली में जंतर मंतर पर प्रदर्शन किया। दिल्ली में बंद का खास असर नहीं दिखायी दिया और यहां बाजार सामान्य दिनों की तरह खुले रहे एवं सड़कों पर वाहन भी सामान्य रुप से चलते रहे।

एक तरफ जहां पश्चिम बंगाल और केरल में बंद का ज्यादा असर देखने को मिला वहीं भाजपा और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) शासित राज्यों में बंद का कोई खास असर नहीं दिखा।

20 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया– पश्चिम बंगाल में वामपंथी दलों और उससे संबद्ध ट्रेड यूनियनों के भारत बंद के दौरान ट्रेनों के परिचालन पर असर पड़ा। बंद के कारण सार्वजनिक परिवहन में भारी व्यवधान हुआ। प्रदर्शनकारियों की कई जगहों पर पुलिस के साथ झड़पें हुई और पुलिस ने 20 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया।

बिहार में वोट चुराने की कोशिश हो रही : राहुल

पटना, 9 जुलाई (देशबन्धु)। राहुल गांधी बुधवार को पटना में महागठबंधन के प्रदर्शन में शामिल हुए। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के नाम पर महाराष्ट्र की तरह ही आगामी बिहार विधानसभा चुनाव में भी वोट चुराने की कोशिश कर रही है। आयकर चौराहे से चुनाव आयोग कार्यालय तक मार्च का नेतृत्व कर रहे श्री गांधी ने जनसमूह को संबोधित करते हुए भाजपा पर आगामी बिहार विधानसभा चुनावों में भी महाराष्ट्र की तरह धांधली करने का प्रयास करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि आयोग को तुरंत विशेष चुनाव पुनरीक्षण को वापस लेना चाहिए। बिहार में वोटर लिस्ट की स्क्रीनिंग को लेकर विपक्षी पार्टियां विरोध कर रही हैं। उन्होंने कहा– इलेक्शन कमिश्नर भाजपा और आरएसएस नेताओं की तरह बात करते हैं। उन्हें (भाजपा) पता चल गया है कि हमने महाराष्ट्र मॉडल समझ लिया है, वे अब बिहार मॉडल लाए हैं। ये गरीबों का वोट छीनने का तरीका है।

आप कितने ही बड़े हो, कानून आपको छोड़ेंगा नहीं –राहुल ने कहा कि आपको जो करना है करिए, लेकिन बाद में कानून आप पर हावी होगा। कानून आपको नहीं छोड़ेंगा। मैं आपको गारंटी दे रहा हूं कि आप कितने ही बड़े क्यों न हो कानून आपको नहीं छोड़ेगा। आप अपना काम नहीं कर रहे हो। राहुल ने कहा, कुछ महीने पहले महाराष्ट्र में लोकसभा चुनाव हुआ। उसके कुछ महीने बाद महाराष्ट्र और हरियाणा का विधानसभा का चुनाव हुआ। लोकसभा चुनाव में इंडिया ने जीत दर्ज की। कुछ महीने बाद विधानसभा के चुनाव में हार गई। उस समय हमने ज्यादा कुछ बोला नहीं।

राजस्व रिकार्ड से छेड़छाड़ पंडरीतराई पटवारी निलंबित

रायपुर, 9 जुलाई (देशबन्धु)। राजस्व अभिलेखों में छेड़छाड़ करने वाले ग्राम पंडरीतराई के पटवारी विरेंद्र कुमार झा को रायपुर एसडीएम ने निलंबित कर दिया है। पटवारी के खिलाफ शिकायत की जांच में पाया गया है कि पंडरीतराई के पटवारी ने अपने शासकीय पद का दुरूपयोग करते हुए राजस्व अभिलेखों में अवांछित एवं गैर कानूनी छेड़छाड़ कर भू-माफियाओं को फायदा पहुंचाया है। ग्राम सेवा समिति रायपुर ने मामले की शिकायत संभाग आयुक्त कार्यालय में की थी. जांच में शिकायत सही निकली। जांच रिपोर्ट में कहा गया है कि पटवारी विरेंद्र कुमार झा का कृत्य छग सिविल सेवा आचरण नियम-1965 के नियम-3 के विरूद्ध है एवं कदाचरण की श्रेणी में आता है। राजस्व अभिलेखों में छेड़छाड़ करने पर पटवारी को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। निलंबन अवधि में उनका मुख्यालय तहसील रायपुर नियत किया गया है। निलंबन अवधि में उन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता की पात्रता देय होगी। ग्राम पंडरीतराई, तहसील रायपुर का प्रभार बलराम ध्रुव, पटवारी ग्राम कचना को आगामी आदेश पर्यंत तक अस्थायी रूप से सौंपा गया है।

कस्टम मिलिंग घोटाला मामले में ईओडब्लू की बड़ी कार्रवाई आरोपी अनिल टुटेजा और अनवर ढेबर को किया गिरफ्तार

कोर्ट से पुलिस रिमांड मंजूर

रायपुर, 9 जुलाई (देशबन्धु)। बहुचर्चित कस्टम मिलिंग घोटाले में आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो ने आज बड़ी कार्रवाई करते हुए सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी अनिल टुटेजा और व्यवसायी अनवर ढेबर को विशेष अदालत में पेश कर विधिवत गिरफ्तार कर लिया। दोनों आरोपियों को प्रोडक्शन वारंट पर जेल से लाकर कोर्ट में पेश किया गया जहां से उन्हें पूछताछ के लिए पुलिस रिमांड पर भेज दिया गया। ईओडब्ल्यू ने इस प्रकरण में अनिल टुटेजा और अनवर ढेबर के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियमए 1988 की धारा 11 13,1 क 13;2 भारतीय दंड संहिता की धारा 120बी आपराधिक साजिश 384 जबरन वसूली एवं 409 लोकसेवक द्वारा आपराधिक विश्वासभंग के तहत मामला दर्ज किया है है।

पहले से जेल में बंद थे दोनों आरोपी

गौरतलब है कि अनिल टुटेजा और अनवर ढेबर पहले से शराब घोटाला मामले में जेल में बंद हैं लेकिन इस कस्टम मिलिंग घोटाले में ईओडब्ल्यू की जांच के बाद इनकी संलिप्तता स्पष्ट होने पर आज विधिवत गिरफ्तारी की गई। जांच में सामने आया है कि दोनों ने मिलकर राज्य में चावल मिलर्स से करोड़ों रुपये की अवैध वसूली की सुनियोजित साजिश रची और उसे अंजाम तक पहुंचाया।

विशेष न्यायालय में प्रस्तुत किए जाने के बाद दोनों आरोपियों को आगे की पूछताछ के लिए पुलिस रिमांड पर भेज दिया गया है। सूत्रों के अनुसार अब रिमांड के दौरान उन सभी कड़ियों को जोड़ा जाएगा जिनके माध्यम से इस घोटाले की रकम का प्रवाह हुआ और अन्य संभावित लाभार्थियों की पहचान की जाएगी।

ईओडब्ल्यू की जांच तेज–ईओडब्ल्यू इस पूरे प्रकरण की जांच तेजी से कर रही है और आने वाले दिनों में और भी बड़े खुलासों की संभावना है। जांच एजेंसी अन्य संदिग्धों की भूमिका की भी पड़ताल कर रही है।

यह घोटाला वर्ष 2021,22 के दौरान रचा गया था जब धान की कस्टम मिलिंग के लिए केंद्र सरकार से 62 लाख मीट्रिक टन की मंजूरी मिली थी। इसके बाद प्रदेश सरकार के भीतर कुछ प्रभावशाली व्यक्तियों ने मिलर्स से दो किस्तों में अवैध वसूली का तंत्र खड़ा किया। रिपोर्टों के अनुसार इस योजना में राइस मिल एसोसिएशन के अध्यक्ष कैलाश रुंगटा कोषाध्यक्ष रोशन चंद्राकर रामगोपाल अग्रवाल और सिद्धार्थ सिंघानिया जैसे नाम भी शामिल हैं। रोशन चंद्राकर द्वारा अलग.अलग जिलों से वसूली की गई राशि सिद्धार्थ सिंघानिया के माध्यम से अनवर ढेबर और फिर अनिल टुटेजा तक पहुंचाई गई।

माना एयरपोर्ट पर 3 साल पहले हुई शासकीय हेलीकॉप्टर की क्रैश लैंडिंग

चीफ पायलट की सेवा समाप्त

रायपुर, 9 जुलाई (देशबन्धु)। माना एयरपोर्ट पर तीन साल पहले हुई शासकीय हेलीकॉप्टर अगस्ता की क्रैश लैंडिंग पर अब तत्कालीन चीफ पायलट पंकज जायसवाल की सेवाएं समाप्त की गई हैं। वर्तमान में वे राज्य विमानन विभाग में मुख्य सलाहकार के तौर पर अपनी सेवाएं दे रहे हैं.

माना एयरपोर्ट पर 12 मई 2022 को हेलीकॉप्टर की क्रैश लैंडिंग में कैप्टन एपी श्रीवास्तव और कैप्टन गोपाल कृष्ण पांडा की मौत हो गई थी। लेकिन हादसे के बाद तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने लापरवाही के लिए जिम्मेदारों पर कार्रवाई करना तो दूर घटना की जांच के आदेश भी नहीं दिए थे। इसके उलट कांग्रेस सरकार ने तत्कालीन चीफ पायलट जायसवाल को तीन लाख मासिक वेतन पर मुख्य सलाहकार नियुक्त कर दिया था।

वहीं घटना की जांच के लिए डायरेक्टोरेट ऑफ सिविल एविएशन (डीजीसीए) की टीम यहां पहुंची और रिपोर्ट तैयार की। बताया जा रहा है कि करीब तीन महीने पहले जारी जांच रिपोर्ट हेलीकॉप्टर क्रैश होने के पीछे की लापरवाही और चूक का खुलासा किया गया है। रिपोर्ट में उल्लेख किया गया है कि माना एयरपोर्ट पर सरकारी हेलीकॉप्टर का मेंटेनेंस सिस्टम कमजोर था, यहां तक जरूरी पार्ट्स भी नहीं बदले जा रहे थे।

अनुसंधान इसरो ने अंतरिक्ष उड़ान की तैयारी तेज की, लिक्विड प्रपल्शन सिस्टम सेंटर ने किया विकसित

गगनयान मिशन के इंजन का सफल हॉट टेस्ट किया

बेंगलुरु, 9 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने गगनयान मिशन के लिए एक और बड़ी सफलता हासिल की है। इसरो ने 3 जुलाई को तमिलनाडु के महेंद्रगिरी स्थित अपने प्रपल्शन कॉम्प्लेक्स में गगनयान सेवा मॉड्यूल प्रप्लशन प्रणाली (एसएमपीएस) के दो 'हॉट टेस्ट' सफलतापूर्वक पूरे किए।

इन परीक्षणों की अवधि एक बार 30 सेकंड और दूसरी बार 100 सेकंड रही। इनका उद्देश्य यह था कि गगनयान के लिए तैयार की जा रही प्रणाली की संरचना और कार्यक्षमता की जांच की जा सके। यह परीक्षण गगनयान मिशन की तैयारी का एक अहम हिस्सा था, जिससे यह साबित हुआ कि अंतरिक्ष यात्रा के दौरान प्रप्लशन प्रणाली सही ढंग से काम करेगी। यह सफलता भारत के पहले मानव अंतरिक्ष मिशन की ओर एक और मजबूत कदम है।

इसरो ने बताया, 'प्रणाली का कुल प्रदर्शन परीक्षण से पहले लगाए अनुमान के अनुसार पूरी तरह सामान्य रहा। 100 सेकंड के लंबे परीक्षण में सभी रिएक्शन कंट्रोल सिस्टम (आरसीएस) थ्रस्टर्स को अलग-अलग तरीकों से (लगातार चलाना और रुक-रुक कर चलाना) सफलतापूर्वक चलाया गया। साथ ही सभी लिक्विड एपोजी मोटर (एलएएम) इंजन भी साथ में सक्रिय किए गए।' गगनयान की इस प्रप्लशन प्रणाली को इसरो के लिक्विड प्रपल्शन सिस्टम सेंटर (एलपीएससी) ने विकसित किया है। यह प्रणाली बहुत अहम है क्योंकि इसका इस्तेमाल अंतरिक्ष यान को कक्षा में सही ढंग से घुमाने और किसी आपात स्थिति में मिशन को बीच में रोकने के लिए किया जाता है।

इस प्रणाली में कुल पांच एलएएम इंजन (प्रत्येक की ताकत 440 न्यूटन) और 16 आरसीएस थ्रस्टर (प्रत्येक की ताकत 100 न्यूटन) शामिल हैं। इन हॉट टेस्ट के दौरान पहले किए गए परीक्षणों से मिली जानकारी के आधार पर इसमें कुछ सुधार भी किए गए ताकि वास्तविक उड़ान जैसी स्थिति को ज्यादा बेहतर ढंग से दोहराया जा सके।

देश

उवाच "बिहार में चुनाव हैं भारत के चुनाव आयोग ने एक आदेश जारी किया है अब मुझे बताइए कि 1.50 करोड़ से अधिक बिहारी अपने राज्य से बाहर काम कर रहे हैं वे नामांकन के लिए फॉर्म कैसे भरेंगे वे कैसे वोट देंगे।

–फारूक अब्दुल्ला, नेशनल कॉन्फ्रेंस अध्यक्ष

तापमान	अधिकतम	न्यूनतम
दिल्ली	33.0	27.0
मुंबई	29.0	26.0
कोलकाता	27.0	26.0
चेन्नई	38.0	28.0

बढ़ती बेरोजगारी दूर करने के लिए ठोस कदम नहीं उठा रही केंद्र सरकार : कांग्रेस

मोदी सरकार पर लगाया विकास को अवरुद्ध करने का आरोप

बेंगलुरु, 9 जुलाई (एजेंसियां)। अखिल भारतीय कांग्रेस समिति के महासचिव एवं कर्नाटक प्रभारी रणदीप सिंह सुरजेवाला ने देश में बढ़ती बेजरोजगारी को लेकर केंद्र की मोदी सरकार पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने विकास को अवरुद्ध कर दिया है, नौकरियां छीन ली हैं और आर्थिक अशांति को जन्म दिया है। देश के सरकारी और सार्वजनिक उपक्रमों में 30 लाख से अधिक रिक्त पद हैं लेकिन सरकार उन्हें भरने के लिए कोई कदम नहीं उठा रही है। सुरजेवाला ने कहा कि सशस्त्र बलों में 1.55 लाख, रेलवे में 2.5 लाख से ज़्यादा और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों में 85,000 से ज़्यादा पद रिक्त हैं। जब बेरोज़गारी रिकॉर्ड स्तर पर है तो मोदी सरकार इन पदों को क्यों नहीं भर रही है। देश में बेरोजगारी दर 7.5 प्रतिशत तक पहुंच गई है, जो 45 वर्षों में सबसे अधिक है। इसके बावजूद सरकार बढ़ती बेरोजगारी को दूर करने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठा रही है। उन्होंने कहा कि 25 करोड़ से अधिक श्रमिकों और किसानों द्वारा समर्थित और इंटक, सीटू, एटक, सेवा और एचएमएस सहित 10 केंद्रीय ट्रेड यूनियनों द्वारा आहूत यह बंद भाजपा की श्रमिक-विरोधी और किसान-विरोधी नीतियों के खिलाफ एकजुट होने का आह्वान करता है।

देश के सरकारी और सार्वजनिक उपक्रमों में 30 लाख से अधिक रिक्त पद हैं लेकिन सरकार उन्हें भरने के लिए कोई कदम नहीं उठा रही : **रणदीप सिंह सुरजेवाला**

हम लोकतंत्र की हत्या होने नहीं देंगे

वहीं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के बिहार दौरे पर पार्टी के राज्यसभा सांसद प्रमोद तिवारी ने बयान दिया। उन्होंने कहा कि बिहार लोकतंत्र की जननी है और इसे बचाने के लिए राहुल गांधी खुद बिहार गए हैं। वहीं कांग्रेस के राज्यसभा सांसद प्रमोद तिवारी ने कहा कि लोकतंत्र बचाने के लिए राहुल गांधी खुद बिहार गए हैं। बिहार लोकतंत्र की जननी है। वहां से खबरें आ रही हैं कि प्रदर्शन बहुत सफल है। जो लोग इसमें शामिल नहीं हैं, वे भी कह रहे हैं कि लोकतंत्र को बचाने की इस लड़ाई में हमारा समर्थन है। एक डरी, सहमी, जाती हुई सरकार का यह एक घिनौना प्रयास है, जो उन्होंने हरियाणा और महाराष्ट्र में किया था। मैं सिर्फ यही कहूंगा कि राहुल गांधी लोकतंत्र को बचाने के लिए निकले हैं और इसमें जन-जन का समर्थन है। उन्होंने कहा, मैं पूछना चाहता हूं कि चुनाव आयोग का सहारा लेकर वे आधार कार्ड को क्यों स्वीकार नहीं कर रहे हैं। इसका मतलब यह है कि जिस तरह से वे लोकतंत्र की हत्या करने जा रहे हैं, हम उनका पूरी ताकत के साथ मुकाबला करेंगे। हम लोकतंत्र की हत्या होने नहीं देंगे। प्रमोद तिवारी ने दिल्ली में पुरानी गाड़ियों के मुद्दे पर कहा कि गाड़ी की उम्र से नहीं, उसकी कंडीशन से आंका जाना चाहिए। मैं बहुत से लोगों को जानता हूं। आज मैं कुछ बयान देख रहा था। कई लोगों की गाड़ियों की उम्र 10 साल तो पूरी हो गई, लेकिन वे केवल 5 हजार, 7 हजार या 10 हजार किलोमीटर चली हैं।

देश की 77 प्रतिशत संपत्ति पर शीर्ष 10 प्रतिशत लोगों का कब्जा

अखिल भारतीय कांग्रेस समिति के महासचिव एवं कर्नाटक प्रभारी रणदीप सिंह सुरजेवाला ने कहा कि देश की 77 प्रतिशत संपत्ति पर शीर्ष 10 प्रतिशत लोगों का कब्जा है , जबकि निचले 15 प्रतिशत केवल 13 प्रतिशत पर गुजारा करते हैं। वहीं रणदीप सिंह सुरजेवाला ने भारत बंद को मोदी सरकार के खिलाफ 'जनआक्रोश' करार दिया। सुरजेवाला ने कहा, यह केवल एक बंद नहीं है। यह एक जन आक्रोश है और सही रास्ते पर चलने का आह्वान है। यह राष्ट्रव्यापी हड़ताल भारतीय जनता पार्टी शासन में 'वादा खिलाफी और आर्थिक विश्वासघात' के प्रति लोगों के गुस्से को दर्शाती है।

कुकटपल्ली में मिलावटी ताड़ी पीने से 19 लोग बीमार

हैदराबाद, 9 जुलाई (एजेंसियां)। तेलंगाना के आबकारी मंत्री जुपल्ली कृष्ण राव ने बुधवार को बताया कि हाल ही में हुई मिलावटी ताड़ी की घटना से जुड़ी कुकटपल्ली, हैदरनगर और कालू में ताड़ी बनाने वाली कंपनियों के प्रबंधकों को गिरफ्तार कर लिया गया है। राव ने गांधी और निम्स अस्पतालों में प्रभावित व्यक्तियों से मिलने के बाद मीडिया से बात करते हुए बताया कि मिलावटी ताड़ी पीने के बाद कुल 19 लोग बीमार पड़ गये। इनमें से 15 का निम्स अस्पताल में, दो का गांधी अस्पताल में और दो का एक निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार ने घटना पर तुरंत प्रतिक्रिया दी और जब्ती सहित आवश्यक कदम उठाए हैं। विषाक्त पदार्थों के नमूने विश्लेषण के लिए एक रासायनिक प्रयोगशाला भेजे गए हैं और परिणामों की प्रतीक्षा है। राव ने जनता को आश्वासन दिया कि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए कड़े कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने जोर देकर कहा कि उपभोक्ताओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने और जन स्वास्थ्य मानकों को बनाये रखने के लिए ज़िम्मेदार लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

आबकारी मंत्री ने पीड़ितों से की मुलाकात

महिलाओं को आत्मनिर्भर करने का मजबूत माध्यम बना सहकारी क्षेत्र : अमित शाह

सहकार-संवाद कार्यक्रम में किया बनासकांठा का जिक्र

अहमदाबाद, 9 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष के अवसर पर बुधवार को गुजरात, मध्य प्रदेश और राजस्थान की सहकारिता क्षेत्र से जुड़ीं महिलाओं और अन्य सहकारी कार्यकर्ताओं के साथ सहकार-संवाद किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व वाली सरकार में सहकारी क्षेत्र महिलाओं को आत्मनिर्भर करने का मजबूत माध्यम बना है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सहकार-संवाद कार्यक्रम में बनासकांठा का जिक्र किया और कहा, जब मैं पैदा हुआ था, तब बनासकांठा के लोगों को सप्ताह में सिर्फ एक बार नहाने के लिए पानी मिल पाता था। मध्य प्रदेश और राजस्थान के लोगों को शायद इसका अंदाजा न हो, लेकिन बनासकांठा और कच्छ गुजरात के सबसे ज्यादा पानी की कमी वाले जिलों में से थे। आज, एक परिवार सिर्फ दूध उत्पादन से सालाना 1 करोड़ कमाता है। यह एक बहुत बड़ा बदलाव है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने 'सहकार-संवाद' कार्यक्रम में कहा, मैंने निर्णय लिया है कि सेवानिवृत्ति के बाद, मैं अपना शेष जीवन वेदों, उपनिषदों और प्राकृतिक खेती के अध्ययन के लिए समर्पित करूंगा। प्राकृतिक खेती एक वैज्ञानिक प्रयोग है, जिसके अनेक लाभ हैं। रासायनिक उर्वरकों से उगाए गए गेहूं से अक्सर कई स्वास्थ्य समस्याएं उत्पन्न होती हैं।

अमित शाह ने लोगों के सवालों का दिया जवाब

सहकार संवाद में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने लोगों के सवालों का भी जवाब दिया। अमित शाह ने एक प्रतिभागी के सवाल का जवाब देते हुए कहा कि हमने प्राथमिक कृषि सहकारी समितियों के लिए लगभग 25 छोटे व्यवसाय मॉडल की पहचान की है। सभी पीएसीएस को विभिन्न गतिविधियों से जोड़कर उन्हें समृद्ध बनाने की दिशा में काम करना चाहिए। अमित शाह ने आगे कहा कि सहकारिता मंत्रालय पीएम मोदी के सहकार से समृद्धि के विजन के अनुसार किसानों को सशक्त बनाकर ग्रामीण अर्थव्यवस्था के साथ देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती दे रहा है।

राजस्थान के कोटा में शुरू होगा 'नमो टॉय बैंक'

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला की पहल से वंचित बच्चों के चेहरों पर आएगी मुस्कान

नई दिल्ली/कोटा, 9 जुलाई (देशबन्धु)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला की अनूठी पहल के तहत राजस्थान के कोटा में नमो टॉय बैंक की स्थापना की जाएगी। इस पहल के तहत वंचित और जरूरतमंद बच्चों तक खिलौना पहुंचाया जाएगा। खास बात यह है कि इस पहल का संचालन स्कूली बच्चे करने वाले हैं। इस टॉय बैंक का उद्देश्य समाज के उन वंचित और जरूरतमंद बच्चों तक खिलौने पहुंचाना है जो आर्थिक तंगी के कारण खेल के साधनों से वंचित हैं।

बचपन में खिलौने बच्चों के लिए खेल व मनोरंजन का सबसे बड़ा साधन होते हैं : **ओम बिरला**

ओम बिरला ने इस अवसर पर कहा कि बचपन में खिलौने बच्चों के लिए खेल और मनोरंजन का सबसे बड़ा साधन होते हैं। लेकिन, जब बच्चे बड़े हो जाते हैं, तो ये खिलौने उनके लिए अनुपयोगी हो जाते हैं। ऐसे में इन खिलौनों को उन बच्चों तक पहुंचाया जाना चाहिए जो इनसे वंचित हैं। नमो टॉय बैंक इसी दिशा में एक सामूहिक प्रयास है। इस तरह की पहल से बच्चों में बचपन से ही दूसरों के अभाव को दूर करने और सहयोग करने की भावना विकसित होगी, जो हमारी संस्कृति और संस्कारों का महत्वपूर्ण हिस्सा है। नमो टॉय बैंक का लक्ष्य है कि हर बच्चे के चेहरे पर मुस्कान लाई जाए। यह पहल समाज के उन बच्चों को खुशी देगी, जिन्हें संसाधनों की कमी के कारण खेलने का अवसर नहीं मिलता।

स्कूली बच्चे ही करेंगे बैंक को संचालित

ध्यान देने वाली बात यह है कि इसे स्कूली बच्चे ही संचालित करेंगे। इस पहल के जरिए बच्चे अपने पुराने और अनुपयोगी खिलौनों को इकट्ठा करके जरूरतमंद बच्चों तक पहुंचाएंगे, ताकि उनके चेहरों पर भी मुस्कान लाई जा सके। उन्होंने बताया कि इस टॉय बैंक को बच्चे ही चलाएंगे, जिससे उनमें सहयोग, दान और दूसरों की मदद करने की भावना विकसित होगी। यह पहल न केवल बच्चों के बीच संस्कारों को बढ़ावा देगी, बल्कि समाज में एकजुटता और भाईचारे की भावना को भी मजबूत करेगी। इस पहल के तहत स्कूली बच्चे अपने पुराने खिलौने, खेल का सामान और अन्य उपकरण टॉय बैंक में जमा करेंगे। इसके बाद इन्हें जरूरतमंद बच्चों तक पहुंचाया जाएगा।
यह प्रक्रिया बच्चों में जिम्मेदारी और दूसरों के प्रति संवेदनशीलता का भाव पैदा करेगी।

झारखंड में असरदार रही देशव्यापी हड़ताल

रांची, 9 जुलाई (एजेंसियां)। मजदूरों को गुलाम बनाने वाले 4 लेबर कोड रद्द करने और देश के मेहनतकशों की 17 सूत्री मांगों को लेकर ट्रेड यूनियनों और स्वतंत्र श्रमिक फेडरेशनों के आह्वान पर बुधवार को की देशव्यापी हड़ताल झारखंड में असरदार रही। झामुमो, राजद, सीपीएम, सीपीआई, सीपीआई (एम एल) जैसे वाम और धर्मनिरपेक्ष पार्टियों के हजारों कार्यकर्ताओं ने हड़ताल के समर्थन में पूरे राज्य में सैकड़ों जगह रोड जाम किया। राज्य भर में लगभग पाच सौ लोगों को गिरफ्तार किया गया जिन्हें देर शाम रिहा कर दिया गया। कोयला, लौह अयस्क, तांबा, बाक्साईट, माईका, और ग्रेनाइट जैसे खनिज का खनन, उत्पादन, परिवहन पूरी तरह ठप्प रहा। झारखंड में कोल इंडिया की तीनों कंपनी सीसीएल, बीसीसीएल, ईसीएल सहित उसकी अनुषांगिक ईकाई सीएमपीडीआई में पुरी तरह हड़ताल रही। धनबाद स्थित सेल के कोल डिविजन के चार कोयला खदान पुरी तरह बंद रहे। वहां के भूमिगत खदानों के केवल पंप आपरेटर और हवा निकासी युनिट और जेनरेटर और विद्युत सप्लाई के कामगारों को खान की सुरक्षा के लिए हड़ताल से अलग रखा गया। सभी डाकघरों में काम-काज ठप्प रहा। स्टेट बैंक को छोड कर सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के बैंकों के कर्मचारी पुरी तरह हड़ताल पर रहे।जीवन बीमा सहित इंश्योरेंस सेक्टर में एक सौ प्रतिशत हड़ताल हुई. रोड ट्रांसपोर्ट, निर्माण, बीड़ी, स्टोन उधोग में काम नही हुआ।

पूरे राज्य में सैकड़ों जगह किया गया रोड जाम

राज्य के आंगनबाड़ी कर्मी , सहिया और मिड डे मिल वर्कर्स सहित अन्य स्कीम वर्कर काम पर नही गए। सेल्स प्रमोशन इम्पलाईज पूरी तरह हड़ताल पर रहे। बिजली सेक्टर में एनटीपीसी और डीवीसी मे ठेका कामगारों ने हड़ताल में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। बोकारो इस्पात संयंत्र, गोमिया स्थित बारुद फैक्ट्री, रामगढ़ के इंजीनियरिंग कारखानों, स्टोन क्रशर और राज्य के औधोगिक परिसरों में हड़ताल का व्यापक असर रहा।

CAPRI GLOBAL HOUSING FINANCE LIMITED

कैप्री ग्लोबल हाउसिंग फाइनैंस लिमिटेड

पंजीकृत एवं कार्पोरेट कार्यालय :– 502, टावर–ए, पेनिन्सुला बिजनेस पार्क, सेनापति बापट मार्ग, लोअर परेल, मुंबई–400013
सर्किल कार्यालय :– 9–बी, द्वितीय तल, पूसा रोड, राजेन्द्र प्लेस, नई दिल्ली–110060

परिशिष्ट –प्ट–क खनियम 8 (6) और 9(1) का परंतुक देखें,
अचल सम्पत्तियों की बिक्री के लिए बिक्री सूचना

वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के साथ पठित प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के नियम 8 (6) तथा 9(1) के परंत.क के अधीन अचल आस्तियों की बिक्री के लिए ई–नीलामी बिक्री सूचना। एतदद्वारा सर्व साधारण को और विशेष रूप से कर्जदार(रों) तथा गारंटर(रों) को सूचना दी जाती है कि प्रत्याभूत लेनदार के पास बंधक/प्रभारित निम्नवर्णित अचल सम्पत्ति, जिसका प्रलक्षित/भौतिक कब्जा कैप्री ग्लोबल हाउसिंग फाइनैंस लिमिटेड, प्रत्याभूत लेनदार, के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा प्राप्त किया जा चुका है, नीचे वर्णित कर्जदार की तरफ कैप्री ग्लोबल हाउसिंग फाइनैंस लिमिटेड, प्रत्याभूत लेनदार, की बकाया राशि की वसूली के लिए निम्नवर्णित तिथियों को "जैसी है जहां है", जैसी है जो है" तथा "जो भी है वहां है" आधार पर बेची जाएगी। सुरक्षित मूल्य, ईएमडी राशि तथा सम्पत्ति का विवरण नीचे दिया गया है।

क्र. सं.	1. कर्जदार(रों) का नाम 2. बकाया राशि	बंधक सम्पत्ति का वर्णन	1. ई–नीलामी की तिथि एवं समय 2. ईएमडी जमा करने की अंतिम तिथि 3. सम्पत्ति के निरीक्षण की तिथि एवं समय	1. सुरक्षित मूल्य 2. सम्पत्ति की ईएमडी 3. वृद्धि मूल्य
1.	1. श्रीमती गोर्ती विजया लक्ष्मी ("कर्जदार") 2. श्री जी.वी.एस.एल. सुधीर 3. श्री जी.वी.एल.एस. संदीप (सह–कर्जदार) ऋण खाता सं. LNHLRAP000030205 (पुराना)/51200000800751(नया) रूपये 20,49,625/– (रूपये बीस लाख उन्चास हजार छह सौ पच्चीस मात्र) 03–12–2024 तक + आगे लागू ब्याज।	सम्पत्ति के सभी अंश एवं खंड : भूमि एवं भवन मकान, क्षेत्रफल परिमाप 450 वर्ग फीट, प्लॉट नंबर 03 का भाग, खसरा नंबर 303/756 का भाग, मौजा–भिलाई–03, वार्ड नंबर 16, शान्ति नगर वार्ड, टॉकीज रोड की पश्चिम साइड, तहसील पाटन, जिला दुर्ग, छत्तीसगढ़–490025, चौहद्दी निम्नानुसार – पूरब : श्रीमती ज्योति गाजीर द्वारा बेचा जा रहा प्लॉट, पश्चिम : विक्रेता की बाकी भूमि, उत्तर : श्री राजेन्द्र कुमार की भूमि, दक्षिण : 20 फीट रोड	1. ई–नीलामी की तिथि : 28–07–2025 (अप. 3.00 बजे से अप. 4.00 बजे के बीच) 2. ईएमडी, केवाईसी सहित जमा करने की अंतिम तिथि : 26–07–2025 3. निरीक्षण की तिथि : 25–07–2025	सुरक्षित मूल्य : रू. 9,00,000/– (रूपए नौ लाख मात्र) धरोहर राशि जमा : रू. 90,000/– (रूपए नब्बे हजार मात्र) वृद्धि मूल्य : रू. 10,000/– (रूपए दस हजार मात्र)

बिक्री के विस्तृत नियम एवं शर्तों के लिए, कृपया कैप्री ग्लोबल हाउसिंग फाइनैंस लिमिटेड, प्रत्याभूत लेनदार, की वेबसाइट www.caprihomeloans.com/auction में उपलब्ध कराया गया लिंक देखें।
ऑनलाइन ई–नीलामी बिक्री के नियम एवं शर्तें :–

1. सम्पत्ति "जैसी है जहां है, जो भी है वहां है तथा कोई वापसी नहीं आधार" पर बेची जा रही है। अतएव बिक्री किसी प्रकार की वारंटी एवं क्षतिपूर्ति के बिना की जा रही है।
2. सम्पत्ति/आस्ति के विवरण (उदाहरण के लिए ई–नीलामी बिक्री सूचना में विनिर्दिष्ट सीमा एवं परिमाप) प्रतिभूत लेनदार की सर्वश्रेष्ठ जानकारी के अनुसार वर्णित किए गए हैं तथा प्रतिभूत लेनदार किसी त्रुटि, मिथ्याकथन अथवा विलोपन के लिए जिम्मेदार नहीं होगा। वास्तविक सीमा एवं माप भिन्न हो सकता है।
3. प्रतिभूत लेनदार द्वारा जारी की गई ई–नीलामी बिक्री सूचना जनसाधारण को अपनी बोलियां प्रस्तुत करने हेतु एक आमंत्रण है तथा यह प्रतिभूत लेनदार की ओर से कोई वचनबद्धता अथवा अभिवेदन नहीं है और न ऐसा करता समझा जाएगा। इच्छुक बोलीदाताओं को अपनी बोली जमा करने से पहले स्वामित्व विलेख की प्रति प्रतिभूत लेनदार से प्राप्त करने और सम्पत्ति/आस्ति के स्वामित्व के स्वामित्व एवं वर्तमान दशा तथा सम्पत्ति को प्रभावित करने वाले दावों/देयताओं की स्वतंत्र जांच/सतर्क जांच कर लेने की सलाह दी जाती है।
4. नीलामी/बोलीदान सेवा प्रदाता मैसर्स ई–प्रोक्योरमेंट टेक्नोलॉजीज लिमिटेड, अहमदाबाद द्वारा उपलब्ध कराई गई वेबसाइट https://sarfaesi.auctiontiger.net पर अथवा ऑक्शन टाइगर मोबाइल ऐप के माध्यम से "ऑनलाइन इलेक्ट्रॉनिक मोड" द्वारा होगा, जो ई–नीलामी प्लेटफार्म के जरिए नीलामी की सम्पूर्ण प्रक्रिया की व्यवस्था एवं समन्वय करेंगे।
5. बोलीदाता बोलीदान के लिए अपनी पसंद के स्थान से ई–नीलामी में भाग ले सकते हैं। इंटरनेट की व्यवस्था बोलीदाता को स्वयं करनी होगी। प्रतिभूत लेनदार/सेवा प्रदाता इंटरनेट कनेक्टिविटी, नेटवर्क समस्याओं, सिस्टम क्रैश डाउन, पावर फेल्योर इत्यादि के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।
6. संभावित बोलीदाता ई–नीलामी के संबंध में विस्तृत विवरण, सहायता, प्रक्रिया तथा ऑनलाइन बोलीदान के लिए सेवा प्रदाता **मैसर्स ई–प्रोक्योरमेंट टेक्नोलॉजीज लिमिटेड, ऑक्शन टाइगर, अहमदाबाद (सम्पर्क नंबर 079–68136880/68136837), श्री रामप्रसाद शर्मा मोबाइल नंबर 800–002–3297/79–6120 0559, ई–मेल : ramprasad@auctiontiger.net से सम्पर्क कर सकते हैं।**
7. इच्छुक बोलीदाताओं को ई–नीलामी बिक्री में भाग लेने के लिए अपने नाम का पंजीकरण https://sarfaesi.auctiontiger.net पर पर्याप्त अग्रिम में करवाना होगा तथा यूजर आईडी एवं पासवर्ड प्राप्त करना होगा। इच्छुक बोलीदाताओं को सेवा प्रदाता से पासवर्ड मिलते ही तत्काल इसको बदल लेने की सलाह दी जाती है।
8. ई–नीलामी में भाग लेने के लिए, इच्छुक बोलीदाता को एक प्रतिदेय ईएमडी, जोकि सुरक्षित मूल्य की 10 प्रतिशत है (उपरि वर्णित अनुसार) **"कैप्री ग्लोबल हाउसिंग फाइनैस लिमिटेड"** के पक्ष में डिमांड ड्राफ्ट/एनईएफटी/आरटीजीएस के माध्यम से 26–07–2025 को अथवा पूर्व जमा करनी होगी।
9. इच्छुक बोलीदाताओं को विधिवत भरा गया बोली प्रपत्र (फार्मेट https://sarfaesi.auctiontiger.net पर उपलब्ध है) ईएमडी हेतु डिमांड ड्राफ्ट प्रेषण के साथ एक सीलबंद लिफाफे में प्रस्तुत करना चाहिए, जो प्राधिकृत अधिकारी, कैप्री ग्लोबल हाउसिंग फाइनैंस लिमिटेड, **आंचलिक कार्यालय, यूनिट नंबर 101–103, प्रथम तल, प्लॉट नंबर 103/4, कृष्णा टावर, स्कीम नंबर 140, आईसीआईसीआई बैंक के ऊपर, पिपलियाना स्क्वायर, इंदौर, मध्य प्रदेश को अधिकतम 26–07–2025 के अप. 03.00 बजे तक भेजा जा सकता है।** सीलबंद लिफाफे पर "कर्जदार नाम" की सम्पत्ति के लिए ऋण खाता नंबर – .... (ऊपर वर्णित अनुसार) में ई–नीलामी बिक्री में भाग लेने हेतु बोली" शीर्षांकित किया जाना चाहिए।
10. ईएमडी के साथ बोलियां जमा करने की अंतिम तिथि समाप्त होने के बाद, प्राधिकृत अधिकारी उनके द्वारा प्राप्त बोलियों की जांच करेंगे तथा योग्य बोलीदाताओं (जिनके द्वारा अपनी बोलियां सुरक्षित मूल्य से अधिक उद्धृत की गई हैं तथा प्रतिभूत लेनदार द्वारा विनिर्दिष्ट ईएमडी जमा की गई है) के विवरण की पुष्टि मैसर्स ई प्रोक्योरमेंट टेक्नोलॉजीज लिमिटेड को करेंगे ताकि वे ई–नीलामी बिक्री सूचना में वर्णित तिथि और समय पर ऑनलाइन परस्पर बोलीदान/नीलामी कार्यवाही में भाग लेने की अनुमति केवल उन्हीं योग्य बोलीदाताओं को दें।
11. योग्य बोलीदाताओं के बीच परस्पर बोलीदान योग्य बोलीदाताओं द्वारा उद्धृत उच्चतम बोली से आरंभ किया जाएगा। परस्पर बोलीदान की प्रक्रिया के दौरान 10 मिनट प्रत्येक के असीमित विस्तार होंगे अर्थात ई–नीलामी समाप्त होने का समय अंतिम विस्तार से 10 मिनट के भीतर बोली आने पर हर बार स्वतः 10 मिनट आगे बढ़ जाएगा।
12. एक बार बोली देने के बाद निरस्त या वापस नहीं की जा सकती है। बोलीदाता को उपलब्ध कराई गई यूजर आईडी से दी गई सभी बोलियां केवल उसके द्वारा दी गई बोली मानी जाएंगी।
13. ई–नीलामी प्रक्रिया समाप्त होने पर, उच्चतम बोलीदाता को उसके द्वारा उद्धृत अंतिम बोली की राशि की पुष्टि तत्काल ई–मेल द्वारा प्राधिकृत अधिकारी, कैप्री ग्लोबल हाउसिंग फाइनैंस लिमिटेड, **आंचलिक कार्यालय, यूनिट नंबर 101–103, प्रथम तल, प्लॉट नंबर 103/4, कृष्णा टावर, स्कीम नंबर 140, आईसीआईसीआई बैंक के ऊपर, पिपलियाना स्क्वायर, इंदौर, मध्य प्रदेश तथा सेवा प्रदाता दोनों को भेजी जाएगी, ताकि उसको ई–नीलामी प्रक्रिया में सफल बोलीदाता घोषित किया जा सके।**
14. सफल बोलीदाता को बोली राशि की 25 प्रतिशत राशि (ईएमडी सहित) बोली उसके पक्ष में छूटने पर, बिक्री के 24 घंटे के भीतर तथा बोली राशि की शेष 75 प्रतिशत राशि बिक्री की तिथि से 15 दिन के भीतर कैप्री ग्लोबल हाउसिंग फाइनैंस लिमिटेड के पक्ष में डीडी/पे ऑर्डर/एनईएफटी/ आरटीजीएस/चैक द्वारा जमा करनी होगी।
15. सफल बोलीदाता/नीलामी क्रेता द्वारा निर्धारित राशियों का भुगतान नियत अवधि के भीतर करने में चूक की स्थिति में, बिक्री रद्द कर दी जाएगी तथा पहले जमा की जा चुकी राशियां (ईएमडी सहित) जब्त कर ली जाएंगी और सम्पत्ति दोबारा बिक्री हेतु रखी जाएगी।
16. सफल बोलीदाता के अनुरोध पर, प्राधिकृत अधिकारी द्वारा, बोली राशि की बकाया रकम चुकाने के लिए समय, एकमात्र अपने विवेकानुसार लिखित रूप में आगे बढ़ाया जा सकता है।
17. सफल बोलीदाता को बिक्री मूल्य की 1 प्रतिशत राशि बतौर टीडीएस (बिक्री राशि से) अदा करनी होगी तथा टीडीएस सर्टिफिकेट प्राधिकृत अधिकारी के पास जमा करना होगा तथा बिक्री मूल्य की पूरी राशि (1 प्रतिशत टीडीएस काटने के बाद), ईएमडी समायोजित करते हुए, प्राधिकृत अधिकारी द्वारा ऑफर स्वीकार किए जाने के 15 कार्यदिवस के भीतर अथवा प्राधिकृत अधिकारी द्वारा उपयुक्त विचारित विस्तारित अवधि के भीतर अदा करनी होगी, जिसमें असफल रहने पर जमा की गई धरोहर जमा जब्त कर ली जाएगी।
18. म्युनिसिपल/पंचायत कर, बिजली बकाया (यदि कोई) तथा किसी अन्य प्राधिकरण बकाया (यदि कोई) का भुगतान बिक्री प्रमाणपत्र के निर्गमन से पूर्व सफल बोलीदाता द्वारा किया जाएगा। बोलियां सम्पत्ति से संबंधित सभी कानूनी बकाया को ध्यान में रखकर दी जानी चाहिए।
19. अधिकारी द्वारा सफल बोलीदाता के पक्ष में बिक्री प्रमाणपत्र उसके द्वारा पूर्ण क्रय मूल्य/बोली राशि जमा करने तथा सभी करों/प्रभारों के भुगतान के संबंध में आवश्यक प्रमाण प्रस्तुत करने पर ही जारी किया जाएगा।
20. हस्तांतरण, स्टाम्प ड्यूटी, पंजीकरण हेतु लागू कानूनी प्रभार तथा अन्य अनुषंगी प्रभार नीलामी क्रेता को वहन करने होंगे।
21. प्राधिकृत अधिकारी बिना कोई कारण बताए ई–नीलामी बिक्री कार्यवाही प्रास्थगित/निरस्त कर सकते हैं। ई–नीलामी बिक्री कार्यक्रम बिक्री की निर्धारित तिथि से 15 से कम दिन पहले की तिथि हेतु प्रास्थगित करने की स्थिति में, यह सेवा प्रदाता की वेबसाइट पर प्रकाशित की जाएगी।
22. प्राधिकृत अधिकारी का निर्णय अंतिम, बाध्यकारी होगा तथा इसको चुनौती नहीं दी सकती है।
23. सभी बोलीदाता, जिनके द्वारा बोलियां प्रस्तुत की गई हैं, यह माना जाएगा कि वे ई–नीलामी बिक्री के नियम एवं शर्तें पढ़ एवं समझ चुके हैं तथा उनके अधीन बाध्य होंगे।
24. सम्पत्ति में रखी चल वस्तु (यदि कोई) इस बिक्री का अंश नहीं है।
25. **अतिरिक्त विवरण तथा पूछताछ के लिए प्राधिकृत अधिकारी, कैप्री ग्लोबल हाउसिंग फाइनैंस लिमिटेड : श्री संदीप दीक्षित मोबाइल नंबर 8989694769 से सम्पर्क करें और आगे पूछताछ के लिए श्री राज मिश्रा – 9810121610 से सम्पर्क करें।**
26. यह प्रकाशन उक्त ऋण खाते के कर्जदार/बंधकदाता/गारंटर को प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के नियम 8(6) तथा 9(1) के तहत, उपरिवर्णित तिथि/स्थान पर नीलामी बिक्री आयोजित करने के संबंध में 15 (पंद्रह) दिन का कानूनी नोटिस भी है।

विशेष अनुदेश/चेतावनी : बोलीदाताओं को अन्तिम मिनटों अथवा क्षणों में बोलीदान करने की प्रवृत्ति को स्वयं के हित में त्यागना होगा। ना तो कैप्री ग्लोबल हाउसिंग फाइनैंस लिमिटेड और ना ही सेवा प्रदाता बोलीदाता की ओर से किसी विफलता/कमी (विद्युत विफलता, इंटरनेट विफलता इत्यादि) हेतु उत्तरदायी होंगे। ऐसी स्थिति से बचने के क्रम में बोलीदाताओं से अनुरोध है कि वे अपेक्षित बैकअप पॉवर आपूर्ति इत्यादि जैसी आवश्यक व्यवस्थाएं/विकल्प तैयार रखें, ताकि वे किसी भी आकस्मिक रुकावट से बच सकें और नीलामी में सफलतापूर्वक भाग ले सकें।

स्थान : दुर्ग, छत्तीसगढ़
तिथि : 10–07–2025

हस्ता/– (प्राधिकृत अधिकारी)
कैप्री ग्लोबल हाउसिंग फाइनैंस लिमिटेड

मध्य प्रदेश में किसानों की जलकर राशि पर ब्याज व दंड राशि को किया गया माफ

मोहन यादव सरकार की कैबिनेट की बैठक में लिया बड़ा फैसला

भोपाल, 9 जुलाई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश की मोहन यादव सरकार की कैबिनेट की बैठक में किसानों के हित में बड़ा फैसला लिया गया है। किसानों की जलकर राशि पर लगने वाले ब्याज और दंड की राशि को माफ कर दिया गया है। राज्य के उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने संवाददाताओं को कैबिनेट की बैठक के फैसलों की जानकारी देते हुए बताया कि मध्य प्रदेश सरकार ने किसानों के हित में बड़ा फैसला लिया है। इस फैसले के मुताबिक जल संसाधन विभाग की जलकर की राशि में ब्याज की राशि काफी बढ़ गई थी, इस जलकर की राशि पर लगने वाले ब्याज और दंड की राशि को माफ कर दिया गया है, जिससे 35 लाख किसानों को राहत मिलेगी। इस तरह किसानों के 84 करोड रुपए माफ किए जाएंगे, ब्याज और दंड की धनराशि सरकार भरेगी, अब उन्हें सिर्फ मूल राशि भरना होगी, इससे किसानों को लाभ होगा। यह समझौता योजना इस वर्ष के लिए होगी। राज्य सरकार ने गुरु पूर्णिमा के मौके पर 10 जुलाई को दो दिवसीय समारोह के आयोजन का फैसला लिया है।

बिजली कंपनियों में होगी 49,263 पदों की भर्ती

इसके अलावा सरकार ने फैसला लिया है कि बिजली कंपनियों में 49,263 पदों की भर्ती की जाएगी इसके लिए कैबिनेट में मंजूरी दे दी है। यह पद भरे जाने से कंपनियों में नियमित पदों की संख्या 77 हजार से ज्यादा हो जाएगी। वहीं, आउटसोर्स और संविदा कर्मचारियों को बाद में हटा दिया जाएगा। आगामी समय में सरकार लाड़ली बहनाओ को रक्षाबंधन का तोहफा देने जा रही है। अगस्त में रक्षाबंधन है और सरकार द्वारा यह उपहार की राशि आगामी 12 जुलाई को लाडली बहना की आगामी किश्त के साथ दी जाएगी। इस तरह लाड़ली बहनाओं को 1500 रुपए प्राप्त होंगे।

त्रिपुरा में भारी बारिश से सैकड़ों परिवार बेघर

अगरतला, 9 जुलाई (एजेंसियां)। दक्षिण त्रिपुरा के सीमांत इलाके में बीते दो दिनों से हो रही भारी बारिश के कारण बाढ़ जैसे हालात के चलते सैकड़ों परिवार बेघर हो गए हैं। इन प्रभावित परिवारों को राहत शिविरों में भेजा गया है। प्रशासन ने बाढ़ के चलते संतरीबाजार और बेलोनिया से विस्थापित हुए 539 परिवारों को 11 राहत शिविरों में भेजा है। भारतीय मौसम विभाग ने अगले दो दिनों के अनुमान में कहा है कि राज्य के कई जिलों के लिए भारी बारिश की आशंका है। विभाग ने राज्य के अन्य सात जिलों के लिए ऑरेंज और दक्षिण त्रिपुरा के लिए रेड अलर्ट जारी किया है। राज्य में बाढ़ के कारण किसी भी आपात हालत से निपटने के लिए त्रिपुरा स्टेट रायफल्स , गोताखारों और आपदा प्रबंधन टीम को तैनात किया गया है।

डीएसएमआई ने की गवई की पहल की सराहना

चेन्नई, 9 जुलाई (एजेंसियां)। सामाजिक न्याय की रक्षा के लिए प्रयासरत संगठन, देसिया सिरुपनमैनार मक्कल इय्याकम (डीएसएमआई) ने उच्चतम न्यायालय के प्रशासनिक संरचना में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लिए नियुक्तियों और पदोन्नति में आरक्षण लागू करने की मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई की घोषणा को साहसिक और सराहनीय कदम बताते हुये इसका स्वागत किया है। डीएसएमआई तमिलनाडु प्रदेश अध्यक्ष बिशप डी पी नोहा योवनराज ने बुधवार को यहां एक बयान में कहा कि ऐसे देश में जहां लोग जाति, धर्म और आर्थिक स्थिति के आधार पर विभाजित हैं, समावेशी विकास सुनिश्चित करने के लिए आरक्षण एक आवश्यक साधन है।

उन्होंने कहा कि कानून में निहित आरक्षण के अधिकार को इसके क्रियान्वयन में अनेक चुनौतियों का सामना करना पड़ा है लेकिन न्यायपालिका ही है, जो अक्सर इस अधिकार की व्याख्या और उसे कायम रखने में सबसे आगे रही है। फिर भी, विडंबना यह है कि भारत को स्वतंत्रता मिलने और संविधान अपनाने के बाद से तीन-चौथाई सदी से भी ज़्यादा समय से न्यायपालिका स्वयं आरक्षण नीति से अछूती रही है।

वृक्षारोपण अभियान सरकार के लिए सिर्फ एक इवेंट : अखिलेश

योगी सरकार के वृक्षारोपण अभियान पर कसा तंज

लखनऊ, 9 जुलाई (देशबन्धु)। योगी सरकार के वृक्षारोपण अभियान पर तंज कसते हुए समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बुधवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी सरकार अब तक 200 करोड़ पेड़ लगाने का दावा कर रही है मगर उन्हें यह भी बताना चाहिए कि इसके लिए जमीन कहां से आ रही है।

यादव ने पार्टी के प्रदेश दफ्तर में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कहा कि वृक्षारोपण अभियान सरकार के लिए सिर्फ एक इवेंट है। भाजपा सरकार के अब तक के वृक्षारोपण आंकड़ों पर नजर डालें तो यह 200 करोड़ से अधिक है मगर यह भी सोचने वाली बात है कि इतने पेड़ों के लिए जमीन कहां से आ रही है। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार ने समाज के हर क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाली प्रतिभाओं के सम्मान के लिए 'यश भारती' की शुरुआत 2002 में की थी मगर मौजूदा भाजपा की सरकार ने इसे बंद कर दिया। यह प्रतिभाओं का अपमान है। 2027 में समाजवादी सरकार के आने पर यश भारती की शुरुआत फिर से की जाएगी। स्कूलों के विलय पर तंज कसते हुए यादव ने कहा कि बच्चे स्कूल पढ़ने जाते हैं, लेकिन स्कूलों में ताले लगे मिलते हैं। यह शिक्षा व्यवस्था के लिए गंभीर सवाल है। सरकार बच्चों को पढ़ने नहीं देना चाहती है। कानपुर में सीएमओ को स्टे मिलने के सवाल पर उन्होने कहा कि इस सरकार में आपस में खींचतान मची है।

शनाया और विक्रांत शानदार एक्टर्स हैं : जैन दुर्रानी

नई दिल्ली, 9 जुलाई (एजेंसियां)। एक्टर जैन दुर्रानी की अपकमिंग फिल्म 'आंखों की गुस्ताखियां' सिनेमाघरों में रिलीज के लिए तैयार है। एक्टर ने बताया कि इस फिल्म में उनके लिए सबसे बड़ी चुनौती थी कि उनका सिलेक्शन शूटिंग शुरू होने से सिर्फ पांच दिन पहले हुआ। इसके साथ ही उन्होंने को-एक्टर्स शनाया कपूर और विक्रांत मैसी को शानदार बताया। जैन ने कहा, 'मेरा सिलेक्शन शूटिंग शुरू होने से पांच दिन पहले हुआ, जो सबसे बड़ी चुनौती थी। लेकिन, ऑडिशन के बाद मैं किरदार के साथ आसानी से मानसिक रूप से जुड़ गया था, इसलिए इसे स्क्रीन पर निभाना ज्यादा मुश्किल भरा नहीं था।' जैन, 'मुखबिर: द स्टोरी ऑफ ए स्पाई', 'बेल बॉटम' के साथ ही 'कुछ भीगे अल्फाज' जैसी फिल्मों में अपनी एक्टिंग स्किल दिखा चुके हैं।

अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड्स को थोड़ा-थोड़ा खाना भी बढ़ा सकता है डायबिटीज और कैंसर का खतरा

नई दिल्ली, 9 जुलाई (एजेंसियां)। एक नए शोध के अनुसार, अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड्स जैसे प्रोसेस्ड मीट, चीनी युक्त पेय और ट्रांस फैटी एसिड्स का कम मात्रा में नियमित सेवन भी डायबिटीज, हृदय रोग और कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों का खतरा बढ़ा सकता है।

वाशिंगटन विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट फॉर हेल्थ मेट्रिक्स एंड इवैल्यूएशन के शोधकर्ताओं ने 'नेचर मेडिसिन' जर्नल में प्रकाशित अपने अध्ययन में बताया कि प्रोसेस्ड मीट का रोजाना 0.6 ग्राम से 57 ग्राम तक सेवन करने से टाइप 2 डायबिटीज का खतरा कम से कम 11 प्रतिशत तक बढ़ सकता है। वहीं, 0.78 ग्राम से 55 ग्राम प्रति दिन सेवन करने से कोलोरेक्टल कैंसर का खतरा 7 प्रतिशत अधिक हो सकता है।

इसके अलावा, 50 ग्राम प्रति दिन प्रोसेस्ड मीट खाने से इस्केमिक हृदय रोग (आईएचडी) का खतरा 15 प्रतिशत तक बढ़ जाता है।

प्रोसेस्ड मीट का रोजाना 0.6 ग्राम से 57 ग्राम तक सेवन करने से टाइप 2 डायबिटीज का खतरा कम से कम 11 प्रतिशत तक बढ़ सकता

शुगर-स्वीटन्ड बेवरेजेस का रोजाना 1.5 ग्राम से 390 ग्राम तक सेवन टाइप 2 डायबिटीज का खतरा 8 प्रतिशत और हृदय रोग का खतरा 2 प्रतिशत बढ़ा सकता है। शोधकर्ताओं ने बताया कि कम मात्रा में, यानी रोजाना एक सर्विंग या उससे कम खाने पर भी खतरा तेजी से बढ़ता है।

यह शोध बताता है कि हमें प्रोसेस्ड मीट (जैसे पैकेट बंद मीट), मीठे पेय पदार्थ और ट्रांस-फैट वाली चीजें कम खानी चाहिए। शोधकर्ताओं का कहना है कि अल्ट्रा-प्रोसेस्ड खाद्य पदार्थों के लिए एक साथ मिलकर और सावधानी से स्वास्थ्य जांच का ढांचा बनाने की जरूरत है।

निष्कर्षों से पता चला है कि इन फूड्स को जितनी भी मात्रा में खाया जाए, खतरा बढ़ता ही जाता है, और सबसे तेजी से खतरा तब बढ़ता है जब आप रोजाना थोड़ी मात्रा में भी इनका सेवन करते हैं। पहले की कई रिसर्चों में भी अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड्स, खासकर प्रोसेस्ड मीट, चीनी वाले ड्रिंक्स और ट्रांस फैटी एसिड का पुरानी बीमारियों के बढ़े हुए खतरे से संबंध बताया गया है। अनुमान है कि 2021 में दुनिया भर में लगभग 3 लाख मौतें प्रोसेस्ड मीट वाले खान-पान की वजह से हुईं, जबकि चीनी वाले ड्रिंक्स और ट्रांस फैट से भरपूर डाइट की वजह से लाखों लोगों को शारीरिक अक्षमता का सामना करना पड़ा। शोधकर्ताओं ने सलाह दी कि प्रोसेस्ड मीट, चीनी युक्त पेय और ट्रांस फैटी एसिड्स का सेवन कम करने की जरूरत है।

रिसर्चर्स ने बताया कि ऐसा इसलिए होता है क्योंकि प्रोसेस्ड मीट को स्मोकिंग, क्यूरिंग या केमिकल मिलाकर सुरक्षित रखा जाता है, जिसमें अक्सर एन-नाइट्रोसो एजेंट, पॉलीसाइक्लिक एरोमैटिक हाइड्रोकार्बन और हेटेरोसाइक्लिक एमाइन जैसे तत्व होते हैं।

नई रिसर्च में दावा : गर्भावस्था में एक्सरसाइज सॉना बाथ और गर्म पानी सुरक्षित

नई दिल्ली, 9 जुलाई (एजेंसियां)। गर्भावस्था के दौरान महिला को कई बातों की सलाह दी जाती है। कोई कहता है ज्यादा मत चलो, कोई कहता है ठंडी जगह रहो, और कोई गर्म पानी से परहेज करने की सलाह देता है। सॉना बाथ और एक्सरसाइज से बचो। ज्यादातर लोगों का मानना है कि इनसे बच्चे को नुकसान होता है। लेकिन क्या सच में ऐसा है? वैज्ञानिकों की हालिया रिसर्च ने इन सब बातों को गलत साबित किया है।

यह रिसर्च ऑस्ट्रेलिया की यूनिवर्सिटी ऑफ सिडनी के वैज्ञानिकों ने की है। इसे ब्रिटिश जर्नल ऑफ स्पोर्ट्स मेडिसिन में प्रकाशित किया गया है। रिसर्च कहती है कि गर्भवती महिलाएं अगर सावधानी बरतें तो वह गर्म मौसम में एक्सरसाइज कर सकती हैं, स्पा या सॉना बाथ ले सकती हैं, और यह सब करने से बच्चे को कोई खतरा नहीं होता।

इस रिसर्च का नेतृत्व प्रोफेसर ओली जे ने किया है। उनका कहना है कि बहुत सी महिलाएं गर्मी के कारण एक्सरसाइज से बचती हैं, क्योंकि उन्हें डर होता है कि कहीं बच्चे को नुकसान न हो जाए। लेकिन रिसर्च में ऐसा कुछ भी नहीं पाया गया है जिससे यह साबित हो कि गर्मी में की गई एक्सरसाइज या सॉना बाथ लेने से कोई नुकसान होता है।

यह रिसर्च ऑस्ट्रेलिया की यूनिवर्सिटी ऑफ सिडनी के वैज्ञानिकों ने की

रिसर्च कहती है कि गर्भवती महिलाएं अगर सावधानी बरतें तो वह गर्म मौसम में एक्सरसाइज कर सकती हैं, स्पा या सॉना बाथ ले सकती हैं, और यह सब करने से बच्चे को कोई खतरा नहीं होता

इस रिसर्च में 347 गर्भवती महिलाओं पर 12 अलग-अलग अध्ययन किए गए। इसमें देखा गया कि जब महिलाएं गर्मी में एक्सरसाइज करती हैं या सॉना बाथ लेती हैं तो उनका शरीर किस तरह रिएक्ट करता है।

शोधकर्ताओं के अनुसार, गर्भवती महिलाएं 25 डिग्री सेल्सियस तापमान और 45 प्रतिशत आर्द्रता (नमी) में 80 से 90 प्रतिशत अधिकतम हृदय गति की तीव्रता पर करीब 35 मिनट तक एक्सरसाइज कर सकती हैं, और इससे बच्चे पर कोई नकारात्मक असर नहीं पड़ता।

इसी तरह, 33.4 डिग्री सेल्सियस से कम तापमान वाले पानी में गर्भवती महिलाएं तैराकी या एक्वा एरोबिक्स जैसी गतिविधियां कर सकती हैं। वह 45 मिनट तक पानी में रह सकती है। यह भी पूरी तरह से सुरक्षित है। इसके अलावा, शोध में यह भी सामने आया कि गर्भवती महिलाएं 40 डिग्री सेल्सियस के गर्म पानी के टब में या 70 डिग्री सेल्सियस के सॉना बाथ में, जहां नमी केवल 15 प्रतिशत होती है, 20 मिनट तक बैठ सकती हैं। इस पूरी रिसर्च में किसी भी महिला का शरीर का तापमान उस सीमा तक नहीं पहुंचा जिसे खतरनाक माना जाता है। ज्यादातर मामलों में तापमान इससे काफी कम रहा।

हालांकि रिसर्च टीम ने यह भी कहा है कि हर महिला की सेहत अलग-अलग होती है, इसलिए कोई भी गतिविधि शुरू करने से पहले डॉक्टर से सलाह जरूर लेनी चाहिए।

मुनव्वर फारुकी के शो में शामिल हुईं खुशी मुखर्जी, बोलीं-'मुझे गर्व महसूस हो रहा है'

मुंबई, 9 जुलाई (एजेंसियां)। एक्ट्रेस खुशी मुखर्जी ने कमीडियन मुनव्वर फारुकी द्वारा होस्ट किए जाने वाले रियलिटी शो 'द सोसाइटी' में शामिल होने के अनुभव को साझा किया।

इस शो में शामिल होने की उत्सुकता जताते हुए खुशी ने कहा, 'शो में जाना मेरे लिए एक खास एहसास है। इस शो का हिस्सा बनने पर मुझे गर्व महसूस हो रहा है और सच में इंतजार नहीं कर सकती कि लोग मुझे एक नए अंदाज में देखें। पिछले कुछ महीनों में, मैंने लोकप्रियता के अच्छे और बुरे दोनों पहलू देखे हैं। कुछ लोग मेरे लिए मजबूत सहारा बने, लेकिन बहुत सारे लोग ऐसे भी थे, जिन्होंने मुझे नीचे गिराने की कोशिश की।' उन्होंने कहा, 'मैं इन बातों की परवाह किए बिना अपने काम और खुद पर ध्यान दे रही हूं ताकि अपने दर्शकों का मनोरंजन कर सकूं। मुझे शो के बारे में ज्यादा कुछ बताने की इजाजत नहीं है, लेकिन हां, मैं दावे के साथ कह सकती हूं कि यह एक ऐसा शो होगा, जो भारत जैसे देश के लिए बिल्कुल नया होगा। मैं वाकई बहुत उत्साहित हूं और दर्शकों से प्यार और सपोर्ट मिलने की उम्मीद कर रही हूं।' बता दें कि मुनव्वर फारूकी जियोहॉटस्टार के शो 'द सोसाइटी' को होस्ट करेंगे। इस शो को कब और कैसे देखा जा सकेगा, इसकी जानकारी अभी आधिकारिक तौर पर सामने नहीं आई है।

7 जुलाई को जियोहॉटस्टार ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम पर इस शो का टीजर शेयर किया था, जिसमें कुछ लोग रेड कलर की आउटफिट में कैमरे की तरफ बढ़ते दिखाई दे रहे थे। जब वे पास से गुजरे, तो कैमरा मुनव्वर फारूकी पर जूम किया गया, जो टक्सीडो पहने चार लोगों के सामने खड़े थे और उनके चेहरे काले मास्क से ढके हुए थे।

मैं मराठी, हिंदी और अंग्रेजी में खुश, समझ नहीं आती जेन-जेड की भाषा : काजोल

मुंबई, 9 जुलाई (एजेंसियां)। एक्ट्रेस काजोल ने कहा कि वह जेन-जेड की अनोखी भाषा को समझने की कोशिश नहीं करतीं। उन्हें अपनी अंग्रेजी, हिंदी और मराठी पर भरोसा है और वह उसी में खुश हैं। काजोल 22 साल की बेटी नीसा और 15 साल के बेटे युग की मां हैं। काजोल ने कहा, 'मैं जेन-जेड की भाषा समझने की कोशिश ही नहीं करती। मैं अच्छी अंग्रेजी, हिंदी और मराठी बोलने से संतुष्ट हूं।' जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्हें जेन-जेड की भाषा उलझन भरी लगती है, तो काजोल ने जवाब दिया, 'मैं मदद मांग लेती हूं। अगर मुझे कुछ समझ नहीं आता, तो मैं साफ कहती हूं कि इसे सरल भाषा में बताओ।'

काजोल ने साल 1994 में फिल्म 'गुंडाराज' की शूटिंग के दौरान एक्टर अजय देवगन के साथ डेटिंग शुरू की थी। साल 1999 में दोनों ने महाराष्ट्रीयन रीति-रिवाज से शादी की। साल 2003 में उनकी बेटी नीसा और साल 2010 में बेटे युग का जन्म हुआ। काजोल हाल ही में 27 जून को रिलीज हुई माइथोलॉजिकल-हॉरर फिल्म 'मां' में नजर आईं, जिसमें उनके साथ एक्टर रोनित रॉय, इंद्रनील सेनगुप्ता और खेरिन शर्मा भी अहम भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म साल 2024 की फिल्म 'शैतान' के यूनिवर्स पर आधारित है। कहानी एक मां और बेटी के इर्द-गिर्द घूमती है, जो पति के होमटाउन चंद्रपुर जाने पर एक श्राप का सामना करते हैं। फिल्म में काजोल ने एक ऐसे मां किरदार निभाया, जो अपनी बेटी को बचाने के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार है।

काजोल के अपकमिंग प्रोजेक्ट पर नजर डालें तो उनके पास 'सरजमीन' है, जिसका निर्देशन कायोज ईरानी ने किया है। यह फिल्म 25 जुलाई को जियो हॉटस्टार पर रिलीज होगी, जिसमें इब्राहिम अली खान और पृथ्वीराज सुकुमारन भी हैं।

पपीते का जूस पीने से प्लेटलेट्स नहीं बढ़ता : डॉ. पीयूष रंजन

नई दिल्ली, 9 जुलाई (एजेंसियां)। एम्स के डॉक्टर डॉ. पीयूष रंजन ने सोशल मीडिया पर चल रहे उन दावों को झूठा बताया, जिसमें दावा किया जाता है कि डेंगू के दौरान प्लेटलेट बढ़ाने के लिए पपीते का या उसके पत्ते का जूस कारगर होता है। डेंगू के दौरान प्लेटलेट तेजी से घटता है, जिसे लेकर कई बार मरीज चिंतित हो जाते हैं और डॉक्टरों की सलाह के बिना खुद से उपचार करते हैं। मरीज अक्सर प्लेटलेट बढ़ाने के लिए पपीते का या उसके पत्ते का जूस और पपीते की छाल का इस्तेमाल करते हैं। इसके अलावा बकरी का दूध, हर्बल और डाइटरी सप्लीमेंट लेते हैं।

डॉ. ने कहा कि 10 हजार से कम प्लेटलेट होने पर इसे बढ़ाने की जरूरत होती है। मंगलवार को समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत के दौरान अखिल भारतीय

आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के मेडिसिन विभाग के प्रोफेसर डॉ. पीयूष रंजन ने जलजनित बीमारियों से बचाव के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि बरसात के मौसम में संक्रमण से बचाव के लिए जरूरी है कि भोजन और स्वच्छ जल का ही सेवन करें। हमेशा सुनिश्चित करें कि आप जो पानी पी रहे हैं, वह साफ हो। अगर आपको इसकी शुद्धता पर कोई संदेह है, तो इसे उबालकर ठंडा करके पीएं।

उन्होंने कहा कि मॉनसून के दौरान फ्लू होता है। जिसमें बुखार, बदन दर्द की समस्या होती है। इसके अलावा अगर बुखार काफी तेज है और सिर में दर्द लगातार जारी है तो आपको डेंगू की संभावना है। इसके अलावा चार से पांच घंटे में बुखार दवाई लेने से उतर रहा है तो आपको मलेरिया होने की संभावना बढ़ जाती है।

डॉक्टर के अनुसार, जलजनित बीमारियों (जैसे टाइफाइड, डायरिया, डेंगू, मलेरिया) से बचाव के लिए यह उपाय अपनाएं। पीने के लिए हमेशा उबाला हुआ, फिल्टर किया हुआ या बोतलबंद पानी इस्तेमाल करें। पानी को ढंककर साफ बर्तन में रखें, ताकि पानी दूषित न हो। खाना खाने, शौच के बाद और पानी छूने से पहले साबुन से अच्छी तरह हाथ धोएं। बच्चों को भी नियमित हाथ धोने की आदत डालें। खाना अच्छी तरह पकाकर खाएं और कच्चे या अधपके भोजन से बचें।

कैंसर की दवाओं के साइड इफेक्ट्स की आखिर क्या है वजह? रिसर्च में खुलासा

नई दिल्ली, 9 जुलाई (एजेंसियां)। कैंसर के इलाज में काफी तरक्की हुई है, जिससे लोगों की जिंदगी कुछ लंबी हो गई है और उम्मीद भी बढ़ी है। लेकिन इस बीमारी के इलाज के कुछ गंभीर साइड इफेक्ट्स भी सामने आए हैं, जो मरीज की जिंदगी की गुणवत्ता को प्रभावित कर सकते हैं।

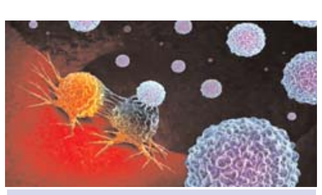

■ ऑस्ट्रेलिया के कुछ वैज्ञानिकों ने एक रिसर्च की है, जो इन साइड इफेक्ट्स के पीछे की वजहों को समझने में मदद करती है

ऑस्ट्रेलिया के कुछ वैज्ञानिकों ने एक रिसर्च की है, जो इन साइड इफेक्ट्स के पीछे की वजहों को समझने में मदद करती है। मेलबर्न के वाल्टर एंड एलाइजा हॉल इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल रिसर्च (डब्ल्यूईएचआई) की एक टीम ने बताया कि एमसीएल-1 नाम का एक प्रोटीन कैंसर को बढ़ने से रोकने में अहम है और यह हमारे शरीर की सामान्य कोशिकाओं को भी ऊर्जा प्रदान करता है। उन्होंने बताया कि नए इलाज में जो दवाएं दी जाती हैं, वे एमसीएल-1 प्रोटीन को रोकती हैं और शरीर के स्वस्थ अंगों को भी नुकसान पहुंचा सकती हैं, खासकर दिल और जिगर को, क्योंकि ये अंग ऊर्जा के लिए इसी प्रोटीन पर निर्भर रहते हैं। इसी कारण इलाज के दौरान कुछ लोगों में गंभीर साइड इफेक्ट्स देखने को मिले हैं। नई रिसर्च से यह साफ है कि जो साइड इफेक्ट्स होते हैं, वो एमसीएल-1 प्रोटीन की ऊर्जा बनाने की भूमिका से जुड़े हैं। इस जानकारी से वैज्ञानिक अब ऐसी दवाएं बनाने की कोशिश कर सकते हैं जो कैंसर पर असरदार हों, लेकिन शरीर के स्वस्थ अंगों को नुकसान न पहुंचाएं। रिसर्च की प्रथम लेखिका डॉ. केर्स्टिन ब्रिंकमैन ने कहा कि इस रिसर्च से यह समझने में मदद मिली है कि कैसे कोशिकाओं के खत्म होने और ऊर्जा बनाने की प्रक्रिया आपस में जुड़ी हुई हैं। इस पर वैज्ञानिक सालों से अटकलें लगा रहे थे। साइंस पत्रिका में प्रकाशित यह अध्ययन सुरक्षित इलाज की ओर ध्यान आकर्षित करता है।

'लोगों के नजरिए से नहीं, अपने दिल से खुद को आंकती हैं रिया चक्रवर्ती'

मुंबई, 9 जुलाई (एजेंसियां)। एक्ट्रेस रिया चक्रवर्ती ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर बताया कि वह अब इस बात को ज्यादा महत्व नहीं देती हैं कि लोग उनके बारे में क्या कहते हैं, इसके बजाय वह अपनी आंतरिक शक्ति को तवज्जो देती हैं और दिल की सुनती हैं। रिया ने बताया कि अब वह अपनी कीमत साबित करने के लिए बाहरी प्रशंसा पर निर्भर नहीं रहतीं। खुद से प्रेम और आंतरिक शक्ति पर जोर देते हुए रिया ने अपनी पसंदीदा एक्टिविटिज की झलक दिखाई। उन्होंने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें और वीडियो शेयर किए, जिसमें वह डांस और शूटिंग करती नजर आईं। रिया ने पोस्ट के साथ कैप्शन में लिखा, 'पसंदीदा शौक: डांस, बातचीत और 'चैप्टर 2 ड्रीप' के लिए स्ट्रीट शूट का निर्देशन।'

रिया ने एक वीडियो भी शेयर किया, जिसमें वह अवॉर्ड लेते हुए कहती नजर आईं कि उन्हें बाहरी प्रशंसा की आदत नहीं है, क्योंकि वह हमेशा अपने दिल से खुद को आंकती हैं। उन्होंने कहा, 'मैं बाहरी प्रशंसा की आदी नहीं हूं, मेरे लिए आंतरिक मान्यता ही सब कुछ रही है।' एक अन्य वीडियो में नेहा कक्कड़ और बादशाह के सॉन्ग 'गर्मी' पर अपने दोस्तों के साथ डांस करते हुए खुशी भी जाहिर की।

रिया सोशल मीडिया पर एक्टिव रहती हैं और अक्सर एक से बढ़कर एक पोस्ट करती रहती हैं। उन्होंने अपने जन्मदिन की तस्वीरें और वीडियो हाल ही में शेयर किए, जिसमें वह बच्चों के साथ बर्थडे सेलिब्रेट करती नजर आईं।

लोग उनके बारे में क्या कहते हैं, इसके बजाय वह अपनी आंतरिक शक्ति को तवज्जो देती हैं और दिल की सुनती हैं। रिया ने बताया कि अब वह अपनी कीमत साबित करने के लिए बाहरी प्रशंसा पर निर्भर नहीं रहती

शिवनगरी का गौरी केदारेश्वर मंदिर, जहां दो भागों में बंटा है शिवलिंग, 'खिचड़ी' के भोग का खास महत्व

वाराणसी, 9 जुलाई (एजेंसियां)। महादेव को प्रिय सावन का महीना 11 जुलाई से शुरू होने जा रहा है। ऐसे में शिवनगरी काशी के साथ ही दुनिया भर के शिवभक्तों में उत्साह व्याप्त है। काशी में भोलेनाथ के कई मंदिर हैं, इनमें से एक खास मंदिर है, केदार घाट के समीप स्थित गौरी केदारेश्वर का, जहां शिवलिंग दो भागों में विभाजित है, जिसमें एक भाग में भगवान शिव और माता पार्वती विराजमान हैं, तो दूसरा भाग भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी का प्रतीक है।

'खिचड़ी' के भोग का भी खास महत्व

काशी के गौरी केदारेश्वर मंदिर में 'खिचड़ी' के भोग का भी खास महत्व है। यह मंदिर भगवान शिव की अनुपम कृपा का प्रतीक है। यहां स्वयंभू शिवलिंग की अनोखी संरचना और खिचड़ी के भोग की महिमा के लिए भी जाना जाता है। शिवरात्रि के साथ ही सावन, सोमवार और अन्य दिनों में भी भक्तों की भीड़ उमड़ती है। भक्तों के अलावा सावन के महीने में माता गंगा भी बाबा की चौखट तक आती हैं। भक्त 'हर हर महादेव' के साथ ही 'गौरी केदारेश्वराभ्याम नम:' का भी जप करते हैं। गौरी केदारेश्वर मंदिर का शिवलिंग अपनी संरचना में अद्वितीय है। यह दो भागों में विभक्त है, जिसमें एक भाग में भगवान शिव और माता पार्वती विराजमान हैं, तो दूसरा भाग भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी का प्रतीक है। इस हरिहरात्मक और शिव-शक्तयात्मक स्वरूप की महिमा शिव पुराण में वर्णित है। मान्यता है कि इस शिवलिंग के दर्शन से भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। मंदिर की पूजन विधि भी अन्य शिव मंदिरों से भिन्न है। यहां ब्राह्मण बिना सिले वस्त्र पहनकर चार पहर की आरती करते हैं। स्वयंभू शिवलिंग पर दूध, बेलपत्र, गंगाजल चढ़ाने के साथ ही खिचड़ी का भोग लगाने की विशेष मान्यता है।

धार्मिक मान्यता के अनुसार, स्वयं भोलेनाथ इस मंदिर में खिचड़ी का भोग ग्रहण करने पधारते हैं। इस मंदिर से जुड़ी पौराणिक कथा ऋषि मान्धाता की भक्ति को जीवंत करती है। शिव पुराण के अनुसार, ऋषि मान्धाता प्रतिदिन हिमालय जाकर भगवान शिव और माता पार्वती को खिचड़ी का भोग अर्पित करते थे। एक बार अस्वस्थ होने पर वे हिमालय नहीं जा सके और दुखी होकर भोलेनाथ से प्रार्थना की। उनकी भक्ति से प्रसन्न होकर गौरी केदारेश्वर स्वयं काशी में प्रकट हुए। भगवान शिव ने स्वयं खिचड़ी का भोग ग्रहण किया और शेष भोग ऋषि के अतिथियों व स्वयं मान्धाता को खिलाया। इसके बाद, भगवान शिव ने घोषणा की कि उनका यह स्वरूप काशी में वास करेगा। उन्होंने खिचड़ी को 'पत्थर से बने शिवलिंग' में परिवर्तित कर दिया, जो दो भागों में विभक्त है।

शिव पुराण के अनुसार, यह शिवलिंग चार युगों में चार रूपों में पूजित होगा। सतयुग में नवरत्नमय, त्रेता में स्वर्णमय, द्वापर में रजतमय और कलयुग में शिलामय। यह शिवलिंग माता अन्नपूर्णा का भी प्रतीक है, जो भक्तों की हर मनोकामना पूर्ण करती हैं।

मानसून में पाचन की समस्या? रामबाण हैं ये पांच योगासन

नई दिल्ली, 9 जुलाई (एजेंसियां)। मानसून आ चुका है, ऐसे में उन लोगों को और भी ज्यादा समस्याओं का सामना करना पड़ता है, जिनका पाचन तंत्र कमजोर है। ऐसे में जठराग्नि को संतुलित बनाए रखने के लिए नियमित योगाभ्यास बेहद आवश्यक है। मानसून में इनके नियमित अभ्यास से शरीर को कई लाभ मिलते हैं और पाचन तंत्र भी मजबूत होता है। इससे अपच, वात, एसिडिटी के साथ ही अन्य समस्याओं में राहत मिलती है।

भारत सरकार के आयुष मंत्रालय के अनुसार, पादहस्तासन, वज्रासन, सेतुबंधासन, त्रिकोणासन और उष्ट्रासन ऐसे पांच योगासन हैं, जो पाचन तंत्र को मजबूत करने में रामबाण साबित हो सकते हैं। पादहस्तासन पेट के अंगों पर दबाव डालकर पाचन तंत्र को और सक्रिय करता है, अपच को दूर करता है और पेट की मांसपेशियों को मजबूत बनाता है। इसे करने की सही विधि है, सीधे खड़े होकर पैरों को थोड़ा खोलें। गहरी सांस लें और सांस छोड़ते हुए धीरे-धीरे कमर से आगे की ओर झुकें। अपने हाथों से पैरों को छूने की कोशिश करें और सिर

'पादहस्तासन, वज्रासन, सेतुबंधासन, त्रिकोणासन और उष्ट्रासन ऐसे पांच योगासन हैं, जो पाचन तंत्र को मजबूत करने में रामबाण साबित हो

को घुटनों के पास लाएं। पादहस्तासन अभ्यास के दौरान 20 से 30 सेकंड तक इस स्थिति में रहने के बीद फिर धीरे-धीरे वापस आना चाहिए।

पादहस्तासन के बाद दूसरा महत्वपूर्ण आसन वज्रासन है। यह एक ऐसा आसन है, जो भोजन के बाद भी किया जा सकता है। यह आसन पाचन को बेहतर बनाता है, गैस और कब्ज से राहत देता है और पेट की सूजन को भी कम करने में मददगार है। इसे करने के लिए घुटनों के बल बैठें, एड़ियां बाहर की ओर और कूल्हे एड़ियों पर टिकाएं। हथेलियों को जांघों पर रखें और रीढ़ को सीधा रखें। सामान्य सांस लेते हुए 5-10 मिनट तक इस मुद्रा में रहना चाहिए।

सेतुबंधासन पेट के अंगों को सक्रिय करता है, पाचन शक्ति बढ़ाता है और तनाव को कम करने में मदद करता है। इसके लिए पीठ के बल लेटें, घुटनों को मोड़ें और पैरों को कूल्हों के पास लाएं। सांस लेते हुए कूल्हों को ऊपर उठाएं, रीढ़ को सीधा रखें। 20-30 सेकंड तक मुद्रा में रुकने के बाद, फिर धीरे-धीरे नीचे आना चाहिए।

त्रिकोणासन भी पाचन तंत्र की सक्रियता को बढ़ाता है, आंतों की गतिशीलता बढ़ाता है और कब्ज से राहत देता है। पैरों को 3-4 फीट दूर रखकर खड़े हों। दाएं पैर को 90 डिग्री बाहर की ओर मोड़ें। सांस छोड़ते हुए दाएं हाथ से दाएं पैर को छूएं और बाएं हाथ को ऊपर उठाएं। 20-30 सेकंड रुकें, फिर दूसरी ओर दोहराएं। उष्ट्रासन पेट की मांसपेशियों को खींचता है, पाचन अंगों को सक्रिय करता है और वात, अपच जैसी समस्याओं को कम करने में भी मददगार है। उष्ट्रासन के अभ्यास के दौरान घुटनों पर बैठें, पैरों को कूल्हों की चौड़ाई पर रखें। सांस लेते हुए पीछे की ओर झुकें और हाथों से एड़ियों को पकड़ें। सिर को पीछे ले जाएं और 20-30 सेकंड तक रुकें।

आयुष मंत्रालय के अनुसार ये योगासन मानसून में न केवल पाचन तंत्र को मजबूत करते हैं, बल्कि मानसिक शांति और समग्र स्वास्थ्य के लिए भी फायदेमंद हैं। इनके प्रतिदिन अभ्यास करने से बारिश के मौसम में होने वाली पाचन संबंधित समस्याओं से बचा जा सकता है। एक्सपर्ट के अनुसार, योग शुरू करने से पहले किसी प्रशिक्षित योग गुरु से सलाह जरूर लेनी चाहिए।

रायपुर, गुरुवार 10 जुलाई 2025

संस्थापक-संपादक : स्व. मायाराम सुरजन

बिहार ने दिखाया जिंदा कौमें पांच साल इंतजार नहीं करती

जब सड़कें सूनी हो तो संसद आवारा हो जाती है, राममनोहर लोहिया की ये बात इस समय बिहार के हालात में बार-बार उठ रही है। बुधवार, 9 जुलाई को बिहार की सड़कों पर जनसैलाब उमड़ा था और इससे संकेत मिले कि अब संसद को न आवारा रहने दिया जाएगा, न बेलगाम। राम मनोहर लोहिया ने ये भी कहा था कि जिंदा कौमें पांच साल इंतजार नहीं करतीं। इस बात के गहरे मायने हैं, जो लोकतंत्र में लोगों को न केवल उनके अधिकारों और कर्तव्यों की याद दिलाते हैं, बल्कि ये भी समझाते हैं कि एक बार वोट डालने से ही लोगों की लोकतंत्र के प्रति जिम्मेदारी पूरी नहीं हो जातीं, उन्हें उन लोगों पर लगातार नजर भी रखनी पड़ती है जिन्हें लोकतंत्र में शासन की बागडोर सौंपी गई है। अगर सत्ता पर बैठे लोग अपने कर्तव्यपथ से विचलित दिखें तो फिर जनता को अपने जिंदा होने का सबूत देने के लिए आगे आना चाहिए। वर्ना लोकतंत्र का जनाजा निकलने में देर नहीं होगी। बिहार में बुधवार को लोगों ने अपने जिंदा होने का ही सबूत दिया और विपक्ष ने बड़े सलीके से उनका नेतृत्व किया।

यह अद्भुत दृश्य था कि बिहार चुनाव से पहले लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव एक साथ सड़क पर उतरे और ऐलान किया कि इस बार लोकतंत्र को कुचलने और चुनाव में चोरी के मौके देने की लापरवाही नहीं बरती जाएगी। गौरतलब है कि अभी बिहार में चुनाव की तारीखें घोषित नहीं हुई हैं, न ही विपक्षी गठबंधन के बीच सीटों का बंटवारा हुआ है। हालांकि राहुल गांधी जनवरी से लगातार बिहार के अलग-अलग हिस्सों में दौरे कर रहे हैं, लेकिन ये पहली बार है कि राहुल गांधी किसी विरोध प्रदर्शन का हिस्सा बनने बिहार पहुंचे।

पिछले महीने जून की शुरुआत में ही राहुल गांधी का एक लेख देश भर के अखबारों में छपा था, जिसमें उन्होंने महाराष्ट्र में चुनाव की चोरी कैसे हुई, इस पर अपने विचार रखे थे और बिहार को लेकर आगाह किया था। अब बिहार में राहुल गांधी ने फिर उसी बात को दोहराया है। बुधवार के चक्काजाम में राहुल गांधी ने कहा कि महाराष्ट्र, हरियाणा चुनाव में वोट की लूट हुई। चुनाव में गरीब और दलित के वोट काटे गए। जब हमने चुनाव आयोग से कहा कि आप हमें वोटर लिस्ट दीजिए, वीडियोग्राफी दीजिए तो चुनाव आयोग ने इस पर एक शब्द नहीं कहा। हमें आज तक महाराष्ट्र की वोटर लिस्ट नहीं मिली और वीडियोग्राफी का कानून बदल दिया गया। ये सब इसलिए किया गया, क्योंकि ये सच्चाई छिपाना चाहते हैं। हम बिहार आए हैं, यहां लोग संविधान के लिए शहीद हुए। हमारे संविधान में लिखा है कि हिंदुस्तान के हर नागरिक को वोट देने का अधिकार है। मैं हिंदुस्तान और बिहार की जनता को बताना चाहता हूं कि जैसे महाराष्ट्र का चुनाव चोरी किया गया था, उसी तरह बिहार का चुनाव भी चोरी करने की कोशिश की जा रही है। उन्हें पता चल गया है कि हमें महाराष्ट्र मॉडल समझ आ गया है, इसलिए अब वे बिहार मॉडल लेकर आए हैं। मैं आपको साफ बताना चाहता हूं कि यह गरीबों का वोट छीनने का तरीका है, लेकिन इनको पता नहीं है कि ये बिहार है और बिहार की जनता ऐसा कभी नहीं होने देगी।

पाठक जानते हैं कि बिहार में इस साल के अंत में होने वाले विधानसभा चुनाव के मद्देनजर चुनाव आयोग मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण अभियान चला रहा है, जिसका विपक्षी दल विरोध कर रहे हैं। इंडिया गठबंधन ने आरोप लगाया है कि निर्वाचन आयोग जिन 11 दस्तावेज की मांग कर रहा है, वे दस्तावेज राज्य के गरीब तबकों के पास अमूमन नहीं हैं और आशंका है कि इन्हें उपलब्ध न कराने पर करोड़ों नाम मतदाता सूची से हटाए जा सकते हैं। यह कवायद संविधान विरोधी कही जा रही है, क्योंकि भारत का संविधान जाति, धर्म, संपत्ति, लिंग इन सबके भेदभाव से परे हरेक नागरिक को मत का अधिकार देता है। नागरिकों के मताधिकार की रक्षा हो, देश में निष्पक्ष चुनाव हों, इन्हीं उद्देश्यों के साथ ही निर्वाचन आयोग का गठन किया गया था। यह आयोग की जिम्मेदारी थी और अब भी है कि वह खुद नागरिकों तक पहुंचकर उन्हें मताधिकार दे, लेकिन बिहार में चुनाव आयोग की मौजूदा कवायद तो लोगों को खुद को नागरिक साबित करने की चुनौती में उलझा रही है। जो अपने आप को नागरिक साबित नहीं कर पाएंगे, उन्हें मतदाता सूची से बाहर कर दिया जाएगा।

हालांकि अब राहुल गांधी ने चुनाव आयोग को आगाह कर दिया है कि वह कानून से परे नहीं है और न ही वह बीजेपी का काम करने के लिए है। चुनाव आयोग का काम संविधान की रक्षा करना का है, लेकिन ये अपना काम नहीं कर रहे हैं, ये आरोप राहुल गांधी ने लगाया है। राजनैतिक दलों का चुनाव आयोग से भरोसा उठे, यह स्थिति लोकतंत्र के लिए अच्छी नहीं है। मगर पिछले 11 सालों के चुनाव पैटर्न पर ध्यान दीजिए तो लगभग हर चुनाव से पहले या बाद में चुनाव आयोग के खिलाफ शिकायतें हो रही हैं, अदालतों के दरवाजे खटखटाए जा रहे हैं। मुख्य चुनाव आयुक्तों के बयानों पर सवाल उठ रहे हैं या विवाद खड़े हो रहे हैं। इससे पहले देश का ध्यान इस बात पर नहीं जाता था कि कब चुनाव आयोग प्रेस कांफ्रेंस कर रहा है, कब नए चुनाव आयुक्त की नियुक्ति हो रही है या किसी चुनाव में कब कौन सी बड़ी गड़बड़ी हुई है। लेकिन मोदी सरकार के सत्ता में आते ही ये सारी बातें लगातार सुर्खियां बटोर रही हैं। कभी चुनाव आयुक्त की नियुक्ति की प्रक्रिया पर सवाल उठते हैं, कभी चुनाव आयोग के नियमों में संशोधन पर आपत्ति होती है, कभी विपक्ष शिकायत करता है कि आयोग उसे मिलने का वक्त नहीं देता, उसके सवालों का सही जवाब नहीं देता, कभी चुनाव आयोग विपक्ष पर तंज कसते हुए जवाब देता है, मानो वह निष्पक्ष संस्था नहीं सत्तारुढ़ दल का साथी है। ये सारे लक्षण लोकतंत्र की मजबूती के तो कतई नहीं हैं। कायदे से इन पर चिंता दिखाते हुए इन्हें सुधारने की कोशिश होनी चाहिए थी, लेकिन अब नौबत ऐसी आ गई है कि एक तरफ विपक्ष को चुनाव आयोग के खिलाफ अदालत जाना पड़ा है, दूसरी तरफ सड़क पर उतरना पड़ा है।

भारत को नीचा दिखाने में लगी अघोषित शक्तियां

दुनियादारी

■ सर्वमित्रा सुरजन

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को जिन छिपे उद्देश्यों के साथ इस कुर्सी पर बिठाने की मुहिम 21वीं सदी के शुरुआती दशक में की गई थी, वो सारे उद्देश्य अब लगभग पूरे होते दिख रहे हैं। संवैधानिक मर्यादा, लोकतांत्रिक तकाजे, समानता, सौहार्द, भाईचारे के ख्वाब सब तार-तार होते दिख रहे हैं। भारत को नीचा दिखाने की कोशिश में लगी दुष्ट ताकतें यही तो चाहती थीं। देश के भीतर और देश के बाहर दोनों जगह काम कर रही ऐसी शक्तियां चाहती थीं कि भारत अब तक अपने जिन मूल्यों और सिद्धांतों की बुनियाद पर मजबूती से खड़ा हुआ है, उन्हें किसी भी तरह लोगों से दूर किया जाए। इन शक्तियों को सबसे ज्यादा तकलीफ इस बात से ही थी कि 1947 में आजाद हुए भारत ने किस तरह खुद को न केवल अपने पैरों पर खड़ा कर लिया बल्कि दुनिया में बाकी प्रगतिशील देशों की अपेक्षा उसकी धाक भी अलग जमी। नेहरूजी के पंचशील और गुटनिरपेक्षता के सिद्धांत, उससे पहले गांधीजी के सत्य और अहिंसा के नैतिक बल को दुनिया ने पहचाना और सम्मान दिया। हमारे पास बुद्ध, अशोक और अकबर की मिसालें भी रहीं, लेकिन फिर इन महान हस्तियों के बताए रास्ते की अनदेखी और इनके संदेशों को अनसुना करने का नतीजा भारत ने भुगता, एक दो साल नहीं पूरे दो सौ साल की गुलामी में भारत रहा। लेकिन इस गुलामी में ही लोगों ने अपनी गलतियों को समझा और फिर स्वाधीनता आंदोलन के अलग-अलग धड़ों का नेतृत्व कर रहे लोगों की बात सुनी। देश को आजाद कराने के लिए कई तरह की कुर्बानियां दीं। देश आजाद हुआ तो संविधान बनाने में इस बात का खास ख्याल रखा गया कि जिन रूढ़ियों की वजह से भारत का समाज कमजोर होता है, जनता के अधिकारों का हनन होता है, उन्हें दूर किया जाए। इसलिए संविधान में राजनैतिक, आर्थिक, शैक्षणिक, सांस्कृतिक, वैज्ञानिक हर पहलू पर बारीकी से ध्यान देकर व्यवस्थाएं बनाई गईं। खास तौर पर भारत के सामाजिक ढांचे और बहुलतावादी संस्कृति को इस तरह समायोजित किया गया कि किसी भी नागरिक को यह न लगे कि उसके साथ अन्याय हुआ है।

भारत के संविधान को दुनिया के श्रेष्ठ संविधानों में से एक माना जाता है और भारतविरोधी शक्तियां इसी बात से परेशान भी रहीं कि आजादी के बाद भारत निर्माताओं ने ये कितना मजबूत हथियार जनता के हाथ में दे दिया है। अब अगर इस संविधान को खत्म करने या बदलने की बात कही जाती है, तो इसके पीछे असल में भारत को खत्म करने की मंशा होती है। मौजूदा हालात इसी तरफ इशारा भी कर रहे हैं। 2014 में जब पहली बार नरेन्द्र मोदी सत्ता पर बैठे थे तो एकदम से कट्टर हिंदुत्व और उग्र राष्ट्रवाद का शोर तेज हुआ था। जातीय और धार्मिक झगड़ों में दंगे पहले भी होते रहे, लेकिन देश में स्पष्ट विभाजन नहीं दिखाई देता था, जो 2014 के बाद खुलकर दिखने लगा। यह भारतीय समाज पर चोट का एक हिस्सा ही था, लेकिन दूसरा हिस्सा ज्यादा खतरनाक था, जिसमें संवैधानिक संस्थाओं को पंगु बनाने पर काम शुरु हुआ। निर्वाचन आयोग पर भाजपा के लिए काम करने के आरोप लगे, जो अब भी चल ही रहे हैं। प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी और सीबीआई जैसी जांच एजेंसियों की साख खतरे में आई, क्योंकि विपक्ष के नेताओं पर इनकी कार्रवाई तो खूब हुई, लेकिन उन्हें दोषी साबित करने के मामले गिने-चुने ही रहे। जाहिर है विपक्ष को निशाने पर लेने का मकसद सत्ता में बैठे लोगों की मनमानी के मौके बनाना है। वर्ना इन एजेंसियों का काम देश से भ्रष्टाचार को खत्म करना है और हर दिन की घटनाओं को देखें तो समझ आएगा कि भ्रष्टाचार पहले से कई गुना बढ़ चुका है। सौ में से 90 बेईमान, फिर भी मेरा भारत महान, यह संवाद 1997 में आई फिल्म यशवंत में नाना पाटेकर ने कहा था। यह बाद में जुमला ही बन गया और इसे लेकर अक्सर कांग्रेस को घेरा जाता था, क्योंकि तब तक सत्ता पर कांग्रेस ही ज्यादा काबिज रही। फिर बीजेपी सत्ता में आई, लेकिन 2004 से 2014 तक फिर से कांग्रेस सत्ता में रही तो भ्रष्टाचार को देश की सबसे बड़ी समस्या के तौर पर प्रस्तुत करने के लिए अन्ना आंदोलन चलाया गया। आज अन्ना हजारे अपने गांव रालेगण सिद्धि में बैठकर भारत को बर्बाद होते देख रहे हैं और इस समय जिस तरह का भ्रष्टाचार फैला है, उस पर दो शब्द उनके मुंह से नहीं निकलते। इसमें मीडिया भी बड़े भ्रष्टाचारी की तरह ही साथ दे रहा है। किसी संवाद को जुमले की तरह प्रचलित कर उसे सबसे बड़ा सच बनाने की कवायद में सबसे बड़ा हाथ प्रचार तंत्र का ही होता है। सौ में से 90 बेईमान की बात भारत के लोगों के मन में भरने का काम मीडिया के जरिए ही हुआ। लेकिन अब वही मीडिया भ्रष्टाचार के बड़े उदाहरण सामने आने के बाद भी उस पर चर्चा नहीं करता। उसे विपक्ष की खामियों या सांप्रदायिक नफरत फैलाने के लिए खुली छूट दी गई है।

> **भारत के संविधान को दुनिया के श्रेष्ठ संविधानों में से एक माना जाता है और भारतविरोधी शक्तियां इसी बात से परेशान भी रहीं कि आजादी के बाद भारत निर्माताओं ने ये कितना मजबूत हथियार जनता के हाथ में दे दिया है। अब अगर इस संविधान को खत्म करने या बदलने की बात कही जाती है, तो इसके पीछे असल में भारत को खत्म करने की मंशा होती है।**

बुधवार को गुजरात में महिसागर नदी पर बना गंभीरा पुल बीच से टूट गया। आणंद और वडोदरा को जोड़ने वाला यह पुल 40 साल पुराना था। बताया जाता है कि इसकी कई बार मरम्मत हो चुकी है। लेकिन पुल दो हिस्सों में टूटकर जिस तरह लटका हुआ है, वह भ्रष्टाचार की गवाही चीख-चीख कर दे रहा है। इससे पहले इसी गुजरात में मोरबी पुल भी इसी तरह टूटा था। क्या फर्क पड़ता है कि तब कितनी जानें गई थीं और अब कितनी जानें गईं। क्योंकि लाशों की गिनती और मुआवजे की घोषणा के बावजूद भ्रष्टाचार का सिलसिला थमने वाला नहीं है। वर्ना प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के शोक संदेशों के साथ इस्तीफे के संदेश भी आते। लेकिन इन लोगों को सत्ता पर बने रहना है, क्योंकि जिन लोगों की मदद से ये सत्ता पर बैठे हैं, उनके काम इन्हें करते रहना है। कायदे से इनका काम जनता के काम करना है। लेकिन जब ये जनता के काम करते हैं तो इसे सौगात का नाम देते हैं। फलानी परियोजना का उद्घाटन प्रधानमंत्री ने किया, इतने करोड़ की सौगात फलानी जगह को दी, ऐसे ही शीर्षकों से समाचार छपते हैं। जनता को भिखमंगी का एहसास कराया जाता है। लेकिन क्या कभी यह कहते हुए सुना गया कि फलाने उद्योगपति को प्रधानमंत्री ने इतने की सौगात दी, ढिकाने का इतना कर्ज माफ कर उस पर उपकार किया। अरबपति उद्योगपतियों के लिए ऐसी शब्दावली का इस्तेमाल कभी नहीं होगा, क्योंकि सत्ता उनके आगे भिखारियों की तरह हाथ पसारे खड़ी रहती है। सत्ता की सारी हनक आम जनता पर दिखाई देती है, भ्रष्टाचार दूर करने का ज्ञान भी उसी को मिलता है। लेकिन अमीरों से ऐसी बातें कभी नहीं की जाती। व्यापारियों के बड़े-बड़े संगठनों में मंत्री जाते हैं तो वहां से विकास की बड़ी बातें करते हैं, मानो सारा विकास धनपतियों के बूते ही होता है, आम जनता का उसमें कोई योगदान नहीं रहता। सालों साल ऐसी ही बातें सुन-सुन कर जनता भी यही मानने लगी है कि उसके पास तो किसी चीज की शक्ति है ही नहीं। जब जनता में कुंठा बढ़ने लगती है, तो उसका ध्यान भटकाने के लिए सांप्रदायिकता को औजार की तरह इस्तेमाल किया जाता है। कश्मीर फाइल्स, केरला स्टोरीज़, और अब उदयपुर फाइल्स जैसी फिल्में बनाकर लोगों को आधे-अधूरे सच के साथ नफरत की घुट्टी पिलाई जा रही है।

यह सब भारत को बर्बाद करने की मंशा पाले ताकतों का खिलवाड़ है। हम नहीं जानते कि प्रधानमंत्री मोदी को इस बात का अहसास है या नहीं, लेकिन उनके शासन में यह खिलवाड़ खूब बढ़ा है। जबकि वैश्विक स्तर पर भारत कमजोर हुआ है, इसकी बानगी पहले ट्रंप के लगातार भारत विरोधी बयानों में सामने आई है और अब जिस तरह यमन में भारतीय नर्स निमिषा प्रिया को सजा ए मौत देने का ऐलान हुआ है, वह भी दिखा रहा है कि भारत की पकड़ कमजोर हो रही है। बेशक यमन में हूती विद्रोहियों की सत्ता है और भारत के उनसे कूटनीतिक संबंध नहीं हैं, लेकिन अभी अपने सारे कूटनीतिक चैनलों का इस्तेमाल कर भारत को अपने नागरिक की जान की रक्षा करनी होगी। आधी से अधिक दुनिया में घूम चुके और 24 देशों में अपना सम्मान करवा चुके नरेन्द्र मोदी के लिए यह बड़ी परीक्षा है। वैश्विक नेताओं से दोस्ती के दावे श्री मोदी करते रहे हैं, तो अब उन दोस्तियों का सही इस्तेमाल करना चाहिए।

घरेलू और वैदेशिक दोनों मोर्चों पर श्री मोदी अपनी उपयोगिता साबित करें, वर्ना यही सिद्ध होगा कि वे देशहित के लिए दूसरों के छिपे हित साधने के लिए सत्ता पर बिठाए गए हैं।

भारत को रक्षा व्यय में पर्याप्त वृद्धि करने की आवश्यकता

■ नन्तू बनर्जी

यह विश्वास करना कठिन है कि सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के आधार पर दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था और एक प्रमुख सैन्य शक्ति भारत का रक्षा व्यय जीडीपी के प्रतिशत के रूप में कुवैत और ग्रीस जैसे छोटे-छोटे देशों से भी कम है। दक्षिण एशियाई क्षेत्र में चीन के साथ जटिल भू-राजनीतिक स्थिति के मद्देनजर कहा जा सकता है कि भारत अपनी रक्षा पर पर्याप्त खर्च नहीं कर रहा है, जबकि उसका नंबर 1 दुश्मन चीन लगातार बांग्लादेश, श्रीलंका, मालदीव, पाकिस्तान और नेपाल पर अपने बढ़ते आर्थिक और सैन्य नियंत्रण के साथ भारत को घेर रहा है, जिससे भारत पर चीन का खतरा बढ़ता जा रहा है।

सकल मूल्य के संदर्भ में, भारत का वार्षिक रक्षा बजट प्रभावशाली नहीं है। भारत का रक्षा व्यय चीन के लगभग 267अरब डॉलर के एक तिहाई से भी कम है। अमेरिका 895 अरब डॉलर के बजट के साथ सबसे बड़ा रक्षा खर्च करने वाला देश बना हुआ है। रूस का रक्षा बजट करीब 126 अरब डॉलर का है। भारत का रक्षा बजट केवल 75 अरब डॉलर के आसपास होने का अनुमान है। प्रभावी रूप से, भारत का रक्षा खर्च उसके सकल घरेलू उत्पाद का 1.9 प्रतिशत है। हालांकि चीन का रक्षा खर्च आधिकारिक तौर पर उसकी अर्थव्यवस्था का केवल 1.5 प्रतिशत अनुमानित है, लेकिन ओआरएफ ऑनलाइनडॉटऑर्ग के अनुसार, इसमें हथियार आयात, पीपुल्स आर्म्ड पुलिस के लिए वित्त पोषण और अनुसंधान और विकास जैसे कई महत्वपूर्ण व्यय शामिल नहीं हैं। नतीजतन, चीन का प्रभावी रक्षा व्यय काफी हद तक छिपा हो सकता है, या फिरयह सार्वजनिक रूप से साझा अनुमान से काफी अधिक हो सकता है। अमेरिका और रूस के बाद तीसरी प्रमुख वैश्विक सैन्य शक्ति, कम्युनिस्ट चीन रक्षा क्षेत्र में अपनी तकनीकी क्षमता का तेजी से आधुनिकीकरण कर रहा है क्योंकि यह दुनिया भर में अपनी उपस्थिति का विस्तार कर रहा है, जो केवल अमेरिका से पीछे है। चीनी बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई)एशिया, अफ्रीका, यूरोप, लैटिन अमेरिका और प्रशांत क्षेत्र में फैला हुआ है।

> **2025-26 के बजट में जीडीपी के प्रतिशत के रूप में भारत का प्रस्तावित रक्षा खर्च, जो 1.9 प्रतिशत होने का अनुमान है, 2000 के दशक की शुरुआत में बड़े रक्षा पेंशन को छोड़कर, लगभग तीन प्रतिशत के अपने ऐतिहासिक स्तर से पर्याप्त कमी दर्शाता है। जबकि हाल के वर्षों में रक्षा के लिए समग्र बजट आवंटन में वृद्धि हुई है, इस उद्देश्य के लिए आवंटित जीडीपी का प्रतिशत अपेक्षाकृत कम स्तर दो प्रतिशत से नीचे रहा है।**

हाल की रिपोर्टों के अनुसार, चीन के पास श्रीलंका, पाकिस्तान, तंजानिया, मॉरीशस, मालदीव और म्यांमार में संभावित आधार है। चीन इन देशों के हिंद महासागर के बिंदुओं पर वाणिज्यिक बंदरगाह या मुक्त व्यापार क्षेत्र विकसित करने में लगा हुआ है। चीन पारंपरिक हथियारों की बिक्री के लिए अंतिम अनुबंधों के साथ इन देशों का समर्थन भी कर रहा है। अमेरिका चिंतित है, और भारत भी चिंतित है। यह चतुर्भुज सुरक्षा वार्ता, या क्वाड के गठन की व्याख्या करता है, जो साझा मूल्यों और कानून के शासन के आधार पर एक स्वतंत्र और खुले अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था पर ध्यान केंद्रित करते हुए, भारत-प्रशांत क्षेत्र में क्षेत्रीय सुरक्षा और सहयोग को बढ़ावा देने के लिए एक रणनीतिक मंच के रूप में कार्य करता है। क्वाड के सदस्य देश हैं: अमेरिका, जापान, ऑस्ट्रेलिया और भारत। दिलचस्प बात यह है कि 10 सदस्यीय शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के रक्षा मंत्रियों की नवीनतम बैठक के बाद, जिसमें चीन, भारत, पाकिस्तान और ईरान शामिल हैं, भारतीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने एक मसौदा बयान पर हस्ताक्षर करने से इनकार कर दिया, जिसमें पहलगाम आतंकी हमले का उल्लेख नहीं था। नतीजतन, कोई संयुक्त घोषणा नहीं की गयी।

पाकिस्तान का रक्षा व्यय उसके सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 2.2 प्रतिशत है। चालू वित्त वर्ष 2025-26 के लिए, देश का रक्षा बजट शुरू में सकल घरेलू उत्पाद का 1.97 प्रतिशत प्रस्तावित किया गया था। हालांकि, हाल ही में भारत-पाकिस्तान के बीच चार दिवसीय युद्ध के बाद, संकेत मिल रहे हैं कि पाकिस्तान का रक्षा व्यय, जिसमें छिपी हुई लागत, सैन्य पेंशन और कुल सैन्य-संबंधी व्यय शामिल हैं, इस वर्ष उसके सकल घरेलू उत्पाद के चार प्रतिशत से अधिक हो सकता है। हाल के वर्षों में, पाकिस्तान का रक्षा व्यय आम तौर पर सकल घरेलू उत्पाद के लगभग 2.5 प्रतिशत पर रहा है। महत्वपूर्ण युद्ध उपकरणों के भंडार के लिए चीन पर बड़े पैमाने पर आयात पर निर्भर पाकिस्तान दक्षिण और पश्चिम एशियाई दोनों क्षेत्रों में चीन के लिए छद्म युद्ध लड़ने के लिए तैयार दिखाई देता है। पाकिस्तान में चीन का बीआरआई निवेश, मुख्य रूप से चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (सीपीईसी) के माध्यम से, 62 अरब खर्च होने का अनुमान है। सीपीईसीबीआरआई का एक प्रमुख घटक है, जिसका उद्देश्य दोनों देशों के बीच संपर्क और व्यापार को बढ़ाना है।

27 सदस्यीय यूरोपीय संघ, जो रूस के खिलाफ यूक्रेन के समर्थन में एक छद्म युद्ध लड़ता हुआ प्रतीत होता है, यूक्रेन में रूस की आक्रामकता, सुरक्षा जोखिमों का पुनर्मूल्यांकन, अपनी रक्षा क्षमताओं को आधुनिक बनाने की आवश्यकता और नाटो की रक्षा योजनाओं के साथ बेहतर तालमेल सहित कई कारकों के संयोजन के कारण अपने रक्षा व्यय को अपने सकल घरेलू उत्पाद के पांच प्रतिशत तक बढ़ाने की सोच रहा है। रिपोर्टों के अनुसार, रूस के खिलाफ यूक्रेन के लंबे युद्ध के पीछे यूरोपीय संघ का एक मजबूत और अधिक एकीकृत यूरोपीय रक्षा समर्थन का फैसला है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की नाटो के यूरोपीय भागीदारों को लगातार वित्त पोषण करने में रुचि की कमी के मद्देनजर यह निर्णय महत्वपूर्ण है। सकल घरेलू उत्पाद के पांच प्रतिशत के यूरोपीय संघ के रक्षा व्यय लक्ष्य में व्यापक सुरक्षा क्षेत्रों में निवेश शामिल है, जैसे कि बुनियादी ढांचे का उन्नयन (सड़कें, रेलवे, पुल), साइबर रक्षा, सैन्य गतिशीलता और त्वरित सुदृढ़ीकरण की सुविधा। जीडीपी के प्रतिशत के रूप में दुनिया के शीर्ष सैन्य खर्च करने वालों में शामिल हैं: यूक्रेन (34.5 प्रतिशत), लेबनान (10.5 प्रतिशत), इज़राइल (8.8 प्रतिशत), रूस और सऊदी अरब (7.1 प्रतिशत प्रत्येक), कुवैत (4.8 प्रतिशत), पोलैंड (4.2 प्रतिशत) और अमेरिका (3.4 प्रतिशत)।

2025-26 के बजट में जीडीपी के प्रतिशत के रूप में भारत का प्रस्तावित रक्षा खर्च, जो 1.9 प्रतिशत होने का अनुमान है, 2000 के दशक की शुरुआत में बड़े रक्षा पेंशन को छोड़कर, लगभग तीन प्रतिशत के अपने ऐतिहासिक स्तर से पर्याप्त कमी दर्शाता है। जबकि हाल के वर्षों में रक्षा के लिए समग्र बजट आवंटन में वृद्धि हुई है, इस उद्देश्य के लिए आवंटित जीडीपी का प्रतिशत अपेक्षाकृत कम स्तर दो प्रतिशत से नीचे रहा है। यह पिछले दो दशकों में क्षेत्र में बदलते सुरक्षा माहौल के बावजूद है।

हाल ही में, बांग्लादेश ने भी भारत को डुआर्स क्षेत्र में 'चिकन नेक' काटने के लिए संभावित सैन्य कार्रवाई की धमकी दी थी, ताकि भारत के आठ पूर्वोत्तर राज्यों, अर्थात अरुणाचल प्रदेश, असम, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड, सिक्किम और त्रिपुरा के साथ भूमि संपर्क टूट जाये। भारत को इस तरह की पहली बांग्लादेशी धमकी को हल्के में नहीं लेना चाहिए, क्योंकि देश की आयात-निर्भर सेना पर चीन का काफी हद तक नियंत्रण है। यह इस बात को और भी स्पष्ट करता है कि भारत को आने वाले वर्षों में अपने प्रभावी रक्षा खर्च को जीडीपी के प्रतिशत के रूप में बढ़ाने की आवश्यकता क्यों है। भारत के सैन्य खर्च में पर्याप्त वृद्धि करना चाहिए ताकि पाकिस्तान और बांग्लादेश दोनों का उपयोग करके भारत के खिलाफ चीनी छद्म युद्ध के सामने देश की क्षेत्रीय अखंडता और आर्थिक प्रगति की रक्षा के लिए भारत तैयार रह सके।

आपके पत्र

आधार और पैन कार्ड निजी जीवन की सुविधा या गोपनीयता भंग होने का खतरा

हिंदुस्तान की आबादी की 141 करोड़ जनसंख्या में से 120 करोड़ जनमानस के पास है। यह आंकड़े सरकार के पास भी जो अक्सर यह संदेह पैदा करते है कि इसका कही दुरुपयोग होकर , कहीं आपके निजी जीवन में हस्तक्षेप तो नहीं किया जा रहा है। सरकार द्वारा समस्त शासकीय सुविधाओं की प्राप्ति के लिए आधार कार्ड, पैन कार्ड एवं मोबाइल सिम के लिए आधार कार्ड की अनिवार्यता लागू कर दी गई है। यह बात तो सर्वविदित है कि मोबाइल में सिम कार्ड लेते वक्त आधार कार्ड की अनिवार्यता राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए अति महत्वपूर्ण तो है ही पर इसमें कभी-कभी यह आशंका भी होने लगती है कि भारत में निवास करने के लिए आधार के रूप में निजी जीवन में कहीं दखलअंदाजी तो नहीं है अथवा व्यक्ति के जीवन में उसकी निजता पर प्रहार तो नहीं है।

चूंकि आधार कार्ड व्यक्ति की निजी पहचान को अपने में सम्मिलित करता है और इसकी अनिवार्यता से व्यक्ति की निजी पहचान का दुरुपयोग हो सकता है। व्यक्ति कहां क्या गतिविधियां कर रहा है यह आधार की अनिवार्यता के साथ सरकार के पास सारी जानकारी उपलब्ध हो जाती है, जिससे सरकार द्वारा अथवा डाटा संग्रहण केंद्र के माध्यम से किसी भी हैकर द्वारा दुरुपयोग किया जा सकता है । जो व्यक्तिगत इच्छा के विपरीत है और यदि सरकार आधार से संबंधित आंकड़े किसी अन्य पक्ष के साथ साझा करती है तो इसके दुरुपयोग की संभावना प्रबल हो जाती है। आधार कार्ड के दुरुपयोग की दूसरी समस्या इसके राजनीतिक प्रतिशोध के रूप में उपयोग किए जाने की भीतर हो सकती है। राजनीति में सत्ता पक्ष की जितनी भूमिका होती है विपक्ष की भूमिका उससे अधिक होती है। आधार कार्ड के आंकड़ों के माध्यम से कोई भी सत्ता पक्ष, विपक्ष की इस भूमिका को सीमित करने का प्रयास कर सकता है। आधार कार्ड की अनिवार्यता के साथ विपक्षी राजनेताओं के संवादों को टेप कर रणनीति का पूर्वानुमान लगाना सत्ता पक्ष की मंशा हो सकती है,इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता है। पर इसके कई फायदे भी हैं ,आधार कार्ड की पैन कार्ड में अनिवार्यता ने वर्षों से टैक्स की छूट ले रहे फर्जी पैन कार्ड धारकों के हितों में चोट तो की है। इससे सरकार के कर संग्रहण में बढ़ोतरी होने से योजनाओं के लिए धन आवंटन एवं भौतिक सामाजिक निवेश में वृद्धि होगी। आधार कार्ड की अनिवार्यता से स्कूली शिक्षा की गुणवत्ता नहीं बढ़ाया जा सकता है क्योंकि इससे सरकार के पास वास्तविक सफलता के आंकड़े भी उपलब्ध होंगे जो बेहतर नीति निर्माण के लिए सहायक भी होगी।

विगत दिनों सुप्रीम कोर्ट ने भी माना कि भले ही निजता का अधिकार मौलिक अधिकार हो किंतु सरकार द्वारा जनकल्याण के कार्यों के लिए उसका अतिक्रमण किया जा सकता है। एक लोकतांत्रिक सरकार का प्रथम एवं अंतिम उद्देश्य लोक कल्याणकारी रूप में स्वयं को स्थापित करना है। यदि लोक कल्याण के लिए सरकार व्यक्तियों के आंकड़ों का संग्रहण करती है उसे उचित माना जाना चाहिए। शर्त यह है कि सरकार विधि सम्मत स्थापित कर दें कि उन एकत्रित आंकड़ों का दुरुपयोग कि किन्ही भी स्थिति में नहीं किया जाएगा।

-संजीव ठाकुर

ललित सुरजन की कलम से

कविता:शांतिदूत की आँखों से

जोसेफ ब्रूचाक
(अमेरिकन मूलनिवासी कवि)

हम देख रहे हैं
जंगल की पनाहगाह से
जहाँ बारहसिंगे अपने सींग
उतार कर धर देते हैं कि
किसी को
धोखे से भी चोट न लगे,
वहां जहां पुरखिन चट्टान की
सुलगती आँखों में
अगिन का वास था जिसके
ताप में हमने स्वयं को पवित्र किया,
अपने तमाम रिश्तों को निभाने के लिए,
और प्रार्थना की
सभी जीवित जनों के लिए,
कि सब हिल-मिल कर रहें
कि सब रहें सलामत।

अंग्रेजी से रुपांतर : ललित सुरजन
13.04.2009

https://lalitsurjan.blogspot.com/2020/07/blog-post_15.html

गुरु पूर्णिमा आज

नैतिक और मानवीय मूल्यों के स्थापक: महर्षि वेद व्यास

जिन महान गुरु को पूजने के लिए गुरु पूर्णिमा मनाई जाती है , उन्हें हम वेद व्यास जी के नाम से जानते हैं। व्यास जी ने सबसे बड़े गुरु होने के बाद भी कभी अपने आप को भगवान नहीं कहा और न ही पाद पूजन के ऐसे महोत्सव कराए जैसे आजकल छद्म लोगों द्वारा कराए जा रहे हैं ! महर्षि वेद व्यास ने कभी भी भगवान को हड़पने की कोशिश नहीं की जैसी वर्तमान में गली- मोहल्लों में पाखंडी कर रहे हैं। एक श्रेष्ठ गुरु हमें अनुशासन , कड़ी मेहनत और ईमानदारी का महत्व सिखाता है। वह केवल सफलता का मार्ग दिखाने तक सीमित नहीं रहता, बल्कि जीवन के नैतिक और मानवीय मूल्यों को भी हमारे जीवन में स्थापित करता है। गुरु से सीखी गई बातें जीवन भर हमारा मार्गदर्शन करती हैं। वास्तव में देखा जाए तो गुरु एक व्यक्ति नहीं बड़ी शक्ति है। वही हमारी बुद्धि को जागृत करती है।

नैतिक और मानवीय मूल्यों के स्थापक महर्षि वेद व्यास जी का जन्मदिवस प्रतिवर्ष आषाढ़ मास शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि को मनाई जाती है। यह तिथि हमें स्मरण दिलाती है कि मनुष्य के जीवन में एक गुरु का होना कितना जरूरी है। गुरु कौन हो सकता है? गुरु का काम क्या होता है-ऐसा व्यक्ति जिससे हमें ज्ञान रूपी प्रकाश की प्राप्ति हो। उनके ज्ञान से हमारे जीवन में छाए अंधकार को दूर करने की प्रेरणा मिले। वही हमारा सच्चा गुरु हो सकता है। ऐसे सत्पुरुष जो हमें धर्मशास्त्रों के ज्ञान के साथ ही ईश्वर के साथ संबंध जोड़ने में अपने वचनों से प्रभावित करते हों, उन्हें हम अपना गुरु मान सकते हैं। गुरु का वास्तविक कार्य अपने शिष्यों को खुद से जोड़ने का नहीं होता बल्कि धर्मशास्त्रों की नीतिगत बातों का ज्ञानार्जन करते हुए ईश्वर की ओर ध्यान आकृष्ट कराना ही होता है। वह समय बीत गया जब त्रेतायुग और सतयुग में गुरुओं के ज्ञान पर कोई प्रश्न नहीं उठाया जाता था। आज घोर कलयुग में मनुष्य के लिए यह बड़ी चुनौती का विषय है कि वह किसे अपना गुरु स्वीकार करे? कारण यह कि आज के समय में गुरुओं तथा उनके आश्रमों में चल रहे कार्यों पर अनैतिकता के असुर ने कब्जा कर रखा है।

गुरु तत्व का मानवीय जीवन में बड़ा महत्व है। विश्व का हर देश इस शब्द से किसी न किसी रूप में आबद्ध रहा है। अंतर केवल उसे पुकारने के रूप में सामने आता है। इसी गुरु को शिक्षक कहा जाता है, तो कहीं प्रोफेसर। कहीं- कहीं तो इसके लिए मेंटर शब्द का भी प्रचलन देखा जा रहा है। कहीं इस शब्द को लामा के नाम से उद्बोधित किया जाता है। कई देशों में गुरु के बदले फैसिलिटेटर शब्द का उपयोग भी किया जा रहा है। अंग्रेजी को अपनी मातृभाषा स्वीकार कर चुके देश गुरु शब्द के लिए गाइड का उपयोग करते हैं। तात्पर्य यह कि शब्द कोई भी हो उसका सार गुरु के रूप में ही निकलकर आता रहा है। गुरु ही वह व्यक्ति है जो हमारे जीवन में छाए अंधकार को दूर कर सकता है। दूसरे शब्दों में कहूं तो अज्ञान रूपी अंधकार को दूर कर ज्ञान का संचार करने वाला महापुरुष ही गुरु कहलाने का हकदार होता है। वास्तव में अनुभव किया जाए तो एक श्रेष्ठ गुरु वही होता है जो हमारी क्षमताओं को पहचान कर हमें हमारे लक्ष्य तक पहुंचाने का कार्य करता है।

डॉ. सूर्यकांत मिश्रा

फ्रांस और रूस के बीच खुफिया सेवा संपर्क कभी नहीं टूटा : लर्नर

पेरिस। फ्रांस के विदेश सुरक्षा महानिदेशालय (डीजीएसई) के प्रमुख निकोलस लर्नर ने कहा है कि यूक्रेन संघर्ष के बावजूद उन्होंने रूसी विदेश खुफिया सेवा (एसवीआर) के साथ संपर्क नहीं तोड़ा और दोनों देशों के बीच संबंध बने हुए हैं। श्री लर्नर ने मंगलवार को एलसीआई प्रसारक को बताया 'जब राजनयिक चैनल बंद थे तब मुझे कई मौकों पर (एसवीआर निदेशक) सर्गेई नारिश्किन से बात करने का अवसर मिला। मैंन हाल ही में श्री नारिश्किन से बात की।'फ्रांस के खुफिया प्रमुख ने स्पष्ट किया कि फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉं के अनुरोध पर रूस के साथ संचार संपर्क बनाकर रखा गया है। गौरतलब है कि पिछले हफ्ते श्री मैक्रॉं और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच फोन पर बातचीत हुई जिसे रूस ने 'महत्वपूर्ण' बताया।

देश विदेश

मैं पुतिन से खुश नहीं हूं : डोनाल्ड ट्रम्प

वाशिंगटन, 9 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि उन्होंने यूक्रेन को अतिरिक्त हथियार भेजने को मंजूरी दी है और वे रूस पर नए प्रतिबंधों पर विचार कर रहे हैं। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप ने व्हाइट हाउस में एक कैबिनेट बैठक के दौरान कहा कि हम यूक्रेन को कुछ रक्षात्मक हथियार भेज रहे हैं और मैंने इसकी मंजूरी दी है। उन्होंने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन पर नाराजगी जताते हुए कहा कि मैं पुतिन से खुश नहीं हूं। मैं आपको अभी इतना बता सकता हूं कि रूसी और यूक्रेनी सैनिक हजारों की संख्या में मर रहे हैं। ट्रंप ने यह भी कहा कि वह रूस पर व्यापक प्रतिबंध लगाने वाले एक द्विपक्षीय सीनेट बिल का समर्थन करने पर विचार कर रहे हैं। इससे पहले, सोमवार को ट्रंप ने यूक्रेन को अतिरिक्त हथियार भेजने की घोषणा की थी, जब रूस ने नए क्षेत्रीय कब्जे का दावा किया था।

ट्रंप ने यूक्रेन पर रूस के भारी हमलों का जिक्र करते हुए कहा कि यूक्रेन को निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हम और हथियार भेजेंगे, मुख्य रूप से रक्षात्मक हथियार। हाल ही में, अमेरिका ने कीव के लिए कुछ हथियारों की शिपमेंट को अचानक रोक दिया था, जिससे यूक्रेनी अधिकारी हैरान रह गए और उन्होंने स्पष्टीकरण मांगा था।कुछ दिन पहले, ट्रंप ने पुतिन के साथ फोन पर बातचीत के बाद यूक्रेन में संघर्ष के समाधान में कोई प्रगति न होने पर नाराजगी जताई थी।

रूस पर व्यापक प्रतिबंध लगाने वाले एक द्विपक्षीय सीनेट बिल का समर्थन करने पर विचार कर रहे हैं : **डोनाल्ड ट्रंप**

यूक्रेन को हथियार भेजने की खबर से 'अचंभित' हुए ट्रम्प

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प यूक्रेन को हथियारों की आपूर्ति दोबारा शुरू होने का मामला सामने आने पर कथित तौर पर 'अचंभित'हो गए हैं। 'द गार्जियन' की खबर के अनुसार श्री ट्रम्प ने यूक्रेन को हथियारों की नयी खेप के लिए हरी झंडी मिलने पर अनभिज्ञता जाहिर करते कहा कि मुझे नहीं पता कि यूक्रेन के लिए रोकी गयी हथियारों की आपूर्ति को किसने हरी झंडी दिखायी। यह मामला ऐसे समय में सामने आया है जब अमेरिका ने यूक्रेन को बेहद खास जंगी साजो-सामान भेजने पर अस्थायी रोक लगायी हुई है। श्री ट्रम्प ने हालांकि यूक्रेन को युद्ध संबंधी सामान की सप्लाई जारी रखने का वादा किया था, लेकिन इजाजत मिलने की खबर जब अचानक से उनके सामने आई तो इससे वह 'चकरा' गए और निराशा जाहिर की। जब उससे पूछा गया कि कैबिनेट बैठक में किसने खेप भेजने की इजाजत दी तो उन्होंने पत्रकारों से रूखेपन से कहा, कि मुझे नहीं पता। आप मुझे क्यों नहीं बताते? पिछले सप्ताह 'पेंटागन' ने कहा था कि वह यूक्रेन को एमआईएम-104 पैट्रियट इंटरसेप्टर मिसाइलों, सटीक-निर्देशित जीएमएलआरएस रॉकेटों, हेलफ़ायर मिसाइलों, हॉवित्जर राउंड और अन्य हथियारों की आपूर्ति अस्थायी रूप से रोक देगा।पेंटागन ने यह कदम अपने हथियार भंडार की 'रणनीतिक समीक्षा' और पश्चिम एशिया पर बढ़ते ध्यान के चलते उठाया है।

अमेरिकी व्यापार गतिविधियों पर बारीकी से नजर : रूस

मास्को। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की विवादास्पद टैरिफ नीतियों के कारण उठे वैश्विक संकट के बीच रूस ने कहा है कि वह अमेरिकी व्यापार गतिविधियों पर बारीकी से नजर बनाये हुये है। गौरतलब है कि अमेरिका नयी टैरिफ योजना पर एक अगस्त से काम करना प्रारंभ कर रहा है। रूस अभी तक अमेरिकी टैरिफ नीति का निशाना नहीं बना है। इसकी वजह यह है कि रूस के यूक्रेन से युद्ध में उलझने के कारण अमेरिका ने रूस पर पहले से प्रतिबंध लगा रखे हैं। रूसी सरकारी मीडिया तास की नई रिपोर्ट में कहा गया है रूस पर अगर टैरिफ लगाए गए तो इससे वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं, मुक्त व्यापार और विशेष रूप से ब्रिक्स देशों के साथ उसके कारोबार पर असर हो सकता है। विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया जखारोवा ने कहा व्यापार नीति के संदर्भ में अमेरिका की गतिविधियों पर रूस कड़ी नज़र रख रहा है। वाशिंगटन की एकतरफा टैरिफ नीति मुक्त व्यापार नियमों का उल्लंघन करती है। यही नहीं यह वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए जोखिम भरी है। गत सात जुलाई को, ब्रिक्स देशों ने सामूहिक रूप से अमेरिकी टैरिफ की निंदा करते हुए इसे 'एकतरफा' कार्रवाई, विश्व व्यापार संगठन के नियमों सहित 'अंतर्राष्ट्रीय कानूनों का घोर उल्लंघन' बताया था। इसके जवाब में, ट्रंप ने ब्रिक्स देशों के प्रति अपना रुख कड़ा कर दिया। अमेरिकी राष्ट्रपति, पहले से ही ब्रिक्स और उसके डॉलर-विमुद्रीकरण के प्रयासों की आलोचना करते आ रहे हैं।

सुडोकू 6969

	7				3	5		
							1	
2				1	5			9
5				2	8			1
		8				2		
1			9	7				3
7			1	5				6
	2							
		4	2				8	

: नियम :

1. कुल 81 (9×9) वर्ग हैं, जिसमें 9 (3×3) वर्गों का एक खंड (ब्लॉक) बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1 से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते हैं।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कॉलम,कतार और खंड में 1 से 9 अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते हैं।

हल आज ही के अंक में

दैनिक पंचांग

mypandit.com 24 hour astrology service

■ बेजान दारूवाला

ग्रह स्थिति : गुरूवार 10 जुलाई , 2025 आषाढ़ शुक्ल पक्ष 14

राशिफल

मेष - यदि आप अपना स्वभाव शांत नहीं रखेंगे, तो उस कारण किसी के साथ मनमुटाव होने की संभावना उत्पन्न हो सकती है। आप शारीरिक थकान महसूस करेंगे। मानसिक अस्वस्थता के कारण किसी काम में मन नहीं होगा।

वृषभ - आपकी तबीयत खराब होने के कारण काम में जल्दी सफलता नहीं मिल सकती है। मन में निराशा का अनुभव होगा। काम के बोझ से मानसिक तनाव और उचाट की स्थिति उत्पन्न होगी। प्रवास में अवरोध आ सकते हैं।

मिथुन - शारीरिक और मानसिक ताजगी और खुशी का अनुभव होगा। परिजनों तथा मित्रों के साथ प्रवास एवं पार्टी का आयोजन होगा। आज आपके पास मनोरंजन के सभी साधन उपलब्ध होंगे।

कर्क - आज के दिन आपको खुशी और सफलता मिलेगी। पारिवारिक सदस्यों के साथ घर में सुख-शांति से दिन व्यतीत करेंगे। नौकरी करने वालों को लाभ होगा। विरोधियों को परास्त कर सकेंगे। काम में यश मिलेगा।

सिंह - लेखन और साहित्य के क्षेत्र में कुछ नए सृजन करने की आपको प्रेरणा मिलेगी। विद्यार्थी अध्ययन में उत्तम प्रदर्शन कर सकेंगे। प्रेम में सफलता और प्रिय व्यक्तियों के साथ आपकी मुलाकात से मन खुश रहेगा। मित्रों का सहयोग मिलेगा।

कन्या - आज आपको थोड़ी प्रतिकूलताओं के साथ तैयार रहना पड़ेगा। स्वास्थ्य नरम रहेगा। मन चिंताओं से घिरा रहेगा। माता से संबंधों में तनाव होगा अथवा उनकी तबीयत खराब होगी।

तुला - वर्तमान समय भाग्यवृद्धि का है। ऐसे में नए काम शुरू करने के लिए आज का दिन शुभ है। योग्य जगह पर पूंजी निवेश लाभदायक रहेगा। परिवार में भाई-बंधुओं के साथ आत्मीयता और मेल- मिलाप रहेगा।

वृश्चिक - आज परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। सगे-संबंधियों और मित्रों का आगमन होगा। स्वादिष्ट भोजन मिलेगा। धार्मिक काम के पीछे खर्च होगा। अलंकारों तथा सुगंधित पदार्थों की खरीदारी होगी।

धनु - आज व्यापारियों को विशेष लाभ होगा। विदेश स्थित व्यापार से लाभ होगा। आपके हाथ से धार्मिक एवं मांगलिक काम होंगे। स्नेहीजनों और मित्रों का मिलन आनंदित करेगा। आर्थिक लाभ होगा।

मकर - आज धार्मिक और आध्यात्मिक विषयों में रुचि रहने से व्यस्तता रहेगी तथा उनके पीछे खर्च भी होगा। कोर्ट-कचहरी से संबंधित काम सामने आएंगे। व्यवसायिक कामों में बाधा होगी। स्नेहीजनों की प्रतिष्ठा में हानि होगी।

कुंभ - आज का दिन लाभदायी है। व्यवसायिक क्षेत्र में आपको फायदा होगा। मित्रों के साथ भेंट होने से मन में आनंद छाया रहेगा। उनके साथ प्रवास का आयोजन भी हो सकता है। नए काम की शुरुआत आपके लिए लाभदायी रहेगा।

मीन - व्यावसायिक दृष्टि से आज का दिन आपके लिए लाभदायी है। आपकी कार्यसफलता के कारण अधिकारी आप पर प्रसन्न रहेंगे। व्यवसाय में पदोन्नति के भी योग है। व्यापारियों को व्यापार में लाभ मिलेगा।

नोट-उपरोक्त राशिफल बेजान दारूवाला द्वारा पूर्वलिखित है।

भारत-ब्राजील हर क्षेत्र में सहयोग सुदृढ़ कर द्विपक्षीय व्यापार को 20 अरब डॉलर पहुंचाएंगे : मोदी

आज राष्ट्रपति द्वारा मुझे ब्राजील के सर्वोच्च राष्ट्रीय सम्मान से विभूषित किया जाना मेरे लिए ही नहीं, बल्कि 140 करोड़ भारतवासियों के लिए भी अत्यंत गर्व और भावुकता का पल है। : नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

ब्रासीलिया/नई दिल्ली, 9 जुलाई (एजेंसियां)। भारत और ब्राजील ने हर क्षेत्र में सहयोग को सुदृढ़ करने तथा अगले पाँच वर्षों में द्विपक्षीय व्यापार को 20 अरब डॉलर तक ले जाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। ब्राजील की आधिकारिक यात्रा पर गए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने यहां ब्राजील के राष्ट्रपति लूला द सिल्वा के साथ मुलाकात के बाद संयुक्त वक्तव्य में यह बात कही। राष्ट्रपति लूला को भारत और ब्राजील सामरिक साझेदारी का पक्षधर बताते हुए उन्होंने कहा कि दोनों देशों के संबंधों को प्रगाढ़ करने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उन्होंने कहा कि आज की चर्चाओं में हमने हर क्षेत्र में सहयोग को सुदृढ़ करने पर बात की। हमने आने वाले पाँच वर्षों में द्विपक्षीय व्यापार को 20 अरब डॉलर तक ले जाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। उन्होंने कहा कि दोनों देश मिलकर भारत-मर्कोसुर वरीय व्यापार समझौते के विस्तार पर भी काम करेंगे।

ब्राजील के लोग भारत की संस्कृति सीखने के इच्छुक : ज्योति किरण शुक्ला

ब्रासीलिया। ब्राजील में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वागत में कार्यक्रम का आयोजन करने वाली डॉ. ज्योति किरण शुक्ला का कहना है कि प्रधानमंत्री के आगमन से यहां रहने वाले प्रवासी काफी उत्साहित हैं। ब्राजील के लोग भारत की संस्कृति को सीखने के लिए काफी इच्छुक हैं। डॉ. शुक्ला ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत में कहा कि स्वामी विवेकानंद कल्चरल सेंटर के तत्वावधान में इस पूरे कार्यक्रम का आयोजन हुआ। जिस तरह का कार्यक्रम आयोजित हुआ, उसे लेकर लोगों में काफी खुशी और उत्साह है। मंगलवार का कार्यक्रम कई मायनों में खास था। इसके पीछे की

एक ही दिन में 2600 से ज्यादा अफगान परिवार अफगानिस्तान लौटे

काबुल, 9 जुलाई (एजेंसियां)। विदेशों में को एक ही दिन में दो हजार 600 से ज़्यादा अफ़ग़ान शरणार्थी परिवार सुरक्षित घर लौट आए, जिनमें से ज़्यादातर ईरान से है और एक बड़ा हिस्सा पाकिस्तान से है। अफ़ग़ानिस्तान की सरकारी मीडिया बख़्तर न्यूज़ एजेंसी की एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गयी।

मीडिया संस्था ने 'एक्स' पर कहा कि पाकिस्तान और ईरान से जबरन वापस भेजे जाने के बाद 2,604 अफ़ग़ान प्रवासी परिवार, जिनमें 16,264 लोग शामिल हैं, अफ़ग़ानिस्तान लौट आए हैं।प्रवासी मुद्दों के समाधान के लिए उच्चायोग ने बताया कि ये परिवार विभिन्न सीमा बिंदुओं से होकर गुज़रे, जिनमें नंगरहार में तोरखम, कंधार में स्पिन बोल्डक, हेरात में इस्लाम क़ला और

निमरोज़ में अबरीशाम शामिल हैं। यह ईरान और पाकिस्तान प्रशासन द्वारा किए जा रहे जबरन निर्वासन और प्रत्यावर्तन की लंबी श्रृंखला में नवीनतम घटना है, जो सभी शरणार्थियों को उनके वतन वापस भेजने के लिए दृढ़ हैं।

अंतरिम तालिबान सरकार द्वारा बार-बार अफगान नागरिकों को उनके घरों से जबरन उखाड़ फेंकने और उन्हें वापस भेजने में नरमी के आह्वान के बावजूद, दोनों देशों ने अफगान नागरिकों के प्रति कोई नरमी नहीं दिखाई है। अफ़ग़ानों को निर्वासित करते समय हालाँकि, उनके साथ किए जाने वाले व्यवहार में उल्लेखनीय सुधार हुआ है, क्योंकि दोनों देशों की सरकारें लौटने वालों को उनके घर वापसी के लिए आवश्यक संसाधन उपलब्ध करा रही हैं।शरणार्थी मामलों के उच्चायोग ने बताया कि इस्लाम क़ला सीमा पार से ईरान से लौटने वाले नागरिकों को नकद सहायता, भोजन, स्वास्थ्य सेवा और परिवहन सहित निःशुल्क सेवाएँ प्रदान की जा रही हैं। हेरात में सूचना एवं संस्कृति विभाग के प्रमुख और जन जागरूकता समिति के प्रतिनिधि मावलवी अहमदुल्लाह मुत्फ़ी ने बताया कि इसके अतिरिक्त, उन्हें 2000 अफ़ग़ानिस्तान फ़्रैंक नकद, दोपहर और रात के भोजन के लिए गर्म भोजन, सिम कार्ड और चिकित्सा सेवाएँ भी दी जा रही हैं।

प्रथम पृष्ठ का शेष

जनप्रतिनिधियों के दायित्व निर्वहन में ...

विकसित छत्तीसगढ़ और विकसित भारत के लिए मील का पत्थर साबित होने वाला है उन्होंने कहा छत्तीसगढ़ की ताकत और क्षमता उसके माध्यम से विकसित छत्तीसगढ़ का निर्माण और यहां के लोगों के जीवन में परिवर्तन लाने के लिए रहा है

विकास में वरिष्ठ नेताओं के मार्गदर्शन की होगी बड़ी भूमिका- अरुण साव ने कहा इस आयोजन में शत प्रतिशत उपस्थिति पार्टी के राष्ट्रीय नेताओं से लेकर वरिष्ठ नेताओं का मार्गदर्शन छत्तीसगढ़ के विकास के लिए बहुत बड़ी भूमिका निभाने वाला है सूरजपुर विधानसभा में पहली बार बीजेपी जीती है इसीलिए भी यह जगह बहुत ही महत्वपूर्ण रहा है इस जगह से निकला हुआ संदेश पूरे देश और विश्व तक पहुंचने वाला है ।

वर्ग पहेली 6969

१		२		३	■	४		५	
	■		■	६			■		■
७			■		■	८			९
	■	■	■	१०			■	■	
■	११		१२		■	■	१३		
■		■		■	१४			■	
१५		१६		■		■	१७	१८	
	■		■	१९		२०	■		■
२१			■		■	२२			२३
	■	२४					■	■	

बायें से दायें:-

१. पराधीनता, गुलामी
४. जिस पर नजर न पड़ी हो, जो देखा न गया हो
६. रक्षा करने या रखे जाने का भाव
७. विनती, आवेदन पत्र
८. युद्ध संबंधी
१०. यज्ञ करना
११. भलामानस, सज्जन
१३. तृण, घास-फूस
१४. कठिन
१५. शांत, नीरव, निर्जन, सन्नाटा
१७. स्वर्ण, धतूरा
१९. मां का बच्चे के प्रति किया जाने वाला स्नेह, वात्सल्य
२१. एक राक्षसी
२२. अस्वीकार या असहमति जताना
२४. कांपना

ऊपर से नीचे:-

१. पैदल चलने वाला
२. शरीर के भीतर पायी जाने वाली श्वेत चमकदार डोरी जैसी संरचना
३. विश्वामित्र के पुत्र का नाम
४. मृत्यु, समाप्ति, अंत
५. दानव, दैत्य, देवताओं के शत्रु
९. तकलीफदेह
११. किसी देवता की स्तुति में रचित पद
१२. युक्ति, प्रयत्न
१३. केसर-चंदन आदि से ललाट पर बनाया गया चिन्ह,टीका
१४ किसी व्यापारिक संस्थान में लेन-देन का लेखा-जोखा रखने वाला
१५. देवता और दैत्य
१६. संग-संग, एक साथ
१८. मिसाल, उदाहरण (उर्दू)
१९. कामदेव
२०. कसना, तान कर बांधना
२३. ध्वनि, शब्द

वर्ग पहेली-6968

१ दृ	ष्टि	२ गो	च	३ र	■	४ सु	प्र	५ सि	द्ध
ढ़ा	■	पा	■	६ ज	न्मां	ध	■	पा	■
७ यु	ग	ल	■	नी	■	८ र	स	ही	९ न
ध	■	■	■	१० क	स	ना	■	■	र्त
■	११ अ	धि	१२ भा	र	■	■	१३ अ	र्त	न
■	चं	■	जि	■	१४ कु	मु	द	■	प्रि
१५ प्र	भा	१६ वि	त	■	मा	■	१७ ब	१८ जा	य
ति	■	ष	■	१९ प	री	२० क्षा	■	य	■
२१ यो	ज	क	■	ह	■	२२ र	ह	ज	२३ नी
गी	■	२४ न्या	या	ल	य	■	■	■	चे

युसूफ कुरैशी, मो. 8109948408

आज का इतिहास

1246-नसीरुद्दीन मुहम्मद शाह दिल्ली की गद्दी पर आसीन हुआ।
1553-मात्र 15 साल की उम्र में लेडी जेन ग्रे इंग्लैंड की रानी बनीं। हालांकि वे केवल 9 दिन तक ही इस पद रहीं इसलिए उन्हें 9 दिन की रानी के नाम से भी जाना जाता है।
1624-हॉलैंड और फ्रांस के बीच स्पेन विरोधी संधि पर हस्ताक्षर।
1806 -वेल्लोर में भारतीय सिपाहियों ने अंग्रेजों के खिलाफ पहला विद्रोह किया था।
1848-न्यूयॉर्क और शिकागो के बीच पहला टेलीग्राफ लिंक शुरू।
1856-निकोला टेस्ला का जन्म हुआ। उनके नाम पर ही फ्लक्स की मानक इकाई को टेस्ला का नाम दिया गया है।
1907-फ्रांस और जापान के बीच चीन की स्वतंत्रता और अखंडता को बरकरार रखने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर।
1938-होवर्ड ह्यूज ने लॉकहीड-14 के जरिए 91 घंटे में पूरी दुनिया का चक्कर लगाकर रिकॉर्ड बनाया।
1946-राजशाही खत्म होने के बाद इटली गणतांत्रिक राष्ट्र बना।
1962-दुनिया की पहला संचार उपग्रह टेलस्टार-1 को नासा ने प्रक्षेपित किया।
1965-महिलाओं के लिए पहला एनसीसी कालेज ग्वालियर में खुला।
1966-वायु सेना के लड़ाकू विमान 'मिग' का महाराष्ट्र के नासिक जिले में निर्माण शुरू।
1972-मुंबई के मझगांव बंदरगाह से पूर्ण वातानुकुलित पोत हर्षवर्धन का जलावतरण।
1973 -पाकिस्तान की नैशनल असेंबली ने बंगलादेश को स्वतंत्र देश स्वीकारने वाला प्रस्ताव पारित किया।

आफत *अमेरिका के टेक्सास में आई विनाशकारी बाढ*

टेक्सास : बाढ़ में मरने वालों की संख्या 100 के पार, 160 से ज्यादा लापता

ह्यूस्टन, 9 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिका के टेक्सास में आई विनाशकारी बाढ़ में कम से कम 109 लोगों की मौत हो गई, जबकि 160 से ज्यादा लोग अभी भी लापता हैं। अधिकारियों के अनुसार इनमें से 87 मौतें केर काउंटी में हुई। ग्वाडालूप नदी के किनारे बचाव अभियान जारी है। टेक्सास के हंट में नदी किनारे स्थित कैंप मिस्टिक' ने पुष्टि की है कि इस बाढ़ में कम से कम 27 कैंपर और काउंसलर मारे गए। टेक्सास के गवर्नर ग्रेग एबॉट ने एक प्रेस ब्रीफिंग में बताया कि भीषण बाढ़ के बाद कम से कम 161 लोग लापता हैं। अन्य लोगों की खोज में ग्वाडालूप रिवर सिस्टम में 'सर्च ऑपरेशन' जारी हैं।

इसके साथ ही उन्होंने जनता से अपील की है कि वह स्थानीय अधिकारियों को उन दोस्तों या रिश्तेदारों की जानकारी दें, जिनके लापता होने की आशंका है। 'कैंप मिस्टिक' ने कहा कि इस त्रासदी को झेल रहे परिवारों के साथ हमारा भी दिल टूट गया है। हम उनके लिए लगातार प्रार्थना कर रहे हैं। हम स्थानीय लोगों और स्टेट अथॉरिटीज के संपर्क में हैं, जो हमारी लापता लड़कियों की तलाश के लिए अथक प्रयास कर रहे हैं। केर काउंटी के शेरिफ लैरी लीथा के हवाले से एक मीडिया आउटलेट ने मंगलवार को बताया कि 'कैंप मिस्टिक' के कम से कम पांच कैंपर और एक काउंसलर अभी भी लापता हैं। शेरिफ पहले भी बता चुके हैं कि जब बाढ़ आई थी, तब कैंप मिस्टिक में लगभग 750 बच्चे थे। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गवर्नर एबॉट के अनुरोध पर केर

काउंटी के लिए एक बड़ी आपदा घोषणा पर हस्ताक्षर किए हैं। शनिवार को एबॉट ने समर कैंप का दौरा करने के बाद वहां के हालात को 'भयावह' बताया था। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने कहा कि गुटेरेस अमेरिकी राज्य टेक्सास में बाढ़ के कारण हुई जान-माल की हानि से दुखी हैं। प्रवक्ता ने कहा कि गुटेरेस पीड़ितों के परिवारों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करते हैं। वह प्रभावित सभी लोगों, टेक्सास के लोगों और अमेरिकी सरकार के साथ एकजुट हैं।

गुआंग्डोंग प्रांत में बाढ़ के लिए स्तर चार की आपात प्रतिक्रिया

बीजिंग। चीन के जल संसाधन मंत्रालय ने आज दक्षिणी चीन के गुआंगडोंग प्रांत में तूफान डानास के कारण आई बाढ़ के लिए स्तर-चार की आपातकालीन प्रतिक्रिया शुरू कर दी है। मंत्रालय ने पूर्वानुमान लगाया है कि 9 से 11 जुलाई के बीच गुआंग्डोंग में भारी से लेकर मूसलाधार बारिश तक हो सकती है। उत्तर और पूर्व में अत्यधिक भारी बारिश होने की संभावना है तथा कुछ नदियों के जल स्तर में उल्लेखनीय वृद्धि हो सकती है। मंत्रालय ने स्थानीय विभागों से मौसम परिवर्तन पर बारीकी से नजर रखने, वर्षा और जल स्थिति के अनुमानों और पूर्वानुमानों में सुधार करने तथा जल परियोजनाओं के लिए बाढ़ नियंत्रण उपायों को वैज्ञानिक रूप से लागू करने का आग्रह किया है।

दुनिया को जानें

ऑस्ट्रेलिया में कैंसर से होने वाली सवा दो लाख से ज्यादा मौतों को रोका गया

कैनबरा। ऑस्ट्रेलिया में कैंसर की रोकथाम,जांच और उपचार की दिशा वैज्ञानिकों के गहन शोध के कारण 1980 के दशक के मध्य से 230,000 से अधिक कैंसर से होने वाली मौतों को रोका गया है।यह नया अध्ययन 'पब्लिक हेल्थ' में कल प्रकाशित हुआ।

कैंसर काउंसिल विक्टोरिया में कैंसर महामारी विज्ञान की उप-निदेशक एवं अध्ययन की प्रमुख शोधकर्ता ब्रिगिड लिंच ने बताया कि धूम्रपान विरोधी अभियानों के कारण फेफड़ों के कैंसर से होने वाली मौतों में भारी गिरावट दर्ज की गयी है और बेहतर जांच और उपचार से स्तन, गर्भाशय ग्रीवा और पेट के कैंसर से होने वाली मृत्यु दर में कमी आई है। श्री लिंच ने कहा कि हम जो देख रहे हैं वह एक स्नोबॉल प्रभाव है, अब हम कई दशकों में कैंसर नियंत्रण में किए गए निवेश का परिणाम देख रहे हैं। अध्ययन में कहा गया है कि 1980 के दशक से, पुरुषों में कैंसर से मृत्यु का जोखिम 20 फीसदी और महिलाओं में 11 फीसदी कम हो गया है। अध्ययन में हालांकि चेतावनी दी गई है कि जीवनशैली संबंधी कारकों और पुराने संक्रमणों के कारण यकृत और मस्तिष्क कैंसर से होने वाली मौतें बढ़ रही हैं।

खेल जगत

'फैब फोर' में जगह बना सकते हैं शुभमन गिल : मार्क रामप्रकाश

नई दिल्ली। इंग्लैंड के पूर्व बल्लेबाज मार्क रामप्रकाश ने भारतीय टेस्ट कप्तान शुभमन गिल की शानदार बल्लेबाजी तकनीक को सराहा है। रामप्रकाश के मुताबिक गिल ने 'फैब फोर' (विराट कोहली, जो रूट, स्टीव स्मिथ और केन विलियमसन) के दौर के बल्लेबाजों की जगह लेने की क्षमता दिखाई है। लीड्स में शुभमन गिल ने 147 और आठ रन की पारी खेली, जिसके बाद एजबेस्टन में 269 और 161 रन जड़ दिए। गुरुवार से लॉर्ड्स में शुरू हो रहे तीसरे टेस्ट से पहले, गिल ने पांच मैचों की सीरीज में 585 रन जोड़ लिए हैं। रामप्रकाश ने बुधवार को 'द गार्जियन' में लिखा, हमें गिल की सिर्फ सहनशक्ति, स्किल और रन बनाने की भूख की सराहना ही नहीं करनी चाहिए, बल्कि एक युवा टीम के नए कप्तान के रूप में उदाहरण पेश करने की भी तारीफ करनी चाहिए।

भारत की निगाहें लॉर्ड्स टेस्ट भी जीत सीरीज में बढ़त बनाने पर

■ कप्तान गिल के निशाने पर होंगे कई रिकॉर्ड ■ बुमराह के टीम इंडिया में लौटने से इंग्लैंड की परेशानी बढ़ी ■ रूट लॉर्डस टेस्ट में लय पाने की कोशिश करेंगे

इंग्लैंड ने आर्चर को टीम में शामिल किया

लंदन। भारत के खिलाफ 10 जुलाई से लॉर्ड्स में शुरू हो रही एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के तीसरे टेस्ट के लिए इंग्लैंड ने अपनी प्लेइंग इलेवन की घोषणा कर दी है। लंबे समय बाद दाएं हाथ के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर की प्लेइंग इलेवन में वापसी हुई है। आर्चर ने चार साल से भी अधिक समय बाद टेस्ट टीम में वापसी की है। कोहनी और पीठ की इंजरी की वजह से वह 2021 से ही इस फॉर्मेट से बाहर चल रहे थे। आर्चर ने अपना आखिरी टेस्ट भारत के खिलाफ फरवरी 2021 में नरेंद्र मोदी स्टेडियम, अहमदाबाद में

■ सत्येन्द्र पाल सिंह

नई दिल्ली, 9 जुलाई (देशबन्धु)। कप्तान शुभमन गिल के दोनों पारियों में जड़े शतकों और अनुकरणीय नेतृत्व तथा तेज गेंदबाज आकाश दीप के चटकाए दस विकेट की बदौलत एजबेस्टन, बर्मिंघम में इंग्लैंड का अभेद्य किला भेद दूसरा टेस्ट 336 रन के बड़े अंतर से जीत पांच टेस्ट मैचों की एंडरसन-तेंडुलकर ट्रॉफी में एक एक की बराबरी पाने के बाद अब भारत की निगाहें लॉर्डस में बृहस्पतिवार से शुरू हो रहा तीसरा टेस्ट भी जीतकर सीरीज में 2-1 की बढ़त बनाने पर लगी हैं।

भारत ने लीडस का पहला टेस्ट आखिरी दिन आखिरी सत्र में पांच विकेट से गंवाने के बाद जसप्रीत बुमराह को आराम दिए जाने के बाद जिस दमदार ढंग से दूसरा टेस्ट जीता उससे इंग्लैंड का टीम प्रबंधन परेशान है। भारत को अपनी जीत के सिलसिले को आगे बढ़ाना है उसके कप्तान शुभमन गिल, उपकप्तान ऋषभ पंत के साथ केएल राहुल और यशस्वी जायसवाल को बल्ले से ऐसे ही धमाल जारी रखना होगा। क्रिकेट का मक्का कहे जाने वाले लॉर्डस के मैदान पर पैवेलियन छोर पर ढाल के चलते गेंदबाज को बहुत मदद मिलती है और कई बार गेंद क्षेत्ररक्षक के हाथ में आकर फिसल जाती है और वह रनआउट का भी मौका गंवा बैठता है। मैदान पर पैवेलियन छोर पर गेंद एक तरफ अक्सर काफी तेजी से निकलती है। लॉर्डस की पिच से कुछ घास तो मंगलवार को और कुछ बुधवार को भी हटाई गई लेकिन यह देखना दिलचस्प होगा कि इस पर कितनी घास छोड़ी जाएगी। इतना जरूर कहा जा सकता है कि लॉर्डस की पिच लीडस में पहले टेस्ट और एजबेसटन, बर्मिंघम में दूसरे टेस्ट की पिच से कही ज्यादा जीवंत होगी। भारत के लिए अच्छी बात यह है कि कप्तान शुभमन गिल और सलामी बल्लेबाज केएल राहुल के रूप में उसके पास पूरे रंग में चल रहे ऐसे बल्लेबाज हैं जो तकनीकी रूप से सक्षम होने के कारण भले ही इंग्लैंड लॉर्डस में रफ्तार के सौदागर जोफ्रा आर्चर को शामिल करे उसके तूफान से निपटने में सक्षम हैं। भारत के बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक ने लॉर्डस की पिच पर इसीलिए अपने बल्लेबाजों को धैर्य से चौकस होकर बल्लेबाजी करने को कहा है। भारत की खुशकिस्मती है कि उसके पास बाएं हाथ के विस्फोटक सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल और उपकप्तान ऋषभ पंत के अपने ही अंदाज में आक्रामक बल्लेबाजी से टेस्ट मैच का रुख बदलने में सक्षम बल्लेबाज हैं।शुभमन गिल मौजूदा सीरीज के शुरू के दो टेस्ट में एक दोहरे और दो शतकों सहित कुल 585 रन बना चुके हैं और जब वह लॉर्डस में तीसरे टेस्ट में खेलने उतरेंगे तो उनके निशाने पर कई रिकॉर्ड होंगे। गिल को बतौर टेस्ट कप्तान ऑस्ट्रेलिया के डॉन ब्रैडमैन के 88 बरस पुराने एक टेस्ट सीरीज में पांच टेस्ट में सबसे ज्यादा 810 रन बनाने के रिकॉर्ड को तोड़ने के लिए 225 रन और बनाने हैं। भारत के ट्रेस्ट कप्तान के रूप में सुनील गावसकर ने 1978-79 की सीरीज में छह टेस्ट में सबसे ज्यादा 732 रन बनाए और इसे तोड़ने के लिए शुभमन को बस 148 रनन और बनाने हैं । शुभमन गिल को एक टेस्ट सीरीज में ब्रैडमैन के सबसे ज्यादा 974 रन बनाने के रिकॉर्ड को तोड़ने के लिए 390 रन और बनाने हैं। बतौर कप्तान एक टेस्ट सीरीज में सबसे ज्यादा चार टेस्ट शतक ब्रैडमैन के नाम हैं और इसे तोड़ने के लिए शुभमन गिल को बस एक शतक और चाहिए। इंग्लैंड के लिए सबसे बड़ी चुनौती तकनीकी रूप से दक्ष और पूरे रंग मे चल रहे भारत के कप्तान शुभमन गिल , 2021 में लॉर्डस टेस्ट में में शतक जमा भारत की जीत के हीरो रहे व पहले टेस्ट में शतक जड़ने वाले केएल राहुल व पहले टेस्ट की दोनों पारियों में शतक जमाने के बाद दूसरे टेस्ट की दूसरी पारी में तूफानी अर्द्धशतक जड़ने उपकप्तान ऋषभ पंत को रन बनाने से रोकने की होगी। इंग्लैंड लॉर्डस में तीसरे टेस्ट के लिए अपनी एकादश में तेज गेंदबाज क्रिस वॉक्स की जगह अब फिट हो चुके जोफ्रा आर्चर को शामिल करने की सोच रहा है। आर्चर को भारतीय बल्लेबाज आईपीएल में खूब खेल ही नहीं चुके हैं उनकी जमकर धुनाई भी कर चुके हैं।

कॅरियर की सर्वश्रेष्ठ टेस्ट रैंकिंग पर शुभमन गिल, नंबर-1 बने हैरी ब्रूक

नई दिल्ली। भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने आईसीसी पुरुष टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग हासिल कर ली है। वहीं, इंग्लैंड के बल्लेबाज हैरी ब्रूक हमवतन जो रूट को पछाड़कर टेस्ट फॉर्मेट में नंबर-1 बन गए हैं। शुभमन गिल ने इंग्लैंड के खिलाफ एजबेस्टन टेस्ट में 269 और 161 रनों की पारियां खेलीं। वह टेस्ट मैच की दोनों पारियों में 150 से अधिक का स्कोर बनाने वाले इतिहास के दूसरे खिलाड़ी बने। गिल बल्लेबाजों की टेस्ट रैंकिंग में 15 स्थानों की छलांग लगाकर छठे स्थान पर पहुंच गए हैं। इससे पहले, सितंबर 2024 में गिल 14वें स्थान पर पहुंचे थे। उन्होंने मौजूदा सीरीज की शुरुआत 23वें स्थान से की थी।

आस्ट्रेलिया ने 'लॉर्ड्स' टेस्ट की एक ही पारी में बनाए थे 700 से ज्यादा रन

नई दिल्ली, 9 जुलाई (एजेंसियां)। भारत और इंग्लैंड के बीच लॉर्ड्स में टेस्ट सीरीज का तीसरा मुकाबला खेला जाना है। जो भी टीम इस मुकाबले को जीतेगी, वह सीरीज में 2-1 से बढ़त बना लेगी। भारत-इंग्लैंड के बीच पांच मुकाबलों की इस टेस्ट सीरीज के शुरुआती दो मैचों में जमकर रन बरसे हैं। फैंस को उम्मीद है कि लॉर्ड्स में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिलेगा। लॉर्ड्स में अब तक छह बार पारी में 600 से ज्यादा रन बन चुके हैं, लेकिन क्या आप उस इकलौते देश के बारे में जानते हैं, जिसने इस मैदान पर 700 से भी ज्यादा रन एक ही पारी में जड़ दिए थे? जी हां! यहां हम ऑस्ट्रेलियाई टीम की बात कर रहे हैं, जिसने साल 1930 में लॉर्ड्स के इस ऐतिहासिक मैदान पर रनों का अंबार लगा दिया था। यह मैच 27 जून से 1 जुलाई के बीच खेला गया था। मुकाबले में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी के लिए उतरी इंग्लैंड ने पहली पारी में 425 रन बनाए, जिसमें दलीप सिंह का अहम योगदान रहा, जिन्होंने इस पारी में सर्वाधिक 173 रन जड़े। इसके जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने अपनी पहली पारी 729/6 के स्कोर पर घोषित की। इस दौरान कुल 232 ओवर खेले गए। ऑस्ट्रेलिया की इस पारी में कप्तान बिल वुडफुल ने 155, जबकि डॉन ब्रैडमैन ने 254 रनों का योगदान टीम के खाते में दिया। इन दोनों बल्लेबाजों ने अन्य खिलाड़ियों के साथ शानदार साझेदारियां भी कीं, जिसने टीम को विशाल स्कोर तक पहुंचा दिया। इंग्लैंड की टीम साफतौर पर दबाव में नजर आ रही थी। मेजबान टीम अगली पारी में 375 रन से ज्यादा नहीं बना सकी। ऑस्ट्रेलिया को जीत के लिए 72 रन का लक्ष्य मिला, जिसे मेहमान टीम ने 28.2 ओवरों में हासिल कर लिया।

■ साल 1930 में लॉर्ड्स के इस ऐतिहासिक मैदान पर रनों का अंबार लगा दिया था

श्रीलंका ने बांग्लादेश को 99 रनों से हराकर सीरीज जीती

पल्लेकेले, 9 जुलाई (एजेंसियां)। कुसल मेंडिस (124), कप्तान चरित असालंका(58) की शानदार बल्लेबाजी के बाद असिता फर्नांडो और दुष्मंत चमीरा की बेहतरीन गेंदबाजी के दम पर श्रीलंका ने बंगलादेश को तीसरे एकदिवसीय मुकाबले में 99 रनों हरा दिया। इसी के साथ श्रीलंका ने तीन मैचों की सीरीज 2-1 से अपने नाम कर ली। श्रीलंका ने मुकाबले में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी श्रीलंका ने कुसल मेंडिस 114 गेंदों में (124), कप्तान चरित असालंका (58) रनों की शानदार बल्लेबाजी के दम पर निर्धारित 50 ओवरों में सात विकेट पर 285 रनों का स्कोर खड़ा किया। पथुम निसंका (35) और जनित लियानगे ने 12 रनों का योगदान दिया। वानिंदु हसरंगा (18) और दुष्मंत चमीरा (10) रन बनाकर नाबाद रहे। बांग्लादेश की ओर से तसकीन अहमद और मेहदी हसन मिराज ने दो-दो विकेट लिये। तंजिद हसन साकिब, शमीम हुसैन और तनवीर इस्लाम ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। 286 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी बंगलादेश की शुरुआत खराब रही और उसने 20 रन के स्कोर पर अपने दो विकेट गंवा दिये। तंजिद हसन (17) को ए फर्नांडो ने बोल्ड आउट किया। अगले ही ओवर में नजमुल शान्तो (शून्य) को चमीरा ने बोल्ड आउट कर श्रीलंका को दूसरी सफलता दिलाई। बंगलादेश का तीसरा विकेट परवेज हुसैन इमॉन (28) के रूप में गिरा। इसके बाद मो. तौहीद हृदोय और मेहदी हसन मिराज ने पारी को संभालने का प्रयास किया। दोनों बल्लेबाजों ने चौथे विकेट के लिए 43 रन जोड़े। 21वें ओवर में दुनित वेल्लालगे ने मेहदी हसन मिराज (28) को आउटकर इस साझेदारी का अंत किया। इसके बाद श्रीलंकाई गेंदबाजी आक्रमण के आगे बंगलादेश का कोई भी बल्लेबाज अधिक देर तक नहीं टिक सका। शमीम हुसैन (12) और उसके बाद मो. तौहीद हृदोय (51) रन बनाकर आउट हुए।

श्रीलंका ने तीन मैचों की सीरीज 2-1 से अपने नाम कर ली

सार संक्षेप

रसिख सलाम अगला घरेलू सत्र बड़ौदा से खेलेंगे

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर को 2025/26 घरेलू सत्र से पहले एक बड़ा झटका लगा है। टीम के तेज गेंदबाज रसिख सलाम आगामी सत्र में बड़ौदा के लिए खेलते नजर आएंगे। जम्मू-कश्मीर क्रिकेट संघ (जेकेसीए) के सदस्य प्रशासन ब्रिगेडियर अनिल गुप्ता ने सलाम को एनओसी दिए जाने की पुष्टि की। अनिल गुप्ता ने कहा कि हमने उन्हें एनओसी दे दी है। मुझे ठीक से याद नहीं कि एनओसी कब जारी की गई थी, लेकिन मुझे लगता है कि यह पांच-छह दिन पहले ही जारी की गई होगी। अगर वह किसी और टीम की तरफ से खेलना चाहते हैं, तो हमें क्या फर्क पड़ता है? हमने इस बार छह खिलाड़ियों को एनओसी दी है। हमारे पास पर्याप्त प्रतिभावान खिलाड़ी हैं। बड़ौदा क्रिकेट एसोसिएशन (बीसीए) ने भी रसिख सलाम के अगले घरेलू सत्र के लिए टीम से जुड़ने की पुष्टि की है। रसिख सलाम दाएं हाथ के एक बेहतरीन तेज गेंदबाज हैं। जम्मू-कश्मीर के लिए 5 प्रथम श्रेणी मैचों में उन्होंने 13 विकेट लिए हैं। वहीं, 10 लिस्ट ए मैचों में भी उन्होंने 13 विकेट लिए हैं।

एमएलसी 2025 : वाशिंगटन फ्रीडम पहुंची फाइनल

नई दिल्ली। टेक्सास सुपर किंग्स और वाशिंगटन फ्रीडम के बीच मेजर लीग क्रिकेट-2025 का क्वालीफायर मैच बारिश के चलते रद्द हो गया। इसी के साथ वाशिंगटन फ्रीडम ने फाइनल में जगह बना ली है।

सुडोकू 6969 का हल

8	7	1	4	9	3	5	6	2
4	5	9	7	6	2	3	1	8
2	3	6	8	1	5	4	7	9
5	9	7	3	2	8	6	4	1
3	6	8	5	4	1	2	9	7
1	4	2	9	7	6	8	5	3
7	8	3	1	5	4	9	2	6
9	2	5	6	8	7	1	3	4
6	1	4	2	3	9	7	8	5

फ्लूमिनेंस को 2-0 से हराकर क्लब विश्व कप-2025 के फाइनल में चेल्सी

न्यू जर्सी, 9 जुलाई (एजेंसियां)। फ्लूमिनेंस को 2-0 से मात देकर चेल्सी ने क्लब विश्व कप-2025 के फाइनल में अपनी जगह बना ली है। इस सेमीफाइनल मैच के हीरो जोआओ पेड्रो रहे। दोनों गोल इसी खिलाड़ी ने दागे। 'ब्लूज' के नए सदस्य ने दोनों हाफ में शानदार गोल करते हुए ब्राजीलियन टीम की उम्मीदों पर पानी फेर दिया। अब चेल्सी का सामना रियल मैड्रिड सीएफ और पेरिस सेंट-जर्मेन के बीच सेमीफाइनल मुकाबले की विजेता टीम से होगा। 70 हजार से ज्यादा फैंस से भरे स्टेडियम में चेल्सी को मुकाबले में अपनी पकड़ बनाने के लिए ज्यादा समय नहीं लेना पड़ा। शुरुआती 10 मिनट में उन्होंने गेंद पर कब्जा जमा लिया और कुछ मौके बनाए। जोआओ पेड्रो का पहला गोल 18वें मिनट में आया, उन्होंने 20 गज की दूरी से एक शॉट लगाकर फुटबॉल को गोलपोस्ट के कोने में पहुंचाया। 25वें मिनट में हरक्यूलिस ने गोल का शानदार मौका बनाया, लेकिन कुकुरेला ने गोललाइन पर क्लियर कर दिया। पहले हाफ के अंत में फ्लूमिनेंस को पेनल्टी मिली। रिने का क्रॉस चालोबा के हाथ से टकराया, लेकिन वीएआर चेक के बाद फैसला बदल दिया गया। जोआओ पेड्रो ने मैच का दूसरा गोल 56वें मिनट पर किया। 23 वर्षीय खिलाड़ी ने गोल की ओर बढ़ते हुए क्रॉसबार से गेंद को गोलपोस्ट में पहुंचाया। जोआओ पेड्रो ने फ्लूमिनेंस से ही अपने करियर की शुरुआत की थी। उन्होंने इंग्लैंड आने से पहले क्लब के लिए 36 मुकाबले खेले थे।

नहीं तोड़ पाए लारा का रिकॉर्ड, नाराज हुए गेल

नई दिल्ली, 9 जुलाई (एजेंसियां)। दक्षिण अफ्रीका के कार्यवाहक कप्तान वियान मुल्डर ने पारी घोषित करने का फैसला लेते हुए ब्रायन लारा के टेस्ट रिकॉर्ड को तोड़ने का मौका गंवा दिया, जिससे वेस्टइंडीज के दिग्गज क्रिकेटर क्रिस गेल नाखुश हैं। वियान मुल्डर ने बुलावायो में जिम्बाब्वे के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच के दूसरे दिन लंच तक नाबाद 367 रन बनाए। लंच के समय पारी घोषित करने से पहले मुल्डर टेस्ट क्रिकेट में विश्व रिकॉर्ड बनाने से सिर्फ 34 रन दूर थे। लेकिन उन्होंने ब्रायन लारा के नाबाद 400 रन के रिकॉर्ड का पीछा न करने का फैसला किया। इसी के साथ दक्षिण अफ्रीका की पहली पारी 626/5 के स्कोर पर घोषित कर दी गई और लारा का टेस्ट पारी में सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर का रिकॉर्ड बरकरार रहा।

> अगर मुझे 400 रन बनाने का मौका मिलता, तो मैं बना लेता। ऐसा हमेशा नहीं होता। आपको नहीं पता कि आप कब फिर से तिहरा शतक बना सकेंगे। : क्रिस गेल

हालांकि क्रिस गेल, मुल्डर के इस फैसले से बिल्कुल भी खुश नहीं हैं। उनका मानना है कि मुल्डर घबराकर बड़ी गलती कर बैठे। गेल ने 'टॉकस्पोर्ट' से कहा कि अगर मुझे 400 रन बनाने का मौका मिलता, तो मैं बना लेता। ऐसा हमेशा नहीं होता। आपको नहीं पता कि आप कब फिर से तिहरा शतक बना सकेंगे। जब भी आपको ऐसा मौका मिलता है, तो कोशिश होती है कि उसका पूरा फायदा उठाया जाए। लेकिन मुल्डर इस मामले में बहुत उदार थे। उन्होंने बताया कि वह चाहते हैं कि यह रिकॉर्ड ब्रायन लारा के ही नाम रहे। शायद वह घबरा गए थे। उन्हें समझ नहीं आ रहा था कि उस स्थिति में क्या करें। मान लीजिए, आप 367 पर हैं, तो आपको रिकॉर्ड बनाने का जोखिम उठाना ही होगा। ऐसे आप एक लीजेंड कैसे बनेंगे, क्योंकि रिकॉर्ड तो लीजेंड होने के साथ ही आते हैं। क्रिस गेल ने इस फैसले को एक गलती बताते हुए कहा कि मुझे लगता है कि यह मुल्डर की बड़ी गलती थी कि उन्होंने इस रिकॉर्ड को तोड़ने की कोशिश नहीं की।

प्रो कबड्डी लीग के सीजन 12 की शुरुआत 29 अगस्त से : मशाल स्पोर्ट्स

मुंबई, 9 जुलाई (एजेंसियां)। प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) का 12वां सत्र 29 अगस्त से शुरू होने जा रहा है। इसकी घोषणा आयोजक मशाल स्पोर्ट्स की ओर से बुधवार को की गयी। प्रो कबड्डी लीग के लीग कमिश्नर और मशाल स्पोर्ट्स के मुख्य कार्यकारी अनुपम गोस्वामी ने कहा कि हमें पीकेएल सीजन 12 की शुरुआत की तारीख की घोषणा करते हुए बेहद खुशी हो रही है। इस बार की रिकॉर्ड-तोड़ नीलामी में 10 खिलाड़ियों पर एक करोड़ रुपये से अधिक की बोली लगी, जिससे यह सत्र अब तक का सबसे प्रतिस्पर्धी होने का संकेत दे रहा है। हम दर्शकों के लिए कबड्डी एक्शन का एक और रोमांचक अध्याय लाने के लिए उत्साहित हैं। प्रो कबड्डी लीग सीजन 12 की बहुप्रतीक्षित खिलाड़ी नीलामी 31 मई और एक जून को मुंबई में हुई थी, जहां रिकॉर्ड 10 खिलाड़ियों ने एक करोड़ रुपये से अधिक के अनुबंध प्राप्त किए। ग्यारह रोमांचक सीजन की सफलता के बाद, पीकेएल अब एक नए और रोमांचक अध्याय में प्रवेश करने जा रहा है। सीज़न 12 के स्थल और अन्य विवरण जल्द ही घोषणा की जायेगी। हरियाणा स्टीलर्स ने पिछले सीजन का खिताब अपने नाम किया था। ऐसे में हरियाणा स्टीलर्स पहले खिताब को बरकरार रखने

तीरंदाजी विश्व कप: ऋषभ-ज्योति ने बनाया 'मिक्स्ड टीम 'वर्ल्ड रिकॉर्ड'

मैड्रिड, 9 जुलाई (एजेंसियां)। भारत के ऋषभ यादव और ज्योति सुरेखा वेन्नम ने तीरंदाजी विश्व कप के चौथे और अंतिम चरण में शानदार प्रदर्शन करते हुए क्वालीफिकेशन राउंड में नया कंपाउंड मिक्स्ड टीम 'वर्ल्ड रिकॉर्ड बना दिया।

भारतीय जोड़ी ने क्वालिफिकेशन में कुल 1431 (70 एक्स) अंक हासिल किए और 144 एरो के मिक्स्ड टीम स्कोर का रिकॉर्ड तोड़ दिया। यह रिकॉर्ड पहले डेनमार्क की टान्जा गेलेंथिएन और मैथियास फुलर्टन के नाम था, जिन्होंने क्राको-मालोपोल्स्का 2023 यूरोपियन गेम्स में 1429 अंक बनाए थे। 'वर्ल्ड आर्चरी' ने 22 वर्षीय ऋषभ के हवाले से कहा कि यह खास है, क्योंकि मिश्रित टीम हाल ही में ओलंपिक में शामिल हुई है। हम समय के साथ ऐसी छोटी-छोटी उपलब्धियां हासिल करते रहे हैं। हमने सीजन की शुरुआत मिश्रित टीम स्वर्ण पदक (फ्लोरिडा 2025) के साथ की थी, लेकिन अगले दो चरण में हम मिश्रित टीम में एक साथ शूटिंग नहीं कर पाए। अब चौथे चरण में हम फिर से साथ हैं। हम दोनों ने अच्छा प्रदर्शन किया। हम अपनी निरंतरता से खुश हैं। इस बीच, ऋषभ और ज्योति ने कंपाउंड पुरुष और महिला व्यक्तिगत क्वालिफिकेशन में शीर्ष स्थान हासिल किया, उन्होंने व्यक्तिगत के साथ-साथ टीम इवेंट्स में भी शीर्ष वरीयता प्राप्त की। ऋषभ ने वैली हर्मोसो स्टेडियम में 85 एथलीट्स के बीच टॉप पोजिशन बनाए रखी और 30 एरो में परफेक्ट 300 स्कोर के साथ ब्रैडेन गेलेंथिएन के कंपाउंड पुरुष वर्ग के 718 अंकों के वर्ल्ड रिकॉर्ड को तोड़ने की दिशा में अग्रसर नजर आए। भले ही ऋषभ रिकॉर्ड से चूक गए, लेकिन 72 में से 68 एरो 10-रिंग में (35 एक्स) लगाकर उन्होंने खुद को साबित कर दिखाया। शंघाई 2025 स्टेज-2 के ब्रॉन्ज मेडलिस्ट ऋषभ ने 716 का स्कोर बनाकर अपना नया पर्सनल बेस्ट हासिल किया। अन्य भारतीय खिलाड़ियों में प्रियांश ने 710 और अमन सैनी ने 709 अंक बनाए, जो क्रमश: 10वें और 11वें स्थान पर रहे। वहीं, कंपाउंड महिला वर्ग में एशियन गेम्स की चैंपियन ज्योति ने भी 715 (35 एक्स) अंकों के साथ अंतरराष्ट्रीय व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ स्कोर बनाते हुए अपने इवेंट में टॉप सीडिंग हासिल की।

भारतीय जोड़ी ने क्वालिफिकेशन में कुल 1431 अंक हासिल किए और 144 एरो के मिक्स्ड टीम स्कोर का रिकॉर्ड तोड़ दिया

फीफा महिला विश्वकप खेलने का सपना जिंदा है: नगांगबाम स्वीटी देवी

नई दिल्ली, 9 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय महिला फुटबॉल टीम की कप्तान नगांगबाम स्वीटी देवी ने कहा कि एएफसी महिला एशिया कप ऑस्ट्रेलिया 2026 के लिए भारत के ऐतिहासिक क्वालीफिकेशन को चार दिन हो चुके हैं हम आराम के मूड में नहीं है, हमारा विश्वकप खेलने का सपना जिंदा है। भारतीय महिला फुटबॉल टीम की कप्तान नगांगबाम स्वीटी देवी ने कहा कि यह वाकई राहत देने वाला है। पिछली बार जब भारत ने टूर्नामेंट की मेजबानी की थी, तो हम कोविड के कारण नहीं खेल पाए थे। लेकिन इस बार हमने अपने सभी मैच अच्छे से खेले, हमने हर तरह का प्रयास किया और हम क्वालीफाई कर गए। हमने 23 साल बाद यह कारनामा किया है। विश्व कप का सपना जिंदा है।उन्होंने कहा िसच कहूं तो, इसे बयां करना अभी भी मुश्किल है। कई मिली-जुली भावनाएं थीं। यह वास्तविक नहीं लग रहा था। हम एक-दूसरे को दिलासा देते रहे, 'हाँ, यह हो गया है, हमने सचमुच कर दिखाया है।' वह एहसास शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। जो कोई भी महिला फुटबॉल का समर्थन करता है या उसका हिस्सा है, वह समझ सकता है कि क्वालीफाई करने का एहसास कैसा होता है। यह बहुत ही जबरदस्त था। भारतीय महिला टीम की इस बड़ी और ऐतिहासिक उपलब्धि देश में महिला खेल के भविष्य को आकार दे सकती है। महिला एशिया कप, फीफा महिला विश्व कप का रास्ता भी है।

> पिछली बार जब भारत ने टूर्नामेंट की मेजबानी की थी, तो हम कोविड के कारण नहीं खेल पाए थे। लेकिन इस बार हमने अपने सभी मैच अच्छे से खेले, हमने हर तरह का प्रयास किया और हम क्वालीफाई कर गए : नगांगबाम स्वीटी देवी

[अर्थ जगत]

सर्वाधिक बढ़ने वाले शेयर

बजाज फाइनेंस	1.40 प्रतिशत
हिंद यूनिलीवर	1.24 प्रतिशत
अल्ट्राटेक	0.90 प्रतिशत
एमएंडएम	0.62 प्रतिशत
पावर ग्रिड	0.59 प्रतिशत

सर्वाधिक घटने वाले शेयर

एचसीएल टेक	2.03 प्रतिशत
टाटा स्टील	1.82 प्रतिशत
टेक महिंद्रा	1.39 प्रतिशत
रिलायंस	1.28 प्रतिशत
बीईएल	1.01 प्रतिशत

सर्राफा

दिल्ली

सोना (प्रति दस ग्राम/स्टैंडर्ड	96,085
बिटुर	88,730
गिन्नी (प्रति आठ ग्राम)	39,795
चांदी (प्रति किलो) टंच हाजिर	1,07,280
वायदा	70,857
चांदी सिक्का लिवाली	900
बिकवाली	880

मुद्रा विनिमय

मुद्रा	क्रय	विक्रय
अमेरिकी डॉलर	77.85	90.26
पौंड स्टर्लिंग	105.22	122.04
यूरो	88.88	103.09
चीन युआन	8.4	13.63

अनाज

देसी गेहूं एमपी	2400-3000
गेहूं दड़ा	3100-3200
आटा	2800-2900
मैदा	2900-2950
चोकर	2000-2100

मोटा अनाज

बाजरा	1300-1305
मक्का	1350-1500
ज्वार	3100-3200
जौ	1430-1440
काबुली चना	3500-4000

पेट्रोल और डीजल की कीमतें अपरिवर्तित

नई दिल्ली। अंतराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेजी जारी रहने के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम अपरिवर्तित रहे, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपए प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपए प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपए प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपए प्रति लीटर पर रहा।

भारतीय बैंकों को ब्याज दर के प्रभाव का बेहतर आंकलन करने की जरूरत : रिपोर्ट

कम ब्याज दरें हमेशा अधिक उधार में तब्दील नहीं होती

नई दिल्ली, 9 जुलाई (एजेंसियां)। मुख्य बैंकिंग मानकों जैसे एडवांस, जमा और शुद्ध ब्याज आय (एनआईआई) में रेपो रेट में बदलाव सबसे विश्वसनीय प्रीडिक्टर है, जो ऋण गतिविधियों को प्रभावित करते हैं। बुधवार को जारी एक रिपोर्ट में कहा गया है कि बैंकों को ब्याज दर के प्रभाव का बेहतर आंकलन करने की आवश्यकता है। बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप (बीसीजी) की एक स्टडी से पता चला है कि दरों में बदलाव का बैंकिंग प्रदर्शन पर पूरा प्रभाव दिखने में 12 से 24 महीने लगते हैं क्योंकि इसका प्रभाव न तत्काल होता है और न ही एक समान होता है।

बीसीजी के पार्टनर और निदेशक दीप नारायण मुखर्जी ने कहा कि अक्सर ऐसी नीतिगत दरें अर्थव्यवस्था को शांत करने और मुद्रास्फीति पर लगाम लगाने के लिए बढ़ाई जाती हैं। मुखर्जी ने आगे कहा कि हालांकि दरें सक्षमकर्ता के रूप में कार्य करती हैं, लेकिन ऋण का वास्तविक विस्तार उधारकर्ताओं की भावना और ऋणदाताओं की जोखिम उठाने की क्षमता पर निर्भर करता है।

स्टडी के अनुसार, भले ही दरों में बदलाव सभी शेड्यूल्ड कमर्शियल बैंक (एससीबी) को प्रभावित करते हैं बावजूद इसके रेपो दर सभी मानकों में सबसे सटीक प्रीडिक्टर है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि रेपो दर में 50 आधार अंकों की वृद्धि से एससीबी की शुद्ध ब्याज आय (एनआईआई) में 1.11 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि सार्वजनिक क्षेत्र के

बैंकों (पीएसबी) में 1.45 प्रतिशत की तीव्र वृद्धि देखी गई।

रेपो दर में बदलावों को लेकर निजी बैंकों की तुलना में, सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक (पीएसबी) ने अधिक प्रतिक्रिया दर्ज करवाई। स्टडी में कहा गया है कि कम ब्याज दरें हमेशा अधिक उधार में तब्दील नहीं होती हैं। दरें सुविधा प्रदान करती हैं, लेकिन उधारकर्ताओं की भावना और उधारदाताओं की जोखिम सहनशीलता अंततः यह निर्धारित करती है कि ऋण का विस्तार किया जाए या नहीं। उदाहरण के लिए, ब्याज दरों में वृद्धि के बावजूद, 2022 से 2023 तक ऋण में मजबूत वृद्धि देखी गई।

भारतीय एनबीएफसी कंपनियों की बढ़ सकती है एजुकेशन लोन एयूएम : क्रिसिल

नई दिल्ली। भारत में गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) के लिए एजुकेशन लोन पोर्टफोलियो सबसे तेजी से बढ़ने वाला परिसंपत्ति वर्ग रहा है, जिसकी प्रबंधनाधीन परिसंपत्तियों (एयूएम) में पिछले कुछ वर्षों में 50 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज की गई है। यह जानकारी बुधवार को जारी हुई एक रिपोर्ट में दी गई है। क्रिसिल रेटिंग्स की रिपोर्ट में बताया गया कि वित्त वर्ष 26 में यह वृद्धि घटकर 25 प्रतिशत रह जाने का अनुमान है और एयूएम 80,000 करोड़ रुपए तक पहुंचने का अनुमान है। वृद्धि में कमी की रफ्तार को कम करने के लिए एनबीएफसी नए भौगोलिक क्षेत्रों में विस्तार कर रही हैं और उत्पादों में विविधता ला रही हैं। रेटिंग एजेंसी ने बताया कि भारतीय एनबीएफसी का एजुकेशन लोन एयूएम पिछले वित्त वर्ष में 48 प्रतिशत बढ़कर 64,000 करोड़ रुपए हो गया था। वहीं, वित्त वर्ष 24 में इसमें 77 प्रतिशत का इजाफा हुआ था। क्रिसिल रेटिंग्स की निदेशक मालविका भोटिका ने कहा कि अमेरिका में नीतिगत अनिश्चितताओं, वीजा अपॉइंटमेंट में कमी और वैकल्पिक व्यावहारिक प्रशिक्षण मानदंडों को समाप्त करने के प्रस्ताव जैसे उपायों के कारण नए लोन की मांग में कमी आई है। इसके कारण पिछले वित्त वर्ष में इस भौगोलिक में कुल लोन वितरण में 30 प्रतिशत की गिरावट आई है।

भारत ऊर्जा के एक नए युग में प्रवेश करने को तैयार : पुरी

नई दिल्ली, 9 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने बुधवार को कहा कि दुनिया के सबसे बड़े ऑफशोर एनर्जी एक्सप्लोरेशन प्रयासों में से एक के रूप में, भारत ओपन एकरेज लाइसेंसिंग प्रोग्राम (ओएएलपी) के दसवें दौर के तहत 2.5 लाख वर्ग किलोमीटर से अधिक एरिया में एक्सप्लोरेशन करने के लिए तैयार है।

केंद्रीय मंत्री पुरी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि हम ऊर्जा के एक नए युग में प्रवेश करने के लिए तैयार हैं! ऑयल एंड गैस एक्सप्लोरेशन और उत्पादन के क्षेत्र में अब कोई बाधा नहीं, केवल संभावनाएं हैं। इस संबंध में, केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी ने नॉर्वे के बर्गेन में ऑफशोर एनर्जी क्लस्टर की एक बैठक में भाग लिया। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 'नो गो' एरिया पर लिया गया साहसिक निर्णय न केवल देश की ऊर्जा क्षमता को बढ़ा रहा है, बल्कि भारत को ऊर्जा क्षेत्र में एक बड़े बदलाव का नेतृत्व करने के लिए भी तैयार कर रहा है।

■ हरदीप पुरी ने नॉर्वे के बर्गेन में ऑफशोर एनर्जी क्लस्टर की बैठक में हुए शामिल

NAME CHANGE

I, Tina Rohra, daughter of Santosh Kumar Rohra, residing at L/306, Ward No. 68, RDA Colony, Raipura, Raipur, Chhattisgarh-492003, do hereby solemnly affirm and declare as under:
1. That I am the deponent herein and competent to swear this affidavit.
2. That I say my correct and official name is Tina Rohra, which is mentioned in all my legal and government-issued documents.
3. That in ICICI Prudential Mutual Fund records (Value Fund), under Folio Number: 1334000/26, my name has been mistakenly mentioned as Tanya Rohdha.
4. That Tanya Rohdha and Tina Rohra are one and the same person, i.e, myself.
5. That I am making this affidavit to declare that the incorrect name Tanya Rohdha should be corrected to Tina Rohra in all records of ICICI Prudential Mutual Fund pertaining to Folio Number 1334000/26.
6. That this affidavit is made for the purpose of correcting the name in mutual fund records and for all future references.
I hereby state that whatever is stated above is true and correct to the best of my knowledge and belief.
Place: Raipur,(C.G.)
Date: 09-07-2025

swears
Tina Rohra

NAME CHANGE

It is informed to the general public that I, RIZWAN MEMON S/O ABDUL HAMID resident of Q.NO.- C-301, FLOOR-2ND, ASHOKA HIGHTS MOWA, RAIPUR, (C.G.) 492001 have changed my old name RIZWAN MEMON S/O ABDUL HAMID so in future I should be recognized by my new name that is MOHAMMAD RIZWAN MEMON S/O ABDUL HAMID in all Government and other documents.

MOHAMMAD RIZWAN MEMON
Q.NO.- C-301, FLOOR-2ND, ASHOKA HIGHTS MOWA, RAIPUR, (C.G.) 492001

NAME CHANGE

It is informed to the general public that I, MANOJ SONI S/O RAMESHAH SONI resident of PLOT NO B - 64, WARD NO. 55, SECTOR- 5, KAMAL VIHAR, RAIPUR, (C.G.) 492001 have changed my old name MANOJ SONI S/O RAMESHAH SONI so in future I should be recognized by my new name that is MANOJ KUMAR SONI S/O RAMESHAH SONI in all Government and other documents.

MANOJ KUMAR SONI
PLOT NO B - 64, WARD NO. 55, SECTOR- 5, KAMAL VIHAR, RAIPUR, (C.G.) 492001

AFFIDAVIT

1. JC 675291K RANK- NB/SUB RAVADA NAGESHWAR RAO. Aged about 46 Year, Son of RAVADA CHANDRAYYA. Permanently Residing at H.NO, 1-18, YELLAMANCHILI MANDAL KATTUPALEM, VISAKHAPATNAM, ANDHRA PRADESH 531055, Presently Residing at 350 (i) SUP.PL. A.S.C. NAYA RAIPUR, DIST. RAIPUR, CHHATTISGARH 905350 do hereby solemnly affirm and declare on oath as under : - 2. That, in my Service record A.S.C. Record (South) in 350 (i) SUP.PL. A.S.C. my Wife's name & spelling has been mentioned as "RAVADA DHANA LAKSHMI" which is my wife's maiden name/surname/before marriage name/surname. 3. That, in her education marksheets/certificates her name has been mentioned & spelt as "RAVADA DHANA LAKSHMI" which is also my wife's maiden name/surname/ before marriage name/surname 4. That, she has married with me and after our marriage her name/surname has been change from "RAVADA DHANA LAKSHMI" to "TERAPALLI DHANA LAKSHMI" both names are of my wife's name/surname she is same and single person of this names/surnames. 5. That, I shall at all times hereafter in all records, deeds and in all proceedings dealing with transactions, as well as under all occasions whatsoever be known and record as only my Wife's name as "TERAPALLI DHANA LAKSHMI".06. That what is stated above are true and correct to the best of my knowledge, information and belief. Nothing material has been concealed therefrom. 07. That, this affidavit is being produced before the competent authority regarding record/correction in my Wife's name i.e. "TERAPALLI DHANA LAKSHMI" which is my Wife's true, correct and complete name/surname.

SIGNATURE OF DEPONENT

न्यायालय तहसीलदार नजूल रायपुर (छ.ग.)
ईश्तहार

रा.मा.क्र. 202507114300004/217
वर्ष 2024-2025
नवीनीकरण अ-20 (1)
पेशी दिनांक 25.07.2025

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदकगण श्री जितेन्द्रदीन पिता महेशदीन, दीपेंद्रदीन एवं दीपिकादीन दोनों के पिता जितेन्द्रदीन एवं अन्य 12 निवासी 29/100 दुर्गा स्टेज के पास क्रिश्चन कॉलोनी राजातालाब रायपुर छ.ग. के अधिवक्ता द्वारा इस आशय से आवेदन पेश किया है कि मौजा सिविल स्टेशन रायपुर स्थित ब्लाक नंबर 12 प्लाट नंबर 8/88 रकबा 900 वर्गफुट भूमि आवेदकगण के नाम पर दर्ज है, पट्टे की अवधि समाप्त हो चुकी है। जिसके नवीनीकरण हेतु आवेदकगण द्वारा आवेदन पत्र के साथ पट्टे की छायाप्रति एवं दस्तावेज संलग्न कर प्रस्तुत किया है। उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो दिनांक 25.07.2025 तक कलेक्टर कार्यालय रायपुर के कक्ष क्रमांक-07 में पेश कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आक्षेप पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 07.07.2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

मुहर — तहसीलदार रायपुर

न्यायालय तहसीलदार गोबरा नवापारा जिला-रायपुर (छ.ग.)
ईश्तहार

रा.प्र.क्र. अ/6 वर्ष 2024-2025
ग्राम चम्पारण प.ह.नं. 20 रा.नि.मं. नवापारा तह. गोबरा नवापारा जिला रायपुर छ.ग.
क्रमांक/वा-1/तह./2025
नवापारा, दिनांक 26.06.2025

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक हरीश राठी पिता शंकर लाल राठी निवासी ग्राम उरला अभनपुर के द्वारा आवेदन पेश किया गया है कि ग्राम चम्पारण प.ह.नं. 20 रा.नि.मं. व तहसील गोबरा नवापारा जिला रायपुर छ.ग. स्थित भूमि खसरा नंबर 2379 रकबा 0.05 हे. भूमि को आवेदक द्वारा अनावेदक बैरागी साहू पिता रतिराम साहू से पंजीकृत विक्रय पत्र दिनांक 13.04.2009 को क्रय किया गया है। जिसे विक्रय पत्र के पत्र के आधार पर आवेदक के नाम पर दर्ज करने हेतु आवेदन पेश किया गया है। जिसकी सुनवाई दिनांक 14.07.2025 को नियत की गई है।

इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा/आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो आप अपने अधिवक्ता अधिकृत व्यक्ति या स्वयं के द्वारा नियत पेशी दिनांक के पूर्व दावा आपत्ति पेश कर सकते है। बाद में आये दावा आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 26.06.2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुद्रा से जारी किया गया है।

मुहर — तहसीलदार गोबरा नवापारा

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार रायपुर जिला-रायपुर (छ.ग.)
ईश्तहार

रा.मा.क्र./202507110800015/अ-6/204-2025
ग्राम-तेलीबांधा प.ह.नं. 64
तहसील रायपुर, जिला रायपुर छ.ग.
रायपुर, दिनांक 04.07.2025

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि, आवेदिका डॉ. श्रीमती डी. किरण पति श्री डी. महेश बाबू निवासी डी-56, सेक्टर-05, देवेन्द्र नगर रायपुर द्वारा इस न्यायालय में छ.ग.भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 109-110 के तहत आवेदन प्रस्तुत किया है कि, ग्राम तेलीबांधा, प.ह.नं. 64, तहसील व जिला रायपुर स्थित भूमि खसरा नंबर 563 व 564 का भाग, संविलियन पश्चात् खसरा नंबर 15018/1 का भाग, रकबा 3875 वर्गफुट भूमि को आवेदिका द्वारा विक्रेता छ.ग. क्षेत्रीय गृह निर्माण सहकारी समिति मर्यादित रायपुर जीवन विहार तेलीबांधा रायपुर द्वारा उपाध्यक्ष मनीष राज सिंघानिया पिता श्री राजकमल सिंघानिया निवासी रायपुर से पंजीकृत विक्रय विलेख दिनांक 14.11.2000 को निष्पादित कर प्राप्त किया गया है। उक्त भूमि को पंजीकृत विक्रय विलेख के आधार पर आवेदिका द्वारा अपना नाम दर्ज किये जाने निवेदन किया है।

अतः आवेदिका का द्वारा प्रस्तुत आवेदन के संबंध में जिस किसी व्यक्ति/ संस्था को दावा/आपत्ति प्रस्तुत करना हो वे नियत सुनवाई दिनांक 23.07.2025 तक स्वतः या अथवा वैध प्रतिनिधि के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर दावा / आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। नियत समयावधि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर न्यायालय द्वारा विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 04.07.2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

मुहर — अतिरिक्त तहसीलदार रायपुर

न्यायालय नायब तहसीलदार रायपुर जिला-रायपुर (छ.ग.)
ईश्तहार

रा.प्र.क्रमांक/202506114500036/अ-6/2024-25
ग्राम-गोगांव, प.ह.नं. 50
तहसील व जिला रायपुर छ.ग.
रायपुर, दिनांक 25.06.2025

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता आवेदिका के. वामसी लता पति स्व. कोथुरी विश्वनाथ निवासी वर्तमान पता फ्लैट नं. 2ए, ओमकारेश्वर, द्वितीय तल, 14 ईस्ट ऐवेन्यू रोड कोराट्टुर, तिरुवल्लु, चेन्नई तमिलनाडु, रायपुर तहसील व जिला रायपुर (छ.ग.) द्वारा इस न्यायालय में आवेदन पत्र प्रस्तुत कर आवेदन पत्र में आवेदिका के पति स्व.श्री कोथुरी विश्वनाथ के स्वामित्व एवं आधिपत्य में ग्राम गोगांव प.ह.नं. 50 रा.नि.मं. रायपुर तहसील व जिला रायपुर स्थित भूमि जिसका खसरा नंबर 241/5, का भाग रकबा 0.0220 हे., अर्थात 2400 वर्गफुट भूमि है। भूमि धारित की जाती है। उक्त भूमि के भूमिस्वामी आवेदिका के पति स्व.श्री कोथुरी विश्वनाथ की मृत्यु 20.07.2019 को हो चुका है जिसका मृत्यु प्रमाण पत्र की छाया प्रति संलग्न है। मृतक खातेदार के विधिक वारिसान में 01. के. वामसी लता (पत्नि) पति स्व.श्री कोथुरी विश्वनाथ 02. स्वाती कोथुरी (पुत्री) 03. धीरज काथुरी (पुत्र) दोनों पिता स्व.श्री काथुरी विश्वनाथ इनके अलावा कोई वारिसान नहीं है। अतः मृतक भूमिस्वामी का नाम राजस्व अभिलेखों से विलोपित कर विधिक वारिसान की हैसियत से वारिसानों का नाम राजस्व अभिलेखों में दर्ज किये जाने हेतु आवेदक का निवेदन है।

उक्त प्रकरण की सुनवाई इस न्यायालय में दिनांक 18.07.2025 को होगी।

अतएव जिस किसी व्यक्ति को कोई दावा/आपत्ति हो तो वे स्वयं या अपने अभिभाषक के माध्यम से मय दस्तावेज अपनी लिखित दावा/आपत्ति दिनांक 18.07.2025 को इस न्यायालय में पेश करें। नियत समयावधि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 25.06.2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

मुहर — नायब तहसीलदार रायपुर

न्यायालय नायब तहसीलदार रायपुर जिला-रायपुर (छ.ग.)
ईश्तहार

रा.प्र.क्रमांक/202507115600010/अ-6/2024-25
ग्राम-डंगनिया, प.ह.नं. -58
तहसील व जिला रायपुर छ.ग.
रायपुर, दिनांक 04.07.2025

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक बीरसिंग पिता फेरूराम वर्मा निवासी पोसरी थाना बतराना तहसील नवागढ़ व जिला दुर्ग (छ.ग.), द्वारा इस न्यायालय में धारा-110 छ.ग. भू-राजस्व संहिता 1959 के अंतर्गत् नामांतरण बाबत् आवेदन पत्र पेश कर लेख किया है कि ग्राम डंगनिया प.ह.नं. 58, तहसील व जिला रायपुर में स्थित भूमि खसरा नंबर 70/1 का भाग रकबा 665 वर्गफुट भूमि तथा वर्तमान में राजस्व परिवर्तित अभिलेख पर विक्रेतागण के विधिक वारिसानों का नाम दर्ज है उपरोक्त वर्णित भूमि को आवेदक ने विक्रेता श्रीमती सुरजौतीन बाई पति स्व. कार्तिकराम एवं श्रीमती बिरफाबाई पति स्व. कार्तिकराम निवासी डंगनिया रायपुर, तहसील व जिला रायपुर (छ.ग.) से पंजीकृत विक्रय विलेख दिनांक 25.02.1994 के माध्यम से क्रय कर स्वामित्व एवं आधिपत्य प्राप्त किया है। जो कि उप पंजीयक कार्यालय रायपुर में पुस्तक अ-01 ग्रंथ क्रमांक 17527 में पृष्ट क्रं.-1 से 12 दस्तावेज क्रमांक 10274 देकर विधिवत पंजीकृत किया गया है अतः उक्त क्रय भूमि को पंजीकृत विक्रय विलेख के आधार पर आवेदक अपना नाम भूमिस्वामी हक में दर्ज किये जाने हेतु निवेदन किया है। उक्त प्रकरण की सुनवाई इस न्यायालय में दिनांक 28.07.2025 को होगी।

अतएव जिस किसी व्यक्ति को कोई दावा/आपत्ति हो तो वे स्वयं या अपने अभिभाषक के माध्यम से मय दस्तावेज अपनी लिखित दावा/आपत्ति दिनांक 28.07.2025 को इस न्यायालय में पेश करें। नियत समयावधि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 04.07.2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

मुहर — नायब तहसीलदार रायपुर

न्यायालय नायब तहसीलदार समोदा जिला-रायपुर (छ.ग.)
ईश्तहार

क्रमांक/वा./ना.तह./2024-2025
समोदा, दिनांक 09.07.2025

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/दानग्रहिता फुलकुंवर पिता चिंताराम घृतलहरे जाति सतनामी निवासी ग्राम मटिया तहसील आरंग जिला रायपुर छ.ग. के द्वारा इस आशय से आवेदन पत्र पेश किया गया है कि मौजा ग्राम मटिया पटवारी हल्का नंबर 01 रा.नि.मं. भैसा तहसील आरंग जिला रायपुर छ.ग. स्थित भूमि का खसरा नंबर क्रमशः 460, 462, 461, 463, 465, 490, 494 का रकबा क्रमशः 0.5400, 0.2400, 0.6100, 0.2100, 0.2600, 0.3400, 0.1100 हे. भूमि राजस्व रिकार्ड में दानदाता चिंता उम्र 64 वर्ष पिता रूपक जाति सतनामी के नाम पर दर्ज है। भूमिस्वामी/दानदाता द्वारा उपरोक्त भूमि खसरा नंबर क्रमशः 460, 462, 461, 463, 465, 490, 494 का रकबा क्रमशः 0.5400, 0.2400, 0.6100, 0.2100, 0.2600, 0.3400, 0.1100 हे. भूमि को दिनांक 15.05.2025 को book no. 1 volume no. 4642 page 464 to 480 with document no. CG- 2025- 26- 104-1-829 दान के रूप में देकर दान पत्र विलेख निष्पादन कराया गया है। उक्त भूमि में किसी प्रकार का विवाद नहीं है। दानदाता द्वारा दानग्रहिता को दानपत्र विलेख के माध्यम से उपरोक्त भूमि का दखल कब्जा भी सौंप दिया है। आवेदक/दानग्रहिता उक्त दानशुदा भूमि को स्वयं के नाम पर नामांतरण किये जाने आवेदा पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस संबध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को दावा आपत्ति पेश करना हो तो स्वयं अपने अभिभाषक के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर दिनांक 23.07.2025 तक पेश कर सकते है। नियत अवधि के पश्चात प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 05.07.2025 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर — नायब तहसीलदार समोदा

न्यायालय नायब तहसीलदार समोदा जिला-रायपुर (छ.ग.)
ईश्तहार

क्रमांक/वा./ना.तह./2024-2025
समोदा, दिनांक 09.07.2025

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/दानग्रहिता सत्यवती घृतलहरे, संजू घृतलहरे, प्राची घृतलहरे सभी पिता चिंताराम घृतलहरे जाति सतनामी निवासी ग्राम मटिया तहसील आरंग जिला रायपुर छ.ग. के द्वारा इस आशय से आवेदन पत्र पेश किया गया है कि मौजा ग्राम मटिया पटवारी हल्का नंबर 01 रा.नि.मं. भैंसा तहसील आरंग जिला रायपुर स्थित भूमि का खसरा नंबर क्रमशः 447, 423, 449/3, 443, 444, 448, 417 का रकबा क्रमशः 0.2400, 0.3900, 0.1100, 0.2500, 0.4200, 0.1500 हे. भूमि राजस्व रिकार्ड में दानदाता चिंता उम्र 64 वर्ष पिता रूपक जाति सतनामी के नाम पर दर्ज है। भूमिस्वामी/दानदाता द्वारा उपरोक्त भूमि खसरा नंबर क्रमशः 447, 423, 449/3, 443, 444, 448, 417 का रकबा क्रमशः 0.2400, 0.3900, 0.1100, 0.2500, 0.4200, 0.0400, 0.1500 हे. भूमि को दिनांक 15.05.2025 को book no. 1 volume no. 4642 page 395 to 411 with document no. CG- 2025- 26- 104-1-826 दान के रूप में देकर दान पत्र विलेख निष्पादन कराया गया है। उक्त भूमि में किसी प्रकार का विवाद नहीं है। दानदाता द्वारा दानग्रहिता को दानपत्र विलेख के माध्यम से उपरोक्त भूमि का दखल कब्जा भी सौंप दिया है। आवेदक/दानग्रहिता उक्त दानशुदा भूमि को स्वयं के नाम पर नामांतरण किये जाने आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस संबध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को दावा आपत्ति पेश करना हो तो स्वयं अपने अभिभाषक के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर दिनांक 23.07.2025 तक पेश कर सकते है। नियत अवधि के पश्चात प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 05.07.2025 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर — नायब तहसीलदार समोदा

न्यायालय तहसीलदार रायपुर मामले की श्रेणी-राजस्व
ईश्तहार

संदर्भः- जिला-रायपुर तहसील-रायपुर प.ह.नं. 00081 बोरियाकला ग्राम के नामांतरण पंजी में पंजीबद्ध प्रकरण क्रमांक आरडी-202425440726400224

जरवाय ऊर्फ हीरापुर ग्राम के नामांतरण पंजी में पंजीबद्ध प्रकरण क्रमांक आरडी-202425440721500049

तहसील रायपुर के प.ह.नं.00081 के अंतर्गत ग्राम बोरियाकला के वर्तमान भूमिस्वामी कांता देवी पिता/पति रतन लाल गोयल पता रायपुर के द्वारा धारित भूमि खसरा क्रमांक 1594/1 0.0105 में प्रस्तावित भूमिस्वामी/क्रेता श्रीमती ममता सिन्हा पिता/पति कमलेश सिन्हा पता मोवा रायपुर छ.ग. के नाम पर पंजीयन/फौती होने के उपरांत नामांतरण / अभिलेख दुरुस्ती / खाता विभाजन के लिए प्रकरण अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में पंजी विचाराधीन है। इस प्रकरण की सुनवाई दिनांक 16.07.2025 को समय सुबह 11 बजे स्थान न्यायालय तहसीलदार रायपुर पर की जावेगी।

उपरोक्त के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई दावा आपत्ति हो तो ईश्तहार प्रकाशन उपरांत प्रकरण की आगामी सुनवाई के पूर्व या सुनवाई के समय अपना दावा आपत्ति स्वयं / अधिवक्ता / आममुख्त्यार के माध्यम से पेश कर सकते है। प्रकरण के सुनवाई के लिए निर्धारित तिथि के उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 09.07.2025 को जारी जाता है।

मुहर — तहसीलदार रायपुर

न्यायालय तहसीलदार रायपुर मामले की श्रेणी-राजस्व
ईश्तहार

संदर्भः- जिला-रायपुर तहसील-रायपुर प.ह.नं. 00045 मोवा ग्राम के नामांतरण पंजी में पंजीबद्ध प्रकरण क्रमांक आरडी-202425440724000116

तहसील रायपुर के प.ह.नं. 00045 के अंतर्गत ग्राम मोवा के वर्तमान भूमिस्वामी के. वमसीलता पिता/पति के. कोठरी विश्वनाथ पता गुढ़ियारी रायपुर, कोठरी विश्वनाथ पिता/पति के.आर.पी. शर्मा पता के द्वारा धारित भूमि खसरा क्रमांक 250/2 0.0110 में प्रस्तावित भूमिस्वामी/क्रेता धीरज कोथुरी पिता/पति स्व. कोथुरी विश्वनाथ पता निवासी फ्लैट नंबर 2 ए, ओमकारेश्वर द्वितीय तल 14 ईस्ट ऐवेन्यू रोड कोरोट्टुर तिरूवल्लुर चेन्नई तमिलनाडु, के. वामसी लता पिता/पति के. कोठारी विश्वनाथ पता निवासी फ्लैट नंबर 2 ए, ओमकारेश्वर द्वितीय तल 14 ईस्ट ऐवेन्यू रोड कोराटटुर तिरूवल्लुर चेन्नई तमिलनाडु, स्वाती कोथुरी पिता/पति-पिता स्व. कोथुरी विश्वनाथ पता निवासी फ्लैट नंबर 2 ए, ओकारेश्वर द्वितीय तल 14 ईस्ट ऐवेन्यू रोड कोराटटुर तिरूवल्लुर चेन्नई तमिलनाडु के नाम पर पंजीयन/फौती होने के उपरांत नामांतरण / अभिलेख दुरुस्ती / खाता विभाजन के लिए प्रकरण अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में पंजी विचाराधीन है। इस प्रकरण की सुनवाई दिनांक 17.07.2025 को समय सुबह 11 बजे स्थान न्यायालय तहसीलदार रायपुर पर की जावेगी।

उपरोक्त के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई दावा आपत्ति हो तो ईश्तहार प्रकाशन उपरांत प्रकरण की आगामी सुनवाई के पूर्व या सुनवाई के समय अपना दावा आपत्ति स्वयं / अधिवक्ता / आममुख्त्यार के माध्यम से पेश कर सकते है। प्रकरण के सुनवाई के लिए निर्धारित तिथि के उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 24.06.2025 को जारी जाता है।

मुहर — तहसीलदार रायपुर

रायपुर विकास प्राधिकरण रायपुर
उद्घोषणा

क्रमांक 7691/आर.सी./रा.वि.प्रा./2025
रायपुर दिनांक 08/07/25

प्राधिकरण की डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी आवास योजना हीरापुर के अन्तर्गत श्री अखिलेश्वर मिश्रा पिता श्री रामबिलास मिश्रा को फ्लैट क्रमांक एम-207 प्रथम तल रकबा 290 वर्गफुट पर आबंटित है। आबंटिती द्वारा प्राधिकरण से संपत्तिधारण-प्रमाण-पत्र प्राप्त कर दिनांक 13.03.2025 को उक्त फ्लैट श्री मलकीत सिंह पिता श्री जनेरल सिंह को विक्रय कर दिया है। क्रेता द्वारा बैनामा की फोटो प्रति प्रस्तुत करते हुए प्राधिकरण नामांतरण हेतु आवेदन किया है।

उक्त फ्लैट का नामांतरण श्री मलकीत सिंह पिता श्री जनेरल सिंह के नाम पर करने से यदि किसी को कोई आपत्ति/ दावा होवे तो इस उद्घोषणा प्रकाशन की तिथि से 15 दिनों के भीतर प्राधिकरण के राजस्व कक्ष में अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष उपस्थित होकर आपत्ति / दावा प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित अवधि तक कोई आपत्ति / दावा प्रस्तुत नहीं होने पर शासन के प्रचलित नियमों के अनुसार नामांतरण की कार्यवाही सम्पादित करा दी जावेगी। जिसके बाद कोई आपत्ति/ दावा ग्राह्य नहीं होगा।
दिनांक 08.07.25 को जारी।

राजस्व अधिकारी (तहसीलदार)
रायपुर विकास प्राधिकरण
रायपुर (छ.ग.)

रायपुर विकास प्राधिकरण रायपुर
उद्घोषणा

क्रमांक 7774/आर.सी./रा.वि.प्रा./2025
रायपुर दिनांक 09/07/25

प्राधिकरण की नगर विकास योजना क्रमांक 04 (कौशल्या माता विहार) योजनांतर्गत श्रीमती रिचा नथवाणी पति श्री सुमीत नथवाणी को आवासीय प्रयोजन के भूखण्ड क्रमांक बी-117 क्षेत्रफल 928.39 वर्गफुट सेक्टर 11ए में आबंटित हैं। क्रेता श्री उषाराम साहू पिता श्री सहदेव साहू निवासी-54, हाई स्कुल पारा, वार्ड 01, कंडेल, जिला धमतरी छ.ग. उक्त भूखण्ड को दिनांक 01.07.2025 पंजीकृत विक्रय विलेख के माध्यम से क्रय कर उक्त भूखण्ड पर नाम दर्ज करने का निवेदन किया है।

उक्त भूखण्ड का नाम दर्ज किये जाने में यदि किसी को कोई आपत्ति / दावा हो तो इस उद्घोषणा प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के भीतर अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष उपस्थित होकर आपत्ति/ दावा प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि तक कोई आपत्ति / दावा प्रस्तुत नहीं होने पर शासन के प्रचलित नियमो के अनुसार नाम दर्ज की कार्यवाही संपादित करा दी जावेगी। जिसके बाद कोई आपत्ति/कवा ग्राह्य नहीं होगा।
दिनांक 09.07.25 को जारी।

राजस्व अधिकारी (तहसीलदार)
रायपुर विकास प्राधिकरण
रायपुर (छ.ग.)

रायपुर विकास प्राधिकरण रायपुर
उद्घोषणा

क्रमांक 7688/आर.सी./रा.वि.प्रा./2025
रायपुर दिनांक 08/07/25

प्राधिकरण की डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी आवास योजना बोरियाखुर्द के अन्तर्गत श्री मुकेश निषाद पिता श्री जोधन राम निषाद को फ्लैट क्रमांक सी-213 प्रथम तल रकबा 299 वर्गफुट 30 (तीस) वर्षीय पट्टे पर आबंटित है। उक्त फ्लैट को फ्री-होल्ड किये जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

उक्त फ्लैट को फ्री-होल्ड किये जाने पर यदि किसी को कोई आपत्ति/ दावा होवें तो इस उद्घोषणा प्रकाशन की तिथि से 15 दिनों के भीतर प्राधिकरण के राजस्व कक्ष में अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष उपस्थित होकर आपत्ति / दावा प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित अवधि तक कोई आपत्ति/ दावा प्रस्तुत नहीं होने पर शासन के प्रचलित नियमों के अनुसार फ्री-होल्ड की कार्यवाही सम्पादित करा दी जावेगी। जिसके बाद कोई आपत्ति/ दावा ग्राह्य नहीं होगा।
दिनांक 08.07.25 को जारी।

राजस्व अधिकारी (तहसीलदार)
रायपुर विकास प्राधिकरण
रायपुर (छ.ग.)

रायपुर विकास प्राधिकरण रायपुर
उद्घोषणा

क्रमांक 7747/आर.सी./रा.वि.प्रा./2025
रायपुर दिनांक 09/07/25

प्राधिकरण की डॉ. खूबचंद बघेल, रांवाभाठा ट्रांसपोर्ट नगर योजना के अंतर्गत श्री महेन्द्र सिंह होरा पिता स्व. निंदर सिंह होरा को ब्लॉक 12 में भूखण्ड क्रमांक WIC-12 क्षेत्रफल 2400 वर्गफुट 30 (तीस) वर्षीय पट्टे पर धारित है, आबंटिती के द्वारा उक्त भूखण्ड को फ्री-होल्ड किये जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

उक्त भूखण्ड को फ्री-होल्ड किये जाने पर यदि किसी को कोई आपत्ति/दावा होवें तो इस उद्घोषणा प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के भीतर अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष उपस्थित होकर आपत्ति / दावा प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित अवधि तक कोई आपत्ति / दावा प्रस्तुत नहीं होने पर शासन के प्रचलित नियमों के अनुसार फ्री-होल्ड की कार्यवाही संपादित करा दी जावेगी। जिसके बाद कोई आपत्ति/दावा ग्राह्य नहीं होगा।
दिनांक 01.07.25 को जारी।

राजस्व अधिकारी (तहसीलदार)
रायपुर विकास प्राधिकरण
रायपुर (छ.ग.)

आम सूचना

मौजा ग्राम रायपुरा प.ह.नं. 104/57 रा.नि.मं. रायपुर तहसील व जिला रायपुर छ.ग. में स्थित प्लाट नंबर एफ-38 खसरा नंबर 94 का भाग रकबा 1816 वर्गफुट भूमि के संबंध में

सर्वविदित हो कि मेरे पक्षकारगण हरमिन्दर कौर पति श्री जशबीर सिंह निवासी न्यू कृष्णा अलबाश टाकिज सकता कालोनी रायपुर छ.ग. एवं सौरभ शर्मा पिता श्री दिनेश कुमार शर्मा निवासी नगर निगम कालोनी तात्यापारा रायपुर छ.ग. ने विक्रेतागण श्री रविकांत चंद्राकर पिता श्री धनीराम चंद्राकर एवं अभिनव चंद्राकर पिता श्री धनीराम चंद्राकर निवासी हनुमान चौक सतबहनिया मंदिर के पास कुशालपुर रायपुर तहसील व जिला रायपुर छ.ग. के स्वामित्व एवं आधिपत्य की शामिल शरीक भूमि स्थित मौजा ग्राम रायपुरा प.ह.नं. 104/57 रा.नि.मं. रायपुर तहसील व जिला रायपुर छ.ग. में स्थित प्लाट नंबर एफ-38 खसरा नंबर 94 का भाग रकबा 1816 वर्गफुट भूमि को क्रय करने का पक्का सौदा कर लिया है, केवल बैनामा पंजीयन की कार्यवाही शेष है।

अतः उपरोक्त वर्णित संपत्ति के स्वत्व, अंतरण, के संबंध में जिस किसी व्यक्ति, संस्था, निकाय, बैंक, शासकीय अर्द्धशासकीय विभागों को किसी प्रकार की आपत्ति हो तो इस आम सूचना के प्रकाशन के 7 दिवस के भीतर अपनी आपत्ति मय दस्तावेज मेरे नीचे लिखे कार्यालय में कार्यालयीन समय पर मेरे समक्ष प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद म्याद मेरे पक्षकार द्वारा विक्रय विलेख का निष्पादन अपने पक्ष में करा लिया जावेगा। तत्पश्चात् प्रस्तुत आपत्ति शून्य व अवैध होने से मेरे पक्षकार पर बंधनकारी नहीं होगी।

सो सूचना जानें।

रायपुर छ.ग.
दिनांक

(सबीरा बेगम)
अधिवक्ता
अनंत विहार कालोनी गली नंबर 2
दलदलसिवनी रायपुर (छ.ग.)
मो.नं. 98931 72807

रायपुर विकास प्राधिकरण रायपुर
उद्घोषणा

क्रमांक 7790/आर.सी./रा.वि.प्रा./2025
रायपुर दिनांक 09/07/25

प्राधिकरण की मठपुरैना योजनान्तर्गत भूखंड क्रमांक 296 क्षेत्रफल 450 वर्गफुट श्रीमती तानिया सुल्ताना पति श्री मिराजुल हक को 30 वर्षीय पट्टे पर आबंटित है। आबंटिती के द्वारा उक्त भूखंड को फ्री-होल्ड किये जाने हेतु दिनांक 07.07.2025 को कार्यालय में आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है।

उक्त भूखंड को फ्री- होल्ड किये जाने में यदि किसी को कोई आपत्ति/दावा हो इस उद्घोषणा प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के भीतर प्राधिकरण में अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष उपस्थित होकर आपत्ति / दावा प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि तक कोई आपत्ति/दावा प्राप्त नहीं होने पर शासन के प्रचलित नियमो के अनुसार फ्री-होल्ड की कार्यवाही संपादित की जावेगी। निर्धारित तिथि के बाद कोई आपत्ति/दावा ग्राह्य नहीं होगा।

राजस्व अधिकारी (तहसीलदार)
रायपुर विकास प्राधिकरण
रायपुर (छ.ग.)

रायपुर विकास प्राधिकरण रायपुर
उद्घोषणा

क्रमांक 7791/आर.सी./रा.वि.प्रा./2025
रायपुर दिनांक 09/07/25

प्राधिकरण की मठपुरैना योजनान्तर्गत भूखंड क्रमांक 295 क्षेत्रफल 450 वर्गफुट श्रीमती तानिया सुल्ताना पति श्री मिराजुल हक को 30 वर्षीय पट्टे पर आबंटित है। आबंटिती के द्वारा उक्त भूखंड को फ्री-होल्ड किये जाने हेतु दिनांक 07.07.2025 को कार्यालय में आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है।

उक्त भूखंड को फ्री-होल्ड किये जाने में यदि किसी को कोई आपत्ति/दावा हो इस उद्घोषणा प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के भीतर प्राधिकरण में अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष उपस्थित होकर आपत्ति / दावा प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि तक कोई आपत्ति/दावा प्राप्त नहीं होने पर शासन के प्रचलित नियमों के अनुसार फ्री-होल्ड की कार्यवाही संपादित की जावेगी। निर्धारित तिथि के बाद कोई आपत्ति / दावा ग्राह्य नहीं होगा।

राजस्व अधिकारी (तहसीलदार)
रायपुर विकास प्राधिकरण
रायपुर (छ.ग.)

शपथ पत्र

जुझार दीप, पिता गधाधर दीप, उम्र 40 वर्ष, निवासी अमृत होम्स, बी.एस.यू.पी. कॉलोनी म.नं. 28. ब्लॉक नं. बी हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, अमलीडीह, रायपुर, तहसील व जिला-रायपुर (छ.ग.) का रहने वाला हूं एवं निम्नलिखित शपथ पूर्वक निम्न कथन करता हूं कि:-
1. यह कि मेरा नाम व पता उपरोक्तानुसार सत्य व सही है।
2. यह कि मेरी पुत्री गरीमा दीप के जन्म प्रमाण पत्र एवं कक्षा नर्सरी से चौथी के अंकसूची में पुत्री का नाम गरीमा दीप GARIMA DEEP दर्ज है
3. यह कि मेरी पुत्री गरीमा दीप के आधार कार्ड क्र.7560-6180-8318 में पुत्री का नाम गौरी दीप GOURI DEEP दर्ज है जो घर वाले इसी नाम से पुकारते है।
4. यह कि गरीमा दीप GARIMA DEEP एवं गौरी दीप GOURI DEEP दोनों नाम मेरी पुत्री का ही अर्थात दोनों एक ही व्यक्ति के नाम है।
5. यह कि उक्त आधार में सुधार कर मेरी पुत्री का नाम GARIMA DEEP दर्ज किया जाये।
6. यह कि आधार कार्ड में नाम सुधार कर दर्ज करने के समर्थन में यह शपथ पत्र सक्षम अधिकारी महोदय के समक्ष प्रस्तुत करने हेतु निष्पादित कर रहा हूँ।

शपथकर्ता

न्यायालय नायब तहसीलदार रायपुर जिला-रायपुर (छ.ग.)
सूचना-प्रकाशन

रा.प्र.क्र./202505114900061/अ-6/वर्ष 2024-2025
रायपुर, दिनांक 30.06.2025
प्रति,

राजीव सहकारी गृह निर्माण समिति मर्यादित रायपुर प्रधान कार्यालय कटोरा तालाब रायपुर तहसील व जिला रायपुर छ.ग. द्वारा अध्यक्ष डॉ. मोहन दास पिता डेटाराम निवासी कटोरा तालाब रायपुर तहसील व जिला रायपुर छ.ग.

इस नोटिस के जरिये आपको सूचना दी जाती है कि आवेदिका जसप्रीत कौर पिता स्व. अजीत सिंह कैम्बों निवासी न्यू राजेन्द्र नगर रायपुर छ.ग. द्वारा आवेदन पत्र अंतर्गत धारा 109, 110 भू-राजस्व संहिता के अंतर्गत नामांतरण बाबत् आवेदन पत्र पेश किया है कि ग्राम टिकरापारा प.ह.नं. 70 तहसील व जिला रायपुर छ.ग. स्थित भूमि खसरा नंबर 389 का भाग भूखंड क्रमांक 35 सी, रकबा 2400 वर्गफुट भूमि को राजीव गृह निर्माण समिति मर्यादित रायपुर छ.ग. के स्वीकृत अभिन्यास अंतर्गत धारित किया जाता है। वर्तमान राजस्व अभिलेख में राजीव गृह निर्माण समिति मर्यादित रायपुर छ.ग. के नाम पर दर्ज है। जिसे आवेदिका के पिता अजीत सिंह पिता किशन सिंह निवासी कटोरातालाब रायपुर द्वारा पंजीकृत बैनामा दिनांक 27.05.1992 को विक्रेता/वर्तमान खातेदार से क्रय किया है। क्रय पश्चात क्रेता द्वारा भूलवश अपने नाम पर नामांतरण नहीं करा पाये थे जिनकी दिनांक 11.06.2021 को मृत्यु हो चुकी है। एवं आवेदिका के माता तथा मृतक क्रेता के पत्नि श्रीमती इन्दरजीत कौर कैम्बो पति स्व. अजीत सिंह कैमबो दिनांक 08.04.2017 को मृत्यु हो गई है। यह कि आवेदिका के माता/पिता की मृत्यु पश्चात उनके विधिक वारिसान में पुत्र पवनदीप सिंह कैम्बो, अमृत पाल कैम्बो है जिनके द्वारा आवेदित भूमि को आवेदिका द्वारा पंजीकृत बैनामा के आधार पर अपने नाम पर नामांतरण करने आवेदन पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र बी-1, आधार कार्ड बैनामा के आधार पर अपने नाम पर नामांतरण करने आवेदन पत्र मृत्यु प्रमाण पत्र, बी-1, आधार कार्ड, पंजीकृत बैनामा की प्रति संलग्न किया है।

अतः उक्त प्रकरण के निराकरण हेतु आप नियत सुनवाई दिनांक 18.07.2025 को अनिवार्य रूप से स्वतः अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर अपना पक्ष प्रस्तुत करें, अन्यथा आपकी मौन सहमति मानी जावेगी एवं प्रकरण में आपके विरूद्ध एकपक्षीय कार्यवाही की जावेगी।

आज दिनांक 30.06.2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

मुहर — नायब तहसीलदार रायपुर

NAME CHANGE

It is informed to the general public that I, AARTI SACHDEV D/O DARSHAN LAL SACHDEVA resident of S - 19 RAJEEV NAGAR, NEAR ANUP VATIKA GARDEN RAIPUR (C.G.) - 492004 have changed my old name AARTI SACHDEV D/O DARSHAN LAL SACHDEVA so in future I should be recognized by my new name that is AARTI SHERWANI W/O AAKASH SHERWANI in all Government and other documents.

AARTI SHERWANI
S - 19 RAJEEV NAGAR, NEAR ANUP VATIKA GARDEN RAIPUR (C.G.) - 492004

NAME CHANGE

It is informed to the general public that I, SHEETAL SINGH CHAUHAN D/O SANJAY SINGH CHAUHAN resident of H NO 100, RAJENDRA NAGAR WARD NO 15, DANTEWADA, PO: DANTEWADA, DIST: DAKSHIN BASTAR DANTEWADA (C.G.) - 494449 have changed my old name SHEETAL SINGH CHAUHAN D/O SANJAY SINGH CHAUHAN so in future I should be recognized by my new name that is SHEETAL TOMAR W/O PRATAP SINGH TOMAR in all Government and other documents.

SHEETAL TOMAR
H NO 100, RAJENDRA NAGAR WARD NO 15, DANTEWADA, PO: DANTEWADA, DIST: DAKSHIN BASTAR DANTEWADA (C.G.) - 494449

NAME CHANGE

It is informed to the general public that I, MANISHA DILIPKUMAR KESWANI D/O KASHIWALA DILIP CHAGUMAL resident of H NO 36,VIDYA NAGAR, AMLIDIH, SECTOR 2, NEAR GURU GHASIDAS MANDIR, RAIPUR, (C.G.) 492006 have changed my old name MANISHA DILIPKUMAR KESWANI D/O KASHIWALA DILIP CHAGUMAL so in future I should be recognized by my new name that is RITIKA MEGHWANI W/O HARESH MEGHWANI in all Government and other documents.

RITIKA MEGHWANI
H NO 36,VIDYA NAGAR, AMLIDIH,SECTOR 2, NEAR GURU GHASIDAS MANDIR, RAIPUR, (C.G.) 492006

NAME CHANGE

It is informed to the general public that I, DIVYA SADRANI D/O DEVENDRA SADRANI resident of H NO 14, MUSKAN RESIDENCY, NEAR MMI HOSPITAL, LALPUR RAIPUR (C.G.) 492001 have changed my old name DIVYA SADRANI D/O DEVENDRA SADRANI so in future I should be recognized by my new name that is DIVYA DEWANGAN D/O DEVENDRA SADRANI in all Government and other documents.

DIVYA DEWANGAN
H NO 14, MUSKAN RESIDENCY, NEAR MMI HOSPITAL, LALPUR RAIPUR (C.G.) 492001

NAME CHANGE

It is informed to the general public that I, RIYASART NOORI S/O NASIR KHAN resident of H.NO. 99/1 WARD NO. 10, GANDAI MASJID GALI, GADAI- DT. KHAIRAGARH CHHUIKHADAN GANDAI (C.G.) 491888 have changed my old name RIYASART NOORI S/O NASIR KHAN so in future I should be recognized by my new name that is RIYASAT NOORI S/O NASIR KHAN in all Government and other documents.

RIYASAT NOORI
H.NO. 99/1 WARD NO. 10, GANDAI MASJID GALI, GADAI- DT. KHAIRAGARH CHHUIKHADAN GANDAI (C.G.) 491888

जिन्होंने छत्तीसगढ़ को अपना सब कुछ दे दिया और मर मिटे

राजिम, 9 जुलाई (देशबन्धु)। संत पवन दीवान ऐसे महान ज्ञानमार्गी धर्म प्रचारक बहु प्रतिभा के धनी थे ,साथ ही कुशल राजनीतिज्ञ आजीवन ब्रम्हचारी ब्रम्हलीन संत जिन्होंने छत्तीसगढ़ को अपना सब कुछ दे दिया और मर मिटे, जिन्होंने प्रभु श्री राम लला को छत्तीसगढ़ का भांचा होने का बोध कराया, क्यों ना ऐसे दिव्य संत के नाम से पचपेड़ी नाका का नामकरण स्वसंत पवन दीवान जी चौक्ष् के नाम से किया जाए।

संत पवन दीवान के लिए 1977 में एक नारा गूँजा था– पवन नहीं ये आँधी है, छत्तीसगढ़ का गाँधी है : पवन दीवान उन व्यक्तियों में से एक थे जिन्होंने छत्तीसगढ़ियों में स्वाभिमान जगाने का काम किया था, जिन्होंने पृथक छत्तीसगढ़ राज्य के लिए आंदोलन किया था, छत्तीसगढ़ी भाषा को भागवत कथा में शामिल कर उसे जन–जन में प्रचार–प्रसार करने और मातृभाषा के प्रति सम्मान जगाने का काम किया था, हर मंच पर अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई थी, जो एक सफल कवि, भागवताचार्य, खिलाड़ी और राजनेता के तौर जाने और माने गए, एक पंक्ति में जीवन के मूल्य को समझा दिया था– पंछी होबे होह ... महूँ होहू रोख..ष् जिनके लिए सन 1977 में एक नारा गूँजा था– पवन नहीं ये आँधी है, छत्तीसगढ़ का गाँधी है।

कौन थे ब्रम्हलीन संत पवन दीवान : पवन दीवान का जन्म 1 जनवरी 1945 को राजिम के पास ग्राम किरवई में हुआ था। प्रारंभिक शिक्षा गाँव में हुई। उनके पिता का नाम सुखरामधर दीवान जो कि शिक्षक थे। वहीं माता का नाम किर्ती देवी दीवान था। ननिहाल आरंग के पास छटेरा गाँव था। उन्होंने स्कूली शिक्षा किरवई और राजिम से पूरी की। जबकि उच्च शिक्षा सागर विश्वविद्यालय और रविशंकर शुक्ल वि.वि. रायपुर से प्राप्त की थी। उन्होंने हिंदी और संस्कृत में एमए की पढ़ाई की थी। पवन दीवान की पहचान आध्यात्मिक संत, विद्वान, भागवत प्रवचनकर्ता, हिंदी और छत्तीसगढ़ के लोक प्रिय कवि के रूप में जानी जाती है, उन्होंने राजिम से महानदी, अंतरिक्ष, बिम्ब नाम से पत्रिकाओं का संपादन किया। पवन दीवान संस्कृत विद्यापीठ राजिम के प्राचार्य भी रहे। खूबचंद बघेल को भी छत्तीसगढ़ भातृसंघ के अध्यक्ष रहे...

पृथक छत्तीसगढ़ के प्रथम शंखनादक, प्रभु श्री राम लला को छत्तीसगढ़ का भांचा होने का बोध कराया, ऐसे ब्रम्हलीन, संत कवि पवन दीवान के नाम किया जाये ष्पचपेड़ी नाका का

कविता सबसे चर्चित रही उसमें एक थी मेरे गाँव में एक थी लड़की चंदा उसका नाम था शामिल थी: अध्ययन काल के दौरान पवन दीवान की रुचि खेल में भी रही। फुटबॉल के साथ बॉलीबॉल में वे स्कूल के दिनों में उत्कृष्ट खिलाड़ी रहे। इस दौरान ही उन्होंने कविता लेखन की शुरुआत भी कर दी थी। धीरे-धीरे वे एक मंच के एक धाकड़ कवि बन चुके थे। उन्होंने छत्तीसगढ़ी और हिंदी दोनों में ही कविताएं लिखी। उनकी कुछ कविताएं जनता के बीच इतनी चर्चित हुई कि वे जहाँ भी भागवत कथा को वाचन को जाते लोग उनसे कविता सुनाने की मांग अवश्य करते। इन कविताओं में श्राखशु और ष्ये पड़त हावय जाड़ष् प्रमुख रहे। वहीं कवि सम्मेलनों में उनकी जो कविता सबसे चर्चित रही उसमें एक थी श्मेरे गाँव में एक थी लड़की चंदा उसका नाम था श् शामिल है।

दीक्षा–अध्ययनकाल के समय ही पवन दीवान में वैराग्य की भावना बलवती हो गई थी। 21 वर्ष की आयु में हिमालय की तराइ में जाकर अंततः उन्होंने स्वामी भजनानंदजी महराज से दीक्षा लेकर सन्यास धारण कर लिया और भी पवन दीवान से अमृतानंद बन गए। इसके बाद वे आजीवन सन्यास में रहे और गाँव–गाँव जाकर भागवत कथा का वाचन करने लगे।

राजनीति – भागवत ,कथा वाचन, कवि सम्मेलनों से : राजिम सहित पूरे अँचल में पवन दीवान प्रसिद्ध हो चुके थे। उनके शिष्यों की संख्या लगातार बढ़ते ही जा रही थी। राजनीतिक दल के लोगों से उनका मिलना–जुलना जारी था और उनकी यही बढ़ती हुई लोकप्रियता एक दिन उन्हें राजनीति में ले आई। राजनीति में उनका प्रवेश हुआ जनता पार्टी के साथ। 1975 में आपात काल के बाद सन 1977 में जनता पार्टी से राजिम विधानसभा सीट से चुनाव लड़े। एक युवा संत कवि के सामने तब कांग्रेस के दिग्गज नेता श्यामाचरण शुक्ल कांग्रेस पार्टी से मैदान में थे।

युवा संत कवि पवन दीवान ने श्यामाचरण शुक्ल को हराकर सबको चौंका दिया था : युवा संत कवि पवन दीवान ने श्यामाचरण शुक्ल को हराकर सबको चौंका दिया था। तब उस दौर में एक नारा गूँजा था– पवन नहीं ये आँधी है, छत्तीसगढ़ का गाँधी है। श्यामाचरण शुक्ल जैसे नेता को हराने का इनाम पवन दीवान को मिला और अविभाजित मध्य प्रदेश में जनता पार्टी की सरकार में जेल मंत्री रहे। इसके बाद वे कांग्रेस के साथ आ गए और फिर पृथक राज्य छत्तीसगढ़ बनने तक कांग्रेस में रहे। बाद में पुन: भाजपा के आमंत्रण से राजनीति के घर वापसी कर गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष पद पर भी रहे, ब्रम्हलीन के पहले संत जी काफी लम्बे समय तक गृह निवास किरवई आश्रम में सादगी पूर्वक जीवन निर्वहन कर रहे थे...

अंचल की जनता ने पेश की दावा आपत्ति , कहा पचपेड़ी नाका का नाम करण हो संत पवन दीवान के नाम से : अंचल वासियों का कहना है कि हमारा भी दावा आपत्ति स्वीकार की जाए.. पचपेड़ी नाका का नवीन नामकरण किया जा रहा हो तो.. पृथक छत्तीसगढ़ के प्रथम शंखनादक.. ब्रम्हलीन संत पवन दीवान जी राजिम के नाम से किया जाए.. उनके त्याग, तपस्या, बलिदान की कहानी किसी से छिपी हुई नहीं है.. जिनमें काफी प्रयास उपरांत.. आज पृथक छत्तीसगढ़ का उपहार स्वरूप सौगात हमें मिला है.. जिन्होंने माता कौशल्या की मायका यानी प्रभु श्री राम लला को ननिहाल.. छत्तीसगढ़ के दंडकारण्य क्षेत्र का बोध कराया। दुर्भाग्य उनकी एक भी प्रतीक स्मृति पूरे राजधानी में कहीं दिखाई नहीं देती.. इस हेतु पचपेड़ी नाका का नामकरण ब्रह्मलीन संत कवि पवन दीवान जी के नाम से किया जाए।

प्रदेश की नगरी निकाय कर्मचारी काली पट्टी लगाकर कर रहे सरकार का विरोध

महासमुंद, 9 जुलाई (देशबन्धु)। प्रदेश के 192 नगरी निकायों के कर्मचारी शासन के दमनकारी नीतियों का विरोध करते हुए अपनी मांगों की ओर ध्यान आकर्षित कराने के लिए जिले के सभी 6 स्थानीय निकायों पंचायतो और नगर पालिका परिषदों जिसमें क्रमश: तुमगांव, बसना, पिथौरा, सरायपाली, बागबाहरा और महासमुंद कार्यरत कर्मचारी काली पट्टी लगाकर अपने दैनिक कार्यों का सुचारू रूप से क्रियान्वयन कर रहे हैं। इसके साथ ही संध्या 5.30 बजे कार्यालय के मुख्य द्वार पर गेट मीटिंग करते हुए शासन के दमनकारी नीतियों के विरुद्ध करते हुए कुंभकर्णी नींद से जागने के लिए शासन विरुद्ध नारा भी लगाए। नवयुक्त अधिकारी कर्मचारी नगरी निकाय कल्याण संघ के प्रदेश अध्यक्ष राजेश सोनी और जिला जिला अध्यक्ष खिलेश कुमार साहू ने कहा है कि 5 जुलाई को पूरे प्रदेश भर के कर्मचारी अपनी तीन प्रमुख महत्वपूर्ण मांगों को लेकर मुख्यमंत्री निवास का घेराव करने के लिए इकठ्ठा हुए थे। इससे डर शासन ने अपनी नाकामयाबी को छुपाते हुए आंदोलनकारी को बसों में जबरन ठुस कर शहर से दूर अन्यत्र बेजान स्थान पर ले जाया गया ताकि आंदोलन बाधित हो, जहां कर्मचारी पीने की पानी जैसे जीवनदायनीय चीज के लिए तरसते रहे। इस संवेदनशील घटना से पूरे प्रदेश भर के कर्मचारियों में काफी रोष है। मांगों में महीने के पहले तारीख को वेतन भुगतान, नगरी निकाय कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन योजना लागू करने और बरसों से एक ही पद में कार्यरत कर्मचारियों को पदोन्नति प्रदान करने जैसे महत्वपूर्ण मांगों को लेकर हमारा आंदोलन जारी रहेगा। अध्यक्ष साहू ने आगे बताया कि प्रदेश कोर कमेटी में लिए गए निर्णय के अनुसार पूरे प्रदेश भर के नगरी निकाय कर्मचारी एक सप्ताह कार्य दिवस सोमवार से शुक्रवार तक काली पट्टी लगाकर अपने कार्यालयीन कार्यों को करेंगे, और प्रतिदिन छुट्टी के समय के समय मुख्य द्वार के बाहर एकत्रित होकर अपनी मांगों को लेकर शासन का ध्यान आकर्षण करते हुए नारा लगाएंगे। संघ के प्रतिनिधि मंडल द्वारा लगातार मुख्यमंत्री से मिलने का समय मांगा जा रहा है परंतु यह विष्णु के शासन में कैसा कुशासन है कि उनके पास अपने राज्य के शहरी सरकार के प्रमुख अंगों से मिलने तक का भी समय नहीं है। पूरे प्रदेश के कर्मचारी शांतिपूर्ण और अहिंसात्मक तरीकों से अपनी आवाज बुलंद करेंगे और शासन को कुंभकर्णी नींद से जागने का प्रयास करेंगे और जब तक हमारी मांगे पूरी नहीं होती हमारा आंदोलन जारी रहेगा।

अधूरी पड़ी नाली के दुर्गंध से जनता को रही है परेशानी

कटगी/बलौदाबाजार, 9 जुलाई (देशबन्धु)। आदर्श ग्राम पंचायत कटगी के साप्ताहिक बाजार चौक के पास निस्तारी नाली की मरम्मत के लिए दो माह पूर्व की गई खुदाई अब तक अधूरी पड़ी है। सरपंच जय सिंह पैकरा द्वारा नाली में नया पाइप डालने के लिए खुदाई तो करा दी लेकिन काम को अधूरा छोड़ दिया गया है। नाली की दुर्गन्ध से ग्रामीण परेशान हैं।

ज्ञात हो कि अधूरी खुदाई से नाली खुली पड़ी है, जिससे लगातार दुर्गंध फैल रही है और पालतू जानवर उसमें गिरकर घायल हो रहे हैं। साप्ताहिक बाजार में आने–जाने वाले ग्रामीणों, आसपास के व्यापारियों और ग्राहकों को भी काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि बरसात का मौसम सामने है और यदि नाली की मरम्मत जल्द नहीं हुई, तो जलभराव और गंदगी की समस्या और गंभीर हो जाएगी। और नाली की दुर्गंध से बीमारी फैलने की संभावना जाता रही है। पिछली बार जब अधूरी पडी नाली के संबंध में सरपंच जय सिंह पैकरा ने पंचायत फंड का हवाला देकर पल्ला झाड़ा लिया था लेकिन दो माह बीत जाने के बाद नाली का पूर्ण निमार्ण नही करा पाना सरपंच की निष्क्रियता और लापरवाही को दिखा रहा हैं। ग्रामीणों ने शासन–प्रशासन से मांग की है कि बरसात से पहले नाली की मरम्मत पूर्ण किया जाय ताकि मुहल्ले से निकलने वाली पानी की निकास सही तरीका से हो सके और खुली नाली की दुर्गन्ध से निजात मील सके। जय सिंग पैकरा सरपंच का कहना है कि नाली निर्माण के लिए खुदाई कराई गई लेकिन लेबर मिस्त्री नही मिलने के कारण पूर्ण नही हो पाया है, जैसे लेबर मिस्त्री मिलेगा काम पूर्ण करा दिया जाएगा।

इधर सत्यनारायण देवांगन उपसरपंच ने कहा है कि 3 माह पूर्व ग्राम पंचायत में नली निर्माण के लिए प्रस्ताव किया गया था उसके बाद से 3 जगहों पर नाली खुदवाया गया है जिसमें से लखमईस्ती के नाली को जनपद सीईओ के मौखिक आदेश पर सचिव और पंच लोगों द्वारा काम पूर्ण कराया है किंतु सरपंच महोदय द्वारा अपने वित्ती पवार का दुरुपयोग किया जा रहा है और विकास कार्य करने से मना किया जा रहा है इस लिए बाकी नालियों का कम रुका हुआ है और गांव में कोई भी विकास कार्य नहीं हो पा रहा है।

जिले के 8 अवैध कारोबारियों के खिलाफ पुलिस ने की कार्यवाही

बलौदाबाजार, 9 जुलाई (देशबन्धु)। जिला बलौदाबाजार–भाटापारा पुलिस द्वारा पुलिस अधीक्षक भावना गुप्ता के कुशल निर्देशन अवैध गतिविधियों में लिप्त आरोपियों, शांति भंग करने वाले असामाजिक तत्वों एवं जुआ, सट्टा का संचालन करने वाले तथा अवैध रूप से शराब बिक्री करने वाले आरोपियों की धरपकड़ कार्यवाही लगातार जारी है। इसी क्रम में जिला बलौदाबाजार–भाटापारा पुलिस टीम द्वारा 8 जुलाई 2025 को सायं के समय क्षेत्र अंतर्गत शराब भट्टी के पास अवैध रूप से चखना सेंटर का संचालन करने वाले, सडक मार्ग के किनारे स्थित होटल, ढाबा, ठेला आदि में पीने, बैठने की सुविधा उपलब्ध कराकर अवैध रूप से शराब पिलाने वाले तथा सार्वजनिक स्थल पर बैठकर शराब पीने वाले कुल 8 आरोपियों के विरुद्ध कार्यवाही किया गया है। पकड़े गए सभी 08 आरोपियों के विरुद्ध आबकारी एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत विधिवत कार्यवाही किया गया है।

आरोपियों में–साहिल मनहरे उम्र 19 वर्ष निवासी ग्राम संडी थाना पलारी, शिव भारती उम्र 40 साल निवासी ग्राम सिनोधा थाना हथबंद, मोटू ध्रुव उम्र 20 साल निवासी ग्राम सिंगारपुर थाना भाटापारा ग्रामीण, डोमार यादव उम्र 19 साल निवासी ग्राम सिंगारपुर थाना भाटापारा ग्रामीण, कोमल साहू उम्र 26 साल निवासी ग्राम अर्जुनी थाना भाटापारा ग्रामीण, श्रवण साहू उम्र 57 वर्ष निवासी ग्राम कोलिहा थाना भाटापारा ग्रामीण, संतोष जोशी उम्र 23 साल निवासी ग्राम सेमरिया थाना भाटापारा ग्रामीण, देव देवांगन उम्र 37 साल निवासी ग्राम जरौद थाना भाटापारा ग्रामींण शामिल है।

न्यायालय कार्यपालिक दण्डाधिकारी भाटापारा, जिला बलौदाबाजार-भाटापारा (छत्तीसगढ़)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र.....ब/121 वर्ष 2024-2025
ग्राम का नाम भाटापारा

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक राजू यादव पिता श्री विष्णु प्रसाद ध्रुव जाति गोंड निवासी मोहल्ला मुंशी इस्माइल वार्ड भाटापारा तहसील भाटापारा जिला बलौदाबाजार –भाटापारा के द्वारा अपने पुत्र राकेश कुमार ध्रुव पिता श्री राजू ध्रुव माता का नाम श्रीमती बिन्दु बाई ध्रुव का जन्म दिनांक 12.02.2011 (स्थान) नगर मुंशी इस्माइल वार्ड भाटापारा का पंजीयन करने हेतु रजिस्ट्रार जन्म/मृत्यु नगरपालिका परिषद भाटापारा तहसील भाटापारा जिला बलौदाबाजार भाटापारा (छत्तीसगढ़) को जन्म/मृत्यु रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1969 एवं छ0ग0 जन्म/मृत्यु रजिस्ट्रीकरण नियम 2001 के नियम 9 (3) के तहत शपथपत्र, अनुपलब्धता प्रमाण पत्र, पार्षद का प्रमाण सहित आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। जिसके संबंध में प्रकरण विचाराधीन है, तथा दिनांक 18/7/25 को सुनवाई हेतु नियत है।

अत: उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को किसी प्रकार की कोई दावा/आपत्ति पेश करना हो तो नियत पेशी तारीख 18/7/25 तक स्वयं या अपने अभिभाषक या वैध प्रतिनिधि के माध्यम से दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। नियत अवधि के पश्चात् प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार आज दिनांक 04/7/25 की मुहर सहित जारी किया ।

सील — **कार्यपालिक दण्डाधिकारी भाटापारा (छत्तीसगढ़)**

न्यायालय कार्यपालिक दण्डाधिकारी, भाटापारा जिला बलौदाबाजार भाटापारा (छ.ग.)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र...... ब/121 वर्ष 2024-2025
ग्राम का नाम गुर्रा

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका श्रीमती किर्तनी साहू पति स्व0 श्री लालाराम साहू जाति तेली निवासी ग्राम गुर्रा प0ह0नं0 17 तहसील भाटापारा जिला बलौदाबाजार–भाटापारा (छत्तीसगढ़) के द्वारा अपने पुत्री कु0 मनीषा पिता श्री लालाराम माता का नाम श्रीमती कृतनी का जन्म दिनांक 26.12.2010 (स्थान) ग्राम गुर्रा का पंजीयन करने हेतु रजिस्ट्रार जन्म/मृत्यु सचिव ग्राम पंचायत गुर्रा तहसील भाटापारा जिला बलौदाबाजार भाटापारा (छत्तीसगढ़) को जन्म/मृत्यु रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1969 एवं छ0ग0 जन्म/मृत्यु रजिस्ट्रीकरण नियम 2001 के नियम 9 (3) के तहत शपथपत्र, अनुपलब्धता प्रमाण पत्र, सरपंच प्रमाण पत्र, आधार कार्ड एवं शैक्षणिक प्रमाण पत्र सहित आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। जिसके संबंध में प्रकरण विचाराधीन है तथा दिनांक 23/7/25 को सुनवाई हेतु नियत है।

अत: उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को किसी प्रकार की कोई दावा/आपत्ति पेश करना हो तो नियत पेशी तारीख 23/7/25. .तक स्वयं या अपने अभिभाषक या वैध प्रतिनिधि के माध्यम से दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। नियत अवधि के पश्चात् प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार आज दिनांक 09/07/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर सहित जारी किया ।

सील — **कार्यपालिक दण्डाधिकारी भाटापारा (छत्तीसगढ़)**

न्यायालय कार्यपालिक दण्डाधिकारी भाटापारा, जिला बलौदाबाजार-भाटापारा (छत्तीसगढ़)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र.... ब/121 वर्ष 2024-2025
ग्राम का नाम भाटापारा

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक राजू यादव पिता श्री विष्णु प्रसाद ध्रुव जाति गोंड निवासी मोहल्ला मुंशी इस्माइल वार्ड भाटापारा तहसील भाटापारा जिला बलौदाबाजार –भाटापारा के द्वारा अपने पुत्र इन्द्र देव ध्रुव पिता श्री राजू ध्रुव माता का नाम श्रीमती बिन्दु बाई ध्रुव का जन्म दिनांक 10.10.2004 (स्थान) नगर मुंशी इस्माइल वार्ड भाटापारा का पंजीयन करने हेतु रजिस्ट्रार जन्म/मृत्यु नगरपालिका परिषद भाटापारा तहसील भाटापारा जिला बलौदाबाजार भाटापारा (छत्तीसगढ़) को जन्म/मृत्यु रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1969 एवं छ0ग0 जन्म/मृत्यु रजिस्ट्रीकरण नियम 2001 के नियम 9 (3) के तहत शपथपत्र, अनुपलब्धता प्रमाण पत्र, पार्षद का प्रमाण सहित आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। जिसके संबंध में प्रकरण विचाराधीन है, तथा दिनांक 18/07/25 को सुनवाई हेतु नियत है।

अत: उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को किसी प्रकार की कोई दावा/आपत्ति पेश करना हो तो नियत पेशी तारीख 18/7/25 तक स्वयं या अपने अभिभाषक या वैध प्रतिनिधि के माध्यम से दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। नियत अवधि के पश्चात् प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार आज दिनांक 04/07/25 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर सहित जारी किया ।

सील — **कार्यपालिक दण्डाधिकारी भाटापारा (छत्तीसगढ़)**

CHHATTISGARH STATE POWER TRANSMISSION CO LTD
(A Government of Chhattisgarh Undertaking) CIN-U40108CT2003SGC015820 GSTIN-22AADCC5773E1ZX
OFFICE OF THE EXECUTIVE DIRECTOR (TRANS.) QTR. NO.-C-08/11, FIRST FLOOR, DANGANIYA, RAIPUR (C.G.) -492 013
Website- www.cspc.co.in e-mail: - cetrans.raipur@cspc.co.in Ph.No. 0771-2574411,4450

No.02-19/Tender/P-82/476 — Raipur, Dtd: 08.07.2025

NOTICE INVITING TENDER (Through e-bidding in SAP SRM System)

Sealed tenders are invited from eligible bidders for following work:-:-

Sl.	Tender No.	Particulars of works	E.M.D. (in Rs.)	Due date of opening
1	02-19/ Tender/ P-82/476 dtd. 08/07/2025 RFx No.- 8100044991	Connection of old 100000 litre water tank to newly constructed 400000 litre water tank for HVWSS.	Rs. 14,470/-	30/07/2025 14:30Hrs.

Note: Other terms & condition, details etc. regarding tender can be seen on our website www.cspc.co.in

SAVE ELECTRICITY — **Executive Director (Trans.) CSPTCL: Raipur (C.G.)**

NAME CHANGE

It is informed to the general public that I, ARUN KUMAR S/O BADRI PRASAD VISHWAKARMA resident of HNO.145, STREET NO.09, NEAR BUMBAI BEE SCHOOL, SMRITI NAGAR, BHILAI, DURG, (C.G.) 490020 have changed my old name ARUN KUMAR S/O BADRI PRASAD VISHWAKARMA so in future I should be recognized by my new name that is ARUN VISHWAKARMA S/O BADRI PRASAD VISHWAKARMA in all Government and other documents.

ARUN VISHWAKARMA
HNO.145, STREET NO.09,
NEAR BUMBAI BEE SCHOOL,
SMRITI NAGAR, BHILAI,
DURG, (C.G.) 490020

आवश्यकता है

धनवंतरी अस्पताल में कार्य करने हेतु वार्ड बॉय की आवश्यकता है प्रमाण पत्रों के साथ स्वयं संपर्क करें **नजदीकी निवासरत** एवं **पिछड़ी जाति** को प्राथमिकता।

संपर्क
धनवंतरी अस्पताल नेहरू नगर भिलाई
फोन 0788–40 40 489, 0788–229 2832।

न्यायालयः-श्रीमान व्यवहार न्यायाधीश वर्ग एक, बलौदाबाजार (छ.ग.)

उपस्थिति हेतु समंस

आदेश 5 नियम 20-1
व्य.प्र.सं. प्रो.कं. 80
व्यव.वाद कं. 41/2021
पेशी तारीख 21.07.2025
प्रति,

रूकम बाई पति स्व. सुन्दरलाल सोनवर्षा उम्र 76 साल वर्तमान निवासी मकान नं. 12 गेलेक्सी प्रीमियम नजदीक विधानसभा महालेखाकार के पीछे सकरी पोस्ट माढंर तहसील व जिला रायपुर छ.ग., विकास वगै. बनाम सुन्दरलाल वगै., वादीगण

विकास सोनवर्षा उम्र 24 साल पिता स्व. विनोद सोनवर्षा, अंकिता सोनवर्षा उम्र 26 साल पिता स्व. विनोद सोनवर्षा, श्रीमती अरूणा सोनवर्षा उम्र 49 साल पति स्व. विनोद सोनवर्षा निवासी तेलासी तहसील पलारी जिला बलौदाबाजार भाटापारा छ.ग. वर्तमान निवासी गली नं. 01 शिवचौंक, डा. राजेन्द्र नगर रायपुर पोस्ट रविग्राम जिला रायपुर छ.ग. ।

आप प्रतिवादी के विरुद्ध व्यव.वाद कं. 5 ब/2023 अंतर्गत धारा 96 व्यवहार प्रक्रिया संहिता 1908 के तहत दावा वास्ते स्वत्व की घोषणा, स्थायी निषेधाज्ञ अंशानुसार बटवारा एवं परिणामित कब्जा हेतु कीमती 3215 तील हजार दो सौ पन्द्रह रूपये का वाद संस्थिता किया है। प्रतिवादी इस न्यायालय में नियत तारीख 21.07.2025 के दावे के उत्तर देने के लिए उपस्थित होने के लिए नोटिस जारी किया जाता है प्रतिवादी न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे वकील द्वारा उपस्थित हो जिसे तत्संबंध में अनुदेश दिये गये हो और इस दावे से संबंधित सारवान प्रश्नों के उत्तर दे सकें। आपको यह निर्देश दिये जा रहे है कि आप इन सब दस्तावेजों को जो आपके कब्जे या शक्ति में हो पेश करें। जिन पर आपको प्रतिरक्षा या मुजराई दावा या दावा आधारित है। यदि आप किसी अन्य दस्तावेजों पर चाहे वह अपने कब्जे में हो या अपना प्रतिरक्षा या मुजराई को दावे या प्रतिदो के समर्थन में साक्ष्य के रूप में हो विसरत करते हुए आप ऐसे दस्तावेज का लिखित कथन के साथ उपलब्ध कराये जाने वाली सूची में प्रविष्ठ करें। आपको सूचित किया जाता है कि ऊपर वर्णित की गई पेशी तारीख को इस न्यायालय में उपस्थित नही होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।

टीप:-यदि किसी कारणवश उक्त पेशी दिनांक को सार्वजनिक अवकाश घोषित हो जाता है अथवा किसी कारणवश कार्य स्थगित हो जाता है तो आगामी कार्य दिवस पर प्रकरण की सुनवाई होगी।

आज दिनांक 09.07.2025 को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय के मुद्रा लगाकर दिया गया।

सील — **(राधेश्याम ध्रुव) प्रथम व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ श्रेणी बलौदाबाजार (छ.ग.)**

समक्ष श्रीमान पब्लिक नोटरी महोदय (छ.ग.)
:: शपथ पत्र ::
नाम परिवर्तन

मैं शपथकर्ता सेनासंख्या – 13891748N पूर्वसैनिक नायक (NAIK) मोहम्मद नफीस खान (MD NAFIS KHAN) पिता – मोहम्मद इदरिस खान (MD IDRISH KHAN), निवासी - HOUSE NO -218/N, RISALI BHATHA, MOHAN KIRANA STORE KE PASS, RISALI BHILAI , POST – CIVIC CENTER, DIST – DURG, CHHATTISGARH – 490006 का हूँ, जो की निम्नलिखित कथन शपथपूर्वक प्रस्तुत करता हूँ।(अ) यह कि मैं उपरोक्त पते पर निवास करता हूँ। (ब) यह कि मैं पूर्वसैनिक नायक (NAIK) मोहम्मद नफीस खान (MD NAFIS KHAN) पिता – मोहम्मद इदरिस खान (MD IDRISH KHAN) हूँ, सेना के सभी दस्तावेजों में मेरी पत्नी का नाम – निघटआरा नफीस खान (NIGHTARA NAFIS KHAN) दर्ज हो गया है जो की त्रुटीपूर्ण एवं गलत है। (स) यह कि सेना के सभी दस्तावेजों में मैं अपनी पत्नी का सही नाम – निघट आरा (NIGHT ARA) दर्ज कराना चाहता हूँ जो भारत सरकार के द्वारा बनाये गए आधार कार्ड क्रमांक – 3439 0622 4774, पेन कार्ड क्रमांक – DQZPA9238, जन्म प्रमाण पत्र क्रमांक –B20252290387000I617 व भारतीय स्टेट बैंक पेंशन खाता क्रमांक – 11380847687 के प्रथम पृष्ट के अनुसार सत्य एवं वास्तविक है (द) यह कि सेना के दस्तावेजों में दर्ज नाम – निघटआरा नफीस खान (NIGHTARA NAFIS KHAN) व उपरोक्त दस्तावेजों में दर्ज नाम – निघट आरा (NIGHT ARA) दोनों एक ही महिला का नाम है जो मेरी पत्नी है अब से मेरी पत्नी - निघट आरा (NIGHT ARA) पति - मोहम्मद नफीस खान (MD NAFIS KHAN) के नाम से जानी व पहचानी जाएगी, जिसके समर्थन में यह शपथपत्र श्रीमान् शक्षम अधिकारी के शमक्ष प्रस्तुत हैं।

शपथकर्ता
सेनासंख्या –13891748N पूर्वसैनिक नायक (NAIK)
मोहम्मद नफीस खान (MD NAFIS KHAN)

उत्तराधिकार प्रमाण पत्र की प्राप्ति हेतु
आदेश-5, नियम-20 एवं 151 व्यवहार प्रक्रिया संहिता
न्यायालयः- भूपेश कुमार बसंत, द्वितीय व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ श्रेणी, रायपुर (छ.ग.)

उत्तराधिकार क्र.-09/2024
प्रो.क्र. 459 — पेशी दिनांक 22.07.2025
मिलाप जैन .... आवेदक
बनाम
आम जनता वगै. .... अनावेदकगण
प्रति,

आम जनता जिसका इस केस से संबंध हो अनावेदकगण

जो कि आवेदिका के मृतक माता माना देवी टाटिया जैन के संबंध में उत्तराधिकार प्रमाण पत्र प्राप्ति हेतु इस न्यायालय में पेशी 22.07.2025 को दिन प्रातः 11 बजे दावे का उत्तर देने के लिए उपसंजात हाजिर होने के लिए समंस किया जाता है।

आप इस न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते है जिसके सम्यक अनुदेश दिये गये हो और जो इस वाद से संबंधित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सकें। आपको यह भी निर्देश दिया जाता है कि आप उस दिन सभी दस्तावेजों को प्रस्तुत करें जिस पर आपकी प्रतिरक्षा या प्रतिदावा आधारित है।

अत: आप उपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में हाजिर नहीं होंगे तो दावे की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जावेगा।

नोटः- यदि किसी कारणवश आगामी तिथि को अवकाश हो जाता है कार्य स्थगित हो जाता है या पीठासीन अधिकारी अवकाश पर हो तो प्रकरण की सुनवाई ठीक अगले कार्य दिवस पर किया जावे।

यह आज दिनांक 26.06.2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं अधिकरण की मुद्रा लगाकर किया गया है।
रायपुर (छ.ग.)
दिनांक 26.06.2025

मुहर — **(भूपेश कुमार बसंत) द्वितीय व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ श्रेणी-रायपुर (छ.ग.)**

न्यायालय तहसीलदार गीदम में मामला
मामले की श्रेणी-राजस्व
उद्घोषणा

क्रमांक: 202503160100001
विषय अ–19 (4) — सन् 2024–2025
वाद भूमि: 669, — गीदम, दिनांक 07.07.2025
तहसील: गीदम : हाउरनार, प.ह.नं. 00020
खसरा/रकबा: 5/3/1 (0.3040)
क्रमांक/602/रीडर/तह./2025

आवेदक–श्री त्रिलोक सुराना पिता/पति/विभाग–श्री रतनलाल सुराना, पता-निवासी गीदम तहसील गीदम जिला दक्षिण बस्तर दंतेवाड़ा

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री त्रिलोक सुराना पिता स्व. रतनलाल सुराना उम्र 45 वर्ष जाति जैन निवासी गीदम तहसील गीदम जिला दक्षिण बस्तर दंतेवाड़ा के द्वारा ग्राम हाउरनार प.ह.नं. 20 स्थित स्वामित्व भूमि खसरा नंबर 5/3/1 रकबा 0.3040 हे. में से रकबा 0.092 हे. भूमि स्थित है, उक्त प्रभावित भूमि खसरा नंबर पर अस्थाई सड़क (कच्ची) एवं नाली का निर्माण में प्रभावित भूमि के समतुल्य मूल्य की भूमि अदला-बदली के तहत आबंटन करने हेतु मांग की गई है। इस संबंध में हल्का पटवारी हारम द्वारा शासकीय भूमि का विवरण प्रस्तुत किया गया है जिसकी जानकारी निम्नानुसार है:- आवेदक त्रिलोक सुराना पिता स्व. रतनलाल निवासी गीदम के ग्राम पंचायत हाउरनार में स्थित 5/4 (0.32 हे.) में से 0.126 हे. व खसरा नंबर 5/3/1 (0.3040 हे.) में से 0.092 हे. भूमि ग्राम पंचायत हाउरनार में अस्थाई सड़क एवं नाली निर्माण किये जाने से प्रभावित भूमि के समतुल्य की भूमि अदला–बदली हेतु प.ह.नं. 20 ग्राम हारम में शासकीय भूमि की जानकारी चाही गई है जिसके संबंध में राजस्व अभिलेख अनुसार स्थित जानकारी खसरा नंबर 42 रकबा 1.65 में से 0.06 भूमि का मद नजूल प्रति हे. भूमि का मूल्य 157344.00 खसरा नंबर 658 रकबा 0.24 में से 0.098 भूमि का मद नजूल प्रति हे. भूमि का मूल्य 134113.00. कुल 02 खसरा नंबर कुल रकबों 1.89 में से 0.158, प्रति हे. भूमि का मूल्य 291457.00 है। राजस्व निरीक्षक गीदम से उक्त के संबंध में भूमि का मूल्यांकन विवरण दर्शने वाला पत्रक प्राप्त हुआ जिसमें उन्होंने लेख किया है कि उक्त ग्राम के अभिलेख के अनुसार प्रारूप् तीन नियम 7 कृषि भूमि के बाजार मूल्य मार्गदर्शक सिद्धांत वर्ष 2018–19/प्रारूप एक नियम 7 नगरीय भूखण्डों के बाजार मूल्य मार्गदर्शक सिद्धांत वर्ष 2018–19 जो वर्तमान में प्रभावशील के अनुसार खसरा नंबर 42 रकबा 0.06 हे. भूमि का मूल्य 157344.00 (एक लाख संतावन हजार तीन सौ चौवालिस रूपये) एवं खसरा नंबर 658 रकबा 0.098 हे. भूमि का मूल्य 134113.00 (एक लाख चौतीस हजार एक सौ ग्यारह रूपये) है। इस संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई दावा या आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 22.07.2025 तक स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से दावा या आपत्ति पेशी कर सकते हैं। नियत समयावधि के बाद प्राप्त किसी भी प्रकार की कोई दावा या आपत्ति पर विचार नही किया जावेगा। यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं इस न्यायालय के पदमुद्रा से आज दिनांक 07.07.2025 को जारी किया जाता है।

मुहर — **तहसीलदार गीदम**

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) खैरागढ़ जिला-खैरागढ़-छुईखदान-गण्डई (छ.ग.)
ईश्तहार

ग्राम–भोथी
रा.प्र.क्र. 202506290100043/
अ–2 वर्ष 2024–25

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक विमला नोवोकेम प्राईवेट लिमिटेड की ओर से डायरेक्टर मनोज ढढरिया पिता राधेश्याम ढढरिया निवासी कोलकाता द्वारा अपने भूमिस्वामी हक की ग्राम भोथी, प.ह.नं. 56, रा.नि.मं. जालबांधा, तहसील–खैरागढ़, जिला–खैरागढ़–छुईखदान–गण्डई छ.ग. स्थित भूमि ख.नं. क्रमशः 1059/2, 1178/3, 1178/4, 1178/5, 1178/6, 1180/1, 1180/2, 1180/3, 1180/4 कुल ख.नं. 09 कुल रकबा 7.312 हे. को औद्योगिक प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन किये जाने बाबत् आवेदन प्रस्तुत किया गया है। उक्त प्रकरण में आगामी सुनवाई दिनांक 15.07.2025 को नियत किया गया है।

अत: उक्त संबंध में जिस किसी को दावा आपत्ति पेश करना हो वह नियत दिनांक के पूर्व स्वयं/अपने अधिवक्ता/अपने द्वारा नियुक्त व्यक्ति के माध्यम से न्यायालय में दावा/आपत्ति पेश कर सकते है, नियत दिनांक के बाद प्राप्त दावा–आपत्ति पर कोई सुनवाई नहीं की जावेगी।

आज दिनांक 26.06.2025 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

मुहर — **अनुविभागीय अधिकारी (रा.) खैरागढ़**

न्यायालय नायब तहसीलदार
धमधा जिला दुर्ग (छ.ग.)

मामला क्रमांक/अ-6/ वर्ष 2024-25
ग्राम-खजरी, प.ह.नं.-26
उद्घोषणा-पत्र

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि उक्त विषयांतर्गत आवेदक नरसिंग दास भूतड़ा पिता मदन लाल भुतड़ा निवासी महेश कालोनी दुर्ग, जिला दुर्ग द्वारा आवेदन पेश किया गया हैं। कि ग्राम खजरी स्थित भूमि ख.नं. 1897 रकबा 0.41 हे. भूमि को आवेदक वर्ष 2013-14 में ईतवारी पिता जुगुल के नाम पर दर्ज था। जिसे वर्ष 2015 में खसरा नंबर 1897 का तुकड़ा 0.12हे भूमि कय किया जाकर कर कास्त काबिज हैं, किन्तु वर्तमान ऑनलाईन भूईया रिकार्ड में त्रुटिवश ख.न. 1897 रकबा 0.41 हे बी-1 में दर्ज हो गया है। जो कि त्रुटिपूर्ण है। उक्त रकबा को सुधार हेतु आवेदन मय दस्तावेज इस न्यायालय के समक्ष पेश किया गया हैं। अत: जिस किसी व्यक्ति या संस्था को उक्त भूमि के संबंध में आपत्ति/दावा या उजर पेश करना हो तो स्वयं अथवा विधिक अभिभाषक के माध्यम से इस न्यायालय में पेशी दिनांक 17/07/2025 तक को स्वयं अपने द्वारा अधिकृत व्यक्ति के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति दावा या उजर प्रस्तुत कर सकते है। बाद में प्राप्त आपत्ति आवेदन पर कोई विचार नही किया जावेगा। यह ईश्तहार आज दिनांक 03/07/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के पद मुद्रा से यह पत्र प्रकाशन हेतु जारी किया गया है।

जारी दिनांक:-03/07/2025
पेशी दिनांक:-17/07/2025

मुहर — **नायब तहसीलदार धमधा**

CHHATTISGARH STATE POWER TRANSMISSION CO. LTD.
(A Government of Chhattisgarh Undertaking) CIN- U40108CT2003SGC0158200 GSTIN-22AADCC5773E1ZX
OFFICE OF THE EXECUTIVE DIRECTOR (SUB-STATION)
Quarter No. OA-01, Old CSEB Colony, Tifra, Bilaspur (C.G.) 495223
Website- www.cspc.co.in e-mail:- cessonm.bilaspur@cspc.co.in Ph. No. 07752-493537 Fax No. 07752-493537

No. 02-17/Pur/T-531/810 — **Bilaspur, Date: 09/07/2025**

NOTICE INVITING TENDER

Sealed tenders are invited from eligible experienced contractor on labour contract basis for the following works:-

SN	Tender No.	Particulars	E.M.D
01.	02-17/Pur/ TR-531/810 Dtd.09/07/25 (RFx. No. 8100044992)	Job Work For Detailed Health Earth Assessment Audit/ Analysis On earthing system of 132 KV and 33 KV bays based on latest relevant standard and detail recommendation with optimal implementable solution at 132 KV S/s Silpahri under EE (S/s) Dn. CSPTCL, Bilaspur	6,100.00
Cost of Tender Documents (Non-refundable) incl. GST@18%			2,000.00
Last Date & Time of Sale of Tender: -		30/07/2025	15:00 Hrs
Last Date & Time of Submission of Tender:-		31/07/2025	15:00 Hrs
Date & Time of Opening of Tender :-		31/07/2025	15:30 Hrs

Terms & conditions:- (i) In case any of the above date is declared as holiday, then the particular date will automatically get shifted to next working day.(ii) Any notice for extension of due date of tender opening shall not be published in newspapers. It will be displayed only on official website of the company.(iii) The tender will be processed through e-bidding module of SAP-SRM. Bidders are advised to visit our web site www.cspc.co.in/csptcl for viewing detailed instructions regarding submission of offer through SAP-SRM

SAVE ELECTRICITY — **Executive Director (S/s) CSPTCL Bilaspur**

कार्यालय नगर पालिक निगम दुर्ग (छ.ग.)

ई-प्रोक्योरमेट चतुर्थ निविदा आमंत्रण सूचना

क्रमांक/14/अमृत निशन/2025 — दिनांक 07.07.2025

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत एवं फ्री–क्वालिफिकेशन शर्तो के अनुरूप अनुभवी ठेकेदारों से नीचे उल्लेखित कार्य हेतु ऑनलाईन (**Online**) निविदा आंमत्रित की जाती है:–

क्र.	कार्य का नाम	लागत (लाख में)	निविदा जारी दिनांक
	Construction, Testing, Commissioning of all the Components of Burg Sewage Master Plan Including Fifteen Years Operation & Maintenance of Entire System. (4th Call) System No.171660, Dt: 07.07.25	14452.80 लाख	07.07.2025 से 17.07.2025 खोलने की तिथि 21.07.2025

निविदा की सामान्य शर्तें धरोहर राशि निविदा विज्ञप्ति निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है अथवा ई–प्रोक्यूरमेंट वेब पोर्टल **http://eproc.cgstate.gov.in** एवं विभागीय वेबसाइट **www. uad.cg.gov.in** से भी डाउनलोड की जा सकती है।

कार्यपालन अभियंता

कार्यालय संचालक
शासकीय मुद्रण तथा लेखन सामग्री, इन्द्रावती भवन, खण्ड-1, द्वितीय तल छत्तीसगढ़, नवा रायपुर अटल नगर (492002)

क्रमांक FINACC–3901/440/2025–GOVT. PRINTING AND STATIONARY/281
दिनांक 8/7/2025

// रि–टेण्डर – सूचना//

इस विभाग के अन्तर्गत शासकीय क्षेत्रीय मुद्रणालय राजनांदगांव/शासकीय मुद्रणालय नवा रायपुर अटल में एकत्रित अनुपयोगी एल्यूमिनियम प्लेटों के विक्रय हेतु मोहरबंद निविदायें आमंत्रित की जाती है।

निविदा प्रपत्र अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय से आवेदन प्रस्तुत कर रूपये 500/– नगद भुगतान कर कार्यालयीन दिवस में दिनांक 11.7.2025 से दिनांक 21.07.2025 तक समय सायं 5.00 बजे तक प्राप्त किये जा सकते है ।

1. निविदा बिक्री आरंभ करने की तिथि–11.07.2025 समय 12.00 बजे से ।
2. निविदा बिक्री करने की अंतिम तिथि–21.07.2025 समय 5.00 बजे तक ।
3. निविदा जमा करने की अंतिम तिथि– 22.07.2025 समय 3.00 बजे तक ।
4 निविदा खोलने की तिथि– 22.07.2025 समय 4 बजे ।

सयुक्त संचालक
मुद्रण तथा लेखन सामग्री
नवा रायपुर अटल नगर (छ.ग.)

जी–252602075

उप मुख्यमंत्री अरुण साव से सभी महापौर और आयुक्त इंदौर अध्ययन प्रवास के अनुभव करेंगे साझा

- पांच दिनों के अध्ययन प्रवास पर इंदौर गए थे राज्य के महापौर और नगर निगमों के आयुक्त
- छत्तीसगढ़ के शहरों को स्वच्छ और सुंदर बनाने बेस्ट प्रेक्टिसेस को राज्य में अपनाने पर होगा मंथन

रायपुर, 9 जुलाई (देशबन्धु)। उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री अरुण साव से इंदौर के पांच दिवसीय अध्ययन प्रवास से लौटे सभी महापौर और आयुक्त अपने अनुभव साझा करेंगे। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा इसके लिए 10 जुलाई को शाम चार बजे नवा रायपुर स्थित विश्राम भवन में कार्यशाला आयोजित की गई है। उप मुख्यमंत्री अरुण साव राज्य के शहरों को स्वच्छ और सुंदर बनाने इंदौर की बेस्ट प्रेक्टिसेस को लागू करने अध्ययन दौरे से लौटे महापौरों और आयुक्तों के साथ मंथन करेंगे। प्रदेश में स्वच्छता अभियान को लेकर भविष्य की योजनाओं, नवाचारों और रणनीतियों पर भी कार्यशाला में चर्चा होगी।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने बताया कि छत्तीसगढ़ स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) के अंतर्गत विभिन्न नवाचारों के साथ नित नए प्रयोग कर रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के स्वच्छ भारत मिशन के सपनों को धरातल पर भी सफल करना हमारा लक्ष्य है। इस लक्ष्य को हासिल करने आवश्यक कदम उठाने और नवाचारों के अध्ययन के लिए हमारे महापौरों एवं आयुक्तों ने इंदौर शहर का अध्ययन किया है। इस दौरान प्राप्त अनुभवों को साझा करने के लिए कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। इसमें राज्य के सभी नगर निगमों के महापौर और आयुक्त उपस्थित रहेंगे। कार्यशाला में राज्य के शहरों को स्वच्छ एवं सुविधापूर्ण बनाने विचार व अनुभव साझा किए जाएंगे।

उप मुख्यमंत्री साव ने कहा कि छत्तीसगढ़ में देश के अन्य स्वच्छ शहरों की तुलना में हम और क्या बेहतर प्रयास करें, इस पर कार्यशाला में विचार-विमर्श किया जाएगा। देश के सबसे स्वच्छ शहर का दर्जा वाले इंदौर शहर में इसके लिए क्या काम किए जा रहे हैं, उन्हें परखकर नवाचारों और बेस्ट प्रेक्टिसेस को अपने राज्य में भी लागू करेंगे।

महापौर और आयुक्त 20-24 जून तक थे इंदौर के अध्ययन भ्रमण पर

राज्य के सभी नगर निगमों के महापौर और आयुक्त 20 जून से 24 जून तक दो बैचों में देश के सबसे स्वच्छ शहर इंदौर के अध्ययन भ्रमण पर गए थे। इस दौरान उन्होंने वहां के कचरा प्रबंधन एवं स्वच्छता गतिविधियों के लिए नगर निगम द्वारा स्थापित कार्यप्रणाली का अध्ययन किया। उन्होंने शहर को स्वच्छ, सुंदर एवं सुविधापूर्ण बनाने वहां अपनाए गए नवाचारों के बारे में भी जानकारी प्राप्त की।

आधुनिक कचरा ट्रांसफर स्टेशन एवं रिसायकल केंद्र भी देखा

महापौरों और आयुक्तों ने इंदौर नगर निगम के अध्ययन भ्रमण के दौरान घर-घर कचरा संग्रहण की कार्यप्रणाली का प्रत्यक्ष अवलोकन किया। उन्होंने इस दौरान नागरिकों से संवाद कर ठोस अपशिष्ट प्रबंधन में समुदाय की भागीदारी को निकटता से समझा। उन्होंने इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर का भ्रमण कर 311 शिकायत निवारण एप का प्रस्तुतिकरण देखा। उन्होंने इस एप के माध्यम से नागरिकों की त्वरित प्रतिक्रिया एवं समस्याओं के समाधान की प्रणाली को समझा। महापौरों और आयुक्तों ने आधुनिक कचरा ट्रांसफर स्टेशनों एवं रिड्यूस-रियूज-रिसायकल केंद्र का अवलोकन कर विकेंद्रीकृत तथा प्रभावी अपशिष्ट प्रबंधन प्रणाली के विभिन्न पहलुओं की जानकारी प्राप्त की।

गीले एवं सूखे कचरे के प्रसंस्करण की प्रक्रिया को समझा

अध्ययन भ्रमण पर गए प्रदेश के महापौरों और आयुक्तों ने इंदौर नगर निगम के आयुक्त तथा जनप्रतिनिधियों से चर्चा कर गीले एवं सूखे कचरे के प्रसंस्करण की प्रक्रिया को समझा। इंदौर नगर निगम के अधिकारियों ने स्वच्छता में इंदौर की निरंतर सफलता का श्रेय जनभागीदारी एवं जनप्रतिनिधियों के सक्रिय सहयोग को दिया। अधिकारियों ने नवाचारयुक्त शहरी वित्तीय मॉडलों जैसे ग्रीन बॉन्ड, कार्बन क्रेडिट ट्रेडिंग एवं उपयोगकर्ता शुल्क जैसे उपायों के अनुभव भी साझा किए जो नगरीय निकायों की वित्तीय सुदृढ़ता में सहायक सिद्ध हो सकते हैं। महापौरों और आयुक्तों ने अध्ययन भ्रमण के दौरान बायोगैस संयंत्र एवं मटेरियल रिकवरी फैसिलिटी का भी निरीक्षण किया तथा गीले एवं सूखे कचरे के संपूर्ण प्रसंस्करण की प्रक्रिया को समझा।

छत्तीसगढ़ को डीएमएफ संबंधी उत्कृष्ट कार्यों के लिए भारत सरकार के खान मंत्रालय ने किया सम्मानित

- खनन प्रभावित क्षेत्रों में विकास एवं पारदर्शिता के लिए छत्तीसगढ़ की सराहनीय पहल को मिला राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान

रायपुर, 9 जुलाई (देशबन्धु)। भारत सरकार के खान मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य को जिला खनिज संस्थान न्यास (ष्ठरूस्न) के अंतर्गत उल्लेखनीय कार्यों के लिए राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया गया है। आज नई दिल्ली स्थित स्कोप कन्वेंशन सेंटर में आयोजित एक दिवसीय च्नेशनल डीएमएफ वर्कशॉपज्ज के दौरान केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी किशन रेड्डी ने मुख्यमंत्री के सचिव और खनिज सचिव पी. दयानंद को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

खान मंत्रालय नई दिल्ली द्वारा प्रधानमंत्री खनिज क्षेत्र कल्याण योजना द्वारा नेशनल डीएमएफ पोर्टल में समस्त राज्यों के डीएमएफ से संबंधित डेटाबेस का संधारण किया जा रहा है। डीएमएफ के ऑडिट रिपोर्ट का राज्य डीएमएफ पोर्टल एवं नेशनल डीएमएफ पोर्टल में 90 प्रतिशत डेटाबेस पूर्णत: अपलोड किए जाने पर छत्तीसगढ़ राज्य को प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया गया। कार्यशाला में छत्तीसगढ़ के प्रयासों को मॉडल राज्य के रूप में प्रस्तुत किया गया और अन्य राज्यों को भी डेटा अपलोडिंग, पारदर्शिता और ज़मीनी क्रियान्वयन के अनुकरण की सलाह दी गई।

उल्लेखनीय है कि नेशनल डीएमएफ कार्यशाला का आयोजन प्रधानमंत्री खनिज क्षेत्र कल्याण योजना एवं डीएमएफ की प्रभावशीलता को बढ़ाने और खनन क्षेत्रों में सतत एवं समावेशी विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से किया गया था। कार्यक्रम में देश के विभिन्न राज्यों से सचिव, संचालक एवं खनन प्रभावित जिलों के कलेक्टर्स शामिल हुए।

उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा डीएमएफ के माध्यम से खनन प्रभावित क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल, अधोसंरचना एवं आजीविका जैसे विविध क्षेत्रों में समावेशी विकास के लिए निरंतर कार्य किए जा रहे हैं। राज्य में अब तक 16,506 करोड़ रुपये की लागत से 1,01,313 विकास कार्यों की स्वीकृति दी जा चुकी है, जिनमें से 70,318 कार्य सफलतापूर्वक पूर्ण किए जा चुके हैं।

राज्य शासन द्वारा डीएमएफ के क्रियान्वयन में पारदर्शी और जनहितकारी दृष्टिकोण को अपनाते हुए, प्रत्येक जिले में स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप कार्यों की योजना और निगरानी सुनिश्चित की जा रही है। यह नीति न केवल भौतिक विकास बल्कि सामाजिक सशक्तिकरण को भी लक्ष्य में रखती है।

छत्तीसगढ़ में बौद्ध परंपरा की जड़ें अत्यंत गहरी : साय

- बुद्ध प्रतिमा की स्थापना से मैनपाट बनेगा शांति और समावेशी संस्कृति की नई पहचान : मुख्यमंत्री

अंबिकापुर, 9 जुलाई (देशबन्धु)। छत्तीसगढ़ में बौद्ध परंपरा की जड़ें अत्यंत गहरी हैं और भगवान बुद्ध के प्रेम, शांति एवं करुणा के संदेश को आत्मसात करते हुए राज्य सरकार विकास के पथ पर अग्रसर है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज सरगुजा जिले के मैनपाट स्थित होटल ग्राउंड परिसर में नवस्थापित भगवान बुद्ध की भव्य प्रतिमा के अनावरण समारोह को संबोधित करते हुए यह बात कही। इस अवसर पर मुख्यमंत्री साय ने भगवान बुद्ध की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया और प्रदेशवासियों के लिए सुख, समृद्धि एवं शांति की कामना की।

मुख्यमंत्री साय ने अपने संबोधन में इस पावन अवसर पर आमंत्रण के लिए तिब्बती समुदाय के प्रति आभार प्रकट किया। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में कई ऐसे स्थल हैं, जहां भगवान बुद्ध की उपासना की जाती है। सिरपुर में बौद्ध, जैन और सनातन परंपराएं एक साथ देखने को मिलती हैं, जो राज्य की समावेशी संस्कृति का अद्वितीय उदाहरण है।

मुख्यमंत्री साय ने दलाई लामा जी के 90वें जन्मदिवस का स्मरण करते हुए कहा कि उनका जीवन भगवान बुद्ध की करुणा, प्रेम और शांति के सिद्धांतों का सजीव प्रतीक है। आज की दुनिया के लिए उनका संदेश नई आशा और सकारात्मकता का स्रोत है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित विश्व भर के नेताओं ने दलाई लामा जी को जन्मदिन की शुभकामनाएं दी हैं, जो यह दर्शाता है कि भगवान बुद्ध के विचारों का वैश्विक जीवन पर कितना गहरा प्रभाव है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मैनपाट प्राकृतिक सौंदर्य और सांस्कृतिक विविधता से भरपूर स्थल है, जो पर्यटकों को रोमांचित करता है। यहां पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं, और राज्य सरकार इसके समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य की नवीन औद्योगिक नीति में पर्यटन को विशेष प्राथमिकता दी गई है, और मैनपाट जैसे क्षेत्रों में होम स्टे सुविधा शुरू करने वालों को विशेष प्रोत्साहन प्रदान किया जाएगा।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने तिब्बती सहकारी समिति की मांग पर मैनपाट स्थित सैला रिसॉर्ट से बौद्ध मंदिर तक सीसी रोड निर्माण के लिए 10 लाख रुपये तथा प्राचीन बौद्ध मंदिर में शेड निर्माण के लिए 20 लाख रुपये की घोषणा की।

किसानों को अब तक 8.35 लाख मीट्रिक टन रासायनिक खाद वितरित

रायपुर, 9 जुलाई (देशबन्धु)। प्रदेश में चालू खरीफ सीजन के लिए किसानों को विभिन्न प्रकार के रासायनिक उर्वरकों का वितरण जारी है। 7 जुलाई 2025 की स्थिति में किसानों को 8 लाख 35 हजार 692 मीट्रिक टन से अधिक उर्वरक का वितरण किया जा चुका हैं, जो लक्ष्य का 57 प्रतिशत है।

वितरित किए गए उर्वरक में 04 लाख 409 मीट्रिक टन यूरिया, 01 लाख 14 हजार 276 मीट्रिक टन डीएपी, 01 लाख 41 हजार 064 मीट्रिक टन एनपीके, 46 हजार 463 मीट्रिक टन पोटाश तथा एक लाख 33 हजार 480 मीट्रिक टन सुपर फास्फेट का वितरण किया गया हैं।

NECC

10.07.2025	अंडा	मुर्गी	काकरेल
फार्म	525	80	165
चिल्हर	7.00	100	190
डिलीवरी	540 सैकड़ा		

दर्जन अंडा 80 रु.
मुर्गी खाद प्रति ट्राली 1000 रु.
CSPFA

प्रकाशक, मुद्रक- राजीव रंजन श्रीवास्तव द्वारा पत्रकार प्रकाशन प्रा.लि. के लिए देशबन्धु परिसर रामसागरपारा रायपुर से प्रकाशित एवं मुद्रित। सम्पादक- राजीव रंजन श्रीवास्तव। प्रेस पंजीयन- 6072/59
फोन- (0771) 4077750, 4077760, email id: deshbandhuraipur@gmail.com, website:deshbandhu.co.in

उल्टा पुल्टा

एक आदमी को उसका ससुर जूते मार रहा था..!
राहगीर - क्यों मार रहे हो इसको...?
ससुर - मैंने इसको अस्पताल से व्हाट्सएप किया कि तुम बाप बन गए हो' और इसने उसको भी 50 लोगों को फॉरवर्ड कर दिया...!

संपादकीय

सफाई के खतरे

सफाई के कामों में कई तरह के खतरे हैं। फिर वह चाहे सीवरेज का हो या कूड़े-कर्कट उठाने का अथवा कुंवों का। गहरे नालों में या खुले में लोग जो गंदगी डालते है, उन्हें एहसास नहीं होता कि वह किस प्रकार से सफाई करने वालों के लिये मौत का सामान तैयार कर रहे हैं। इसके अलावा सफाई करने वाले भी लापरवाहीपूर्वक काम कर अपनी जान को जोखिम में डालते हैं।

बिलासपुर जिले के उनी गांव में कुंवे की सफाई करते हुए पिता-पुत्र मारे गये। सीपत पुलिस के अनुसार कैलाश गोस्वामी जो कि एक ड्राइवर है, के घर में पुराना कुआं है। नौवीं कक्षा में पढ़ने वाले उसके बेटे अंशु ने बताया कि कुंए में सम्भवत: मेंढक मर गया है जिसके कारण भीतर से बदबू आ रही है। इसलिये वह उसे निकालने के लिये जा रहा है। उस वक्त गांव में बिजली बन्द थी। जब वह रस्सी-बालटी से मरे मेंढक को निकाल रहा था तभी बिजली आ गयी और पंप के कारण उसे तगड़ा करंट लग गया। झटका खाकर वह कुएं में गिर पड़ा। उसे गिरता देखकर पिता ने भी छलांग लगा दी। पानी ज्यादा होने से उसकी भी मौत हो गयी।

कुंओं की सफाई वैसे भी खतरे से खाली नहीं रहती। बरसात में सभी वाटर बॉडीज़ के जल का स्तर बढ़ा हुआ होता है, फिर वह चाहे तालाब हो या नदियां अथवा कुएं। एक तो वैसे ही कुएं खत्म हो रहे हैं। जो हैं, उनमें से अब पानी बिजली के पंपों से ही निकाला जाता है। कई बार पानी पंप तक पहुंचने या फिर कुएं की दीवार कच्ची अथवा गीली हो जाने से करेंट फैल जाता है। बरसात ही नहीं, गर्मी के दिनों में भी इनकी सफाई खतरनाक होती है। इस दौरान जल निम्नतम स्तर तक पहुंच जाता है। उनकी सफाई और गहरीकरण के लिये यही समय सर्वाधिक उपयुक्त होता है लेकिन उस समय खतरा भीतर एकत्र जहरीली गैसों का होता है। विभिन्न तरह की विषाक्त गैसें यथा मीथेन, कार्बन डाइऑक्साइड, नाइट्रोजन, हाइड्रोजन सल्फाइड पाई जाती हैं जो जानलेवा होती हैं। बहुत से ग्रामीण अपने कुंओं की सफाई के लिये उतरते हैं और इनका शिकार बन जाते हैं।

शहरों के गंदे पानी के बड़े निकासी वाले नालों, बंद सीवरेज, सेप्टिक टैंकों की सफाई करते हुए भी बड़ी तादाद में लोग मारे जाते हैं। ये निजी नौकर हो सकते हैं या ठेका मजदूर अथवा नगरीय निकायों के कर्मचारी। हर साल देश भर में कई लोगों की सफाई करते हुए मृत्यु होती है। ऐसी साफ-सफाई करने वाले हों या उन्हें काम देने वाले व्यक्ति अथवा संस्थान- सभी इन खतरों से वाकिफ़ हों तथा उनसे उन्हें बचना चाहिये। शहरों की गंदगी भी खतरनाक होती है। इनके ढेरों व नालियों में धातु, कांच, लकड़ी, प्लास्टिक आदि से सफाईकर्मी व कूड़ा बीनने वाले हाथ घायल होते हैं।

डीएमएफ मद से निर्माणाधीन स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के ठेकेदार को कार्य से अधिक भुगतान

पीडब्ल्यूडी के इंजीनियर ने कार्यस्थल पर 250 टन लोहा रिकॉर्ड कर ठेकेदार को करवा दिया 1.26 करोड़ का अग्रिम भुगतान

सुकमा, 9 जुलाई (देशबन्धु)। विष्णुदेव साय की सरकार जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रही है और किसी भी भ्रष्टाचारी को बख्शा नही जा रहा है इसके बावजूद उनकी सरकार में कार्यरत अधिकारी कर्मचारी भ्रष्टाचार करने से बाज नही आ रहे हैं। ताजा मामला सुकमा जिले का है जहां डीएमएफ मद के 8.50 करोड़ रुपये से निर्माणाधीन स्पोर्ट्स काम्प्लेक्स (खेल परिसर) में पीडब्ल्यूडी विभाग के इंजीनियर ने 250 टन लोहा मौके पर मौजूद होना दिखाकर फर्जी मूल्याकंन कर ठेकेदार को 1.26 करोड़ रुपये का अग्रिम भुगतान करवा दिया, जबकि मौके पर 100 टन लोहा भी नही है। बता दें कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में डीएमएफ मद की राशि से पीडब्ल्यूडी विभाग को कार्य एजेंसी नियुक्त कर 8.50 करोड़ रुपये की लागत से जिला मुख्यालय में स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का निर्माण ठेकेदार जे मनोज कुमार द्वारा कराया जा रहा है। उक्त कार्य अंतर्गत ठेकेदार जे मनोज कुमार को लाभ पहुंचाने के लिए साइट इंजीनियर चंदन सिंह मरकाम ने अग्रिम भुगतान के नाम पर 240420 किलो लोहा कार्य स्थल पर होना बताकर एमबी रिकॉर्ड किया और 04 जून 2025 को ठेकेदार को 12633025 रुपये का भुगतान किया गया। वहीं मौके पर 100 टन से अधिक लोहा मौजूद नही है जबकि सब इंजीनियर चंदन सिंह मरकाम के बनाए गए एमबी और मौके पर मौजूद लोहा का सत्यापन एसडीओ बीके शर्मा ने कर दिया। इस प्रकार विभागीय अधिकारियों ने डीएमएफ मद से स्वीकृत कार्य में ठेकेदार के साथ मिलकर सरकार को लाखों रुपये का चूना लगाया।

8,10,12,16 और 20 एमएम का लोहा किया रिकॉर्ड : आरटीआई से मिली जानकारी अनुसार पीडब्ल्यूडी सब इंजीनियर चंदन सिंह मरकाम ने अग्रिम भुगतान के लिए बनाए गए एमबी में 08 एमएम का 50040 किग्रा, 10 एमएम का 49919 किग्रा, 12 एमएम का 40280 किग्रा, 16 एमएम का 50089 किग्रा और 20 एमएम का 50092 किग्रा कुल 240420 किग्रा लोहा मौके पर होना बताया जबकि मौके पर 100 टन(100000 किग्रा) से अधिक लोहा मौजूद नही है। वहीं जानकरों का मानना है कि इंजीनियर ने लगभग 80 लाख रुपये का अधिक भुगतान ठेकेदार को लाभ दिलाने की मंशा से पहुंचाया।

सब इंजीनियर और एसडीओ सवालों के घेरे में, दोनों ने दिया गोलमोल जवाब : कार्य से ज्यादा भुगतान मामले में स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के सब इंजीनियर चंदन सिंह मरकाम और एसडीओ बीके शर्मा सवालों के घेरे में है। उन्होंने वास्तविक कार्य से अधिक की एमबी रिकॉर्ड कर उसका भुगतान ठेकेदार जे मनोज कुमार को कर बड़ा लाभ पहुंचाया है। इस मामले पर सब इंजीनियर चंदन सिंह मरकाम ने कहा कि ठेकेदार लोहा को ट्रक में लाया था जिसके बाद उसे सुरक्षित स्थान रखने ले गया। वहीं कितने गाड़ी ट्रक में लोहा था कि सवाल पर सब इंजीनियर ने डायरी देख कर बता पाऊंगा कहकर फोन रख दिया। वहीं एसडीओ बीके शर्मा ने कहा कि निर्माणाधीन कोर्ट भवन और स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में लोहा को देखकर सत्यापन किया था। बाकी रिकॉर्ड एमबी के अनुसार सारी जानकारी सब इंजीनियर ही दे पाएंगे।

कलश स्थापना संग चातुर्मास प्रारंभ

जगदलपुर, 9 जुलाई (देशबन्धु)। परम पूज्य समाधिस्थ आचार्य 108 श्री विद्यासागर जी महाराज के परमश्रेष्ठ शिष्य 108 श्री समय सागर जी महामुनिराज के आशीर्वाद से चौमासा का लाभ प्राप्त हुआ। इसी चरण में बुधवार को चौमासा की कलश स्थापना का कार्यक्रम महावीर भवन में स्थित 1008 पारसनाथ दिगंबर जैन मंदिर में हुआ। चातुर्मास में जैन मुनि विश्व कल्याण की भावना और प्राणी मात्र के हित के लिए साधना करते हैं, वह जहां भी तप आराधना करते हैं, वहां जैन आ जैन सभी समाजों के सुख शांति समृद्धि के लिए वह जाप मंत्र आराधना करते हैं, ऐसे अमृत चातुर्मास की स्थापना पर दिगंबर जैन समाज ने नगर वासियों का हार्दिक अभिनंदन किया है। जैन धर्म में चातुर्मास की परम्परा अत्यंत प्राचीन है। चातुर्मास में महापर्व सम्वत्सरी भी आता है। इस दृष्टि से इसकी महत्ता और भी बढ़ जाती है। यह जैनों का अलौकिक पर्व है। एक ओर जहां यह तप, त्याग का पर्व है वहां परस्पर वैमनस्य और वैर, विरोध को दूर करने का सशक्त माध्यम भी है। जैन धर्म में चातुर्मास में महिलाओं ने कहा कि भगवान महावीर ने चातुर्मास में इसकी गवेषणा इसलिए की थी कि व्यक्ति समाज में रहते अनेक प्रकार के मन-मुटावों का शिकार हो सकता है। इसलिए महापर्व सम्वत्सरी में इनका सुधार कर लिया जाए। यह धारणा एक स्वस्थ और सभ्य समाज की गारंटी है। इस प्रकार जैन धर्म में चातुर्मास का सामाजिक और धार्मिक महत्व तो है ही, व्यक्ति और समाज को एक सूत्र में पिरोने का भागीरथ प्रयत्न भी है। साधु-साध्वियां वर्षावास में लोगों को समाज में परस्पर भाईचारे, सद्भावना और आत्मीयता बनाए रखने की प्रेरणा देते हैं।

गुरु पूर्णिमा पर साई बाबा की निकली भव्य शोभायात्रा

जगदलपुर, 9 जुलाई (देशबन्धु)। जगदलपुर धरमपुरा मार्ग पर स्थित साइ मंदिर में 9 जुलाई से 11 जुलाई तक तीन दिवसीय गुरु पूर्णिमा महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। प्रति वर्ष अनुसार इस वर्ष भी बुधवार को साई मंदिर में सुबह विधि विधान पूर्वक पूजा अनुष्ठान का आयोजन हुआ। शाम को साई बाबा की भव्य शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा मंदिर से निकलकर नगर के प्रमुख मार्गों का भ्रमण करते हुए मंदिर पहुंचे और उसके पश्चात महा आरती का आयोजन किया गया। शोभा यात्रा में श्रद्धालु पारंपरिक वेशभूषा में शामिल होकर साइन बाबा के भजनों पर झूमते नाचते चल रहे थे। इस वर्ष शोभायात्रा में साइन बाबा की पालकी अश्वरथ की झांकी में सुसज्जित कर निकाली गई थी। गुरुवार और शुक्रवार को विधि विधान पूर्वक पूजा अनुष्ठान होंगे।

समृद्ध बस्तर जन कल्याण समिति ने छात्राओं को कापी, पेन वितरण किया

जगदलपुर, 9 जुलाई (देशबन्धु)। समृद्ध बस्तर जन कल्याण समिति ने बुधवार को शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, कन्या क्र. 2 में बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ के अंतर्गत जरूरतमंद छात्राओं को नोटबुक एवं पेन देकर सहायता की। बस्तर जन कल्याण का यह पहला सार्थक प्रयास है, आगे और भी जरूरतमंद कन्याओं को इस प्रकार की सहायता देने की योजना बनाई गई है। इस तारतम्य में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, कन्या क्र. 2 स्कूल का चयन किया गया। जहां पर स्कूल की प्राचार्या सुधा परमार के मार्गदर्शन में चयनित छात्राओं को सहायता प्रदान की गई। साथ ही प्राचार्य से यह भी आग्रह किया गया है कि वे उन छात्राओं की सूची प्रदान करें जिन्हें आर्थिक सहायता की आवश्यकता है। चयनित सूची के अनुसार समय-समय पर संस्था का सहयोग स्कूल की छात्राओं को मिलता रहेगा। इस अवसर पर संस्था के अध्यक्ष डॉ राम राकेश ने बताया कि संस्था का मुख्य उद्देश्य बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ, पर्यावरण सुरक्षा, जल संरक्षण, योग शिक्षा, रक्तदान शिविर, चिकित्सा शिविर के क्षेत्र में सेवा कार्य का है। कार्यक्रम के पश्चात शाला प्रांगण में एक पेड़ मां के तहत पौधे भी लगाये गए। पौधे को सुरक्षित रखने का बच्चों ने संकल्प भी लिया। इस अवसर पर संस्था उपाध्यक्ष गणेश ठाकुर, कोषाध्यक्ष कमलेश पाण्डेय, मार्गदर्शक एमआईसी सदस्य सुरेश गुप्ता उपस्थित रहे। स्कूल की तरफ से प्राचार्या सुधा परमार, शिक्षक श्री वर्गीस, पायल पाण्डे, हेमा, मनीषा रामटेके सहित समस्त शिक्षक गण उपस्थित रहे।

कमिश्नर की अध्यक्षता में हुई मेडिकल कॉलेज के स्वशासी प्रबन्धकारिणी समिति की बैठक

मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल में मरीजों को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं मुहैया करवाने करें पहल ▪ डोमन सिंह

जगदलपुर, 9 जुलाई (देशबन्धु)। कमिश्नर एवं पदेन अध्यक्ष स्वशासी समिति बलीराम कश्यप स्मृति शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय डिमरापाल डोमन सिंह की अध्यक्षता में मेडिकल कॉलेज के सभाकक्ष में स्वशासी प्रबंधकारिणी समिति की बैठक बुधवार को महाविद्यालय के कांफ्रेस कक्ष में आयोजित की गई। बैठक में कमिश्नर श्री सिंह ने मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल में मरीजों को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं मुहैया कराने पर बल देते हुए कहा कि बस्तर अंचल के जनता की चिकित्सा जरूरतों को ध्यान रखकर उन्हें संवेदनशीलता के साथ उपचार सुविधाएं प्रदान करें। साथ ही उन्होंने कहा कि मेडिकल कालेज के बायो मेडिकल वेस्ट का नियमानुसार निस्तारण करें साथ ही मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल के कचरा प्रबंधन हेतु नगर निगम के जरिए आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित किए जाए। उन्होंने अग्नि शमन और सुरक्षा हेतु समय-समय पर कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिलवाने के निर्देश दिए। बैठक में विभिन्न एजेंडा पर चर्चा किया गया, साथ ही गत स्वशासी समिति की बैठक में हुई निर्णयों के क्रियान्वयन पर भी चर्चा किया गया और किलकारी योजनांतर्गत मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल में जल्द से जल्द झूला घर प्रारंभ किए जाने के निर्देश दिए गए। साथ ही मेडिकल कॉलेज के चिकित्सकों और कर्मचारियों के आवास निर्माण हेतु शासकीय भूमि का शीघ्र चिन्हाकन किए जाने कहा गया। बैठक के दौरान कमिश्नर ने कहा कि विशेषज्ञ चिकित्सा सेवाओं की उपलब्धता के लिए अन्य चिकित्सा सुविधाओं को सुदृढ़ किया जाए। बैठक में मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल के आय के स्रोत में वृद्धि के लिए मेडिकल कॉलेज कैम्पस में संचालित पंजाब नेशनल बैंक भवन तथा अन्य व्यवसायिक प्रतिष्ठानों के दुकानों का किराया नियमानुसार भाड़ा नियंत्रण अधिकारी के माध्यम से निर्धारित किए जाने कहा गया। बैठक में रेडियोलॉजी विभाग में सोनोग्राफी मशीन, अस्थि रोग विभाग हेतु आवश्यक सी-वार्म मशीन तथा ब्लड बैंक के लिए वाहन क्रय करने हेतु शासन स्तर से अनुमोदन प्राप्त किए जाने का निर्णय लिया गया। साथ ही नेत्र रोग विभाग में नवीन ऑपरेशन थियेटर विकसित करने, आपातकालीन चिकित्सालय में पार्किंग शेड निर्माण तथा तोकापाल छात्रावास में शौचालय का मरम्मत करवाने का अनुमोदन किया गया।

बैठक में अपर कलेक्टर सीपी बघेल, आयुक्त नगर पालिक निगम प्रवीण वर्मा सहित अधिष्ठाता मेडिकल कॉलेज एवं सदस्य सचिव डॉ. प्रदीप बेक, अधीक्षक मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल डॉ. अनुरूप साहू सहित मेडिकल कॉलेज के चिकित्सकगण तथा स्वशासी समिति के सदस्य अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

जेल प्रशासन की कैद में नगर निगम की नाली

महापौर संजय पाण्डेय ने की जेल अधीक्षक से बात

जगदलपुर, 9 जुलाई (देशबन्धु)। जेल प्रशासन द्वारा जगदलपुर शहर के वीर सावरकर वार्ड के बासमुंडा पारा स्थित निकासी नाली को कैद कर लिया गया है। नाली को तार फेंसिंग लगा कर घेर लिया गया है, जिसकी वजह से नाली की सफाई प्रभावित हो गई है। सफाई नहीं होने से आसपास के घरों में गंदगी फैल गई है। यहां के रहवासी बदबू से परेशान है। इस मसले को लेकर महापौर संजय पाण्डे, नगर निगम अध्यक्ष खेमसिंह देवांगन, एमआईसी सदस्य निर्मल पाणिग्रही व राणा घोष जेल अधीक्षक से मिलने केंद्रीय जेल पहुंचे। विदित हो कि लंबे समय से जेल विभाग द्वारा जेल के पीछे स्थित बासमुंडा पारा में बनी नाली में फेंसिंग तार लगाया गया है। यहां से निकलने वाली नाली पर जेल विभाग द्वारा फेंसिंग कर नाली को ढक दिया गया है। इस वजह से नाली की सफाई नहीं हो पा रही है। सारा कचरा नाली के अंदर लंबे समय से पसरा हुआ है। आसपास के लोग बदबू से परेशान हैं। इतना ही नहीं बल्कि जेल प्रशासन द्वारा समय-समय पर जो पानी छोड़ा जाता है उसकी वजह से भी काफी परेशानी हो रही है। चूंकि नाली जाम है इसकी वजह से गंदगी और गंदा पानी सड़क के ऊपर से बहते हुए मकानों में घुस रहा है। महापौर और अन्य जनप्रतिनिधियों ने जेल अधीक्षक से मिलकर इस विषय पर लंबी चर्चा की। जेल अधीक्षक ने भरोसा दिलाया कि समस्या का निराकरण जल्द ही किया जाएगा। उनके द्वारा भी एक बार मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया जाएगा और समस्या को यथासंभव हल करने का प्रयास किया जाएगा। महापौर संजय पाण्डे ने बताया कि जेल अधीक्षक से इस विषय को लेकर लंबी चर्चा की गई है। आसपास के लोगों को जो परेशानी हो रही है, उसका निराकरण किया जाएगा। जेल अधीक्षक ने नाली बनाने को लेकर सहयोग करने की बात कही है।

मलेरिया, डेंगू फाईलेरिया जैसे गंभीर रोग से बचाव के लिए मच्छरदानी का वितरण

जगदलपुर, 9 जुलाई (देशबन्धु)। राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम अंतर्गत मलेरिया, डेंगू फाईलेरिया जैसे गंभीर रोग में कमी लाने के उद्देश्य से बुधवार को जगदलपुर शहरी क्षेत्र के राजेंद्र प्रसाद व संजय गांधी वार्ड स्थित शहरी आयुष्मान आरोग्य मंदिर में शासन से प्राप्त (long Losting Insecticidal Net) मच्छरदानियों का वितरण नगर निगम के अध्यक्ष खेमसिंह देवांगन, एमआईसी सदस्य लक्ष्मण झा, निर्मल पानीग्राही, सुरेश गुप्ता व वार्ड पार्षद की उपस्थिति में किया गया। नगर निगम अध्यक्ष खेमसिंह देवांगन ने जनसाधारण को मिलने वाली सुविधाओं तथा लाभ का उल्लेख करते हुए इस कार्य को सराहा। उन्होंने वितरण किये जा रहे मच्छरदानियों का सदुपयोग बताया। मलेरिया, डेंगू जैसे बिमारियों को रोकने की दिशा में किए जा रहे प्रयास में सहयोग करने की बात भी उन्होंने कही। श्री देवांगन ने मच्छरदानी का नियमित उपयोग जैसे आदर्श व्यवहारों को अपनाने का आव्हान भी लोगों से किया। मच्छरदानी के वितरण के साथ-साथ सभी स्थानों पर ठहरे हुए पानी का त्वरित निष्कासन तथा जन जागरूकता बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका एवं जोर देने हेतु स्वास्थ्य विभाग के मैदानी अमले एवं मितानिन बहनों को सुझाव दिए। इस अवसर पर सभापति लक्ष्मण झा ने कहा कि स्वास्थ्य के प्रति जनजागरूकता और समय पर बचाव ही बीमारियों से सुरक्षा की कुंजी है। नगर निगम एवं स्वास्थ्य विभाग मिलकर इस अभियान को प्रत्येक वार्ड तक पहुंचाने के लिए संकल्पित है। मच्छरदानी की उपयोगिता एवं वितरण के मापदण्ड कार्यक्रम में उपस्थित प्रशांत श्रीवास्तव के द्वारा बताया गया। मंगलवार से >> शेष पृष्ठ 9 पर >

देवगुड़ी से विद्यालय तक, आदिवासी समाज में गुरु का बदलता रूप : डॉ. रुपेंद्र

गुरु पूर्णिमा विशेष

जगदलपुर, 9 जुलाई (देशबन्धु)। प्रति वर्ष आषाढ़ पूर्णिमा को श्रद्धा और स्मृति का पर्व च्गुरु पूर्णिमाज् मनाया जाता है। यह दिन ऋषि वेदव्यास के जन्मदिवस के रूप में जाना जाता है, जिन्होंने वेदों का संकलन कर ज्ञान की धारा को व्यवस्थित किया। शास्त्रीय भारत में जहाँ गुरु को ज्ञान का भंडार और मोक्ष का पथप्रदर्शक माना गया, वहीं बस्तर जैसे आदिवासी अंचलों में च्गुरुज् की परिभाषा और रूप दोनों ही विशेष और बहुआयामी रहे हैं। उक्त बातें मानव वैज्ञानिक व जनजातीय संस्कृति विशेषज्ञ डॉ रूपेंद्र कवि ने कही है।

उन्होंने बताया कि देवगुड़ी जहाँ परंपरा स्वयं गुरु बन जाती है। बस्तर, दंतेवाड़ा, सुकमा और नारायणपुर जैसे इलाकों में, गांव की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक चेतना का केंद्र देवगुड़ी होती है। यह कोई मंदिर नहीं, बल्कि सामुदायिक स्मृति का स्थल होता है, जहाँ प्रकृति, पूर्वजों और लोकदेवताओं की उपासना की जाती है। देवगुड़ी का पुजारी, जिसे स्थान-विशेष में गुनिया, बैगा या पुजार कहा जाता है, गुरु के रूप में समुदाय का मार्गदर्शन करता है—नैतिकता से लेकर कृषि, संकट निवारण से लेकर सामाजिक संतुलन तक। यहां 'गुरु पूर्णिमा' किसी एक व्यक्ति के प्रति सम्मान का नहीं, बल्कि संपूर्ण सांस्कृतिक परंपरा और सामुदायिक ज्ञान के प्रति श्रद्धा व्यक्त करने का अवसर है।

डॉ कवि ने बताया कि अनुभव आधारित गुरु द्वारा पढ़ाया नहीं, सिखाया जाता है। आदिवासी समाज में गुरु वह नहीं होता जो मंच से भाषण दे, बल्कि वह होता है जो जीवन जीने की कला सिखाता है। जैसे जंगल से कैसे संवाद करें, जड़ी-बूटियों से कैसे उपचार करें, ऋतुओं के संकेत कैसे समझें, और गोत्र व परंपरा की मर्यादा कैसे निभाएं।

यहां गुरु वह है जो अनुभव से शिक्षा देता है, वाणी से नहीं, व्यवहार से। बदलती पीढ़ी, बदलती परिपाटी अब जब जनजातीय समाज शिक्षा, इंटरनेट और आधुनिक संस्थानों से जुड़ रहा है, गुरु पूर्णिमा का अर्थ भी धीरे-धीरे रूपांतरित हो रहा है। विद्यालयों में अब इस दिन छात्रों द्वारा शिक्षकों को सम्मान देने की परंपरा बढ़ रही है, ठीक वैसे ही जैसे शहरी क्षेत्रों में होता है। मगर इसके समानांतर गांवों में आज भी देवगुड़ी पर दीप जलते हैं, सामूहिक पूजा होती है, और बुजुर्गों को प्रणाम कर जीवन की शिक्षा ग्रहण की जाती है। यह दर्शाता है कि नई परिपाटी के साथ पुरानी जड़ें अब भी जीवित हैं।

समायोजन टकराव नहीं, तालमेल : बस्तर का आदिवासी समाज सदैव से बाहरी प्रभावों को पूरी तरह अस्वीकार नहीं करता, बल्कि उन्हें अपनी परंपरा के साथ समायोजित करता है। गुरु पूर्णिमा भी इसी समायोजन का उदाहरण है, जहाँ शास्त्रीय भारतीय परंपरा और स्थानीय सांस्कृतिक मान्यताएं एक-दूसरे से जुड़ती हैं।

आज यह पर्व न केवल किसी व्यक्ति के प्रति सम्मान है, बल्कि सामूहिक चेतना, ज्ञान और अनुभव की निरंतरता का उत्सव भी है। जब हम गुरु पूर्णिमा की बात करते हैं, तो हमें इसे केवल च्गुरु की पूजाज् तक सीमित नहीं करना >> शेष पृष्ठ 9 पर >

9 ईनामी सहित 12 नक्सलियों ने चुनी शांति और विकास की राह

- समर्पण का पांच साल का सफर, 1 हजार नक्सली मुख्यधारा में शामिल
- समर्पित नक्सलियों में 4 करोड़ 96 लाख 50 हजार के 249 ईनामी भी शामिल
- दंतेवाड़ा में बदलाव ने नक्सल मुक्त छत्तीसगढ़ के संकल्प को दी ऊर्जा
- समर्पण का 1 हजार आंकड़ा पूर्ण होने पर एसपी ने समर्पित नक्सली के साथ काटा केक

दंतेवाड़ा, 9 जुलाई (देशबन्धु)। केन्द्र और प्रदेश सरकार द्वारा नक्सल मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान के लिए जारी संकल्प के बीच दंतेवाड़ा पुलिस ने आज अपना निर्णायक योगदान दिया। नक्सलियों की घर वापसी के लिए चलाए जा रहे लोन वर्राटू अभियान के तहत आज 8 लाख के ईनामी सहित 12 नक्सलियों ने आत्म समर्पण किया। इसके साथ ही अभियान के अंतर्गत समर्पित नक्सलियों की संख्या 1 हजार पार हो गई। इस मौके पर एसपी गौरव राय और उनके सहयोगी अफसरों ने समर्पित नक्सलियों के साथ मिलकर केक काटा और नव जीवन की शुरूआत की खुशियां मनायी।

सरकार ने मार्च 2026 तक नक्सलियों के खात्मे की डेड लाईन जारी की है। इसके तहत मुठभेड़, गिरफ्तारी और समर्पण तीनों ही मोर्चो पर सुरक्षा बल बेहतर काम कर रहे हैं। नक्सलियों को हिंसा का रास्ता छोड़कर मुख्य धारा में शामिल होने की अपील भी की जा रही है। प्रदेश सरकार की बेहतर पुनर्वास नीति का ही यह परिणाम है कि हिंसा छोड़ नक्सली आत्म समर्पण कर रहे हैं। दंतेवाड़ा के तत्कालीन पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक पल्लव ने समर्पण के लिए एक नये अभियान की शुरूआत की थी, जिसे लोन वर्राटू यानि घर वापसी नाम दिया गया। इस अभियान के तहत अब तक 1005 नक्सलियों ने आत्म समर्पण किया है, जिसमें 249 ईनामी हैं। इन 249 नक्सलियों पर कुल 4 करोड़ 96 लाख 50 हजार ईनाम राशि भी घोषित थी। अभियान के तहत 813 पुरूष और 192 महिला नक्सलियों ने समर्पण किया। वर्षवार आंकड़ों की बात करें तो सबसे ज्यादा 2021 में 255, 2024 में 236, वर्ष 2020 में 225, 2025 में 116, 2022 में 88 और वर्ष 2023 में 85 नक्सलियों ने हिंसा की राह छोड़ी।

समर्पित नक्सलियों में 17 आठ लाख के ईनामी, 18 पांच लाख के ईनामी, 19 तीन लाख के ईनामी, 23 दो लाख के ईनामी, 163 एक लाख के ईनामी और 50 हजार के ईनामी 9 नक्सलियों ने आत्म समर्पण किया। ये समर्पित नक्सली अपने गांव अथवा लोन वर्राटू हब में अपना खुशहाल जीवन जी रहे हैं। इन्हें इनकी रूचि के मुताबिक रोजगार उपलब्ध कराने कौशल प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है। आर्थिक सहायता, आवास, सुरक्षा और पुनर्वास की समुचित व्यवस्था भी की गई है। प्रदेश सरकार के संकल्प के अनुरूप दंतेवाड़ा पुलिस और जिला प्रशासन शांति और विकास के दोहरे लक्ष्य के लिए प्रतिबद्ध है। नक्सलियों से एक बार पुनः समाज की मुख्यधारा में शामिल होने की अपील करते हुए संवाद, अवसर और संवेदना के माध्यम से नये जीवन के लिए समर्पण करने का आग्रह किया गया है। लोन वर्राटू अभियान के तहत समर्पित नक्सलियों में दंतेवाड़ा के साथ ही सीमावर्ती जिले सुकमा, बीजापुर और नारायणपुर के नक्सलियों ने भी दंतेवाड़ा आकर आत्म समर्पण किया, जो सरकार और पुलिस तथा जिला प्रशासन के प्रति बढ़ते विश्वास का प्रतीक भी है।

आज इस अभियान के तहत 12 नक्सलियों ने आत्म समर्पण किया। इनमें एक नक्सल दंपत्ति भी शामिल है। 30 साल से नक्सल संगठन में सक्रिय डीवीसीएम 8 लाख ईनामी चन्द्रन्ना पुनेम ने भी आज आत्म समर्पण किया। इसी के साथ ही एसपी श्री राय ने समर्पित नक्सलियों की संख्या 1 हजार पार होने पर केक काटा। यह नक्सली कई बड़ी वारदातों में शामिल भी बताया गया है। यह बस्तर आईजी सुंदरराज पी. के कुशल मार्गदर्शन में हुआ। आज समर्पित अन्य नक्सलियों में अमित उर्फ हिंगा बारसा (ईनाम 8 लाख), अरूणा लेकाम (ईनाम 5 लाख), देवा कवासी (ईनाम 3 लाख), राजेश मड़काम (ईनाम 2 लाख), पायके ओयाम (ईनाम 1 लाख), कोसा सोड़ी (ईनाम 50 हजार), महेश लेकाम (ईनाम 50 हजार), राजू करटाम (ईनाम 50 हजार), श्रीमती हिड़मे कोवासी, जीबू उर्फ रोशन ओयाम एवं अनिल लेकाम शामिल हैं। इन सभी ने आज डीआईजी कमलोचन कश्यप, डीआईजी सीआरपीएफ राकेश चौधरी, एसपी गौरव राय, एएसपी स्मृतिक राजनाला, कमांडेंट 111वीं वाहिनी सीआरपीएफ गोपाल यादव, कमांडेंट 241वीं वाहिनी सीआरपीएफ हरविन्दर सिंह, कमाण्डेट 231वी वाहिनी सीआरपीएफ सुनील भवर, द्वितीय कमान अधिकारी अनिल कुमार झा, द्वितीय कमान अधिकारी 241वीं वाहिनी सीआरपीएफ संजय कुमार, उप कमांडेंट (आसूचना) परिचालन रेंज दन्तेवाड़ा विमल कुमार के समक्ष आत्मसमर्पण किये।

10 करोड़ का साइबर फ्राड, महाराष्ट्र-गुजरात से 5 गिरफ्तार

- किरन्दुल में एनएमडीसी कर्मी को किया था डिजिटल अरेस्ट
- मामले में और भी गिरफ्तारी की संभावना

दंतेवाड़ा, 9 जुलाई (देशबन्धु)। दंतेवाड़ा पुलिस ने सायबर फ्राड के मामले में 10 करोड़ से अधिक की धोखाधड़ी करने करने वाले दो आरोपियों को महाराष्ट्र के पालघर से गिरफ़्तार किया। इस मामले में तीन आरोपी पहले ही गुजरात से गिरफ्तार किये जा चुके हैं। आरोपियों ने सेल कंपनी बनाकर एनएमडीसी कर्मियों को अपने जाल में फंसाया था। महाराष्ट्र से गिरफ्तार किये गए आरोपियों में अर्पित सिंह और सूरज चौहान शामिल हैं। इनके कब्जे से दो मोबाइल, 1 पास बुक, 11 चेक बुक, 8 एटीएम कार्ड, 3 पेन कार्ड, 1-1 आधार कार्ड और वोटर आईडी, 1 लाख रूपए नगद और संबंधित कंपनी के रजिस्ट्रेशन संबंधी कागजात बरामद किये हैं। आरोपियों ने एनएमडीसी कर्मी के मोबाइल में वाट्सएप काल करके डिजिटल एरेस्ट किया। कैस सेटलमेंट करने के नाम पर 28 लाख रूपए अपने साथी के एकाउंट में जमा कराये। एनएमडीसी कर्मी को ठगी का एहसास हुआ और उन्होंने किरन्दुल पुलिस में शिकायत दर्ज करायी। इसके बाद पहले तीन और अभी दो आरोपी गिरफ्तार किये गए। पुलिस ने आम लोगों से सायबर क्राइम में बचने की अपील की है।

फ्राड के शिकार होने पर तत्काल साइबर हेल्पलाईन नंबर 1930 पर कॉल करने की हिदायत दी गई है। पुलिस ने यह भी जानकारी दी है कि ताजा प्रकरण में कुल 22 साइबर शिकायत है, जो छत्तीसगढ़ के साथ ही कर्नाटक, आंध्रप्रदेश, तमिलनाडू, मध्यप्रदेश, पश्चिम बंगाल, तेलंगाना, उत्तरप्रदेश, हरियाणा और केरल में दर्ज किये गए हैं। यह पूरी कार्रवाई एसपी गौरव राय के मार्गदर्शन में साइबर टीम और किरन्दुल पुलिस ने की है।

बहुउद्देश्यीय एआई तकनीशियन प्रशिक्षण हेतु 15 जुलाई तक आवेदन आमंत्रित

जगदलपुर, 9 जुलाई (देशबन्धु)। कार्यालय संयुक्त संचालक पशु चिकित्सा विभाग जगदलपुर द्वारा जिले के मैदानी स्तर पर गौवंशीय पशुओं के कृत्रिम गर्भाधान सहित पालतू मवेशियों के टीकाकरण एवं उपचार में सहायता हेतु बहुउद्देश्यीय एआई तकनीशियन कार्यकर्ता प्रशिक्षण के लिए 10 वीं उत्तीर्ण इच्छुक युवाओं से आगामी 15 जुलाई 2025 तक आवेदन पत्र आमंत्रित किए गए हैं। आवेदकों की आयु 18 वर्ष से अधिक होना आवश्यक है, साथ ही उन्हें बस्तर जिले का मूल निवासी होना अनिवार्य है। मल्टी परपज एआई तकनीशियन कार्यकर्ता का गहन आवासीय प्रशिक्षण वेटनरी पॉलीटेक्निक जगदलपुर में एक माह तक प्रदान किया जाएगा। इसके पश्चात जिला एवं विकासखण्ड स्तर पर दो महीने का प्रेक्टिकल प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। इस बारे में संयुक्त संचालक पशु चिकित्सा विभाग जगदलपुर डॉ. देवेन्द्र नेताम ने बताया कि जिले में पशुपालकों एवं किसानों के पालतू मवेशियों के टीकाकरण एवं उपचार सहित गौवंशीय पशुओं के कृत्रिम गर्भाधान कार्य के लिए स्वरोजगारी के रूप में सेवा देने के इच्छुक युवाओं को मल्टी परपज एआई तकनीशियन कार्यकर्ता का प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। इन युवाओं को प्रशिक्षण के पश्चात दक्ष बनाने के लिए विभाग द्वारा पशु चिकित्सालय एवं पशु औषधालयों में व्यवहारिक प्रशिक्षण भी प्रदान किया जाएगा। उक्त प्रशिक्षण हेतु इच्छुक युवा संबंधित विकासखण्ड के सहायक शल्यज्ञ पशु चिकित्सा विभाग से सम्पर्क कर अनुशंसा के उपरांत आवेदन पत्र प्रतिपूरित कर निर्धारित तिथि तक प्रेषित कर सकते हैं।

मैनपाट में पर्यावरण संरक्षण का संकल्प प्रशिक्षण वर्ग में शामिल हुए सांसद महेश और विधायक चैतराम

दंतेवाड़ा, 9 जुलाई (देशबन्धु)। भारतीय जनता पार्टी के सांसद, विधायक प्रशिक्षण वर्ग मैनपाट में विधायक चैतराम अटामी शामिल हुए। विशेष सत्र में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान और भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री विनोद तावड़े का भव्य स्वागत किया गया। कार्यक्रम में पहुंचने पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव, मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा, अरुण साव, प्रभारी मंत्री केदार कश्यप, वरिष्ठ नेता एवं सांसद बृजमोहन अग्रवाल, बस्तर सांसद महेश कश्यप एवं अन्य सांसद-विधायकों के साथ श्री अटामी ने प्रशिक्षण के साथ यादगार पल साझा किया। इस अवसर पर पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मौलश्री का पौधा रोपा और राष्ट्रीय महामंत्री विनोद तावड़े ने रुद्राक्ष का पौधरोपण किया। बस्तर सांसद महेश कश्यप एवं विधायक चैतराम अटामी ने भी पौधरोपण किया। उन्होंने कहा कि पौधरोपण केवल एक कार्य नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए जीवन दायिनी सौगात है। भाजपा का हर कार्यकर्ता इस संकल्प को अपनाए।

कलेक्टर-सीईओ से सरपंचों की मुलाकात सरपंच संघ के नेतृत्व में समस्याओं की जानकारी

- शीघ्र निराकरण का आश्वासन

दंतेवाड़ा, 9 जुलाई (देशबन्धु)। सरपंच संघ गीदम के द्वारा कलेक्टर कुणाल दुदावत एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जयंत नाहटा से मिलकर कर ग्राम पंचायतों के समस्याओं को अवगत कराया।

इसके अंतर्गत ग्राम पंचायतों में निर्माण कार्यों तथा पूर्व निर्मित स्कूल आंगन बाड़ी के जर्जर होने की जानकारी दी गई। बताया गया कि कई पंचायतों में बारिश के समय आवागमन बाधित होता है। इन सभी मांगों से अवगत कराया गया। कलेक्टर श्री दुदावत ने इन समस्याओं के तत्काल निराकरण कराने की बात कही। प्रतिनिधि मंडल में जनपद अध्यक्ष श्रीमती शकुंतला भास्कर, सरपंच संघ के अध्यक्ष लक्ष्मीनाथ पोड़ियाम और मंडल अध्यक्ष सुदराम भास्कर, शैलेश अटामी, ब्रजेश कड़ती, डीमन नेताम, लक्ष्मण नेताम शिवानी कश्यप, रमेश कुमार कश्यप, घासी राम कश्यप, प्रमिला सुराना, संध्या शुक्ला, सीमा कोवासी, शर्मिला भास्कर, मोतीराम सोरी, कोरकोटी सरपंच सहित कई ग्राम पंचायत के सरपंच उप सरपंच मौजूद रहे।

सेन समाज सामुदायिक भवन भूमि पूजन कार्यक्रम मे शामिल हुए विधायक संदीप साहू

लवन, 9 जुलाई (देशबन्धु)। देढ़ीपारा देशहा सेन समाज नगर पंचायत लवन द्वारा सामुदायिक भवन निर्माण हेतु भूमि पूजन एवं त्रैमासिक अधिवेशन का भव्य आयोजन किया गया। इस गरिमामयी कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में क्षेत्रीय विधायक संदीप साहू भूमि पूजन अनुष्ठान में सम्मिलित होकर समाज को शुभकामनाएं प्रेषित कीं विधायक संदीप साहू ने इस अवसर पर कहा कि सेन समाज की एकता अनुशासन और परंपराएं अनुकरणीय हैं।उन्होंने सामुदायिक भवन के लिए हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया तथा समाज के युवाओं को शिक्षा और स्वरोजगार की दिशा में आगे बढ़ने का आव्हान किया। उन्होंने कहा कि सामाजिक भवन किसी भी समाज के एकजुटता और गतिविधियों का केंद्र होता है और यह भवन सेन समाज के विकास में मील का पत्थर साबित होगा वही त्रैमासिक अधिवेशन में समाज के विभिन्न मुद्दों पर विचार-विमर्श किया गया जिसमें शिक्षा रोजगार सामाजिक एकजुटता युवाओं की भागीदारी जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर मंथन किया गया। वक्ताओं ने समाज को संगठित रूप से आगे बढ़ने का संदेश दिया।कार्यक्रम का संचालन सेन समाज के लोगो द्वारा कुशलता पूर्वक किया गया वहीं आयोजन की व्यवस्थाएं भी सराहनीय रहीं।कार्यक्रम के अंत में अतिथियों एवं समाज के वरिष्ठजनों का सम्मान किया गया कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर पंचायत अध्यक्ष शिव मंगल सिंह चौहान ने की।

लईका घर कार्यक्रम से अवगत हुए जनपद पदाधिकारी

नगरी, 9 जुलाई (देशबन्धु)। मोबाईल क्रैशिज व अजीम प्रेमजी फाउंडेशन के द्वारा आज जनपद पंचायत सभाकक्ष में लईका घर कार्यक्रम को लेकर जनपद पंचायत प्रतिनिधियों का उन्मुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में जनपद पंचायत के पदाधिकारी सहित ब्लाक स्तर के अधिकारी कर्मचारी गण बड़ी संख्या में उपस्थित थे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जनपद अध्यक्ष महेश गोटा ने कहा कि लईका घर बच्चों की देखभाल के लिए अनिवार्य जरूरत है। उन्होंने क्रियान्वयन संस्था मोबाईल क्रैशिज व अजीम प्रेमजी फाउंडेशन को अधिकाधिक बच्चों तक पहुंच बनाने पर जोर दिया। मुख्य कार्यपालन अधिकारी रोहित कुमार बोर्झा ने कहा कि एपीएफ जैसी संस्थाएं धमतरी जिले में लगातार कई वर्षों से शिक्षा व पोषण विषय पर गुणवत्तापूर्ण निशुल्क सेवाएं प्रदान कर रही है। नगरी विकासखंड में मोबाईल क्रैशिज व एपीएफ के द्वारा लईका घर का संचालन कार्य सराहनीय प्रयास है। अतिथियों के उद्बोधन के पूर्व संस्था के द्वारा स्वागत कार्यक्रम तथा लईका घर की सारगर्भित जानकारी साझा की गई। तत्पश्चात मोबाईल क्रैशिज की यात्रा की जानकारी फिल्म के माध्यम से प्रस्तुत की गई। एपीएफ से रिंकेश मेंढे ने संस्थागत जानकारी प्रदान की। नगरी विकासखंड में लईका घर की आवश्यकता विषय पर स्टेट लीड अजीत मोहन चौधरी ने विस्तार से जानकारी साझा की। तत्पश्चात् लईका घर स्थापना के विभिन्न चरण की जानकारी प्रोजेक्टर के माध्यम से प्रस्तुत की गई।

लईका घर प्रबंधन समिति व जनपद पंचायत से अपेक्षित सहयोग के संस्था के द्वारा प्रकाश डाला गया। कार्यरत पंचायतों में नये लईका घर की स्थापना की जानकारी उपस्थित पदाधिकारियों को दी गई। इस अवसर पर शिक्षा, उद्यान, वन, कृषि, महिला एवं बाल विकास, पशु, क्रेडा, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी आदि विभाग के अधिकारी गण उपस्थित थे। कार्यक्रम को सफल बनाने में संतोषी साहू, श्याम सिंह, मुकेश वर्मा, लोकेश सिन्हा, दीपक गोस्वामी आदि का सराहनीय प्रयास रहा। कार्यक्रम के अंत में सभी के प्रति आभार ज्ञापित किया गया।

श्रद्धा सुमन अर्पित

चारामा, 9 जुलाई (देशबन्धु)। शहीद जवान का पार्थिव शरीर दिल्ली से मुख्यालय चारामा पहुंचा भारत माता चौक पर नगरवासियों एवं पुलिस विभाग चारामा द्वारा स्वागत सम्मान कर श्रद्धा सुमन अर्पित किया गया।

प्रादेशिकी का शेष...

देवगुड़ी से विद्यालय तक...

चाहिए। खासकर आदिवासी समाजों में यह दिन संवेदनाओं, परंपरा, प्रकृति और पूर्वजों के प्रति कृतज्ञता का अवसर है। यह हमें यह सिखाता है कि गुरु केवल कोई शिक्षाविद नहीं, बल्कि वह संस्कृति है जो हमें गढ़ती है। आज जब देशभर में गुरु पूर्णिमा मनाई जा रही है। बस्तर का आदिवासी जन इसे अपनी संस्कृति की आत्मा को प्रणाम कर मनाता है। देवगुड़ी से लेकर विद्यालय तक—गुरु अब भी है, बस उसके रूप बदल गए हैं।

मलेरिया, डेंगू फाईलेरिया...

जगदलपुर शहरी क्षेत्रों के 48 वार्डो में मच्छरदानी वितरण का कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया है। अलग अलग वार्डो में मच्छरदानी वितरण हेतु दिनांक वार कार्ययोजना बनाई गई है। नोडल अधिकारी डॉ मैत्री के द्वारा बताया गया की वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यकम के संचालन से पूरे जिले में मलेरिया के धनात्मक प्रकरणो में कमी आई। कार्यक्रम में पार्षद कोमल सेना, माधवी मण्डल, ओम प्रकाश यादव, अमित नेताम, अवनीश मिश्रा, जिला शहरी कार्यक्रम प्रबंधक पी डी बस्तैया, प्रशांत श्रीवास्तव, संगीता सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी सम्मिलित हुए।

कुतुल एलओएस में सक्रिय दो महिला नक्सली पारो हपका और सुनीता उर्फ संगीता मंडावी को नारायणपुर पुलिस ने गिरफ्तार कर भेजा जेल

नारायणपुर, 9 जुलाई (देशबन्धु)। पुलिस द्वारा संचालित नक्सल अभियान के अंतर्गत पुलिस अधीक्षक नारायणपुर के आदेशानुसार दिनाँक 04-07-2025 को आईपीएस अक्षय कुमार (अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक) के नेतृत्व में डीआरजी और आईटीबीपी की संयुक्त पार्टी थाना कोहकामेटा क्षेत्रांतर्गत कुतुल, नेलांगुर, पदमकोट, बेडमाकोटी से ब्रीफिंग के बाद माड़ डिवीजन अंतर्गत कोडतामरका, फरसबेडा, धुरबेडा व आसपास के क्षेत्र में संयुक्त नक्सल आप्स के लिये रवाना हुए थे। अभियान के दौरान दिनांक 06.07.2025 को लगभग 15ः00 बजे आप्स पार्टी ग्राम कोड़तामरका-धुरबेडा के जंगल पहाड के पास पहुंचे थे कि दो संदिग्ध महिला पुलिस को देखकर

लुक-छिपकर भागने का प्रयास करने लगे, जिन्हें डीआरजी टीम द्वारा घेराबंदी करके पकडा गया। दोनो महिला से डीआरजी के महिला कमाण्डर द्वारा पुछताछ करने पर एक महिला ने अपना नाम पारो हपका पिता स्व. कोपा (उम्र 25 वर्ष) जाति मुरिया, निवासी- घोटूम (घोटपाल), पंचायत-बैल, थाना- भैरमगढ़ एवं दूसरे महिला ने अपना नाम सुनीता उर्फ संगीता मण्डावी पिता श्री कुम्मा (उम्र 20 वर्ष) जाति- माड़िया, पता-मंडोड़ा, पंचायत-पुरबेड़ा, थाना- कोहकामेटा, जिला नारायणपुर बताई। इसके साथ ही उन्होंने कुतूल एलओएस में नक्सली सतीश (एसजेडसीएम), दीपक (डीव्हीसी), सुखलाल जुर्री (डीव्हीसीएम), विमला, रनीता (एसजेडसीएम), पण्डी उर्फ दिनेश (एसीएम), वैश, सीमा, लिंगे उर्फ अंजू, मासे के साथ नक्सल सदस्य के रूप में कार्य करना स्वीकार की। दिनांक 25.06.2025 को आदिंगपार धुरबेड़ा जंगल में पुलिस पार्टी के साथ मुठभेड़ होने पर हम लोगों के 02 साथी सीमा एवं लिंगे उर्फ अंजू मारी गई और हम दोनों अपने टीम से बिछड़ कर कोडतामरका के जंगल में रुक गई थी। दोनों महिला माओवादी का महिला कमाण्डर के द्वारा तलाशी लेने पर पारो हपका के पास से 12 बोर बीजीएल लॉचर बंदूक 01 नग, बीजीएल बम छोटा 02 नग एवं दूसरी महिला माओवादी सुनीता उर्फ संगीता मण्डावी के पास से एक झोला में टिफिन बम 01 नग, डेटोनेटर 01 नग व पेसिंल सेल 24 नग प्राप्त हुआ। उक्त मामले में थाना कोहकामेटा में अपराध क्रमांक 16/2025, दिनाँक 07-07-2025 (धारा-25 आर्म्स एक्ट एवं 04,05 विस्फोटक पदार्थ अधिनियम) पंजीबद्ध कर विधिवत गिरफ़्तारी के बाद दिनाँक 08-07-2025 को माननीय न्यायालय के आदेशानुसार दोनों महिला नक्सलियों को जेल दाखिल किया गया है।

सेजेस कर्मचारियों ने उठाई वेतन वृद्धि, नियमितीकरण और जॉब सुरक्षा की मांग

फरसगांव 09 जुलाई (देशबन्धु)। स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय (सेजेस) के कर्मचारियों ने अपनी विभिन्न लंबित मांगों को लेकर ब्लॉक और जिला स्तर पर बैठकों का आयोजन तेज कर दिया है। वेतन वृद्धि, जॉब सुरक्षा और नियमितीकरण जैसे मुद्दों पर आवाज बुलंद करते हुए कर्मचारियों ने सरकार पर उपेक्षा का आरोप लगाया है।

कर्मचारियों का कहना है कि पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार ने 2020 में स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालयों की शुरुआत की थी और उनकी नियुक्ति संविदा के आधार पर की गई थी। हालांकि, तब से लेकर आज तक न तो उनके वेतन में कोई वृद्धि हुई है और न ही सरकार ने उनकी जॉब सुरक्षा या नियमितीकरण को लेकर कोई विचार किया है। कर्मचारियों का आरोप है कि उनसे नियमित

आंदोलन की रणनीति तय

कर्मचारियों की तरह ही सभी कार्य करवाए जाते हैं, लेकिन सुविधाओं के नाम पर उनके साथ च्सौतेला व्यवहारज्ज किया जा रहा है। बस्तर संभाग अध्यक्ष श्री राहुल पांडे के निर्देश पर, कोण्डागांव जिला अध्यक्ष द्वारा 8 जुलाई 2025 को कर्मचारी भवन फरसगांव में एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में विभिन्न विकासखंडों के विद्यालयों से आए सदस्यों ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

बैठक के प्रमुख निर्णय और आगामी रणनीति

फरसगांव विकासखंड अध्यक्ष का चुनाव: बैठक में श्री प्रतीक मेहरा (सेजेस कोनगुड़) को सर्वसम्मति से फरसगांव विकासखंड के अध्यक्ष पद के लिए चुना गया। निष्क्रिय शाला अध्यक्षों की जगह नई नियुक्ति- संघ के उद्देश्यों को पूरा करने और कार्यकुशलता सुनिश्चित करने के लिए निष्क्रिय शाला अध्यक्षों के स्थान पर तत्काल नई नियुक्तियां करने का निर्देश दिया गया। संकेतिक धरना- कोण्डागांव जिले में 20 जुलाई 2025 को होने वाले सांकेतिक धरने को सफल बनाने के लिए फरसगांव विकासखंड के सभी सेजेस कर्मचारियों ने सर्वसम्मति से अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने का संकल्प लिया। प्रदेशव्यापी कलम बंद आंदोलन 1 अगस्त 2025 को प्रदेश स्तर पर आयोजित होने वाले च्कलम बंदज्ज आंदोलन को सफलतापूर्वक संपादित कराने के लिए फरसगांव विकासखंड के सभी कर्मचारियों ने एकजुट होकर पूर्ण सहयोग देने की सहमति दी। बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों ने इन बिंदुओं पर च्मन, वाणी और कर्मज्ज से वचनबद्ध होकर कार्य को पूर्ण करने की शपथ ली। सेजेस कर्मचारी अपनी मांगों को लेकर दृढ़ संकल्पित दिख रहे हैं और सरकार से जल्द समाधान की उम्मीद कर रहे हैं।

गाईड ट्रेनिंग हेतु नि:शुल्क प्रशिक्षण

कोण्डागांव 09 जुलाई (देशबन्धु)। छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड द्वारा पर्यटक गाईड प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन माह जून-जुलाई में किया जाएगा। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य छत्तीसगढ़ के युवक एवं युवतियों को आत्मनिर्भर बनाना तथा राज्य में पर्यटन को बढ़ावा देने हेतु उपयुक्त मानव संसाधन तैयार किया जाना है। यह गाईड ट्रेनिग प्रशिक्षण कार्यक्रम इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ टूरिज्म एण्ड ट्रेवल मेनेजमेंट ग्वालियर के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित किया जा रहा है। प्रशिक्षण की अवधि 1 माह की होगी, जिसके लिए स्नातक उत्तीर्ण अभ्यर्थी पात्र होंगे। इच्छुक अभ्यर्थियों एवं प्रशिक्षणार्थियों को कौशल विकास हेतु नि:शुल्क गाईड ट्रेनिंग दी जाएगी। प्रशिक्षण उपरांत प्रशिक्षित अभ्यर्थियों को प्रमाण पत्र प्रदाय किया जाएगा। अधिक जानकारी हेतु लाईवलीहुड कॉलेज कोण्डागांव में संपर्क किया जा सकता है।

बायपास सड़क निर्माण कार्य में लगे मजदूरों को मजदूरी न दिलाकर बुला लिया पुलिस को

◆ **ठेकेदार और अधिकारियों के खिलाफ शिकायत किया श्रम विभाग में**

कोण्डागांव 09 जुलाई (देशबन्धु)। जिला मुख्यालय कोंडागांव के समीप निर्माणाधीन बायपास सड़क में पुलियों का निर्माण कराने के लिए जिन मजदूरों से मजदूरी का कार्य कराया गया था, उन मजदूरों को मजदूरी न मिलने पर लो.नि.वि.कोण्डागांव कार्यालय में मजदूरी दिलाने हेतु दिए गए आवेदन पर, लो.नि.वि.कार्यालय से बुलाए जाने पर कार्यालय में पहुंचे मजदूरों को मजदूरी न दिलाकर पुलिस को बुलाकर कार्यालय से बाहर करवाने से नाराज मजदूरों के द्वारा ठेकेदार और अधिकारियों के खिलाफ श्रम विभाग कोण्डागांव के समक्ष लिखित में षिकायत करने के साथ ही उस षिकायत पत्र की प्रतिलिपियां जिला कलेक्टर, एस.पी. एवं पुलिस थाना कोण्डागांव में सुचनार्थ एवं आवष्यक कार्यवाही हेतु दिए जाने का मामला सामने आया है।

जिला मुख्यालय कोंडागांव के समीप नारंगी नदी के पास से ग्राम पंचायत चिखलपुटी तक लगभग 9 किलोमीटर बायपास सड़क निर्माणाधीन है। इस निर्माणाधीन बायपास सड़क में कई पुलियों का निर्माण किया जाना था, जिसके लिए मजदूरों की आवष्यकता होने से अन्य मजदूरों के साथ ग्राम चिचड़ोंगरी के 14 मजदूरों को भी पुलिया निर्माण कार्य में लगाया गया, जिन्होंने 18 दिसंबर 2024 से 3 मार्च 2025 तक पुलिया क्रमांक 275 और 1900 में मजदूरी कार्य किया और 14 गरीब मजदूरों को उनकी मजदूरी का भुगतान जून माह तक नहीं किए जाने पर, मजदूरों द्वारा कार्यपालन यंत्री लो.नि.वि.कोण्डागांव सम्भाग को लिखित आवेदन देकर 1 लाख 63 हजार रुपए मजदूरी दिलाने का निवेदन किया है। मजदूरों ने बताया कि मजदूरी भुगतान कराने का आवेदन मिलने पर लो.नि.वि. कोण्डागांव कार्यालय से कॉल कर हम मजदूरों को 08 जून को बुलाया गया, कार्यालय पहुंचे हम मजदूरों ने एस.डी.ओ.लो.नि.वि. के कार्यालय में बैठे ठेकेदार के मेनेजर को देखकर उससे मजदूरी देने की मांग किया। तभी अचानक कार्यालय में दो पुलिस अधिकारी पहुंचे और उनसे थाना में चलने को कहने लगे तो वे डर गए और उन मजदूरों को यह अपमानजनक लगा। जिसपर उन्होंने कानूनी सलाह लेकर श्रम विभाग कोण्डागांव के श्रम अधिकारी के नाम पर षिकायत पत्र तैयार करवाकर मजदूरों की मजदूरी नहीं देने वाले ठेकेदार एवं समय पर मजदूरी नहीं दिला पाने वाले अधिकारियों पर कार्यवाही करते हुए मजदूरी दिलाने का निवेदन किया है। अब देखना होगा कि श्रम विभाग के श्रम अधिकारी गरीब मजदूरों की मजदूरी कब तक दिला पाते हैं।

कांग्रेस जिला अध्यक्ष ने की घोषणा तीन नए कार्यकारी अध्यक्षों की

◆ **ब्लॉक कार्यकारी अध्यक्ष बने रति केशकाल, रमेश धनोरा व निमेंद्र मर्दापाल के**

कोण्डागांव 09 जुलाई (देशबन्धु)। कांग्रेस जिला अध्यक्ष ने तीन नए ब्लॉक कार्यकारी अध्यक्षों की घोषणा करते हुए रति मरकाम को केशकाल का, रमेश बेसरिया को धनोरा का एवं निमेंद्र दीवान को मर्दापाल का ब्लॉक कार्यकारी अध्यक्ष पद का जिम्मा सौंपा।

कोंडागांव जिला कांग्रेस कमेटी ने तीन नए कार्यकारी अध्यक्षों की घोषणा की है, जिसमें रति मरकाम, रमेश बेसरिया और निमेंद्र दीवान के नाम शामिल हैं। तीनों ही नेता अपने-अपने कार्यक्षेत्र में अच्छी दखल रखते हैं। कोंडागांव जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष बुधराम नेताम ने यह नियुक्ति आदेश जारी करते हुए कहा कि नई नियुक्ति से संगठन को और अधिक मजबूती मिलेगी। हम भाजपा की जनविरोधी नीतियों का और अधिक दमदारी के साथ मुकाबला करेंगे। वहीं पार्टी की विचारधारा को जन-जन पहुंचाने की दिशा में तजी से काम करेंगे। नियुक्ति को लेकर सभी वरिष्ठ नेताओं सहित कांग्रेस कार्यकर्ताओ ने हर्ष जाहिर किया है। सभी ने शुभकामनायें प्रेषित की है।

सिस्टम पर भारी आईसीडीएस के बाबू तबादले के बाद भी अफसर ने नही छोड़ा

◆ **लंबे समय से जमे होने के बावजूद कुर्सी का मोह**

दंतेवाड़ा, 9 जुलाई (देशबन्धु)। जिले के महिला एवं बाल विकास विभाग में तबादले के बाद भी सहायक ग्रेड 2 को रिलीव नही किये जाने का मामला सामने आया है। यहां पदस्थ संतोष झा का तबादला 25 जून की सूची के मुताबिक राज्य स्तर पर दंतेवाड़ा के रायगढ़ से लैलूंगा हुआ है, लेकिन 15 दिन बाद भी उन्हें रिलीव नहीं किया गया है।

बताया जा रहा है कि रिलीवर नहीं होने के कारण यह स्थिति बनी है। एक जानकारी यह भी सामने आयी है कि जिला स्तर पर बचेली परियोजना से सहायक ग्रेड 2 अभय मेरी खाखा का तबादला दंतेवाड़ा जिला कार्यालय के लिए 30 जून को हुआ, लेकिन उनको जिला मुख्यालय में ज्वाईनिंग नहीं दी जा रही है। लंबे समय से जमे होने के बावजूद संतोष झा को तबादले के बाद रिलीव नहीं किये जाने से कई तरह के सवाल भी उठ रहे हैं। पहले इनके तबादला भैरमगढ़ हुआ था, बाद में फिर दंतेवाड़ा पोस्टिंग हो गई। इस संबंध में बताया यह भी जा रहा है कि विभाग में उनकी स्थानीय स्तर पर गहरी पकड़ के चलते जिला कार्यक्रम अधिकारी उनको नहीं हटा रहे हैं। इस संबंध में जिला कार्यक्रम अधिकारी वरूण नागेश का कहना है कि कलेक्टर महोदय के स्पष्ट निर्देश है कि राज्य स्तर पर तबादले के मामले में बिना रिलीवर के किसी भी कर्मचारी को रिलीव न किया जाए। बचेली परियोजना से आई अभय मेरी खाखा को ज्वाईनिंग नहीं देने के सवाल पर श्री नागेश ने कहा कि बचेली परियोजना से बगैर भार मुक्त हुए अभय मेरी खाखा दंतेवाड़ा जिला कार्यालय आई है, इसलिए उन्हें ज्वाईनिंग नहीं दी जा रही है। बचेली परियोजना अधिकारी अभी अवकाश में है इसलिए अभय मेरी खाखा को रिलीव नहीं किया गया है। उल्लेखनीय है कि संतोष झा को जिला कार्यालय में बनाए रखने के लिए ही यह पूरी व्यूह रचना रची जा रही है। उच्च अधिकारी इस मामले में किस तरह का निर्णय लेते हैं यह देखने वाली बात होगी।

अनाचार का आरोपी 24 घंटे में गिरफ्तार

दंतेवाड़ा, 9 जुलाई (देशबन्धु)। पुलिस ने अनाचार के एक आरोपी को 24 घंटे के अंदर गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। कटेकल्याण पुलिस को यह सफलता मिली। पीड़िता ने थाने में एफआईआर दर्ज करायी थी कि आरोपी जयमन नाग ने विवाह का प्रलोभन देकर उनके साथ अनाचार किया। आरोपी और पीड़िता डैनेक्स कंपनी में एक साथ काम करते थे। इसी दौरान दोनों का परिचय हुआ। शारीरिक संबंध बनाने के बाद आरोपी शादी से इंकार करने लगा। इसके बाद पीड़िता ने उसके खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज करायी। कटेकल्याण पुलिस ने आरोपी जयमन नाग को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय में पेश किया। इस कार्रवाई में निरीक्षक अर्जुन पटेल, उप निरीक्षक सुनीता यदु, सहायक उप निरीक्षक पूनम साय धुरवा और उनकी साथियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

स्व.नरेंद्र नेताम की जन्म स्मृति पर बुनागाँव स्कूल में कराया गया न्योता भोजन

कोण्डागांव 09 जुलाई (देशबन्धु)। कोंडागांव जिला अंतर्गत ग्राम बुनागाँव संकुल के शासकीय जनपद प्राथमिक/उच्च प्राथमिक शाला में पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष स्व.नरेंद्र नेताम की जन्म स्मृति के उपलक्ष्य में परिवारजनों के द्वारा बच्चों को न्योता भोजन करवाया गया। इस अवसर पर बच्चों ने स्वादिष्ट खीर, पुड़ी और मिष्ठान का आनंद उठाया। स्व.नरेंद्र नेताम की पुत्री ख्याती नेताम जो इसी विद्यालय में कक्षा तीन की छात्रा हैं, जिन्होंने इस अवसर पर सभी बच्चों को एक-एक पेन भेंट स्वरूप प्रदाय किया। ज्ञात हो छत्तीसगढ़ शासन शिक्षा विभाग की महत्वाकांक्षी पहल के तहत समुदाय और अभिभावकों की विद्यालय में भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए समुदाय के सदस्य या सामाजिक संगठन विभिन्न त्यौहारों या अवसरों जैसे वर्षगाठ, जन्म दिन, विवाह और राष्ट्रीय पर्व आदि पर स्वेच्छा से न्योता भोजन करा सकते हैं।

असाधारण एवं विशिष्ट सेवा कार्य हेतु युवा रत्न सम्मान योजना

कोण्डागांव 09 जुलाई (देशबन्धु)। राज्य सरकार द्वारा प्रदेश में युवाओं एवं स्वैच्छिक संगठनों द्वारा सामाजिक, सांस्कृतिक, साहित्यिक, साहसिक, शैक्षणिक, खेल एवं अन्य क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 15 से 29 आयु वर्ग के युवाओं को उनकी व्यक्तिगत क्षमता में सुधार तथा समाज सेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्यों को मान्यता देने के उद्देश्य से युवा रत्न सम्मान योजना लागू की गई है। खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा युवा कल्याण के विभिन्न क्षेत्र में किए गए अविस्मरणीय कार्य सेवाओं तथा अभिनव प्रयास के लिए सम्मानित करने और उनमें एक अंतर्राष्टीय एवं राष्ट्रीय कीर्तिमान विकसित करने की दृष्टि से युवा रत्न सम्मान की स्थापना किया गया है। इस कार्य में व्यक्तियों, संगठनों के योगदान को प्रोत्साहित करने मान्यता देने एवं प्रतिष्ठ मंडित करने के उद्देश्य से विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत व्यक्तियों एवं संगठनों को युवा रत्न सम्मान प्रदाय करने का निर्णय लिया गया है। युवा रत्न सम्मान योजना का उद्देश्य राज्य में सामाजिक, संस्कृतिक, साहित्यिक, शैक्षणिक, खेल एवं अन्य क्षेत्र में 15-29 आयु वर्ग के युवाओं एवं स्वैच्छिक संगठनों को प्रेरित करना तथा युवाओं में अपने समुदाय के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करने के लिए प्रोत्साहित करना है। इस प्रकार अच्छे नागरिक के रूप में उनकी व्यक्तिगत क्षमता में सुधार हो, राष्ट्रीय विकास और समाज सेवा के लिए युवाओं द्वारा किए गए उत्कृष्ट कार्यों को मान्यता प्रदान करना, राष्ट्रीय विकास और समाज सेवा के लिए युवाओं के साथ काम करने वाले स्वैच्छिक संगठनों द्वारा किए गए उत्कृष्ट कार्यों को मान्यता प्रदान करना है। छत्तीसगढ़ युवा रत्न सम्मान असाधारण एवं विशिष्ट सेवा कार्य के क्षेत्र में दिया जाएगा। जिसके अंतर्गत चयनित युवा को 2 लाख 50 हजार रूपए एवं चयनित संगठन को 5 लाख रूपए की पुरस्कार राशि प्रदान की जाएगी। इसी तरह युवा रत्न सम्मान अंतर्गत सामाजिक, साहित्य, नवाचार उद्योग, शिक्षा, खेल, पर्यावरण, महिला एवं बाल विकास, मीडिया, स्वास्थ्य, विज्ञान एवं प्रोद्योगिकी, दिव्यांगजन सशक्तिकरण, कला एवं संगीत सांस्कृतिक, लोककला के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले युवाओं को 1-1 लाख रूपए का पुरस्कार राशि प्रदान की जाएगी।

घर-घर हो रही मलेरिया की जांच स्वास्थ्य दल सक्रिय कलेक्टर के निर्देश पर अभियान

दंतेवाड़ा, 9 जुलाई (देशबन्धु)। मलेरिया मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान के अंतर्गत जिले में 12वें चरण की शुरुआत की गई है। इस परिप्रेक्ष्य में कलेक्टर कुणाल दुदावत के निर्देशानुसार और मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अजय रामटेके के मार्गदर्शन में जिले के सभी चार विकासखंडों में यह अभियान जोर शोर से चलाया जा रहा है। अभियान के लिए जिले में कुल 217 स्वास्थ्य टीमों का गठन किया गया है, जो गांव-गांव और घर-घर जाकर मलेरिया की जांच कर रही हैं।

इसके अंतर्गत स्वास्थ्य कर्मियों की टीम मलेरिया की रैपिड डायग्नोस्टिक किट से लोगों की जांच कर रहे हैं। और यदि कोई व्यक्ति मलेरिया पॉजिटिव पाया जाता है, तो उसे तुरंत नि:शुल्क दवाएं देकर उपचार शुरू किया जा रहा है। साथ ही, मरीजों और उनके परिजनों को आवश्यक परामर्श भी दी जा रही है कि वे बीमारी की गंभीरता को समझें और सावधानी बरतें। जिला मलेरिया अधिकारी डॉ. देश दीपक ने इस संबंध में जानकारी दी कि मलेरिया संक्रमित मादा एनाफिलीज मच्छर के काटने से फैलता है। काटने के 8-10 दिन बाद मरीज को तेज बुखार, सर्दी और कंपकंपी जैसे लक्षण महसूस होते हैं। समय पर इलाज मिलने पर यह बीमारी गंभीर नहीं होती, लेकिन जागरूकता और परामर्श अत्यंत आवश्यक है।इस अभियान की गुणवत्ता जांच एवं पर्यवेक्षण के लिए जिला और विकासखंड स्तर पर विशेष निगरानी टीमें बनाई गई हैं। ये टीमें प्रतिदिन स्वास्थ्य कार्यों की निगरानी कर रही हैं ताकि किसी भी स्तर पर कोई चूक न हो और हर जरूरतमंद तक समय पर इलाज पहुंचे।

रेडियो जॉकी बनने युवाओं ने बढ़ाया कदम नवा दंतेवाड़ा रेडियो स्टेशन द्वारा प्रशिक्षण

चयनित 20 युवाओं को मिल रही तकनीकी जानकारी

दंतेवाड़ा, 9 जुलाई (देशबन्धु)। नवोदित प्रतिभाओं को मंच देने और उन्हें संप्रेषण कौशल में दक्ष बनाने के उद्देश्य से नवा दंतेवाड़ा रेडियो स्टेशन द्वारा रेडियो जॉकी प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया है।

यह कार्यक्रम विकास अनुसंधान संस्थान, दंतेवाड़ा के तत्वावधान में एवं डिस्ट्रिक्ट प्रोजेक्ट लाइवलीहुड कॉलेज सोसाइटी दंतेवाड़ा के सौजन्य से आयोजित किया जा रहा है। प्रशिक्षण प्रतिदिन प्रात: 11 बजे से अपराह्न 3 बजे तक कलेक्टोरेट परिसर स्थित नवा दंतेवाड़ा रेडियो स्टेशन में संपन्न हो रहा है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में जिले के 20 चयनित युवाओं को रेडियो प्रेजेंटेशन, आवाज की तकनीक, कंटेंट निर्माण, साक्षात्कार की कला, स्क्रिप्ट लेखन एवं स्टूडियो संचालन आदि की विस्तृत जानकारी दी जा रही है। रेडियो के माध्यम से युवाओं को संवाद कौशल, आत्मविश्वास और जनसंचार के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने का उद्देश्य इस पहल के मूल में है। गौरतलब है कि इस रेडियो जॉकी प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लेने वाले प्रतिभागी अत्यंत उत्साहित हैं और वे इसे अपने लिए एक सुनहरा अवसर मान रहे हैं। इस अभिनव प्रयास से स्थानीय युवाओं को मीडिया क्षेत्र में करियर की दिशा में मार्गदर्शन मिल रहा है।

शासकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज में अंतिम चरण की काउंसिलिंग हेतु ऑनलाइन पंजीयन 13 तक

कोण्डागांव 09 जुलाई (देशबन्धु)। शासकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज कोण्डागांव में तकनीकी शिक्षा छत्तीसगढ़ के द्वारा शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए संस्थान में संचालित सिविल इंजीनियरिंग के 60 सीटों पर, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग के 60 सीटों पर, मेकेनिकल इंजीनियरिंग के 60 सीटों पर प्रवेश हेतु तृतीय चरण की काउंसिलिग के लिए पंजीयन अमांत्रित किया गया है। अभ्यर्थी 10 जुलाई 2025 से 13 जुलाई 2025 तक पंजीयन कर सकते है और प्रवेश 19 जुलाई 2025 से 22 जुलाई 2025 तक ले सकेंगे। इच्छुक अभ्यर्थी निर्धारित तिथियों में ऑनलाइन पंजीयन कर प्रवेश प्रक्रिया पूरी कर सकते हैं। अभ्यर्थी अधिक जानकारी के लिए कुलभूषण साव मोबाईल नम्बर 9040712423 एवं योगेश सालेचा मोबाईल नम्बर 6263960640 पर सम्पर्क कर सकते हैं।

ब्राह्मण समाज ने यादव समाज के संरक्षक पर लगाया समाज को बदनाम करने का आरोप थाना प्रभारी को सौंपा ज्ञापन

कोण्डागांव 09 जुलाई (देशबन्धु)। जिले में जातिगत सौहार्द्र को प्रभावित करने वाले बयान को लेकर ब्राह्मण समाज में आक्रोश फैल गया है। यादव समाज के संरक्षक सनत यादव द्वारा एक इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से ब्राह्मण समाज को लेकर दिए गए आपत्तिजनक बयान के विरोध में ब्राह्मण समाज, कोण्डागांव ने बुधवार को थाना प्रभारी को ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में आरोप लगाया गया है कि सनत यादव द्वारा दिए गए बयान से न केवल ब्राह्मण समाज की गरिमा को ठेस पहुंची है, बल्कि जिले के सामाजिक ताने-बाने को भी नुकसान पहुंचा है। समाज के पदाधिकारियों ने यह भी कहा कि सनत यादव ने अपने बयान में ब्राह्मण समाज के खिलाफ अमर्यादित, जातिवादी व अपमानजनक भाषा का प्रयोग किया है, जिससे समाज में भय और असंतोष का माहौल बन गया है।ब्राह्मण समाज ने ज्ञापन के माध्यम से थाना प्रभारी से मांग की है कि सनत यादव के विरुद्ध तत्काल एफ.आई.आर.दर्ज की जाए और समाज के प्रत्येक सदस्य को सुरक्षा प्रदान की जाए। साथ ही प्रशासन से यह सुनिश्चित करने की अपील की गई है कि भविष्य में ऐसी किसी भी बयानबाजी से जिले का सौहार्द्र भंग न हो।ज्ञापन सौपने के दौरान समाज के संरक्षक, अध्यक्ष व सचिव सहित अन्य कई प्रमुख पदाधिकारी उपस्थित थे। वहीं कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक और एसडीएम को भी प्रतिलिपि भेजी गई है, ताकि मामले में शीघ्र ठोस कार्रवाई हो।

31 तक ले सकेंगे फसल बीमा योजना का लाभ अग्रणी कृषकों के लिए सुनहरा अवसर

खरीफ सीजन 2024 में हुआ था 9 करोड़ से ज्यादा का भुगतान

3 हजार 232 किसानों को हुआ था लाभ

दंतेवाड़ा, 9 जुलाई (देशबन्धु)। जिला प्रशासन खरीफ 2025 सीजन के लिए छत्तीसगढ़ शासन द्वारा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत अधिसूचना जारी कर दी गई है। यह योजना किसानों को प्राकृतिक आपदाओं, असमय वर्षा, सूखा, ओलावृष्टि, कीट प्रकोप और अन्य जोखिमों से फसल को होने वाली क्षति के विरुद्ध आर्थिक सुरक्षा प्रदान करती है। योजना का उद्देश्य किसानों की आय को स्थिरता प्रदान करना और खेती को एक सुरक्षित व लाभकारी व्यवसाय बनाना है।

इस योजना के अंतर्गत बीमा कराने की अंतिम तिथि 31 जुलाई 2025 निर्धारित की गई है। ऋणी कृषकों का बीमा संबंधित वित्तीय संस्थाओं द्वारा स्वचालित रूप से कर दिया जाएगा, बशर्ते उन्होंने खरीफ 2025 के लिए फसल ऋण लिया हो। लेकिन अऋणी कृषकों को इस योजना का लाभ उठाने के लिए स्वयं पहल करनी होगी। उन्हें निर्धारित तिथि से पहले अपने नजदीकी ग्राहक सेवा केंद्र (सीएससी) सेंटर में जाकर बीमा कराना आवश्यक होगा। इसके साथ ही अऋणी कृषकों के लिए कुछ आवश्यक दस्तावेज जैसे आधार कार्ड की स्वप्रमाणित प्रति, स्वयं के नाम की भूमि रिकॉर्ड की प्रति, बुआई प्रमाण पत्र, सक्रिय बैंक खाते की प्रति जिसमें खाता संख्या और ईएफएससी कोड तथा निर्धारित प्रीमियम राशि लेकर बीमा केंद्र में उपस्थित होना अनिवार्य रहेगा।

इसके अलावा खरीफ फसलों के लिए बीमा प्रीमियम बीमांकित राशि का केवल 2 प्रतिशत निर्धारित किया गया है। सिंचित धान के लिए 960 रुपये प्रति हेक्टेयर तथा असिंचित धान के लिए 840 रुपये प्रति हेक्टेयर की दर से बीमा प्रीमियम निर्धारित किया गया है। गौरतलब है कि यह योजना बहुत ही कम प्रीमियम में किसानों को अधिकतम बीमा सुरक्षा प्रदान करती है। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह प्राकृतिक आपदा, सूखा, ओलावृष्टि, बाढ़, कीट व रोगों के प्रकोप जैसी आपदाओं से फसल को हुई क्षति की भरपाई करती है। इसके अलावा कटाई के बाद खेत में पड़ी फसल को नुकसान पहुंचने की स्थिति में भी किसान दावा कर सकते हैं। स्थानीयकृत आपदाएं जैसे जलभराव, भूस्खलन, ओलावृष्टि आदि भी बीमा के दायरे में आती हैं। फसल को नुकसान होने की स्थिति में किसान को 10 दिनों के भीतर टोल फ्री नंबर 1800-209-5959 पर या मोबाइल ऐप अथवा वेबसाइट के माध्यम से जानकारी देनी होती है, ताकि दावा प्रक्रिया समय पर पूरी की जा सके।

कृषि विभाग के उप संचालक सूरज पंसारी ने इस संबंध में बताया कि खरीफ 2024 में दंतेवाड़ा जिले के 3,232 किसानों ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत कुल 9,09,02,670 (नौ करोड़ नौ लाख दो हजार छह सौ सत्तर रुपये) का फसल बीमा मुआवजा प्राप्त किया था, जो इस योजना की सफलता और किसानों को होने वाले लाभ का स्पष्ट प्रमाण है। जिले के समस्त अऋणी कृषकों से कृषि विभाग द्वारा अपील की गई है कि वे इस योजना का लाभ उठाकर अपनी मेहनत की फसल को सुरक्षित करें। इस संबंध में अधिक जानकारी के लिए किसान अपने ग्राम पंचायत, कृषि विभाग, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी, ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी या नजदीकी ग्राहक सेवा केंद्र से संपर्क कर सकते हैं।

उल्टा पुल्टा

पति- सुनो, रात भर मोबाइल चार्जिंग पर मत लगाना, बैटरी फट जाएगी.
पत्नी- आप चिंता ना करें मैं बैटरी निकाल कर चार्जिंग पर लगाऊंगी.
पति की बात सुनकर पतिदेव के दिमाग की बत्ती ही उड़ गई ।

संपादकीय

सफाई के खतरे

सफाई के कामों में कई तरह के खतरे हैं। फिर वह चाहे सीवरेज का हो या कूड़े-कर्कट उठाने का अथवा कुंवों का। गहरे नालों में या खुले में लोग जो गंदगी डालते है, उन्हें एहसास नहीं होता कि वह किस प्रकार से सफाई करने वालों के लिये मौत का सामान तैयार कर रहे हैं। इसके अलावा सफाई करने वाले भी लापरवाहीपूर्वक काम कर अपनी जान को जोखिम में डालते हैं।

बिलासपुर जिले के उनी गांव में कुंवे की सफाई करते हुए पिता-पुत्र मारे गये। सीपत पुलिस के अनुसार कैलाश गोस्वामी जो कि एक ड्राइवर है, के घर में पुराना कुआं है। नौवीं कक्षा में पढ़ने वाले उसके बेटे अंशु ने बताया कि कुंए में सम्भवत: मेंढक मर गया है जिसके कारण भीतर से बदबू आ रही है। इसलिये वह उसे निकालने के लिये जा रहा है। उस वक्त गांव में बिजली बन्द थी। जब वह रस्सी-बालटी से मरे मेंढक को निकाल रहा था तभी बिजली आ गयी और पंप के कारण उसे तगड़ा करंट लग गया। झटका खाकर वह कुएं में गिर पड़ा। उसे गिरता देखकर पिता ने भी छलांग लगा दी। पानी ज्यादा होने से उसकी भी मौत हो गयी।

कुंओं की सफाई वैसे भी खतरे से खाली नहीं रहती। बरसात में सभी वाटर बॉडीज़ के जल का स्तर बढ़ा हुआ होता है, फिर वह चाहे तालाब हो या नदियां अथवा कुएं। एक तो वैसे ही कुएं खत्म हो रहे हैं। जो हैं, उनमें से अब पानी बिजली के पंपों से ही निकाला जाता है। कई बार पानी पंप तक पहुंचने या फिर कुएं की दीवार कच्ची अथवा गीली हो जाने से करेंट फैल जाता है। बरसात ही नहीं, गर्मी के दिनों में भी इनकी सफाई खतरनाक होती है। इस दौरान जल निम्नतम स्तर तक पहुंच जाता है। उनकी सफाई और गहरीकरण के लिये यही समय सर्वाधिक उपयुक्त होता है लेकिन उस समय खतरा भीतर एकत्र जहरीली गैसों का होता है। विभिन्न तरह की विषाक्त गैसें यथा मीथेन, कार्बन डाइऑक्साइड, नाइट्रोजन, हाइड्रोजन सल्फाइड पाई जाती हैं जो जानलेवा होती हैं। बहुत से ग्रामीण अपने कुंओं की सफाई के लिये उतरते हैं और इनका शिकार बन जाते हैं।

शहरों के गंदे पानी के बड़े निकासी वाले नालों, बंद सीवरेज, सेप्टिक टैंकों की सफाई करते हुए भी बड़ी तादाद में लोग मारे जाते हैं। ये निजी नौकर हो सकते हैं या ठेका मजदूर अथवा नगरीय निकायों के कर्मचारी। हर साल देश भर में कई लोगों की सफाई करते हुए मृत्यु होती है। ऐसी साफ-सफाई करने वाले हों या उन्हें काम देने वाले व्यक्ति अथवा संस्थान- सभी इन खतरों से वाकिफ़ हों तथा उनसे उन्हें बचना चाहिये। शहरों की गंदगी भी खतरनाक होती है। इनके ढेरों व नालियों में धातु, कांच, लकड़ी, प्लास्टिक आदि से सफाईकर्मी व कूड़ा बीनने वाले हाथ घायल होते हैं।

ट्रेड यूनियनों का भारत बंद सफल

बैंक, बीमा, कोयला, इस्पात, बालको, एनएमडीसी, परिवहन सहित अनेक प्रमुख संस्थानों में ठप्प रहा काम

रायपुर में हड़ताली कर्मचारियों की विशाल सभा

रायपुर, 9 जुलाई (देशबन्धु)। इंटक, सीटू, एटक, ऐक्टू, एच एम एस सहित देश की 10 प्रमुख केंद्रीय ट्रेड यूनियनों आव्हान पर आज 9 जुलाई को आहूत आम हड़ताल संपूर्ण छत्तीसगढ़ में भी सफल रही। इस हड़ताल का राजधानी रायपुर सहित प्रदेश भर में व्यापक असर रहा।

विशेषकर प्रमुख राष्ट्रीयकृत बैंकों एवं एल आई सी, केंद्रीय कार्यालय इनकम टैक्स, डाक विभाग, बी एस एन एल के कार्यालयों के ताले नहीं खुले। औद्योगिक क्षेत्र कोयला खदान, राजहरा, नंदिनी सहित माइंस में उत्पादन ठप्प रहा, एन एम डी सी सहित रायगढ़, सरगुजा, कोरबा कोयला खदान ठप्प रहे, बालको में शतप्रतिशत हड़ताल रही, भिलाई में इस्पात मजदूरों ने सारे गेट जाम कर हड़ताल कर जबरदस्त प्रदर्शन किए। असंगठित मजदूरों के अलावा आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, मितानिन, मध्याह्न भोजन कर्मी, रसोईए, परिवहन मजदूर ने भी हड़ताल में जबरदस्त भागीदारी कर प्रदेश भर में रैलियां और प्रदर्शन आयोजित किए। अनेक निजी उद्योगों के समक्ष मजदूरों व कर्मचारियों ने प्रदर्शन, धरना व सभाओं का आयोजन कर केंद्र सरकार की श्रमिक विरोधी नीतियों के खिलाफ आवाज बुलंद की और मजदूर विरोधी श्रम संहिता को गुलामी का दस्तावेज करार देकर उसे रद्द करने की मांग की। बीमा क्षेत्र में रायपुर, भोपाल, ग्वालियर, शहडोल, सतना, जबलपुर इंदौर, बिलासपुर मंडलों के 140 शाखाओं में शतप्रतिशत हड़ताल रही। वामपंथी पार्टियों ने भी प्रदेश भर में हड़ताल के समर्थन में विरोध सभाओं का आयोजन कर हड़ताली श्रमिकों के साथ एकजुटता व्यक्त की। रायपुर में एल आई सी के पंडरी स्थित मंडल कार्यालय पर संयुक्त हड़ताली सभा संपन्न हुई। इसमें विभिन्न उद्योगों व श्रम संगठनों से जुड़े सैकड़ों लोगों ने शिरकत कीद्य प्रदेश के अनेक स्थानों पर संयुक्त किसान मोर्चा के आव्हान पर किसानों ने भी हड़ताल के समर्थन में प्रदर्शन और चक्का जाम संगठित किया।

श्रमिकों ने अपने संस्थानों में हड़ताल सफल बनाने के बाद इस संयुक्त सभा में भी उपस्थिति दर्ज की। इस संयुक्त सभा को ट्रेड यूनियनों के संयुक्त मंच के संयोजक का. धर्मराज महापात्र, आल इंडिया बैंक एम्पलाइज एसोसिएशन से का. शिरीष नलगुंडवार, आल इंडिया बैंक ऑफिसर्स कन्फेडरेशन से का. वाय गोपा कृष्णन, राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस इंटुक के उपाध्यक्ष का. एन. पी. मिश्र एवं का. आशीष दुबे, सेंटर ऑफ इंडियन ट्रेड यूनियन के राज्य सचिव का. एम के नंदी, प्राइवेट स्कूल टीचर्स संघ से का. राजेश अवस्थी, रायपुर डिवीजन इंश्योरेंस एम्पलाइज यूनियन के महासचिव का. सुरेंद्र शर्मा, सहसचिव द्वय का. गजेन्द्र पटेल एवं का. अनुसुइया ठाकुर, प्रमुख सदस्य का. एन. जे. राव, सेंट्रल जोन इंश्योरेंस एम्पलाइज एसोसिएशन के सहसचिव का. वी.एस. बघेल, कोषाध्यक्ष का. संदीप सोनी, महिला उप संयोजक का. ज्योति पाटिल, छ ग दवा प्रतिनिधि संघ से का. प्रदीप मिश्रा, आल इंडिया इंश्योरेंस पेंशनर्स एसोसिएशन के महासचिव का. अतुल देशमुख, क्रांतिकारी सांस्कृतिक मंच से का. तुहिन देव एवं ए आई सी सी टी यू से का. सौरा यादव ने संबोधित किया। इस क्रम में विशाल संयुक्त सभा के मुख्य वक्ता का. धर्मराज महापात्र ने आज की हड़ताल को स्वतंत्र भारत के इतिहास की सबसे बड़ी जन लामबंदी निरूपित करते हुए केंद्र सरकार द्वारा श्रम कानूनों को मालिकों के पक्ष में बदले जाने के प्रयासों की कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा कि 1886 में शिकागो के मजदूरों ने 8 घंटे के कार्य दिवस की मांग करते हुए शहादते दी थी। मजदूरों के 140 साल पुराने संघर्षों पर मोदी सरकार की श्रम संहिताओं का हमला शर्मनाक है। उन्होंने संविधान व जनतंत्र पर जारी हमलों व सुनियोजित रूप से फैलाई जा रही सांप्रदायिकता दोनों के खिलाफ एकजुटता से लड़ने की जरूरत को रेखांकित किया।

बैंक कर्मचारी संघ के नेता का. शिरीष नलगुंडवार ने वित्तीय व सार्वजनिक क्षेत्रों के निजीकरण एवं एफ डी आई की नीतियों की कड़ी निंदा करते हुए समस्त सरकारी क्षेत्रों में तृतीय व चतुर्थ संवर्ग में तत्काल नई भर्ती की मांग की। उन्होंने बढ़ते ठेका करण, आउट सोर्सिंग, संविदा व अस्थाई रोजगार के स्थान पर नियमित भर्ती की मांग की। अन्य वक्ताओं ने भी न्यूनतम वेतन 26000 रुपए प्रतिमाह प्रदान करने, महंगाई व बेरोजगारी पर रोक लगाने, बीमा संशोधन अधिनियम वापस लेने, समान काम का समान वेतन प्रदान करने, किसानों को उनकी फसल का उचित मूल्य देने, श्रम संहिताओं को वापस लेने, बैंक बीमा सहित बुनियादी क्षेत्रों से एफ डी आई समाप्त करने, आवश्यक वस्तुओं से जी एस टी समाप्त करने, पुरानी पेंशन योजना बहाल करने, एल आई सी में ट्रेड यूनियन को मान्यता देने, दलितों - महिलाओं -अल्पसंख्यकों पर जारी उत्पीड़न पर रोक लगाने, सांप्रदायिकता पर रोक लगाने सहित हड़ताल के प्रमुख मुद्दों पर विस्तार से अपनी बातें रखी। अपनी प्रमुख मांगों पर जबरदस्त प्रदर्शन व नारेबाजी के साथ यह सभा संपन्न हुई। ट्रेड यूनियनों के संयुक्त मंच ने प्रदेश के हर हिस्से के श्रमिक वर्ग को इस हड़ताल की सफलता के लिए अभिनंदन और बधाई प्रेषित की ।

युक्तियुक्तकरण के बाद भी नहीं की ज्वाइनिंग तो नहीं मिलेगी सैलरी

रायपुर, 9 जुलाई (देशबन्धु)। स्कूल शिक्षा विभाग ने शालाओं का युक्तियुक्तकरण किये जाने के बाद शालाओं में अतिशेष शिक्षकों के पदस्थापना के आदेश जारी किया गया था, वहीं अब लोक शिक्षण संचालनालय ने सख्त रुख अपनाते हुए उन शिक्षकों के खिलाफ

वेतन रोकने की कार्यवाही करने के निर्देश दिए है, जिन्होंने अभी तक कार्यभार ग्रहण नहीं किया है, जिसका आदेश जारी कर दिया गया है। यह आदेश उन शिक्षकों के लिए लागू नहीं होगा जिन्हें उच्च न्यायालय द्वारा अंतरिम राहत दी गई है।

किसान खाद के लिये परेशान सरकार पिकनिक मना रही : बैज

रायपुर, 9 जुलाई (देशबन्धु)। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि भाजपा के तीन दिन के प्रशिक्षण सत्र में डेढ साल के भ्रष्टाचार पर मंथन हुआ। खुद राष्ट्रीय अध्यक्ष नड्डा और अन्य नेताओं ने राज्य सरकार के भ्रष्टाचार पर नसीहत देनी पड़ी। यह प्रशिक्षण शिविर मस्ती की पाठशाला थी, जहां पर सरकारी धन पर पूरी सरकार ने मौज मस्ती और पिकनिक मना कर आई। जिस सरगुजा संभाग में भाजपा ने यह तीन दिन का प्रशिक्षण किया। उसी सरगुजा संभाग के हसदेव और तमनार में सरकार अडानी की खदान के लिये जंगल कटवा रही। चिंतन शिविर में इस पर मंथन करने का साहस किसी नेता ने नहीं दिखाया।

श्री बैज ने कहा कि पूरी सरकार तीन दिन से मैनपाट में पिकनिक मना रही, मौज मस्ती कर रही है, मानसूनी बारिश उफान पर है, लेकिन अभी तक सोसायटियों में खातू, उर्वरक नही पहुंचा है। किसान परेशान है खाद नहीं मिलने पर उनकी ऊपज प्रभावित होगी। खरीफ में धान छत्तीसगढ़ के किसानों की आय का प्रमुख आधार है। सरकार को इसकी कोई चिंता नहीं है। प्रदेश में जानबूझ कर खातू की कमी पैदा की जा रही, ताकि किसान धान को पैदावार कम लें, समर्थन मूल्य पर कम धान खरीदना पड़े।

संग्रहण केन्द्रों में 30 लाख मीट्रिक टन से अधिक धान खुले में पड़ा है, भीग चुका -प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि भाजपा सरकार पिछले साल खरीदे गये धान का निराकरण नहीं कर पाई है। भारी मानसूनी बारिश के बीच पूरे प्रदेश के संग्रहण केन्द्रों में 30 लाख मीट्रिक टन से अधिक धान खुले में पड़ा है, भीग चुका है। सरकार लापरवाह बनी हुई है। राज्य के जनता की गाढ़ी कमाई के टैक्स से खरीदा गया धान भीग कर खराब हो रहा है। डबल इंजन की सरकार का कोई फायदा राज्य को नहीं मिल रहा है।

निचली बस्तियों में राहत पहुंचाए सरकार-प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि पिछले चार दिनों से हो रही भारी बारिश के कारण प्रदेश के अनेक शहरों में निचली बस्तियों में पानी भर गया है। लोग परेशान है। पूरी सरकार मैनपाट में पिकनिक पर थी। जनता बारिश का कहर मिलने को मजबूर है। कांग्रेस पार्टी मांग करती है सभी शहरों में तत्काल बचाव, राहत कार्य शुरू किया जाये, लोगो को सुरक्षित किया जाये।

रायपुर जिले में रासायनिक खाद का भरपूर भंडारण

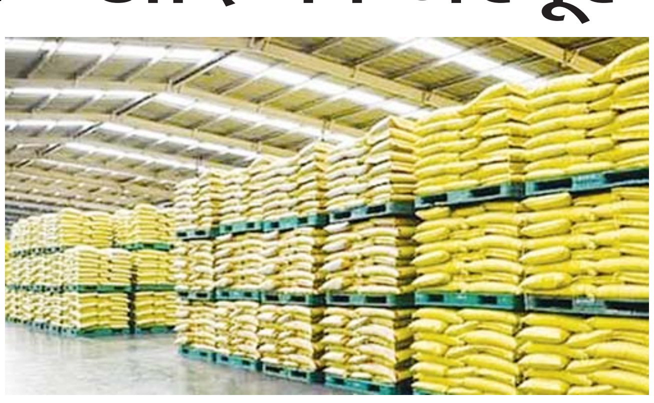

■ 62.20फीसदी खाद का भंडारण, 51.25फीसदी किसानों को हुआ वितरण

रायपुर, 9 जुलाई (देशबन्धु)। रायपुर जिले में खरीफ 2025 फसल सीजन के लिए रासायनिक खाद का भंडारण तेजी से किया जा रहा है। जिले की सहकारी समितियों को कुल 50,603 मीट्रिक टन खाद का लक्ष्य मिला है, जिसमें से अब तक 31,474 मीट्रिक टन खाद जमा किया जा चुका है। यह कुल लक्ष्य का 62.20फीसदी है।

इस भंडारण में 7,062 मीट्रिक टन डीएपी (डाई-अमोनियम फॉस्फेट) शामिल है। किसान अपनी जरूरत के अनुसार समितियों से नियमित रूप से खाद ले रहे हैं। अब तक 25,935 मीट्रिक टन खाद किसानों को वितरित की जा चुकी है, जो कुल लक्ष्य का 51.25 प्रतिशत है।

जिले में खादों का भंडारण और वितरण किया जा रहा है सुपर फॉस्फेट का भंडारण 2,768 मीट्रिक टन, वितरण 1,921 मीट्रिक टन।

पोटाश का भंडारण- 2,175 मीट्रिक टन एवं वितरण- 1,528 मीट्रिक टन किया गया है, एनपीके का भंडारण- 3,858 मीट्रिक टन, वितरण- 3,384 मीट्रिक टन किया जा चुका है।

जिला प्रशासन समय-समय पर खाद के भंडारण और वितरण की समीक्षा किया जा रहा है, ताकि किसानों को समय पर पर्याप्त मात्रा में खाद उपलब्ध हो सके। सहकारिता विभाग के अनुसार, जिले में खाद की स्थिति फिलहाल संतोषजनक है और किसानों को उनकी जरूरत के अनुसार खाद और बीज उपलब्ध कराया जा रहा है।

तेंदूपत्ता बोनस घोटाला : समिति प्रबंधक को ईओडब्लू ने किया गिरफ्तार

अब तक 13 आरोपियों की हो चुकी गिरफ्तारी

रायपुर, 9 जुलाई (देशबन्धु)। तेंदूपत्ता बोनस घोटाला मामले में ईओडब्ल्यू ने आरोपी फुलबगड़ी के समिति प्रबंधक राजशेखर पुराणिक को गिरफ्तार किया है इस मामले में तत्कालीन वनमंडलाधिकारी अशोक कुमार पटेल समेत 11 आरोपियों 4 वनकर्मी व 7 प्रबंधक को पहले ही गिरफ्तार किया गया है ईओडब्ल्यू की जांच जारी है जांच में सामने आया है कि तत्कालीन वनमंडलाधिकारी अशोक कुमार पटेल ने अपने पद का दुरुपयोग करते हुए वर्ष 2021.22 के तेंदूपत्ता प्रोत्साहन पारिश्रमिक में संग्राहकों को दी जाने वाली राशि 7 करोड़ का बंदरबांट किया था।

अशोक पटेल ने वन विभाग के अधिकारियों और प्राथमिक लघुवनोपज समितियों के प्रबंधकों व पोषक अधिकारियों के साथ मिलकर इस भ्रष्टाचार को अंजाम दिया था मामले की विवेचना में साक्ष्य पाए जाने पर ईओडब्ल्यू ने आरोपी राजशेखर पुराणिक समिति प्रबंधक प्राथमिक लघुवनोपज सहकारी समिति फुलबगड़ी एवं पर्यवेक्षक प्रबंध संचालक कार्यालय जिला लघु वनोपज सहकारी यूनियन मर्यादित जिला सुकमा को गिरफ्तार किया है अब तक ईओडब्ल्यू ने तेंदूपत्ता बोनस गबन मामले में 13 आरोपियों को गिरफ्तार किया है मामले की जांच जारी है।

आरोपी- राजशेखर पुराणिक

गिरफ्तार वन विभाग के 4 अधिकारी कर्मी- चैतूराम बघेल उप वनक्षेत्रपाल, देवनाथ भारद्वाज उप वनक्षेत्रपाल, पोड़ियामी इड़िमा उर्फहिडमा उप वनक्षेत्रपाल, मनीष कुमार बारसे वनरक्षक, **गिरफ्तार 7 लघुवनोपज समिति के प्रबंधक सहयोगी**-मनोज कवासी, पायम सत्यनारायण उर्फ शत्रु, मोहम्मद शरीफ सी एच् रमना चिटूरी, सुनील नुप्पो, रवि कुमार गुप्ता, आयतू कोरसा।

छात्रवृत्ति के लिए आधार सीडिंग और बैंक खाता सुधार अनिवार्य

श्रम विभाग की अधिसूचना

रायपुर, 9 जुलाई (देशबन्धु)। आदिवासी विकास विभाग द्वारा पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति (कॉलेज स्तर) का भुगतान आधार-सीडेड बैंक खातों में किया जा रहा है। ऐसे विद्यार्थी जिनका आधार सीडिंग अक्रियाशील है अथवा जिनका बैंक खाता गलत, बंद या अमान्य है, उनके छात्रवृत्ति भुगतान में बाधा उत्पन्न हो रही है। ऐसे सभी विद्यार्थियों को निर्देशित किया जाता है कि वे अपनी स्टूडेंट आईडी के माध्यम से त्रुटियों को सुधारते हुए, सही और आधार-सीडेड बैंक खाता विवरण की प्रविष्टि 13 जुलाई 2025 तक अनिवार्य रूप से करें। विभाग द्वारा यह स्पष्ट किया गया है कि निर्धारित समयावधि के भीतर त्रुटियों का सुधार न किए जाने की स्थिति में छात्रवृत्ति प्राप्त नहीं होगी, और इसकी पूर्ण जिम्मेदारी संबंधित विद्यार्थी की होगी।

छात्रवृत्ति संबंधी किसी भी समस्या की स्थिति में विद्यार्थी अपनी अध्ययनरत संस्था के छात्रवृत्ति प्रभारी अथवा कार्यालय सहायक आयुक्त, आदिवासी विकास, रायपुर (कलेक्टोरेट परिसर, कमरा क्रमांक 40, द्वितीय तल) की छात्रवृत्ति शाखा में कार्यालयीन समय में संपर्क कर सकते हैं।

प्रदेश में होगी जमकर बारिश

मौसम विभाग ने कई जिलों के लिए जारी किया अलर्ट, कई नदी-नाले उफान पर

रायपुर, 9 जुलाई (देशबन्धु)। प्रदेश में इस समय मौसम सुहाना बना हुआ है। पिछले कुछ दिनों से राजधानी रायपुर समेत प्रदेश के कई हिस्सों में बारिश का दौर जारी है। बारिश की वजह से लोगों को गर्मी से राहत मिली हैं वहीं दूसरी ओर लगातार हो रही बारिश से नदी नाले उफान पर आ गए हैं। मौसम विभाग ने कई जिलों के लिए एक बार फिर भारी बारिश की चेतावनी दी है। मौसम विभाग ने रायगढ़, बालोद और मोहला मानपुर में रेड अलर्ट जारी कर दी हैं। इसके अलावा बीजापुर, नारायणपुर समेत कई जिलों में यलो अलर्ट जारी की है। इतना ही नहीं धमतरी, दुर्ग, राजनांदगांव, समेत कई जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी की है। प्रदेश के लगभग सभी जिलों में बारिश का दौर जारी है। जिसके चलते जन जीवन अस्तव्यस्त हो गया है। कई नदी और नाले उफान पर हैए तो कहीं बाढ़ की स्थिति बनी हुई है। प्रदेश में बारिश को लेकर मौसम विभाग लगातार चेतावनी दे रहा है। इसी बीच विभाग ने फिर कई जिलों के लिए भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। ज्ञात हो कि प्रदेश में 1 जून से अब तक 336.3 मि.मी औसत वर्षा रिकार्ड की जा चुकी है। राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा स्थापित राज्य स्तरीय बाढ़ नियंत्रण

कक्ष से प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रदेश में अब तक रायगढ़ जिले में सर्वाधिक 473.5 मि.मी वर्षा रिकार्ड की गई है। बेमेतरा जिले में सबसे कम 153.0 मि.मी वर्षा दर्ज हुई है। राज्य स्तरीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष द्वारा प्राप्त जानकारी के अनुसार सरगुजा में 259.8 मि.मी सूरजपुर में 403.9 मि.मी बलरामपुर में 449.5 मि.मी जशपुर में 421.5 मि.मी कोरिया में 375.8 मि.मी और मनेन्द्रगढ़.चिरमिरी.भरतपुर में 295.8 मि.मी औसत वर्षा दर्ज हुई है।

रायपुर जिले में 304.0 मि.मी, बलौदाबाजार में 291,4 मि,मी, गरियाबंद में 293,9 मि,मी, महासमुंद में 303,8 मि,मी, और धमतरी में 303,8 मि,मी् औसत वर्षा दर्ज हुई है। बिलासपुर में 322.0 मि,मी, मुंगेली में 348,3 मि,मी, सारंगढ़.बिलाईगढ़ में 345,8 मि,मी, जांजगीर.चांपा में 433,6 मि,मी, सक्ती में 380,3 मि,मी, कोरबा में 436,0 मि,मी, और गौरेला.पेण्ड्रा.मरवाही 324,6 मि,मी, औसत वर्षा रिकार्ड हुई है। दुर्ग जिले में 272.7 मि.मी, कबीरधाम में 231.1 मि मी, राजनांदगांव में 250.5 मि मी मोहला.मानपुर.अंबागढ़ चौकी में 466.9 मि.मी, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई में 238.4 मि.मी बालोद में 316.0 मि.मी और बस्तर जिले में 436.6 मि मी औसत वर्षा रिकार्ड हुई है। कोंडागांव में 262.4 मि.मी कांकेर में 359.2 मि.मी नारायणपुर में 314.0 मि.मी दंतेवाड़ा में 394.7 मि.मी सुकमा में 204.2 मि मी और बीजापुर में 429.4 मि मी औसत वर्षा रिकार्ड की जा चुकी है। रेड अलर्ट फ्लिहाल रायगढ बालोद और मोहला.मानपुर.अंबागढ़ चौकी जिलों में जारी किया गया है। इन जिलों में अत्यधिक वर्षा की संभावना है।

छत्तीसगढ़ में अब तक 336 3 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गई है। रायगढ़ में सर्वाधिक 473.5 मिमी और बेमेतरा में सबसे कम 153.0 मिमी बारिश हुई है।

बारिश की वजह से इन जिलों में बाढ़ की स्थिति बन सकती है- जिन जिलों में भारी वर्षा हो रही है जैसे रायगढ़, जशपुर, बलरामपुर, कोरबा, बीजापुर, वहां बाढ़ जैसी स्थिति बनने की संभावना अधिक है।

राजस्व विभाग में बड़ी लापरवाही गुम हो रही फाइलें, 1 लाख से अधिक मामले लंबित

रायपुर, 9 जुलाई (देशबन्धु)। प्रदेश में राजस्व प्रकरणों के निराकरण में विभागों के अधिकारियों द्वारा तहसील से लेकर जिले तक जमकर लापरवाही और उदासीनता बरती जा रही है। यही कारण है कि प्रदेश में वर्तमान में एक लाख 40 हजार से अधिक प्रकरण अभी तक लंबित हैं। ये आंकड़े राजस्व विभाग की वेबसाइट पर दर्ज हैं। वहींए राजस्व कोर्ट में भी लगातार प्रकरण लंबित है, क्योंकि संबंधित विभाग के अधिकारी समय पर राजस्व कोर्ट को दस्तावेज ही उपलब्ध नहीं करा रहे हैं। नतीजा कोर्ट को प्रकरणों के जल्दी निराकरण करने में समय लग रहा है।

मंत्री के निर्देश के बाद ही हो रही लापरवाही-राजस्व प्रकरण के जल्द निराकरण के लिए राजस्व मंत्री टंक राम वर्मा विभाग के अधिकारियों-कर्मचारियों को समय.समय पर निर्देश देते हैं। इसके बावजूद विभाग के अधिकारियों-कर्मचारियों द्वारा लगातार लापरवाही बरती जाती है। यही कारण है कि शहरी से लेकर ग्रामीण लोग भी विभाग में आए दिन प्रकरण के निराकरण के लिए चक्कर लगाते रहते हैं।

फाइलें तक गुम हो रही

विभागों में लोगों के द्वारा दस्तावेजों की फोटो कॉपी के साथ आवेदन के बाद विभाग में फाइलें तो बनाई जाती हैं लेकिन बाद में फाइल ही विभाग में गुम हो जाती है। इसका खुलासा तब होता है जब आवेदन दोबारा अपने प्रकरण के बारे में विभाग में अधिकारियों-कर्मचारियों के पास पूछने आते हैं। अधिकारियों-कर्मचारियों द्वारा पूछने पर कहा जाता है कि फाइल तो मिल नहीं रही है, दोबारा आवेदन कर दीजिए। अधिकारियों.कर्मचारियों द्वारा इस तरह के जवाब मिलने के बाद कई बार तो लोग आक्रोशित हो जाते हैं। कई बार तो अधिकारियों.कर्मचारियों के बीच विवाद की स्थिति भी निर्मित हो जाती है।

ये प्रकरण अधिक

सीमांकन नामांकन बटांकन अवैध अतिक्रमण अनुज्ञा प्रमाण पत्र के प्रकरण सबसे अधिक विभागों में लंबित हैं।

बीएड और डीएलएड की इस बार कम होंगी सीटें

रायपुर, 9 जुलाई (देशबन्धु)। प्रदेश में बीएड और डीएलएड की सीटें इस बार कम हो सकती है। इस बार आधा दर्जन कॉलेजों में प्रवेश को लेकर संशय की स्थिति बनी है।दरअसल, नेशनल काउंसिल फॉर टीचर एजुकेशन (एनसीटीई) ने इनकी मान्यता रद्द कर दी है इस बार कितनी सीटों में प्रवेश दिए जाएंगे, इस संबंध में राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद से जल्द सूचना जारी होगी। पिछली बार राज्य के 150 बीएड और 91 डीएलएड संस्थानों में प्रवेश दिए गए थे। इनमें बीएड की 14400 और डीएलएड की 6720 सीटें थी। आधा दर्जन कॉलेजों में प्रवेश नहीं होने से छह सौ से अधिक सीटें कम हो सकती है।कॉलेजों की मान्यता को लेकर जानकारों ने बताया कि एनसीटीई से हर साल कॉलेजों से परफॉर्मेंस अप्रेजल रिपोर्ट (पीएआर) मांगी जाती है। इसमें कॉलेजों को शैक्षणिक स्टॉफ, स्टॉफ, शैक्षणिक गतिविधियों आदि की जानकारी देनी पड़ती है। इस बार कुछ कॉलेजों ने जानकारी नहीं दी। कुछ ने दी तो उसमें भी खामियां थी इसलिए इनकी मान्यता रद्द की गई है। यह स्थिति सिर्फ छत्तीसगढ़ में नहीं है, देश के कुछ अन्य राज्यों में भी कई बीएड और डीएलएड कॉलेजों की मान्यता रद्द की गई है। राज्य में इस बार कितनी सीटों में प्रवेश दिए जाएंगे इस पर जल्द ही स्थिति स्पष्ट होगी। इसे लेकर निजी महाविद्यालय संगठन के संयोजक राजीव गुप्ता का कहना है कि एनसीटीई ने बीएड और डीएलएड कॉलेजों को लेकर जो कार्रवाई की है, वह त्रुटिपूर्ण है। इस पर पुन: विचार किया जाना चाहिए।

जल्द जारी होंगे बीएड और डीएलएड प्रवेश परीक्षा के नतीजे

बीएड और डीएलएड की प्रवेश परीक्षा 22 मई को आयोजित की गई थी। इसके मॉडल आंसर पहले ही जारी हो चुके हैं दावा-आपति की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। इस सप्ताह रिजल्ट जारी होने की संभावना है। इसे लेकर व्यापमं से तैयारी की जा रही है इस बार भी बीएड की तुलना में डीएलएड परीक्षार्थियों की संख्या अधिक थी दोनों कोर्स में प्रवेश के लिए, काउंसिलिंग अगले महीने शुरू होने की संभावना है।जानकारी के मुताबिक पिछली बार चिप्स के माध्यम इन दोनों कोर्स की काउंसिलिंग हुई थी लेकिन इस बार दूसरी एजेंसी के माध्यम से काउंसिलिंग होगी।

डीएलएड में एडमिशन के लिए होड़, बीएड से ज्यादा आवेदन

इस बार भी डीएलएड में एडमिशन के लिए कड़ी प्रतिस्पर्धा होगी। इसकी प्रवेश परीक्षा के लिए 2 लाख 83 हजार ने आवेदन किया था। इसमें से दो लाख से अधिक परीक्षा में भी शामिल हुए वहीं दूसरी ओर बीएड की प्रवेश परीक्षा के लिए 1 लाख 90 हजार ने आवेदन किया था। इसमें से करीब सवा लाख परीक्षा में शामिल हुए थे। हालांकि, डीएलएड की तुलना में बीएड के लिए कम आवेदन आए थे। लेकिन इसमें भी प्रवेश को लेकर कंपीटिशन ज्यादा है. क्योंकि, उपलब्ध सीटों की तुलना में कई गुना ज्यादा परीक्षार्थी थे।

छात्रवृत्ति के लिए आवेदन शुरू

केंद्रीय क्षेत्रीय छात्रवृत्ति योजना के लिए ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया शुरू हो गई है. राज्य के 1387 छात्रों को इस योजना का लाभ मिलेगा. जिन छात्रों ने इस साल यूजी में एडमिशन लिया है और योजना के तहत निर्धारित शर्त पूरी करते हैं, वे आवेदन कर सकते हैं. इसी तरह वे छात्र जो पहले से इस स्कॉलरशिप का लाभ ले रहे हैं, वे भी नवीनीकरण के लिए आवेदन कर सकते हैं. जानकारी के मुताबिक यूजी तक की पढ़ाई के लिए हर साल 10 हजार रुपए दिए जाते हैं. इसके लिए हर साल नवीनीकरण करना जरूरी है. इस छात्रवृत्ति के लिए जो नियम व शर्तें हैं, उसके अनुसार बारहवीं पास कर कॉलेज में प्रवेश लेने वाले वैसे छात्र जिन्हें बारहवीं में 80 परसेंटाइल या इससे अधिक नंबर प्राप्त किया है. या फिर बारहवीं में कम से कम 60 प्रतिशत अंक प्राप्त किया है. इसी तरह उनके परिवारिक/अभिभावक की वार्षिक आय 4.5 लाख रुपए तक हो. वे इस स्कॉलरशिप के लिए ऑनलाइन आवेदन कर जा सकते हैं. आवेदन की प्रक्रिया 31 अक्टूबर 2025 तक चलेगी. छात्रवृत्ति को लेकर विस्तृत जानकारी नेशनल स्कॉलरशिप पोर्टल पर दी गई है.

आज सही से बिता लिया, तो पूरी जिंदगी अच्छे से जी सकते हैं: मनीष सागर जी

चातुर्मास की शुरुआत, विवेकानंद नगर में उपाध्याय प्रवर मनीष सागर महाराज साहब के विशेष प्रवचन

रायपुर, 9 जुलाई (देशबन्धु)। आज का दिन हम सही से बिताएं, तो आने वाली पूरी जिंदगी अच्छे से बीता सकते हैं। कभी भी कुछ अच्छा सोचते हैं, तो यह बात मानकर चलिए कि हम जैसा सोचते हैं, वैसा हो जाए, यह जरूरी नहीं है। जरूरी है कि विपरीत से विपरीत परिस्थितियों के लिए तैयार रहकर हम खुद को आज के लिए तैयार करें। बुधवार को चातुर्मास की शुरुआत पर विवेकानंद नगर स्थित श्री ज्ञान वल्लभ उपाश्रय में धर्म सभा को संबोधित करते हुए उपाध्याय प्रवर मनीष सागर महाराज साहब ने यह बातें कही।

उन्होंने कहा, माना जाता है कि अच्छे काम करने जाओ तो बहुत सारे विघ्न आते हैं। सिर्फ सोचने से काम नहीं चलेगा। विचार समुद्र की तरंगों के समान होते हैं। यह जितनी तेजी से आते हैं, उतनी तेजी से चले भी जाते हैं।? ऐसे में जरूरी है कि आज ऐसा संकल्प लें, जो कम से कम अगले 4 महीने तक टिका रहे। यह लॉन्ग जर्नी है। बीच में हमारा इंजन फेल नहीं होना चाहिए। अच्छी इच्छा शक्ति के साथ चातुर्मास की शुरुआत हो इसलिए हमें अपने भीतर चिंतन-मनन करना है। अगर अपने साथ बेइमानी नहीं करना चाहते हैं, तो इस चातुर्मास को अच्छे से बिताएं?। धर्म में बताए गए नियम-धर्मों का पालन करें। अपने तन का विकास होना चाहिए। अपने भावों में सुधार होना चाहिए। अपना व्यवहार बेहतर होना चाहिए। अपना पूरा व्यक्तित्व बदल जाना चाहिए। जिस तरह योद्धा जब मैदान में उतरता है, तो तीर-भाला सब लेकर उतरता है। उसे पता है कि कुछ भी परिस्थिति आ सकती है। वो खुद को उसी हिसाब से तैयार करता है। ऐसे ही हमें भी अपनी पूरी तैयारी के साथ चातुर्मास में उतरना है। अपने जिन कर्तव्यों की विस्मृति हो चुकी है, उन्हें फिर स्मृति में लाना है। हम कोई सेठ, पति-पत्नी, पुत्र या पिता नहीं, अभी हम एक श्रावक हैं। जब अपना पद याद रहेगा, तो अपना कर्तव्य याद रहेगा। पद याद नहीं रहेगा, तो कर्तव्य भूल जाएंगे।

श्रावक के जीवन की शुरुआत चरणों में जाने से होगी। यानी वह अपने आप को परमगुणी परमात्मा के चरणों में समर्पित कर दे। अधिकारी के प्रति समर्पित व्यक्ति ही अपनी जिम्मेदारियों को सही तरीके से निभा सकता है। जैसे सांस लेना और भोजन करना जरूरी है, वैसे ही जीवन में देव, गुरु, धर्म जरूरी हैं। इस भाव के साथ जीने लगेंगे, तो ही आपका जीवन सार्थक होगा। परमात्मा से मिलना है तो गुरु का सानिध्य जरूरी है। गुरु ही हैं जो आपको परमात्मा से मिलन करवा सकते हैं, वरना उनसे मिलना बड़ा कठिन है। गुरु पूर्णिमा पर आज सुबह 8.30 बजे से विशेष कार्यक्रम चातुर्मास समिति के प्रचार-प्रसार सचिव चंद्रप्रकाश ललवानी और मनोज लोढ़ा ने बताया कि गुरुवार को गुरु पूर्णिमा के अवसर पर सुबह 8.30 बजे से विशेष कार्यक्रम होगा।

मानव लखवानी ने सीए परीक्षा उत्तीर्ण की

रायपुर, 9 जुलाई (देशबन्धु)। डी.डी. नगर निवासी मानव लखवानी, महेश लखवानी एवं श्रीमती भारती लखवानी के पुत्र हैं उन्होंने प्रतिष्ठित चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए) की परीक्षा उत्तीर्ण (अंक 349/600)कर अपना व डी डी नगर क्षेत्र का नाम रोशन किया है ! मानव लखवानी ने कठिन परिश्रम, अनुशासन और आत्मविश्वास के बल पर यह उपलब्धि हासिल की है। उन्होंने सीए फाइनल परीक्षा सहित सभी परीक्षायें प्रथम बार मे ही उत्तीर्ण की। उनकी इस सफलता पर परिवारजनों, मित्रों, शिक्षकों और क्षेत्रवासियों ने उन्हें बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। मानव ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता, गुरुजनों एवं ईश्वर के आशीर्वाद को दिया।

महापौर और सभापति गुरू पूर्णिमा पर अग्रिम बधाई

रायपुर, 9 जुलाई (देशबन्धु)। राजधानी शहर की प्रथम नागरिक नगर पालिक निगम रायपुर की महापौर श्रीमती मीनल चौबे और नगर पालिक निगम रायपुर के सभापति सूर्यकान्त राठौड़ और संस्कृति विभाग अध्यक्ष अमर गिदवानी ने श्रीगुरू पूर्णिमा दिनांक 10 जुलाई 2025 गुरूवार के अवसर पर समस्त नगरवासियों को अग्रिम हार्दिक शुभकामनायें दी है।

महापौर श्रीमती मीनल चौबे और सभापति सूर्यकान्त राठौड़ और संस्कृति विभाग अध्यक्ष अमर गिदवानी ने कहा कि सम्पूर्ण भारत वर्ष में प्राचीन युग से ही प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में श्रीगुरूदेव का विशेष स्थान है। महापौर श्रीमती मीनल चौबे और सभापति सूर्यकान्त राठौड़ और संस्कृति विभाग अध्यक्ष अमर गिदवानी ने श्रीगुरू पूर्णिमा के अवसर पर श्रीगुरूदेव के दिव्य श्रीचरणों में समस्त नगरवासियों को जीवन में सुख, समृद्धि, स्वास्थ्य और शान्ति प्रदान करने की विनम्र प्रार्थना की है। महापौर श्रीमती मीनल चौबे और सभापति सूर्यकान्त राठौड़ और संस्कृति विभाग अध्यक्ष अमर गिदवानी ने समस्त नगरवासियों से राष्ट्रीय स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 के अंतर्गत अपने मोबाइल पर स्वच्छता एप डाउनलोड करके रायपुर नगर को श्रेष्ठ स्वच्छत्ता रैंकिंग दिलवाने हेतु सक्रिय सहभागिता दर्ज करवाने अधिक से अधिक संख्या में शीघ्र स्वच्छता फीडबेक देने

गुरुपूर्णिमा पर चमत्कारी श्री जिनकुशल सूरि जैन दादाबाड़ी , भैरव सोसायटी में महापूजन व गुरुभक्ति

रायपुर, 9 जुलाई (देशबन्धु)।खरतरगच्छाधिपति आचार्य भगवंत श्री जिनमणिप्रभ सूरीश्वर जी द्वारा प्रतिष्ठित चमत्कारी श्री जिनकुशल सूरि जैन दादाबाड़ी , भैरव सोसायटी में गुरुपूर्णिमा महोत्सव धूमधाम व श्रध्दापूर्वक मनाया जाएगा । श्री सीमंधर स्वामी जैन मंदिर व दादाबाड़ी ट्रस्ट के अध्यक्ष संतोष बैद व महासचिव महेन्द्र कोचर ने बताया कि प्रात: 6 बजे स्नात्र महोत्सव से गुरुपूर्णिमा महोत्सव का आरम्भ होगा ।सैकड़ों बच्चों व श्रावक श्राविकाओं द्वारा अष्टप्रकारी पूजा , गुरुवंदना पश्चात 9 . 30 बजे से दादागुरुदेव की बड़ी पूजा में गुरु गुणानुवाद किया जावेगा । दादागुरुदेव की बड़ी पूजा के लाभार्थी श्रीमति पुष्पादेवी मनोज कविता कोठारी , पदमचंद पंकज नीलेश गोलछा , प्रवीण संजय विनीत कोठारी , महेन्द्र कुमार तरुण कुमार मानस गौरव कल्प कोचर , श्रीमती शोभा बोथरा , पदमचंद मनीष बरड़िया मुंबई , वर्तिका वर्धमान वैभव चोपड़ा , अनमोल ममता दर्श जैन , जयचंद रमेश मोहन बच्छावत , बसंत जितेन्द्र नाहर , गौतम चंद डॉ अंशुल बरड़िया , गुमान चंद सुरेश झाबक , करणमल संपतलाल घीया , गुलाब चंद सोहन लाल टीकम जी गोलछा , संतोष सरला बैद , मोहन लाल नवीन नमित भन्साली , अशोक अरुणा अमित कोठारी , अशोक किशोर झाबक , मनोहरमल पुगलिया , मंजू महेन्द्र मयंक पूजा कोठारी , राजेश करुणा सिंघी , प्रकाश चंद प्रदीप बरमट , प्रवीण पीयूष गोलछा , धीरेन्द्र सेठ , जीवनलाल डॉ योगेश बंगानी , रीता देवी आनन्द सिसोदिया व गुरुभक्त परिवार हैं । गुरुदेव की छतरी को सुगंधित पुष्प से सजाया जावेगा । मंजू कोठारी व दीप्ति बैद ने बताया कि रात्रि में खरतरगच्छ महिला परिषद , श्री सीमंधर महिला मण्डल व गुरुभक्तों द्वारा चारों दादागुरुदेव को समर्पित भक्ति की जावेगी ।

9 ईनामी सहित 12 नक्सलियों ने चुनी शांति और विकास की राह

दंतेवाड़ा, 9 जुलाई (देशबन्धु)।केन्द्र और प्रदेश सरकार द्वारा नक्सल मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान के लिए जारी संकल्प के बीच दंतेवाड़ा पुलिस ने आज अपना निर्णायक योगदान दिया। नक्सलियों की घर वापसी के लिए चलाए जा रहे लोन वर्राटू अभियान के तहत आज 8 लाख के ईनामी सहित 12 नक्सलियों ने आत्म समर्पण किया। इसके साथ ही अभियान के अंतर्गत समर्पित नक्सलियों की संख्या 1 हजार पार हो गई। इस मौके पर एसपी गौरव राय और उनके सहयोगी अफसरों ने समर्पित नक्सलियों के साथ मिलकर केक काटा और नव जीवन की शुरूआत की खुशियां मनायी।

सरकार ने मार्च 2026 तक नक्सलियों के खात्मे की डेड लाईन जारी की है। इसके तहत मुठभेड़, गिरफ्तारी और समर्पण तीनों ही मोर्चो पर सुरक्षा बल बेहतर काम कर रहे हैं। नक्सलियों को हिंसा का रास्ता छोड़कर मुख्य धारा में शामिल होने की अपील भी की जा रही है। प्रदेश सरकार की बेहतर पुनर्वास नीति का ही यह परिणाम है कि हिंसा छोड़ नक्सली आत्म समर्पण कर रहे हैं। दंतेवाड़ा के तत्कालीन पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक पल्लव ने समर्पण के लिए एक नये अभियान की शुरूआत की थी, जिसे लोन वर्राटू यानि घर वापसी नाम दिया गया। इस अभियान के तहत अब तक 1005 नक्सलियों ने आत्म समर्पण किया है, जिसमें 249 ईनामी हैं। इन 249 नक्सलियों पर कुल 4 करोड़ 96 लाख 50 हजार ईनाम राशि भी घोषित थी। अभियान के तहत 813 पुरूष और 192 महिला नक्सलियों ने समर्पण किया। वर्षवार आंकड़ों की बात करें तो सबसे ज्यादा 2021 में 255, 2024 में 236, वर्ष 2020 में 225, 2025 में 116, 2022 में 88 और वर्ष 2023 में 85 नक्सलियों ने हिंसा की राह छोड़ी।

समर्पित नक्सलियों में 17 आठ लाख के ईनामी, 18 पांच लाख के ईनामी, 19 तीन लाख के ईनामी, 23 दो लाख के ईनामी, 163 एक लाख के ईनामी और 50 हजार के ईनामी 9 नक्सलियों ने आत्म समर्पण किया। ये समर्पित नक्सली अपने गांव अथवा लोन वर्राटू हब में अपना खुशहाल जीवन जी रहे हैं। इन्हें इनकी रूचि के मुताबिक रोजगार उपलब्ध कराने कौशल प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है। आर्थिक सहायता, आवास, सुरक्षा और पुनर्वास की समुचित व्यवस्था भी की गई है। प्रदेश सरकार के संकल्प के अनुरूप दंतेवाड़ा पुलिस और जिला प्रशासन शांति और विकास के दोहरे लक्ष्य के लिए प्रतिबद्ध है। नक्सलियों से एक बार पुन: समाज की मुख्यधारा में शामिल होने की अपील करते हुए संवाद, अवसर और संवेदना के माध्यम से नये जीवन के लिए समर्पण करने का आग्रह किया गया है। लोन वर्राटू अभियान के तहत समर्पित नक्सलियों में दंतेवाड़ा के साथ ही सीमावर्ती जिले सुकमा, बीजापुर और नारायणपुर के नक्सलियों ने भी दंतेवाड़ा आकर आत्म समर्पण किया, जो सरकार और पुलिस तथा जिला प्रशासन के प्रति बढ़ते विश्वास का प्रतीक भी है।

विशेष प्लेसमेंट कैंप में दिव्यांगजनों को रोजगार का मिला अवसर

रायपुर, 09 जुलाई 2025/ विशेष रोजगार कार्यालय, रायपुर द्वारा 07 जुलाई 2025 को शासकीय आई.टी.आई., विधानसभा रोड, सड्डू रायपुर में मेगा प्लेसमेंट कैंप का आयोजन किया गया जिसमें 43 अभ्यर्थियों का चयन किया गया एवं 6 अभ्यर्थियों को आयोजन स्थल पर ही ऑफर लेटर प्रदान किया गया ।इस प्लेसमेंट कैंप में रोटोकास्ट इंडस्ट्रीज, रियल इस्पात पॉवर लिमिटेड, रामा उद्योग प्रा. लि., टचस्टोन सर्विसेज प्रा. लि., सौरभ रोलिंग मिल प्रा. लि., अग्रवाल चैनल प्रा. लि., भवानी प्रा. लि., रायपुर, तिरुथाला केमिकल प्रा. लि., शांता टेक्नो प्रा. लि., जीम इंको प्रा. लि., रिबाउंस एलएलपी, और वीस्नेपवू रायपुर जैसी कई कंपनियाँ शामिल हुईं। इन कंपनियों ने विभिन्न पदों के लिए 43 दिव्यांग अभ्यर्थियों का प्रारंभिक रूप से चयन किया। वहीं, प्लेसमेंट स्थल पर ही 6 अभ्यर्थियों को ऑफर लेटर भी सौंपे गए, जिसमें कमलेश्वरी साहू, त्र्यंबक सोनी,पुर्णांक चंद्राकार, और राजेन्द्र कुमार शामिल है। इसके अतिरिक्त, अलर्ट ए.एस.जी. लिमिटेड द्वारा 8 दिव्यांगजनों को कमीशन पर एजेंट के रूप में कार्य करने का अवसर प्रदान किया गया। राज्य सरकार और जिला प्रशासन द्वारा युवाओं एवं दिव्यांगजनों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने हेतु समय-समय पर इस प्रकार के प्लेसमेंट कैंप आयोजित किए जा रहे हैं, जिससे उन्हें आत्मनिर्भर बनने में सहायता मिल रही है।

देशभर में जैन चातुर्मास में 2000 करोड़ होते हैं खर्च , जैन संवेदना ट्रस्ट का आव्हान 10 प्रतिशत लगे साधर्मिक उत्थान में

जैन संवेदना ट्रस्ट का मानव सेवा : मानव कल्याण का चातुर्मास

रायपुर, 9 जुलाई (देशबन्धु)। जैन संवेदना ट्रस्ट इस वर्ष जीवदया , मानव कल्याण व साधर्मिक भक्ति का चातुर्मास मनाएगा । महेन्द्र कोचर व विजय चोपड़ा ने बताया कि जियो और जीने दो भगवान महावीर स्वामी ने मूलमंत्र विश्व को दिया है । चातुर्मास काल में दया करूणा अहिंसा भाईचारा के गुणों का हमारे जीवन में विकास होना चाहिये ।जैन संवेदना ट्रस्ट ने साधर्मिक भक्ति जागरूकता अभियान चलाने का निर्णय किया है ।ट्रस्ट का मानना है कि पूरे देशभर में चातुर्मास में प्रत्यक्ष व परोक्ष रूप से अनुमानित 2000 करोड़ रुपये खर्च होते हैं । जैन संवेदना ट्रस्ट चातुर्मास समितियों से पत्र लिखकर आग्रह करेगा कि इस खर्च में 10 प्रतिशत की कटौती कर उस बचत राशि का साधर्मिक भाई बहनों के व्यवसायिक व सामाजिक उत्थान में सहयोग करे । जैन संवेदना ट्रस्ट चातुर्मास में मूक पशु पक्षियों की सेवा , मानव सेवा के अंतर्गत श्रवण यन्त्र , कृत्रिम हाथ , कैलिपर्स , वैशाखी , बी पी नापने की मशीन , शुगर टेस्टिंग मशीन का नि:शुल्क वितरण तथा मानव कल्याण में साधर्मिक भाई बहनों के स्वावलंबी जीवन , व्यवसायिक उत्थान व विवाह योजना पर कार्य करेंगे । जैन संवेदना ट्रस्ट के महेन्द्र कोचर व विजय चोपड़ा ने इस अवसर पर कहा कि मानवता की सेवा जीवन का सर्वोत्तम कार्य है । जीवन भर सुनने के बाद जब बुढ़ापे में कम सुनाई देने लगता है तो बड़ी समस्या पैदा हो जाती है । इस वक्त श्रवण यन्त्र ही बड़ा सहारा होता है ।जैन संवेदना ट्रस्ट द्वारा गूंगे बहरे लोगों का परीक्षण कर श्रवण यंत्र का वितरण किया जावेगा ।जैन संवेदना ट्रस्ट के चन्द्रेश शाह व महावीर कोचर ने बताया कि चातुर्मास में बुजुर्गों व बच्चों को श्रवण यन्त्र , कृत्रिम हाथ , जयपुर पैर कैलिपर्स बैशाखियों का वितरण व साधर्मिक परिवारों को बी पी शुगर मशीनों का सहयोग किया जावेगा ।

खड़गे के बयान पर मंत्री कश्यप का पलटवार शेर की दहाड़ से सियार भागते हैं

रायपुर, 9 जुलाई (देशबन्धु)। खड़गे के बयान पर मंत्री कश्यप का करारा पलटवार, कहा शेर के दहाड़ने से सियार भागते है,सियारो के चिल्लाने से शेर नहीं भागते, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के दृढ़ इच्छा शक्ति से नकसलवाद अपनी अंतिम सांसें गिन रहा है। छत्तीसगढ़ में भाजपा का सरकार बने लगभग डेढ़ साल होने को है और प्रदेश के दो प्रमुख राष्ट्रीय पार्टी भाजपा एवं कांग्रेस दोनों ही पार्टी द्वारा एक दूसरे के नेताओं के खिलाफ बयान बाजी जारी है। इसी क्रम में वन एवं सहकारिता मंत्री केदार कश्यप ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के छत्तीसगढ़ दौरों पर उठाए गए सवाल को कांग्रेस की स्तरहीन और ओछी राजनीतिक सोच का परिचायक बताया है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री जैसी जिम्मेदारी का निर्वहन कर रहे शाह को देश के विभिन्न क्षेत्रों में बार-बार प्रवास करना होता है और छत्तीसगढ़ में चूंकि नक्सली उन्मूलन का अभियान चल रहा है इसलिए उसकी रणनीतिक समीक्षा के लिए शाह छत्तीसगढ़ आ रहे हैं तो खड़गे के पेट में एकाएक मरोड़ क्यों उठ गया? जिस तरह प्रदेश के कांग्रेस नेता नक्सलियों के समर्थन में बयानबाजी करते रहते हैं, क्या यह सवाल पूछकर खड़गे भी 'नक्सलियों से भाईचारा निभानन की कांग्रेसी परंपरा' का निर्वहन कर रहे हैं? उन्होंने कहा कि कांग्रेसियों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का इस कदर फोबिया हो गया है कि सोते जागते कांग्रेसी उनकी स्तरहीन आलोचना करते हैं और गाहे- बगाहे उनके हर काम पर सवाल उठाकर अपने गर्हित इरादों का प्रदर्शन करते रहते हैं।

मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह छत्तीसगढ़ प्रदेश को नक्सली मुक्त करने की दृढ़ इच्छा शक्ति से काम कर रहे हैं और उनकी इन्हीं इच्छा शक्ति की वजह से छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद अपनी अंतिम सांसे गिन रहा है जो कांग्रेस पार्टी के नेताओं को हजम नहीं हो रहा है जिसके चलते कांग्रेस के प्रदेश से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक के नेता केंद्रीय गृह मंत्री श्री शाह के लिए इस तरह की स्तरहीन अनर्गल बयानबाजी हमेशा करते रहते है। मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि शेर के दहाड़ने से सियार भाग जाते हैं। केंद्रीय गृह मंत्री शाह शेर की तरह निर्भीक होकर कार्य कर रहे हैं

जीवनशैली और खानपान में छोटा सा बदलाव बचा सकता है ह्रदयरोग से

पॉवर कंपनी में हुआ ह्रदयरोग पर हुआ हेल्थ टॉक

रायपुर, 9 जुलाई (देशबन्धु)। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज़ में ह्रदय रोग पर विशेष हेल्थ टॉक का आयोजन किया गया। अतिथि वक्ता कार्डियोलाजिस्ट डॉ. स्नेहिल गोस्वामी ने कहा कि हम अपनी जीवनशैली पर ध्यान नहीं देते हैं और न ही खानपान पर। इनमें छोटे-छोटे बदलाव करके हम ह्रदय रोग जैसे बड़े नुकसान से बच सकते हैं। इस अवसर पर प्रबंध निदेशकगण सर्वश्री एसके कटियार एवं राजेश कुमार शुक्ला विशेष रूप से उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी के मानव संसाधन विभाग ने इस हेल्थ टॉक का आयोजन डंगनिया मुख्यालय स्थित विद्युत सेवाभवन में किया। प्रबंध निदेशक (पारेषण) श्री आरके शुक्ला ने इस आयोजन को उपयोगी बताया और कहा कि इसमें जो स्वास्थ्य संबंधी टिप्स बताये गए हैं, हम उनका पालन करें तो अपने स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रख सकते हैं। प्रबंध निदेशक (उत्पादन) श्री एसके कटियार ने कहा कि आज युवाओं में स्वास्थ्य को लेकर अधिक चिंता रहती है, परन्तु हम सोशल मीडिया पर सतही ज्ञान को आधार मान लेते हैं, इनसे सावधान रहते हुए वैज्ञानिक सोच के आधार पर चीजों को समझने की जरूरत है। इसके पूर्व मानव संसाधन विभाग के मुख्य अभियंता श्री एएम परियल एवं अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री विनोद अग्रवाल ने अतिथियों का स्वागत किया।

एनएचएमएमआई के कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. स्नेहिल गोस्वामी ने बताया कि 1980 के दशक में भारत में बीपी से केवल चार प्रतिशत और शुगर से केवल नौ प्रतिशत लोग ही पीड़ित थे, आज यह प्रतिशत 30 प्रतिशत से अधिक हो गई है। चीन और अमेरिका से भी अधिक मरीज हमारे यहां हो गए हैं। इसका कारण है हमारी बिगड़ी हुई जीवनशैली और खानपान। उन्होंने बताया कि पुरूषों के कमर में बेल्ट की साइज 102 सेमी और महिलाओं की 80 सेमी से अधिक है तो उन्हें सजग हो जाना चाहिए। हमारे खानपान में फास्टफूड और तेल से बनी हुई चीजें अधिक हो रही हैं, जिनसे हमारे शरीर में वसा की मात्रा बढ़ती जा रही है। इसलिए सजगता से हमें अपनी जीवनचर्या पर ध्यान देना चाहिए। हमारे आसपास मिलने वाली भाजियों से लेकर अरहर दाल, फल और सब्जियों के सेवन से हम अपना स्वास्थ्य बेहतर रख सकते हैं। योग अभ्यास, प्राणायाम से हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है, इसके लिए हमें नियमित डेढ़ घंटे का समय निकालना चाहिए। प्रबंध निदेशकों ने अंत में वक्ता डॉ. गोस्वामी को स्मृति चिन्ह भेंट किया। कार्यक्रम का संचालन प्रबंधक (जनसंपर्क) श्री गोविन्द पटेल ने एवं आभार प्रदर्शन अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री विनोद कुमार अग्रवाल ने किया।

छत्तीसगढ़ में पहली बार आयोजित होगा डीजी, आईजी सम्मेलन

रायपुर, 9 जुलाई (देशबन्धु)। इस बार छत्तीसगढ़ में राष्ट्रीय DG, IG सम्मेलन होने जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस सम्मेलन की अध्यक्षता करेंगे। इस साल के दिसंबर महीने में सम्मेलन का आयोजन होगा। नया रायपुर स्थित इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट (IIM) में इसका आयोजन संभावित है। यह पहली बार होगा जब छत्तीसगढ़ इस बड़े सम्मेलन की मेजबानी करेगा। पुलिसिंग को स्मार्ट करने और पुलिसिंग में आने वाली समस्याओं और समाधानों पर चर्चा की जाएगी।

राष्ट्रीय DG, IG सम्मेलन में देश के सभी DG और IG रैंक के अधिकारी सिरकत करेंगे। तीन दिनों के इस सम्मेलन में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार, गृह राज्य मंत्री, राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों के डीजीपी और केंद्रीय पुलिस संगठन के प्रमुख भी शामिल होंगे।

अपराधों को लेकर होगी समीक्षा

राष्ट्रीय DG, IG सम्मेलन में प्रधानमंत्री सभी राज्यों के पुलिस बलों के प्रमुख और अन्य केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियां मौजूदा और उभरती राष्ट्रीय सुरक्षा चुनौतियों का मुकाबला करने के लिए रोडमैप तैयार करने के उद्देश्य से विभिन्न पहलुओं पर विचार-विमर्श किया जाएगा। इन चुनौतियों में वामपंथी उग्रवाद, तटीय सुरक्षा, नारकोटिक्स, साइबर अपराध और आर्थिक सुरक्षा शामिल हैं। रिपोर्ट के मुताबिक प्रतिनिधि अपने-अपने राज्यों में नए आपराधिक कानूनों और पहलों, और पुलिसिंग में सर्वोत्तम प्रथाओं के कार्यान्वयन में प्रगति की समीक्षा की जाएगी।

पीएम करेंगे अध्यक्षता अहम बातों पर होगी चर्चा

स्मार्ट पुलिसिंग पर होगी चर्चा

प्रधानमंत्री मोदी स्मार्ट' पुलिसिंग के पुलिस से रणनीतिक, सतर्क, अनुकूलनीय, विश्वसनीय और पारदर्शी बनाने पर भी चर्चा करेंगे। 'स्मार्ट' पुलिसिंग का यह विचार प्रधानमंत्री मोदी ने 2014 में गुवाहाटी में आयोजित सम्मेलन में पेश किया था। इसमें भारतीय पुलिस को सख्त और संवेदनशील, आधुनिक और मोबाइल, सतर्क और जवाबदेह, विश्वसनीय और उत्तरदायी, तकनीक-प्रेमी और प्रशिक्षित (स्मार्ट) बनाने के लिए प्रणालीगत बदलाव की परिकल्पना की गई है।

पुलिसिंग में एआई के इस्तेमाल पर चर्चा

पुलिसिंग में आर्टिफीशियल इंटेलिजेंस के उपयोग पर भी चर्चा की जाएगी। कई राज्यों में अपराधियों को पकड़ने के लिए ‚ढ्ढ का इस्तेमाल किया जा रहा है। अन्य राज्यों में भी‚ढ्ढ के इस्तेमाल से पुलिसिंग को स्मार्ट बनाने के लिए चर्चा की जा सकती है। अभी दिल्ली पुलिस अपराधियों को पकड़ने के लिए फेस रिकग्निशन सिस्टम (FRS) तकनीक का उपयोग कर रही है, जिसमें 3 लाख से अधिक अपराधियों का डेटाबेस है और यह मास्क पहने चेहरों को भी पहचान सकता है। अन्य राज्यों जैसे बरेली, कानपुर और गुजरात में भी पुलिस ‚ढ्ढ का इस्तेमाल कर रही है। उधर गुरुग्राम पुलिस ने थानों में फीडबैक के लिए QR कोड सिस्टम शुरू किया है।

इस बार छत्तीसगढ़ करेगा मेजबानी

राष्ट्रीय DG, IG सम्मेलन देश के असम, गुजरात, तेलंगाना, मध्य प्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र उत्तर प्रदेश, राजस्थान और उड़ीसा में आयोजित किया जा चुका है। अब छत्तीसगढ़ को सम्मेलन आयोजित करने का मौका मिला है। दिसंबर 2025 में इस सम्मेलन का आयोजन इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट (IIM) में संभावित है।

गोल्ड जिम में लगी भीषण आग

रायपुर, 9 जुलाई (देशबन्धु)। राजधानी रायपुर से बड़ी खबर सामने आ रही है, यहां तेलीबांधा तालाब के सामने गोल्ड जिम में भीषण आग लग गई. लोगों ने जब धुंआ उठते देखा तो तत्काल फायर ब्रिगेड को सूचना दी गई. मौके पर पहुंचकर फायर फाइटर्स ने आग पर काबू पाया लिया है.

जाता है कि, राजधानी रायपुर के तेलीबांधा तालाब के सामने गोल्ड जिम में तड़के सुबह आग लग गई. देखते ही देखते आग बढ़ती गई और काला धुंआ उठने लगा. मॉर्निंग वॉक पर निकले लोगों ने धुंआ उठते देखा. मौके पर पहुंची दमकल की गाड़ी ने आग पर काबू पाया, जिससे बड़ा हादसा होने से बच गया.

फ़िलहाल जिम में आग लगने की वजह सामने नहीं आई है, लेकिन शार्ट सर्किट की वजह से आग लगने की आशंका जताई जा रही

रेलवे अंडरब्रिज बना स्विमिंग पूल

रायपुर, 9 जुलाई (देशबन्धु)। रायपुर में लगातार तीन दिनों से बारिश का सिलसिला जारी है। बारिश ने रायपुर के गुढ़ियारी स्थित रेलवे अंडरब्रिज की पोल खोल दी है। चलने वाले और साइकिल सवार को मजबूरी में अंडरब्रिज के ऊपर से रेलवे पटरी पार करनी पड़ रही हैण्जिससे बड़ी दुर्घटना की आशंका बन गई है।

नाबालिग के साथ अनाचार आरोपी को जेल

रायपुर, 9 जुलाई (देशबन्धु)। पीडिता के साथ आरोपी शेख शाहरूख पिता शेख कादर उम्र 28 साल निवासी ईदगाहभाठा मुस्लिम हाल के पीछे थाना आजाद चौक रायपुर द्वारा घटना स्थल विवेकानंद आश्रम के पीछे एक साल पूर्व से अवैध रूप से शादी कर शारीरिक संबंध स्थापित किया जिस पर से धारा 64;2 एवं 6 पाक्सो एक्ट पंजीबध्द कर विवेचना मे लिया गया थाना आजाद चौक पुलिस द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए आरोपी शेख शाखरूख को गिरफ्तार कर आज न्यायिक रिमाण्ड पर भेजा गया है।

बूथ से लेकर प्रदेश तक होगा छत्तीसगढ़ कांग्रेस में बदलाव

रायपुर, 9 जुलाई (देशबन्धु)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के दौरे से उत्साहित कांग्रेस जल्द ही अपने संगठन में बड़ा बदलाव करने जा रही है अगले तीन महीने के भीतर कांग्रेस बूथ से लेकर प्रदेश स्तर तक अहम बदलाव करेगी। इसी के साथ अब यह भी स्पष्ट हो गया है कि कांग्रेस के जिला अध्यक्षों की नियुक्तियां भी संगठन सृजन कार्यक्रम के तहत होगी। छत्तीसगढ़ कांग्रेस में लंबे समय से बदलाव को लेकर चर्चाएं तेज है कई बार सियासी उठापटक के बावजूद लंबे समय से जमे नेताओं को हटाने और नए चेहरों को लाने की कवायद पूरी नहीं हो सकी एअब कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने पीसीसी के इस प्रस्ताव को हरी झंडी दे दी है। सितंबर 2025 यानी तीन महीने के भीतर कांग्रेस को बूथ मंडल ब्लॉक और जिला स्तर पर बदलाव करना होगा। बदलाव की जद में जिला अध्यक्ष भी आएंगे।

जिला अध्यक्षों की नियुक्ति नेताओं की सिफारिश के आधार पर नहीं : अब यह भी स्पष्ट हो गया है कि जिला अध्यक्षों की नियुक्ति नेताओं की सिफारिश के आधार पर नहीं। संगठन सृजन कार्यक्रम के तहत की जाएगी। तीन महीने में ऐसे बदलाव होगा। पहले बूथ मंडल ब्लॉक जिला स्तर पर नई टीम का गठन होगा। लंबे समय से जमे पदाधिकारियों के स्थान पर नए चेहरों को मौका दिया जाएगा। अच्छा काम करने वाले पदाधिकारियों को प्रमोशन दिया जाएगा। सभी जिलों में अध्यक्षों की नियुक्ति संगठन सृजन कार्यक्रम के तहत होगी। एआईसीसी के ऑब्जर्वर आकर राय मशविरा कर अपनी रिपोर्ट सौंपेंगे। ऑब्जर्वर्स की रिपोर्ट के आधार पर एआईसीसी अध्यक्षों की नियुक्ति करेगी। हटाए गए जिला अध्यक्षों को पीसीसी में स्थान दिया जा सकता है। जिला अध्यक्षों की नियुक्ति में एसटी एससी ओबीसी का भी रखा जाएगा ध्यान। छत्तीसगढ़ कांग्रेस में लंबे समय से बदलाव की चर्चा है। लेकिन इस बार बदलाव के प्रस्ताव को राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल और प्रभारी सचिव सचिन पायलट ने एक साथ मंजूरी दी है। इस पर पीसीसी चीफदीपक बैज का कहना है पार्टी तीन महीने के भीतर बदलाव की प्रक्रिया को पूरी कर लेगी। इससे कांग्रेस को धरातल पर मजबूती मिलेगी।

जिलाध्यक्षों का चयन के लिए भी बदले नियम

बदलाव की प्रक्रिया पर भाजपा ने कसा तंज : कांग्रेस के भीतर बदलाव की प्रक्रिया पर अब भाजपा तंज कसती नजर आ रही है। भाजपा के प्रदेश महामंत्री संजय श्रीवास्तव का कहना है कि कांग्रेस अपना बैकलॉग पूरा करेगी वैसे कांग्रेस के किसी भी परिवर्तन से भाजपा को कोई फर्क नहीं पड़ने वाला है। छत्तीसगढ़ कांग्रेस में बदलाव के लिए पीसीसी ने पहले ही काफी तैयारियां की हैं लेकिन अब एआईसीसी के नए फॉर्मूले के तहत बूथ के साथ मंडल और ब्लॉक स्तर पर भी नियुक्तियां होंगी। अब देखना यह होगा कि किसका प्रमोशन होता है और किसका किस्सा खत्म होता है।

आबकारी घोटाला मामला

22 आबकारी अधिकारियों को निलंबित करने की तैयारी

रायपुर, 9 जुलाई (देशबन्धु)। छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित 2174 करोड़ रुपये के शराब घोटाले मामले में 29 आबकारी अधिकारियों के खिलाफआर्थिक अपराध अन्वेषण शाखा ने विशेष कोर्ट में करीब 2300 पन्नों का चालान पेश किया है जिसे कोर्ट ने स्वीकार कर लिया है। अब इस मामले में राज्य सरकार 22 आबकारी अधिकारियों के खिलाफबड़ी कार्रवाई करते हुए निलंबित कर सकती है।

नोटिस के बाद भी पेश नहीं हुए आरोपी : शराब घोटाले के इस मामले में 29 आरोपियों को ईओडब्लू की ओर से समन जारी किया गया था लेकिन गिरफ़्तारी के डर से कोई भी आरोपी कोर्ट में पेश नहीं हुए। अब अदालत इन सभी आरोपियों को 20 अगस्त तक पेश होने के लिए नोटिस जारी किया है।

इन 22 अधिकारियों पर लटकी निलंबन की तलवार : जनार्दन कौरव पिता पंचम सिंह, उम्र 50 वर्ष, सहायक जिला आबकारी अधिकारी। अनिमेष नेताम, पिता आनंद नेताम, उम्र 49 वर्ष, उपायुक्त आबकारी। विजय सेन शर्मा पिता पीसी सेन शर्मा उम्र 48 वर्ष उपायुक्त आबकारी। अरविंद कुमार पाटले पिता नेवल सिंह पाटले, उम्र 49 वर्ष, उपायुक्त आबकारी। प्रमोद कुमार नेताम,पिता स्व श्याम लाल नेताम उम्र 60 वर्षए सहायक आयुक्त आबकारी। रामकृष्ण मिश्रा, पिता शैलेन्द्र मिश्राए उम्र 36 वर्ष सहायक आयुक्त आबकारी।,विकास कुमार गोस्वामी पिता विनोद गोस्वाम उम्र 44 वर्ष सहायक आयुक्त आबकारी। इकबाल खान पिता महूम मोहम्मद स्माईल खान उम्र 56 वर्ष जिला आबकारी अधिकारी। नितिन खंडुजा पिता रवीन्द्र खंडुजा उम्र 53 वर्ष सहायक जिला आबकारी अधिकारी। नवीन प्रताप सिंग तोमर पिता भगवान सिंह तोमर उम्र 43 वर्ष सहायक आयुक्त आबकारी। मंजुश्री कसेर पति रामचन्द्र सारस उम्र 47 वर्ष सहायक आबकारी अधिकारी।,सौरभ बख्शी पिता राजीव बख्शी उम्र 41 वर्ष सहायक आयुक्त आबकारी। दिनकर वासनिक पिता डॉ पीएल वासनिक उम्र 42 वर्ष सहायक आयुक्त आबकारी। मोहित कुमार जायसवाल पिता रामलाल जायसवाल उम्र 46 वर्ष अधिकारी जिला आबकारी। नीतू नोतानी ठाकुर पति मोहन दास नोतानी उम्र 45 वर्ष उपायुक्त आबकारी। गरीबपाल सिंह दर्दी पिता दिलबाग सिंह दर्दी उम्र 59 वर्ष जिला आबकारी अधिकारी। नोहर सिंह ठाकुर पिता गौतम सिंह ठाकुर उम्र 45 वर्ष उपायुक्त आबकारी। सोनल नेताम पिता एम एस नेताम उम्र 36 वर्ष सहायक आयुक्तए आबकारी। प्रकाश पाल पिता सपन कुमार पाल उम्र 44 वर्ष सहायक आयुक्त आबकारी। अलेख राम सिदार पिता मुरलीधर सिदार उम्र 34 वर्ष सहायक आयुक्त आबकारी। आशीष कोसम पिता बृजलाल कोसम उम्र 50 वर्ष सहायक आयुक्त आबकारी ,राजेश जायसवाल पिता हरीप्रसाद जायसवाल उम्र 42 वर्ष सहायक आयुक्त आबकारी।

रिटायर होने की वजह से इन अधिकारियों को नहीं किया जाएगा सस्पेंड : ए के सिंग पिता अखिलेश्वर सिंह उम्र 62 वर्ष जिला आबकारी अधिकारी सेवानिवृत्त ,जे आर मंडावी पिता नंदलाल मंडावी उम्र 64 वर्ष जला आबकारी अधिकारी ;सेवानिवृत्त ,जी एस नुरूटी पिता दयाराम नुरूटी उम्र 63 वर्ष सहायक आयुक्त आबकारी सेवानिवृत्त ,देवलाल वैष पिता स्व गोवर्धन सिंह वैध उम्र 63 वर्ष जिला आबकारी अधिकारी सेवानिवृत्त,ए के अनंत पिता आशाराम अंनत उम्र 65 वर्ष जिला आबकारी अधिकारी सेवानिवृत्त, वेदराम लहरे पिता जगत राम लहरे उम्र 66 वर्ष सहायक आयुक्त आबकारी सेवानिवृत्त ,एल एल धुव्र पिता मोतीसिंह धुव्र उम्र 66 वर्ष सहायक आयुक्त आबकारी सेवानिवृत्त

गौरतलब है कि राज्य में शासकीय शराब दुकानों के माध्यम से बी.पार्ट शराब की अवैध बिक्री के खुलासे के बाद आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो और भ्रष्टाचार निवारण ब्यूरो ने इस घोटाले की जांच में बड़ा कदम उठाते हुए चतुर्थ पूरक चालान आज न्यायालय में प्रस्तुत किया है। यह चालान 5 जुलाई को दाखिल किया जाना था लेकिन विशेष न्यायाधीश के अवकाश के चलते इसे आज पेश किया गया।

2174 से बढ़कर 3200 करोड़ का हुआ घोटाला : ईओडब्लू एसीबी द्वारा अब तक की गई जांच और 200 से अधिक व्यक्तियों के बयान एवं डिजिटल साक्ष्यों के आधार पर अनुमान है कि लगभग 60,50,950 पेटी बी.पार्ट शराब की अवैध बिक्री हुई है जिसकी अनुमानित कीमत 2174 करोड़ रुपये से अधिक है। पहले इस घोटाले का अनुमान 2174 करोड़ रुपये था लेकिन नवीनतम आंकड़ों के अनुसार घोटाले की कुल राशि 3200 करोड़ रुपये से अधिक हो सकती है।

अब तक हुई प्रमुख गिरफ्तारियां : इस प्रकरण में अब तक अनिल टुटेजा अनवर ढेबर अरुणपति त्रिपाठी कवासी लखमा विजय भाटिया सहित कुल 13 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। एफआईआर के अनुसार 70 आरोपी नामजद हैं। चतुर्थ पूरक चालान की प्रस्तुति हेतु न्यायालय ने आरोपियों को नोटिस जारी किए थे लेकिन वे न्यायालय में उपस्थित नहीं हुए।

जांच जारी : ईओडब्लू द्वारा अब भी इस मामले की गहन जांच जारी ह जिसमें विदेशी शराब में लिये गये सिंडीकेट कमीशन धन शोधन के नेटवर्क और राज्य स्तरीय समन्वय तंत्र की परतें खोली जा रही हैं।

पूर्व मंत्री को घोटाले में मिले 64 करोड़ रुपए : शराब घोटाला मामले की जांच में अब तक यह सामने आया है कि पूर्व मंत्री कवासी लखमा के संरक्षण में विभागीय अधिकारियोंए सहयोगियों और ठेकेदारों के माध्यम से यह सुनियोजित घोटाला किया गया। इस घोटाले से प्राप्त रकम को व्यक्तिगत और पारिवारिक हितों में खर्च किया गयाए जिससे उन्हें अनुचित आर्थिक लाभ प्राप्त हुआ। अब तक तीन पूरक अभियोग पत्रों सहित कुल चार अभियोग पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किए जा चुके हैं। इस मामले में अब तक 13 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

कुलपति कावरे ने किया पत्रकारिता विवि परिसर का आकस्मिक निरीक्षण

रायपुर, 9 जुलाई (देशबन्धु)। कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय के कुलपति महादेव कावरे (आई.ए.एस.) ने विश्वविद्यालय परिसर का औचक निरीक्षण किया। कुलपति श्री कावरे ने बालक एवं बालिका छात्रावास, मेस एवं कैंटीन, आवासीय परिसर, अतिथि गृह और निर्माणाधीन आडिटोरियम का आकस्मिक निरीक्षण किया। छात्रावास में आवश्यक संधारण एवं बुनियादी सुविधा बढ़ाने के लिए निर्देश दिए।

श्री कावरे ने दोनों छात्रावास भवनों को यूजीसी एवं शासन के निर्देशों एवं आधुनिक मापदंड के अनुरूप उन्नत करने, रिक्रेयेशन हॉल एवं पालकों के लिए सुव्यवस्थित अतिथि कक्ष की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए कहा। उन्होंने बालक एवं बालिका छात्रावास में अतिरिक्त सीटें बढ़ाने का निर्णय लिया। बैडमिंटन कोर्ट की फ्लोरिंग को रिपेयर करने, बॉलीबाल, लॉन टेनिस एवं बॉस्केट बॉल के कोर्ट के लिए स्थान चिन्हित करने के लिए कहा। गार्डन में ओपन जिम विकसित करने एवं खेल विभाग के सहयोग से खेल मैदान की साफ-सफाई एवं खेल सुविधाओं का विकास करने के लिए कहा।

अपने निरीक्षण के दौरान कुलपति महोदय ने पुराने टूटे-फूटे फर्नीचर एवं उपकरणों की यथासंभव रिपेयरिंग एवं अपलेखन का निर्देश दिया। आवश्यक संसाधनों की पूर्ति हेतु नियमानुसार क्रय हेतु संबंधितों को आदेशित किया।

श्री कावरे ने विश्वविद्यालय परिसर में स्वच्छता एवं पर्यावरण जागरूकता अभियान चलाने के लिए छात्रावास प्रभारियों को कहा। छात्रावासों में पर्यावरण समिति बनाकर उद्यानिकी विकसित करने के लिए वन एवं उद्यानिकी विभागों एवं कृषि विश्वविद्यालय के विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में कार्य करने कहा। एनआईटी के आर्किटेक्ट विभाग के शिक्षकों एवं विद्यार्थियों से गार्डनिंग एवं लैंड स्कैपिंग के लिए प्लानिंग कराने में सहयोग लेने के लिए कहा। इसमें स्वयंसेवी, सामाजिक संस्थाओं सहित छत्तीसगढ़ हार्टिकल्चर सोसायटी एवं प्रकृति की ओर जैसी पर्यावरणीय संस्थाओं से अलाभकारी वित्तीय आधार पर सहयोग लेने के लिए कहा। उन्होंने आवासीय परिसर में आवश्यक सिविल वर्क के लिए शीघ्र प्राक्कलन तैयार करने के लिए कहा। अतिथि गृह को अविलंब सुव्यवस्थित कर प्रारंभ करने निर्देश दिए।

विश्वविद्यालय के निर्माणाधीन आडिटोरियम का भी कुलपति श्री कावरे ने निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अधूरे कार्यों को यथाशीघ्र पूर्ण करने पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों को निर्देशित किया। परिसर के मैंटनेंस कार्य को पी. डब्ल्यू. डी. के माध्यम से कराने का निर्णय लिया गया। निरीक्षण के दौरान पी. डब्ल्यू. डी. के कार्यपालन अभियंता अभिनव श्रीवास्तव, कुलसचिव सुनील कुमार शर्मा उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़ के अनिमेष ने 100 मीटर रेस में बनाया राष्ट्रीय रिकॉर्ड

रायपुर, 9 जुलाई (देशबन्धु)। छत्तीसगढ़ के छोटे से गांव से निकलकर यूरोप के ट्रैक तक का सफर तय करने वाले अनिमेष कुजूर इन दिनों देशभर में चर्चा का विषय बने हुए हैं। 5 जुलाई को ग्रीस के वारी शहर में आयोजित ड्रोमिया इंटरनेशनल स्प्रिंट मीट में उन्होंने 100 मीटर दौड़ सिर्फ10.18 सेकंड में पूरी कर भारत का नया रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। हालांकि रेस में अनिमेष तीसरे स्थान पर रहे लेकिन यह प्रदर्शन भारत के लिए ऐतिहासिक साबित हुआ। इससे पहले यह रिकॉर्ड गुरइंदरबीर सिंह के नाम था। उनके आगे इस दौड़ में दक्षिण अफ्रीका के बेंजामिन रिचर्डसन ;10.01 सेकंड और ओमान के अली अल बलूशी ;10.12 सेकंड थे।

छत्तीसगढ़ के जशपुर से यूरोप के ट्रैक तक का सफर : अनिमेष जशपुर जिले के आदिवासी गांव घुइतांगर से ताल्लुक रखते हैं। उनके माता.पिता दोनों छत्तीसगढ़ पुलिस में डीएसपी पद पर कार्यरत हैं। माता.पिता का कहना है कि उन्हें बेटे पर गर्व है और यह सिर्फ शुरुआत है।

सेना में भर्ती होना चाहते थे अनिमेष : सैनिक स्कूल अंबिकापुर से बारहवीं तक की पढ़ाई करने वाले अनिमेष ने कभी नहीं सोचा था कि दौड़ उनका करियर बन जाएगी। उनका सपना था सेना में भर्ती होने का। 2020 में 12वीं पास करने के बाद वे फौज की तैयारी में जुटे थेए लेकिन उसी दौरान फुटबॉल खेलते.खेलते उन्हें रेसिंग का रास्ता मिल गया। कोरोना महामारी का दौरान दोस्तों के कहने पर उन्होंने एक ओपन टूर्नामेंट में 100 मीटर दौड़ में हिस्सा लिया और वहीं से करियर की दिशा बदल गई।

अनिमेष ने बताया कि उन्होंने वहां से अगले टूर्नामेंट में भाग लियाए फिर वहां से और अगले3 इस तरह साल भर में ही मे ही उनकी ज़िंदगी में रेस ने जगह बना ली। और उन्हें दौड़ने में मज़ा आने लगा था।

कोच मार्टिन ओवेंस ने संवारा कैरियर : ओडिशा के रिलायंस फाउंडेशन एथलेटिकस हाई परफॉर्मेंस सेंटर में एक प्रतियोगिता के दौरान कोच मार्टिन ओवेंस की नजर जब अनिमेष पर पड़ी तो उन्होंने उसे ट्रेनिंग के लिए आमंत्रित किया। मार्टिन कहते हैं कि शुरू में अनिमेष की तकनीक में काफी सुधार की जरूरत थी ए लेकिन उसकी गति और जुनून गजब का था। अब उसका नतीजा सामने है।

200 मीटर में भी रचा इतिहास लेकिन रिकॉर्ड दर्ज नहीं : अनिमेष ने पिछले साल स्पेन में 100 मीटर की दौड़ 10.27 सेकंड में पूरी की थीए जो उस समय उनका व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन था। वहीं इस साल जेनेवा मीट में उन्होंने ने 200 मीटर की रेस 20.27 सेकंड में पूरी कीए जो अब तक किसी भारतीय द्वारा दर्ज की गई सबसे तेज़ दौड़ है। हालांकि तकनीकी कारणों से इसे आधिकारिक रिकॉर्ड में शामिल नहीं किया गयाए क्योंकि उस समय हवा की गति तय सीमा ;2 मीटर सेकंड से अधिक थी।

अगला पड़ाव मोनाको की डायमंड लीग : अनिमेष फिलहाल यूरोप दौरे पर हैं और 11 जुलाई को मोनाको में होने वाली डायमंड लीग में हिस्सा लेंगे। कोच मार्टिन का मानना है कि यह प्लेटफॉर्म अनिमेष जैसे युवा खिलाड़ियों को विश्व स्तर के एथलीट्स के साथ दौड़ने का बेहतरीन मौका देगा।

संपादकीय

सफाई के खतरे

सफाई के कामों में कई तरह के खतरे हैं। फिर वह चाहे सीवरेज का हो या कूड़े-कर्कट उठाने का अथवा कुंवों का। गहरे नालों में या खुले में लोग जो गंदगी डालते है, उन्हें एहसास नहीं होता कि वह किस प्रकार से सफाई करने वालों के लिये मौत का सामान तैयार कर रहे हैं। इसके अलावा सफाई करने वाले भी लापरवाहीपूर्वक काम कर अपनी जान को जोखिम में डालते हैं।

बिलासपुर जिले के उनी गांव में कुंवे की सफाई करते हुए पिता-पुत्र मारे गये। सीपत पुलिस के अनुसार कैलाश गोस्वामी जो कि एक ड्राइवर है, के घर में पुराना कुआं है। नौवीं कक्षा में पढ़ने वाले उसके बेटे अंशु ने बताया कि कुंए में सम्भवत: मेंढक मर गया है जिसके कारण भीतर से बदबू आ रही है। इसलिये वह उसे निकालने के लिये जा रहा है। उस वक्त गांव में बिजली बन्द थी। जब वह रस्सी-बालटी से मरे मेंढक को निकाल रहा था तभी बिजली आ गयी और पंप के कारण उसे तगड़ा करंट लग गया। झटका खाकर वह कुएं में गिर पड़ा। उसे गिरता देखकर पिता ने भी छलांग लगा दी। पानी ज्यादा होने से उसकी भी मौत हो गयी।

कुंओं की सफाई वैसे भी खतरे से खाली नहीं रहती। बरसात में सभी वाटर बॉडीज़ के जल का स्तर बढ़ा हुआ होता है, फिर वह चाहे तालाब हो या नदियां अथवा कुएं। एक तो वैसे ही कुएं खत्म हो रहे हैं। जो हैं, उनमें से अब पानी बिजली के पंपों से ही निकाला जाता है। कई बार पानी पंप तक पहुंचने या फिर कुएं की दीवार कच्ची अथवा गीली हो जाने से करेंट फैल जाता है। बरसात ही नहीं, गर्मी के दिनों में भी इनकी सफाई खतरनाक होती है। इस दौरान जल निम्नतम स्तर तक पहुंच जाता है। उनकी सफाई और गहरीकरण के लिये यही समय सर्वाधिक उपयुक्त होता है लेकिन उस समय खतरा भीतर एकत्र जहरीली गैसों का होता है। विभिन्न तरह की विषाक्त गैसें यथा मीथेन, कार्बन डाइऑक्साइड, नाइट्रोजन, हाइड्रोजन सल्फाइड पाई जाती हैं जो जानलेवा होती हैं। बहुत से ग्रामीण अपने कुंओं की सफाई के लिये उतरते हैं और इनका शिकार बन जाते हैं।

शहरों के गंदे पानी के बड़े निकासी वाले नालों, बंद सीवरेज, सेप्टिक टैंकों की सफाई करते हुए भी बड़ी तादाद में लोग मारे जाते हैं। ये निजी नौकर हो सकते हैं या ठेका मजदूर अथवा नगरीय निकायों के कर्मचारी। हर साल देश भर में कई लोगों की सफाई करते हुए मृत्यु होती है। ऐसी साफ-सफाई करने वाले हों या उन्हें काम देने वाले व्यक्ति अथवा संस्थान- सभी इन खतरों से वाकिफ़ हों तथा उनसे उन्हें बचना चाहिये। शहरों की गंदगी भी खतरनाक होती है। इनके ढेरों व नालियों में धातु, कांच, लकड़ी, प्लास्टिक आदि से सफाईकर्मी व कूड़ा बीनने वाले हाथ घायल होते हैं।

उल्टा पुल्टा

पति- सुनो, रात भर मोबाइल चार्जिंग पर मत लगाना, बैटरी फट जाएगी.
पत्नी- आप चिंता ना करें मैं बैटरी निकाल कर चार्जिंग पर लगाऊंगी.
पति की बात सुनकर पतिदेव के दिमाग की बत्ती ही उड़ गई ।

आषाढ़ के अंतिम दिनों में लगातार बारिश से जनजीवन अस्त व्यस्त, प्रशासन अलर्ट

- शहर में निचली बस्तियों, सड़कों में पानी भरा
- बाढ़ से कई गांवों को खतरा
- दुर्ग-भिलाई में जल आपूर्ति कल से प्रभावित

दुर्ग, 9 जुलाई (देशबन्धु)। आषाढ़ के अंतिम चार दिनों में लगातार भारी बारिश के चलते एवं राजनांदगांव क्षेत्र के जलाशयों से लगातार शिवनाथ नदी में पानी छोड़े जाने के कारण दुर्ग में जहां नदी के किनारे के तटीय गांवों में बाढ़ की स्थिति निर्मित हो गई है । पिछली रात लगातार बारिश होने के कारण दुर्ग शहर की नई कालोनियों, गली मोहल्लों पुरानी बसाहट के मोहल्लों के नाले नालियां उफान पर रही व जगह जगह पानी भरा रहा। शिवनाथ नदी के तटवर्ती गांव में भी बाढ़ की स्थिति बनी रहीं। ग्राम थनौद के कछारनाला में एकाएक पानी का प्रवाह तेज हो जाने से भारतमाला प्रोजेक्ट में कार्य कर रहे 32 मजदूर बाढ़ में फंस गये जिन्हें एसडीआरएफ की टीम द्वारा काफी मशक्कत के बाद बाहर निकाला गया। महमरा इंटकवेल में कचरा झिल्ली, जलकुंभी इत्यादि फंस जाने से आज दूसरे दिन भी दुर्ग शहर में जल आपूर्ति प्रभावित रही। एसडीआरएफ की टीम द्वारा इंटकवेल से कचरा निकालने का कार्य लगातार जारी है। लगातार मूसलाधार वर्षा, शिवनाथ नदी में अतिरिक्त पानी छोड़ने से उत्पन्न बाढ़ की स्थिति का निरीक्षण कलेक्टर अभिजीत सिंह एवं महापौर अलका बाघमार ने प्रशासन एवं नगर निगम अधिकारियों की टीम के साथ शिवनाथ नदी सहित विभिन्न स्थानों पर जाकर किया। कलेक्टर एवं महापौर ने इंटकवेल का भी निरीक्षण किया एवं अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिये। एसडीआरएफ की टीम को भी इंकटवेल की सफाई के लिये लगाया गया है। ज्ञातव्य है कि महमरा एनीकेट के इसी इंटकवेल से समूचे दुर्ग भिलाई में पेयजल आपूर्ति की जाती है। जो पिछले दो दिनों से प्रभावित है। भरी बारिश में लाखों लोग पानी के लिये भटक रहे है।

भारतमाला परियोजना में फंसे 32 मजदूरों को बचाया : मोंगरा जलाशय से विगत तीन दिनों से लगातार छोड़े जा रहे पानी के कारण ग्राम थनौद के कछार नाला से भारतमाला हाईवे प्रोजेक्ट में कार्यरत 32 मजदूर बाढ़ में फंस गये। इन मजदूरों को एसडीआरएफ की टीम ने काफी मशक्कत कर बोट से बाहर निकाला और सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया। इसके अलावा अन्य गांव के ग्रामीणों को भी सुरक्षित स्थानों में पहुंचाने की कवायद की जा रही है। गांव गांव में बाढ़ की स्थिति को लेकर मुनादी करा दी गई है। बाढ़ का पानी ग्राम भेड़सर, मालूद, बैलौदी तक भी पहुंचने की खबर है।

लगातार बारिश से शहरी जनजीवन प्रभावित : गत रविवार की रात से कभी तेज तो कभी हल्की वर्षा से दुर्ग शहर का जनजीवन प्रभावित हो रहा था कि गत रात्रि भर चली मूललाधार बारिश से जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हो गया। अधिकांश सड़कों पर पानी भर जाने से लोगों का सड़क पर चलना मुहाल हो गया।

दुर्ग शहर के मध्य पटेल चौक के पास पोस्ट आफिस से लेकर जिला पंचायत तक गौरव पथ पर महिला समृद्धि बाजार तथा विश्वदीप स्कूल एवं शीतला मंदिर जलाराम सांस्कृतिक भवन तक पानी भर जाने यहां रोजाना लगने वाला सब्जी बाजार प्रभावित रहा। सब्जी विक्रेता बाजार से निकलकर सड़क पर आकर दूकान लगाकर व्यवसाय करने लगे। इससे पद्मनाभपुर गौरव पथ मार्ग पर आवागमन प्रभावित होता रहा। जिला पंचायत के सामने पानी भर गया। यही स्थिति कलेक्टर परिसर, साईंस कालेज के पास, शंकर नगर दुर्गा चौक, रेल्वे स्टेशन पार्किंग, फरिश्ता काम्पलेक्स, चौपाटी के पास सहित शहर की अनेक नई-पुरानी कालोनियों में भी पानी भर गया। कई

निगम आयुक्त का फरमान जारी
24 घंटे अलर्ट मोड में रहेंगे अधिकारी-कर्मचारी

दुर्ग, 9 जुलाई (देशबन्धु)। निगम आयुक्त सुमित अग्रवाल ने शहर में अतिवृष्टि एवं बाढ़ नियंत्रण के लिये निगम अधिकारियो एवं कर्मचारियों को विभिन्न दायित्व सौंपा है। आयुक्त ने नियंत्रण कार्य के लिये दो शिफ्ट में ड्यूटी लगायी है और निगम का अमला अतिवृष्टि एवं बाढ़ नियंत्रण के लिये 24 घंटे रोकथाम के उपाय, पानी भराव को रोकने सहित प्रभावितो के आवास की व्यवस्था का कार्य करेगा। आयुक्त श्री अग्रवाल ने बताया कि शहर में अतिवृष्टि एवं बाढ़ नियंत्रण के लिये दिनेश नेताम, कार्यपालन अभियंता, मोवाईल नम्बर.9993321120ए को नाडल अधिकारी नियुक्त किया है।

आयुक्त सुमित अग्रवाल ने सभी अधिकारी/कर्मचारी 24 घण्टे अपना मोबाईल चालू रखने की सख्त हिदायत दी गई। सफाई जोन प्रभारी अपने प्रभार क्षेत्र के सफाई कर्मचारी सहित दोनों पाली में तैनात रहेंगे।

मोबइल नंबर 6261579164 स्वास्थ्य अधिकारी धमेन्द्र मिश्रा, बाढ़ की स्थिति में वैकल्पिक स्थान में ठहराने एवं भोजन की व्यवस्था करेंगे। मोबइल नंबर 9907914100 कार्यपालन अभियंता आर.के.जैन। इसके अलावा अनिल सिंह, प्र. उद्यान निरीक्षक आवश्यकता होने पर वाहन व्यवस्था हेतु.कर्मशाला अधीक्षक शोएब अहमद करेंगे।

उन्होंने बताया कि बाढ़ पीड़ितो के भवनों एवं शासकीय भवनों को सुरक्षित रखा जा रहा है तथा प्रत्येक शिफ्ट अधिकारी को टार्च, रस्सी, गैती, फावड़ा एवं अन्य आवश्यक सामग्री की व्यवस्था रखने के निर्देश दिये गये है।

8 निरीक्षक, 3 एसआई एवं 2 एएसआई का तबादला

- एसएसपी दुर्ग ने जारी किया आदेश

दुर्ग, 9 जुलाई (देशबन्धु)। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दुर्ग विजय कुमार अग्रवाल के द्वारा 13 पुलिस अधिकारियों का ट्रांसफर कर दिया गया है। जिले के 8 थाना प्रभारी निरीक्षक एवं तीन उपनिरीक्षक एवं दो सहायक उपनिरीक्षक प्रभावित हुए हैं। निरीक्षक आनंद शुक्ला थाना प्रभारी नेवई को खुर्सीपार थाना भेजा गया है। जबकि खुर्सीपार थाना प्रभारी वंदिता पैनिकर को रक्षित केंद्र दुर्ग में भेज दिया गया है। निरीक्षक प्रकाश कांत प्रभारी जेवरा सिरसा चौकी को थाना पुलगांव का प्रभारी बनाया गया है। थाना प्रभारी पुलगांव पुष्पेंद्र भट्ट को यातायात विभाग में भेज दिया गया है। निरीक्षक मनीष शर्मा एवं थाना प्रभारी नंदनी को यातायात भिलाई निरीक्षक पी डी चंद्रा यातायात भिलाई को थाना प्रभारी कुम्हारी बनाया गया है। निरीक्षक जनक राम कुर्रे थाना प्रभारी कुम्हारी को यातायात भिलाई भेजा गया है। निरीक्षक तपेश्वर नेताम को साइबर थाना दुर्ग प्रभारी से कोतवाली दुर्ग थाना प्रभारी बनाया गया है। इसके अलावा 3 उपनिरीक्षक एवं दो सहायक उपनिरीक्षक को भी इधर से उधर भेजा गया है।

पूरी सूची इस प्रकार है : उनि कमल सिंह सेंगर थाना अमलेश्वर से थाना प्रभारी नेवई, उनि खगेन्द्र पठारे चौकी प्रभारी अंजोरा से चौकी प्रभारी जेवरा सिरसा, निरीक्षक तापेश्वर नेताम रेंज सायबर थाना दुर्ग से थाना प्रभारी दुर्ग, सउनि संतोष साहू चौकी प्रभारी लिटिया सेमरिया से चौकी प्रभारी अंजोरा, सउनि धमेन्द्र पाण्डे थाना अंडा से चौकी प्रभारी लिटिया सेमरिया, निरीक्षक वंदिता पनिकर थाना प्रभारी खुर्सीपार से रक्षित केन्द्र दुर्ग, उनि पारसनाथ ठाकुर थाना मोहन नगर से थाना प्रभारी नंदनी ।

दुर्ग-भिलाई में पान एवं डेलीनीड्स की दूकान के आड़ में इलेक्ट्रानिक सिगरेट एवं हुक्का की सामग्री बेचने वाले 7 आरोपी गिरफ्तार

पुलिस ने आरोपियों से 7 लाख की अवैध सामग्री भी की जब्त

दुर्ग, 9 जुलाई (देशबन्धु)। अवैध रूप से तम्बाखू युक्त हुक्का का सेवन कराने वालों के विरूद्ध अभियान चला कर दुर्ग पुलिस के द्वारा बड़ी कार्यवाही की गई। 7 आरोपियों के विरूद्ध कोटपा एक्ट के अन्तर्गत कार्यवाही की गई। आरोपियों व्दारा पान दुकान, डेली निड्स की दुकान से हुक्का पान कराया जा रहा था। आरोपियों से लगभग 7 लाख रूपए के इलेक्ट्रानिक सिगरेट एवं हुक्का से संबंधित अवैध सामग्री बरामद की गई है। थाना सुपेला, भिलाई नगर, मोहन नगर एवं चौकी स्मृति नगर द्वारा यह कार्यवाही की गयी ।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभिषेक झा ने बताया कि दुर्ग-भिलाई शहर के पान दुकानों एवं डेली निड्स की दुकानों पर चोरी .छिपे दुकान संचालकों व्दारा लोगों को अवैध रूप से तम्बाखू युक्त हुक्का का सेवन कराएं जाने की प्राप्त हो रही सूचना को दृष्टिगत रखते हुए अवैध रुप से नशा का सेवन करवाने वाले के विरुद्ध वैधानिक कार्यवाही करने हेतु वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल के द्वारा दिये गये दिशा निर्देश में थाना/चौकियों से टीम गठित कर अभियान चलाया गया। अभियान के अन्तर्गत थाना मोहन नगर स्टेशन रोड दुर्ग में एसएसडी डेली निड्स दुकान का संचालक रोहित जसवानी, 34 वर्ष सिंधी कालोनी की दुकान की तलाशी ली और अवैध रूप से सिगरेट एवं हुक्का सामग्री रखकर बाहर लड़कों को सप्लाई करना पाए जाने पर आरोपी को गिरफ्तार कर इलेक्ट्रानिक सिगरेट, हुक्का पार्ट एवं अन्य सामग्री 3 लाख 52 हजार रू की जब्त की गई। थाना भिलाई नगर अन्तर्गत गुलेरी पान दुकान सिविक सेंटर के संचालक अंकित उपाध्याय ➤➤ शेष पृष्ठ 9 पर ➤

चातुर्मास आत्मजागृति का पर्व : साध्वी लक्ष्ययशा

नगपुरा तीर्थ में प्रवचन

दुर्ग, 9 जुलाई (देशबन्धु)। भौतिक पदार्थों में सुख होने की धारणा बनाता है, परिस्थिति के आधार पर मन:स्थिति बदलती है, मन:स्थिति के कारण ही सुख.दुख की अनुभूति होती है। मन स्वीकार करे वह सुख और जिसे अस्वीकार करे दें वह दुख बन जाता है। यह मन की विडम्बना है कि भौतिक पदार्थों में सुख की अनुभूति का अहसास करता है, यह शत.प्रतिशत भ्रम है, सच्चा सुख तो परमात्मा द्वारा बताये गए मार्ग को अपनाने से ही प्राप्त होगा उक्त उद्गार श्री उवसग्गहरं पार्श्व तीर्थ नगपुरा में चातुर्मास आराधको को संबोधित करते हुए साध्वी लक्ष्ययशा श्रीजी म.सा. ने व्यक्त किए।

उन्होंने कहा कि सम्यक् दर्शन.ज्ञान.चारित्राणि मोक्षमार्गः है। इसका अर्थ मोक्ष का मार्ग सम्यक दर्शन, सम्यक् ज्ञान और सम्यक् चारित्र का अनुपालन से ही तैयार होता है अर्थात् मोक्ष की प्राप्ति के लिए सम्यक रूप से श्रद्धा ज्ञान और चारित्र की आचरण तीनों ही जरूरी है। चातुर्मास का पर्व आत्मजागृति का पर्व है, आत्मा से परिचित होने, आत्मा को पहचानने के लिए इन दिनों हम जप तप त्याग तपस्या से जुड़ने का प्रयास करें। चातुर्मास आराधना विनाश से विकास, वासना से उपासना, पुण्य से शिखर की यात्रा है। प्रवचन श्रृंखला में धर्म सभा को संबोधित करते साध्वी आज्ञायशाश्रीजी म सा ने कहा कि आत्मा ही परमात्मा है, प्रत्येक आत्मा में परमात्मा बनने की शक्ति है। सम्यक ज्ञान के अभाव में जीव भवोभव तक भटकते रहता है। शाश्वत सुख की प्राप्ति के लिए सम्यक दर्शन, सम्यक ज्ञान और सम्यक चारित्र तीनों जरूरी है। इसके लिए परमात्मा के द्वारा बताये मार्ग, सिद्धांत पर हमें श्रद्धा और समर्पण रखना होगा। समर्पण के अभाव में हमें अपने वास्तविकता का बोध नहीं होता है। भावना के साथ पुरुषार्थ आवश्यक है बिना पुरुषार्थ भावना फ्लीभूत नहीं हो सकती।

कल 10 जुलाई को गुरू पूर्णिमा के अवसर पर प्रवचन श्रृंखला में गौतम स्वामी, सुधर्मा स्वामी, अकबर प्रतिबोधक जगद् गुरू हीरसूरी, श्री लब्धिसूरीजी आदि गुरु भगवंतो का यशोगानयुक्त गुणानुवाद किया जावेगा।

छात्रावास अधीक्षकों की काउंसलिंग के माध्यम से पदस्थापना

- संभाग स्तरीय काउंसलिंग 14 जुलाई को दोपहर 12 बजे से संभागायुक्त कार्यालय दुर्ग में

दुर्ग, 9 जुलाई (देशबन्धु)। वर्ष 2022.23 एवं 2025 में पदोन्नत हुए छात्रावास अधीक्षकों की काउंसलिंग के माध्यम से पदस्थापना की जायेगी। संभाग आयुक्त एस.एन. राठौर ने संभाग अंतर्गत दुर्ग, बालोद, बेमेतरा, राजनांदगांव, कबीरधाम, खैरागढ़, छुईखदान, गंडई और मोहला-मानपुर-अम्बागढ़ चौकी के कलेक्टरों को परिपत्र जारी कर अवगत कराया है कि जिले में पदस्थ छात्रावास अधीक्षकों का संभाग स्तरीय काउंसलिंग हेतु प्रस्ताव एवं रिक्त पदों की जानकारी कार्यालय आयुक्त दुर्ग संभाग को उपलब्ध कराई गई है। जिसके आधार पर छात्रावास अधीक्षकों की वरिष्ठता सूची एवं संभाग में रिक्त पदों की सूची तैयार की गई है।

संभाग आयुक्त श्री राठौर ने उक्त वरिष्ठता सूची एवं रिक्त पदों की सूची संबंधित कलेक्टोरेट कार्यालय एवं जिले की वेबसाइट में प्रकाशित कर संलग्न सूची अनुसार कर्मचारियों को सूचित करने कहा है। पत्र में यह भी उल्लेख किया गया है कि 11 जुलाई तक कार्यालयीन समय 5.30 बजे तक सुसंगत दस्तावेज सहित दावा आपत्ति प्रस्तुत किया जा सकता है। नियत तिथि एवं समय के पश्चात् दावा आपत्ति स्वीकार नहीं किया जाएगा। संभाग स्तरीय काउंसलिंग की तिथि 14 जुलाई निर्धारित की गई है। उक्त काउंसलिंग निर्धारित तिथि को दोपहर 12 बजे से कार्यालय आयुक्त दुर्ग संभाग उद्योग भवन दुर्ग के सभा कक्ष में नियत की गई है।

श्रीकृष्णा गौशाला समिति ने दुर्ग जिला चेम्बर अध्यक्ष अनूप गटागट का किया सम्मान

दुर्ग, 9 जुलाई (देशबन्धु)। श्रीकृष्णा गौशाला छातागढ़ में वृक्षारोपण के साथ.साथ चेम्बर ऑफकॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के दुर्ग जिला अध्यक्ष अनुप गटागट का सम्मान कर उन्हें बधाई दी गई। कार्यक्रम की शुरुआत गौशाला परिसर में वृहद स्तर पर वृक्षारोपण के साथ की गई। सैकड़ों फलदार व छायादार पौधे रोपे गए।

इसके पश्चात सम्मान समारोह में चेंबर के दुर्ग जिला अध्यक्ष अनूप गटागट का पारंपरिक तरीके से शाल, श्रीफल, माला एवं तिलक लगाकर स्वागत और सम्मान किया गया। अनूप गटागट ने समारोह में मौजूद सभी का आभार व्यक्त किया। श्री गटागट ने कहा कि साध्वी प्रीति सुधाजी महाराज के आशीर्वाद एवं सहयोग की वजह से सभी धर्मों के समाज के लोगों ने बढ़चढ़ कर गौठान को विस्तारित किया और आज 300 से अधिक गायों के लिए आश्रम स्थल का निर्माण संभव हो पाया है। उन्होंने गौशाला की प्रगति में समिति के सभी पदाधिकारियों और कर्मचारियों के योगदान को सराहा। कार्यक्रम में समिति के अध्यक्ष कांतिलाल पारख, महामंत्री प्रकाश नाहटा और सचिव दीपक तुमाने ने गौशाला की गतिविधियों पर विस्तार से प्रकाश डाला। इस अवसर पर प्रमुख सदस्यों में डॉ साहू, शिव चंद्राकर, डॉ.मानसी गुलाटी, आनंद अग्रवाल, जवाहर जैन, पार्षद मनोज सोनी, विनोद मून, हेमंत गोयल, छोटू अग्रवाल, अमर भोई, मुन्ना शुक्ला के अलावा बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

रामदेव बाबा दरबार में आज गुरू पूर्णिमा महोत्सव

दुर्ग, 9 जुलाई (देशबन्धु)। पुलगांव नाका नवकार परिसर स्थित श्री रामदेव बाबा दरबार में प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी गुरुदेव सोहनलाल बापजी (चालीसगांव महाराष्ट्र) का गुरु पूर्णिमा महोत्सव 10 जुलाई को धूमधाम के साथ मनाया जाएगा। इस अवसर पर सुबह 10 बजे गुरुदेव की महाआरती की जाएगी। तत्पश्चात प्रसिद्ध भजन गायकों द्वारा गुरुदेव के जीवन पर आधारित भजनों की प्रस्तुति दी जाएगी। दोपहर में महाप्रसादी (भंडारा) का वितरण किया जाएगा। यह समस्त धार्मिक कार्यक्रम गुरुदेव सोहनलाल बापजी की शिष्या भक्तमाता शांतादेवी बापजी के सानिध्य में आयोजित किए गए है। श्री रामदेव बाबा दरबार नवकार परिसर समिति के प्रमुख रमेश कुमार जैन व पायल जैन द्वारा श्रद्धालुओं से समस्त धार्मिक कार्यक्रम में शामिल होने की अपील की गई है।

साई मंदिर में आज भजन संध्या

सिविल लाईन कसारीडीह स्थित प्रसिद्ध श्री साईबाबा मंदिर में गुरु पूर्णिमा का पर्व 10 जुलाई को पूरे श्रद्धा व आस्था के साथ मनाया जाएगा। इस अवसर पर सुबह 7 बजे श्री साई बाबा का महाभिषेक, आरती, हवन.पूजन पश्चात महाप्रसादी का वितरण किया जाएगा। यह समस्त धार्मिक अनुष्ठान मंदिर के मुख्य पंडित कैलाशचंद्र तिवारी के सानिध्य में संपन्न होगा। उक्ताशय की जानकारी देते हुए श्री साई मंदिर समिति के अध्यक्ष श्रीकांत समर्थ एवं सचिव धनेन्द्र सिंह चंदेल ने बताया कि गुरु पूर्णिमा पर्व पर मंदिर में दोपहर से देर रात तक भजनों की धूम मचेगी। साई महिला भजन मंडली द्वारा दोपहर 3 बजे भजनों की प्रस्तुति दी जाएगी। संध्या 7 बजे श्री साई बाबा के आरती उपरांत भजन सम्राट अंकित तिवारी एवं साथी भजनों की की प्रस्तुति देकर श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध करेंगे। श्री साई बाबा मंदिर समिति के अध्यक्ष श्रीकांत समर्थ एवं सचिव धनेन्द्र सिंह चंदेल ने समस्त धार्मिक कार्यक्रम में श्रद्धालुओं से शामिल होकर पुण्यलाभ प्राप्त करने की अपील की है।

बेमेतरा। मध्य प्रदेश गुरुनानक साहिब जी के इतिहासिक गुरु नानक दरबार अमरकंटक गुरुद्वारा साहिब में बेमेतरा के सिक्ख समाज सेवक हरदीप सिंघ राजा छाबड़ा, गुरप्रीत कौर शैली छाबड़ा का सम्मान हुआ। गुरुगोबिंद सिंघ स्टडी सर्कल के फाउंडर मनमोहन सिंघ सैलानी ने राजा छाबड़ा को बधाई दी और शाल भेंटकर सम्मान किया।

सार्वजनिक स्थानों व सड़कों पर अवैध रूप से बसें खड़ी करने वालों के परमिट निरस्त करें आरटीओ

निगम आयुक्त ने आरटीओ को लिखा पत्र

दुर्ग, 9 जुलाई (देशबन्धु)। नगर निगम आयुक्त सुमित अग्रवाल ने क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी को पत्र लिखकर ऐसे बस संचालकों के परमिट निरस्त करने की मांग की है जो शहर के कई सार्वजनिक स्थानों एवं सड़क पर अवैध पार्किंग कर शहर की व्यवस्था बिगाड़ रहे है। साथ ही दुर्घटनाओं का कारण बन रहे है।

उल्लेखनीय है कि शहर के अनेक प्रमुख मार्गो पर बस संचालकों ने अघोषित पार्किंग स्थल बना लिया है। यहां पर एक से लेकर दो तीन बसें खड़ी कर दी जाती है। ऐसे मार्गो में जीई मार्ग पर गंजपारा, कलेक्ट्रेट के सामने, पालिटेक्निक कालेज के सामने, राजेन्द्र पार्क के पास, मानस भवन के पास, कई जगह ट्रांसपोर्टर अपने निवास के आसपास बस खड़ी कर देते है। यहीं नहीं रोजाना सुबह सुबह इन बसों को इन्ही सड़कों पर धोया भी जाता है जिससे गंदगी होती है, सड़कों में फिसलन आ जाती है।

ये तकलीफ तब और बढ़ जाती है जब रात्रि में कई बार देर तक बिजली बंद रहती है। अंधेरे में सड़क पर खड़ी बस भी नजर नहीं आती। बारिश और अंधेरा के कारण वाहन चालक सड़क किनारे खड़ी बस से टकरा जाते है इससे कई बार गंभीर दुर्घटना भी हो जाती है। बसों के अलावा कई बार लोग अपनी कार व अन्य वाहन भी बस के साथ पार्किंग कर देते है। जीई रोड के अलावा पुलगांव में नदी रोड पर भी यही स्थिति है।

नगर निगम की टीम ने कई बार ऐसे बस संचालकों को समझाईश देने के साथ नोटिसें भी जारी की जा चुकी है। इसके अलावा कई बार इन्हें जुर्माना भी किया जा चुका है मगर इन बस संचालकों द्वारा नगर निगम की कार्रवाई को नजर अंदाज कर दिया जाता है। एक बार फिर नगर निगम आयुक्त ने क्षेत्रीय परिवहन आरटीओ को पत्र लिखकर बस संचालकों के विरूद्ध कार्रवाई की मांग की है।

केंद्र सरकार के नवीन श्रम संहिता के खिलाफ प्रदर्शन

भिलाईनगर, 9 जुलाई (देशबन्धु)। भाजपा की केन्द्र सरकार की नवीन श्रम सहिंता के विरोध में देश भर में आज संयुक्त ट्रेड यूनियनों और किसानों हड़ताल जारी है। इस दौरान भिलाई में ट्रेड यूनियन के द्वारा विरोध प्रदर्शन किया जा रहा है। है। भिलाई इस्पात सयंत्र के कर्मचारी और ठेका श्रमिक प्रदर्शन पर है। आज सभी ट्रेड युनियनों ने सामूहिक रूप से केंद्रीय युनियनों के आवाहन पर हड़ताल पर हैं। वही भिलाई इस्पात सयंत्र द्वारा कर्मचारियों को गतिविधियो पर नजर रखने के लिए अपने सयंत्र के सभी सीसीटीवी कैमरे से निगरानी की जा रही है। वही बताया जा रहा है कि आज की हड़ताल में बारिश के कारण कम उपस्थित रही है। दरअसल केंद्रीय और स्थानीय ट्रेड यूनियन कोरोना काल में मजदूरों के 44 श्रम कानूनों में से 29 प्रभावशाली कानूनों को खत्म कर चार नए लेबर कोड (श्रम संहिता) बनाए जाने का विरोध कर रहें है। जिन चार नए श्रम संहिताओं के लागू होने पर महिलाओं को नाइट शिफ्ट, ईपीएफ में कटौती और 8 के स्थान पर 12 घन्टे की ड्यूटी जैसे कानून लागू हो जाएंगे। श्रम संहिता समाप्त करने समेत 17 सूत्रीय मांगों को लेकर केंद्रीय यूनियनों ने 9 जुलाई को हड़ताल का आह्वान किया था। जिस पर देशभर में आज सुबह से ही हड़ताल जारी है। सेल के भिलाई इस्पात सयंत्र में संयुक्त ट्रेड यूनियन में शामिल संगठन के द्वारा अलग अलग स्थानों पर बीएमएसए इंटक, सीटू, लोईमु, इस्पात श्रमिक मंच, एटक, एक्टू जैसे ट्रेड युनियनों के द्वारा हड़ताल की जा रही है। बारिश की वजह से सुबह रेनकोट पहनकर कर्मचारी यूनियन के नेता सड़कों पर अपने अपने संगठन का झंडा लहराते और नारे लगाते नजर आए हैं।आज की हड़ताल में प्रमुख मुद्दा 12 घंटा कार्य दिवस लागू करना, क्या सही है रात्री पाली में महिलाओ की ड्यूटी लगाना। श्रमिक नेता ने कहा कि नई श्रम संहिताओं में महिलाओं को उद्योगों के अंदर रात्रि पाली में भी ड्यूटी लगाने के प्रावधान है जबकि महिलाओं की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए रात्रि पाली में उद्योग के अंदर महिलाओं को ड्यूटी करने पर पाबंदी है तो क्या ऐसे में श्रम संहिताओं के जबरिया लागू होने के बाद महिलाओं को उद्योग के अंदर रात्रि पाली में ड्यूटी करवाना सही होगा। क्या उनकी सुरक्षा का इंतजाम कर पाना संभव है। क्या इस बात की गारंटी प्रबंधन प्रशासन एवं केंद्र सरकार ले सकता है। नई श्रम संहिताओं में फैक्ट्री की परिभाषा बदली गई है जिसके अनुसार संयंत्र के अंदर रजिस्टर्ड कई फैक्ट्रियां फैक्ट्री एक्ट के दायरे से ही बाहर हो जाएगी। उसके साथ ही जो विभाग फैक्ट्री एक्ट के दायरे से बाहर हो जाएंगे उन विभागों पर स्थाई आदेश लागू नहीं होगा। केंद्र सरकार स्थाई रोजगार पर रोक लगाकर फिक्स्ड टर्म एंप्लॉयमेंट शुरू करने का प्रावधान किया है जिसके तहत अब उद्योगों को स्थाई रूप से 60 वर्ष तक नौकरी करने वाली कर्मियों को भर्ती करने की आवश्यकता नहीं होगी बल्कि उद्योग अपने आवश्यकता अनुसार कर्मियों को 1 साल, 2 साल, 3 साल अथवा 4 साल के लिए भर्ती करेंगे जिसकी शुरुआत भिलाई में हो चुकी है। पिछले दिनों एच एल एल द्वारा अस्पताल में सप्लाई किए गए लगभग 123 कर्मियों को फिक्स्ड टर्म अपॉइंटमेंट एंप्लॉयमेंट अपॉइंटमेंट लेटर दिया गया जो सेक्टर 9 में अभी कार्यरत हैं। प्रबंधन हड़ताल के मांगो को लेकर कहता है कि यह संयंत्र के स्तर का नहीं है बल्कि केंद्रीय स्तर का है इसीलिए प्रबंधन कुछ नहीं कर सकता हैं किंतु जैसे ही सेल प्रबंधन अथवा केंद्र सरकार से कोई आदेश आता है उसे संयंत्र प्रबंधन संयंत्र के कर्मियों पर लागू कर देता है उस समय प्रबंधन यह नहीं कहता कि संयंत्र कर्मियों पर लागू करने के पहले संयंत्र के मान्यता यूनियन अथवा प्रतिनिधि यूनियन से बात करके ही लागू करेंगे ।

जगह-जगह जल भराव से जन-जीवन प्रभावित

भिलाईनगर, 9 जुलाई (देशबन्धु)। नगर सहित चारों ओर हो रही मूसलाधार बारिश ने नगर के अनेक भागों में जल भराव हो गया है। कई स्थानों पर पेड़ गिरने से यातायात भी प्रभावित हुआ है। चारों ओर पानी ही पानी दिखाई दे रहा है। कोसा नाला पूरे उफान पर है। जिसके कारण राधिकानगर व सुपेला थाना के समीप बनी कालोनी के घरों में बारिश का पानी भर गया है। सेक्टर-1 सहित सहित सभी सेक्टर-9 सुपेला के शिव मंदिर, प्रियदर्शिनी परिसर, बीजेपी कार्यालय, प्रियदर्शिनी परिसर सुपेला के दोनों अंडर ब्रिज, कोसा नगर, सुपेला, जुनवानी, खुर्सीपार सहि रिसाली, मरोदा में जल भराव से लोगों को काफी नुकसान हुआ है। जिले में लगातार तेज बारिश से बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। पिछले चार-पांच दिन से हो रही बारिश से पूरा जिला तरबतर हो गया। भिलाई में चारों तरफ पानी.पानी भर गया है। सुपेला के शिव मंदिर प्रियदर्शिनी परिसरए बीजेपी कार्यालयए प्रियदर्शिनी परिसर अंडर ब्रिज, कोसा नगर, सुपेला, मौर्य चंद्रा के पास समेत कई जगह पानी भर गया है। हालात ऐसे हैं कि सड़कों पर करीब 3-4 फीट पानी बह रहा है। बारिश की वजह से तापमान में भी गिरावट आई है। ऐसे में मौसम विभाग ने 9 और 10 जुलाई भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। भिलाई के कई इलाके जलमग्न हो चुके हैं तो वही भिलाई का चंद्रा मौर्य अंडर पास और सुपेला अंडर पास पूरी तरह से पानी से लबालब है। इसके कारण आवाजाही बंद कर दी गई है। निगम आयुक्त व महापौर ने किसी प्रकार की समस्या आती है तो सफाई कर्मी को तैनात करने स्वास्थ्य अधिकारी जावेद अली को निर्देशित किया गया। झमाझम बारिश के चलत पने शहर का जन जीवन पूरी तरह से प्रभावित हुआ है। कोसानाला में बाढ़ की स्थिति को देखने के लिये अच्छी.खासी भीड़ देखी गई। लगातार बारिश के बाद जिले में बाढ़ जैसी आपदा सहित किसी भी आपातकाल से निपटने के लिए निगम प्रशासन ने अधिकारी.कर्मचारियों को जरूरी दिशा.निर्देश दिया। जल भराव की स्थिति से निपटने के लिए आपदा प्रबंधन कंट्रोल रूम बनाया गया है। इसके अलावा पर्याप्त व्यवस्था की गई है। टाउनशिप के लगभग सभी ड्रेनज सिस्टम खराब हो गया है। टाउनशिप के सिवरेज लाईन पुरी तरह से जाम हो चुका है।

भिलाई नगर 9 जुलाई। पिछले तीन दिनों से लगातार हो रही बारिश के कारण नगर पालिका निगम भिलाई के निचले बस्तियां जलमग्न हो गई है। कई आवासीय कॉलोनी के घरों में पानी भर गया है। निकासी व्यवस्था के अभाव में लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। लगातार पिछले तीन दिनों से हो रही तेज बारिश के कारण नगर पालिक निगम के निचली बस्तियों में कोसानगरए लाज़्मी नगरए राधिका नगरए कोहका और अन्य क्षेत्र जलमग्न हो गए हैं। रह वासियों के घर के अंदर ढाई से 3 फुट पानी भर गया है। जिसके कारण उनका दैनिक जीवन बुरी तरह से अस्त्र व्यस्त हो गया है। घर का सारा सामान पानी में डूब गया है। निकासी के अभाव में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इन प्रभावित क्षेत्रों में वाहन भी डूब गए हैं। जल भराव के कारण सिवरेज का दूषित पानी भी बारिश के पानी के साथ मिल गया है जो घरों में प्रवेश कर रहा है जिससे उठने वाली दुर्गंध एवं गंदगी से लोग परेशान हो रहे हैं साथ ही दूषित पानी के घरों में प्रवेश करने के कारण संक्रामक बीमारियों की फैलने की आशंका बन गई है।

बौद्ध धम्म का वर्षावास प्रारंभ आज से

भिलाईनगर, 9 जुलाई (देशबन्धु)। भारतीय बौद्ध महासभा भिलाई 1119 के तत्वावधान में बाबासाहेब डॉ आम्बेडकर सांस्कृतिक भवन सेक्टर 6 भिलाई में बौद्ध धम्म का वर्षावास प्रारंभ का आयोजन संस्था की अध्यक्ष सविता मेश्राम के अध्यक्षता में होगा। आयोजन 10 जूलाई गुरूवार 9 बजे वर्षावास के कार्यक्रम में भंतेजी के द्वारा पूजा वंदना, धम्मदेशना का आयोजन होगा। जो आषाढ पूर्णिमा से अश्विन पूर्णिमा तक तीन माह का वर्षावास प्रारंभ भंते के सानिध्य में होगा। वर्षावास में भंतेजी द्वारा धम्मदेशना प्रति दिन सुबह 6 और शाम 7 बजे होगी रविवार को सुबह 10 और शाम 7 उक्त जानकारी संस्था के महासचिव रामराव ढोक ने देते हुए इस कार्यक्रम में अधिक से अधिक लोगों के उपस्थित होने की अपील की है।

डॉ. सुरेन्द्र दुबे को दी गई श्रद्धांजलि

भिलाईनगर, 9 जुलाई (देशबन्धु)। संयंत्र के राजभाषा विभाग द्वारा अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त कवि,पद्मश्री स्व.डॉ.सुरेन्द्र दुबे को कार्यक्रम काव्यांजलि का आयोजन कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि संयंत्र के कार्यपालक निदेशक पवन कुमार, विशिष्ट अतिथि मुख्य महाप्रबंधक संदीप माथुर उपस्थित थे। पवन कुमार ने कहा कि कवियों की वैचारिक क्षमता आम लोगों से कुछ अलग ही होती है। पद्मश्री स्व. डॉ. सुरेन्द्र दुबे ने अपने विशेष दृष्टिकोण से अपनी प्रत्येक प्रस्तुति में एक सृजनशील. विवेकवान सचेतक के रूप में उन्होंने समाज को जागृत रखने का सदैव प्रयास कियाए इसी बहाने हमें उन्होंने हँसाया भी। कला बिरादरी के बीच और अपने प्रशंसकों के हृदय में हमेशा.हमेशा के लिए अमर होते हैं। डॉण् सुरेन्द्र दुबे का योगदान सदैव ही अविस्मरणीय रहेगा। स्वागत भाषण। महाप्रबंधक जनसंपर्क अमूल्य प्रियदर्शी ने कहा कि पद्मश्री स्व.डॉ. सुरेन्द्र दुबे ने अपनी रचनाओं के माध्यम से सदैव ही आम जन के हृदय को छुआ। उनकी भाषा एवं शैली हमेशा ही ज़मीन से जुड़ी होती थी। सामाजिक विसंगतियों एवं व्यवस्था पर उनकी पैनी निगाह रहती थी जिन पर केन्द्रित रचनाओं से वे श्रोताओं को प्रभावित कर जाते थे। इस अवसर स्व. दुबे के साथ कवि सम्मेलनों में मंच साझा कर चुके संयंत्रकर्मी कवि गजराज दास महंत, किशोर कुमार तिवारी, बलराम चन्द्राकर ने अपनी स्वरचित कविताओं की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में महाप्रबंधकगण यू.एस. परगनिहा, संजय द्विवेदी, संजीव श्रीवास्तव, प्रशांत तिवारी, ज़ेवियर बेक, मुकुल सहारिया, यशवंत साहू, निशेष कश्यप, मुख्य प्रबंधक भारतीय स्टेट बैंक सेक्टर-1 निशांत कुमार, उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन जितेन्द्र दास मानिकपुरी ने किया।

युवा अपनाएं पूर्व प्रधानमंत्री की कार्यशैली-कुरैशी

भिलाईनगर, 9 जुलाई (देशबन्धु)। आचार्य नरेन्द्र देव स्मृति जन अधिकार अभियान समिति द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री चन्द्रशेखर की 18वीं पुण्यतिथि एचएससीएल कालोनी रूआबांधा सेक्टर में मनाई गई। इस अवसर पर अमृत काल में आपातकाल की चुनौतियाँ, धर्म, राजनीति और गांधी विषय पर परिचर्चा आयोजित की गई। मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री बदरुद्दीन कुरैशी ने कहा कि इन दिनों उद्योग धंधे बंद होते जा रहे हैं। नौकरियाँ खत्म होती जा रही हैं और पढ़े लिखे शिक्षित युवक बेरोजगारी की कतार में खड़े होने विवश है। एचएमएस के महामंत्री प्रमोद कुमार ने कहा कि राजनीति का बोलबाला इतना अधिक हो गया है कि देश की संसद में अभी हाल ही मे 29 श्रम कानूनों को बदल कर चार श्रम संहिताएं बनाई गई है। संस्था के अध्यक्ष आर. पी. शर्मा ने कहा कि आपातकाल में अमृतकाल जैसे अत्याचार नहीं हुए। अमृत काल में तो मर्यादा लांघकर धर्म की आड़ में राजनीति को पोषित किया जा रहा है। गाँधी के नाम पर केवल राजनीति हो रही है। काम अगर होता तो बेरोजगारों की संख्या धीरे धीरे कम हो जाती। राजनीति के चलते ही धार्मिक उन्माद को बढ़ावा मिल रहा है। पूर्व अध्यक्ष गुलाब सिंह पटेल, अजहर अली, कौसर खान और नमिता थवाईत ने भी इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में त्रिलोक मिश्रा, कपिलदेव प्रसाद, वजीहुद्दीन, त्रिलोक सिंह, मदन प्रसाद श्रीवास्तव उपस्थित थे।

जीई फाउंडेशन ने रावधाट में दी सेवाए

भिलाईनगर, 9 जुलाई (देशबन्धु)। समाजसेवा के क्षेत्र में सक्रिय गैर सरकारी संगठन गोल्डन एम्पथी (जीई) फाउंडेशन ने आदिवासी अंचल स्थित रावघाट के ग्रामीणों के बीच 5 जुलाई को वहां आयोजित कार्यक्रम में जरूरत का सामान वितरित किया। इस दौरान विविध सांस्कृतिक व खेलकूद से जुड़ी गतिविधियां भी कराई गई। भिलाई स्टील प्लांट की लौह अयस्क खदान रावघाट के लिए रेल लाइन बिछाने के कार्य की सुरक्षा में तैनात सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) 28 वीं वाहिनी की निगरानी में जीई फाउंडेशन ने यहां के कोसरांडा, रावघाट एवं बैहासाल्हेभाठ गांव के विभिन्न विद्यालयों, राजकीय उच्च प्राथमिक शाला कोसरोंडा, प्राथमिक शाला रेखाभाट, उच्चतर माध्यमिक विद्यालय तुमापाल तथा प्राथमिक शाला सतीघाट में अध्ययनरत 200 विद्यार्थियों को स्कूल बैग, कॉपियाँ, लेखन सामग्री एवं हाथ घड़ियाँ वितरित की। जीई फाउंडेशन का यह आयोजन सिर्फजरूरत के सामान के वितरण तक सीमित नहीं रहा, बल्कि इन ग्रामीण बच्चों के आत्मविश्वास को और मजबूत करने, उनकी खेल भावना और सांस्कृतिक प्रतिभा को निखारने मंच भी प्रदान किया गया। कार्यक्रम के दौरान वॉलीबॉल मैच में भाग लिया तथा रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी। फाउंडेशन की ओर से संयोजक प्रदीप पिल्लई ने इस मौके पर कहा कि इस प्रेरणादायी पहल ने न सिर्फ बच्चों के चेहरे पर मुस्कान बिखेरी, बल्कि यह संदेश भी दिया है। एसएसबी के कमांडेंट अरुण देवगम ने कहा कि 28 वीं वाहिनी और गोल्डन एम्पैथी फाउंडेशन का यह प्रयास निश्चित ही आने वाली पीढ़ियों को आगे बढ़ने की दिशा में प्रेरित करेगा। इस अवसर पर एसएसबी के उप कमांडेंट राजन राय, सहायक कमांडेंट गण भारत भूषण, संतोष कुमार, मोहित पापनई, फाउंडेशन से संजय मिश्रा, केवी विनोद,व सारांश मिश्रा मौजूद थे।

लावारिस हालत में मिले दो वाहनों को पुलिस ने किया जप्त

भिलाईनगर, 9 जुलाई (देशबन्धु)। वैशाली नगर पुलिस ने लावारिस हालत में खड़े दो वाहनों को जप्त कर उसकी जांच शुरु कर दी है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार मामले का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है कि थाना वैशाली नगर पुलिस द्वारा टाउन पेट्रोलिंग के दौरान गौरव पथ स्थित पेट्रोल पंप में ऑडी वाहन क्रमांक डी.एल-1 सी.एस 6642 तथा पजेरो वाहन क्रमांक डी.एल 1 सी.क्यु 1303 लावारिस हालत में खड़ी थी जिसे धारा 106 बीएनएसएस के तहत जप्त कर थाना वैशाली नगर में लाया गया है। उक्त वाहन के संबंध में पेट्रोल पंप वालो से पूछताछ करने पर बताया गया कि शुभम उक्त वाहनो में डीजल डलवाता है जो संभवतः फरार आरोपी दीपक कुमार द्वारा चलवाया जाना पता चला है। जिसकी सुक्ष्मता से जॉच की जा रही है। वैशालीनगर पुलिस उक्त दोनों चार पहिए वाहनों की जांच कर रही है, कि यह वाहन किस काम के लिये उपयोग किया जाता रहा है।

पदक जीतने वाले खिलाड़ी हुए सम्मानित

भिलाईनगर, 9 जुलाई (देशबन्धु)। नेशनल गतका एसोसिएशन ऑफ इंडिया द्वारा दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में आयोजित 12वीं नेशनल गतका चैम्पियनशिप में छत्तीसगढ़ गतका टीम ने 70 मैडल जीतकर पंजाब के बाद दूसरे रनर ओवरऑल ट्राफी पर कब्जा किया। छत्तीसगढ़ टीम की ओर से खेलने वाले भिलाई के 22 मैडलिस्ट गतका खिलाड़ियों को छत्तीसगढ़ सिक्ख पंचायत ने मोमेंटो और सिरोपाओ द्वारा सम्मानित किया गया। गतका स्पोर्ट्स एसोसिएशन छत्तीसगढ़ के अध्यक्ष इन्द्रजीत सिंह छोटू, महासचिव जसवन्त सिंघ खालसा, कोषाध्यक्ष मलकीत सिंघ लल्लू एसोसिएशन के टेक्निकल प्रमुख और नेशनल रैफरी अमन सिंघ, करन सिंघ, राजवीर सिंघ, गर्ल्स कोच रोहिणी धीमान, राजविंदर कौर डौली का सिक्ख पंचायत की ओर से विशेष सम्मान किया गया और आगे भी गतके के लिए हरसंभव सहयोग की बात कही। इस अवसर पर चैयरमैन जसबीर सिंह चहल, पलविंदर सिंह रंधावा, बलदेव सिंह, गुरनाम सिंह, रंजीत सिंह, तजिंदर सिंह नानू, हरपाल सिंह, बलजिंदर सिंह कलेर, गुरदेव सिंह, हरभजन सिंह चहल, गुरमीत सिंह गांधी, गुरमेज सिंह सोखी, बलविंदर सिंह, कुलवंत कौर, जसबीर सिंह सैनी, सरूप सिंह, मुखविंदर सिंह, गतका एसोसिएशन के पदाधिकारी और सैकड़ों की संख्या में सिक्ख संगत उपस्थित हुए। जसवन्त सिंह खालसा ने एसोसिएशन की ओर से छत्तीसगढ़ सिक्ख पंचायत और गुरुद्वारे प्रबंधक कमेटियों के पदाधिकारियों का गतके खेल में हमेशा की तरह सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया।

कौशल बने सयुक्त मोर्च के प्रदेश अध्यक्ष

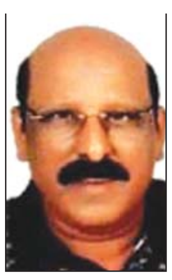

भिलाईनगर, 9 जुलाई (देशबन्धु)। एससी एसटी ओबीसी संयुक्त मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा. ओम सुधा व राष्ट्रीय महासचिव निशा बुराक नई दिल्ली द्वारा मोर्चा के राष्ट्रीय सचिव अनिल मेश्राम की अनुशंसा पर दुर्ग निवासी इंजीनियर कौशल वर्मा को संयुक्त मोर्चा के छत्तीसगढ़ राज्य का प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। श्री वर्मा को नियुक्ति प्रदान करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष डा. ओम सुधा ने यह अपेक्षा की है कि भारतीय संविधान के में पिछड़ा वर्ग, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति वर्गो को एकजुट कर एक प्लेटफार्म पर लाकर संविधान की रक्षा और संवैधानिक अधिकारो के प्राप्ति की लड़ाई हेतु सदैव अग्रसर रहेंगे। श्री वर्मा की नियुक्ति पर उन्हे बधाई देने वालो का तांता लग गया है। रमेश पटेल, तेज बहादुर बंछोर, के.आर. शाह, इंजीनियर एच.के. मेश्राम, एडवोकेट मनोज मून, रोशन वर्मा, इंजी. अरुण बघेल, चन्द्रभान ठाकुर, पवन दिल्लीवार, बी.के.वर्मा, राधेश्याम साहू, चन्द्रकला तारम, अनुसुईया ठाकुर, चन्द्रिका रावत, मीना टंडन, खिलेश्वरी साहू, विनोद सेन, अश्वनी चंद्राकर, राजेन्द्र हरमुख, धरमपाल वर्मा, ब्रम्हदेव पटेल, के.के. पाटिल, राकेश रंगारी, विनोद वासनिक, तामस्कर टंडन, सत्येंद्र देवांगन, नरेन्द्र खोब्रागड़े, संतोष भीमटे, ज्ञानू बागड़े, किशोर चौरे, कृष्ण कुमार वर्मा, कमल वर्मा, परदेशीराम वर्मा, एकानंद सिन्हा, एम.एल. देवांगन, मुकुंद बंसोड, अरविंद चौधरी आदि ने हर्ष व्यक्त किया है।

20 वर्षीय युवक की अन्धे कत्ल का खुलासा

भिलाईनगर, 9 जुलाई (देशबन्धु)। विगत 3 जुलाई को रात्रि दुण्डेरा मोरिद मेनरोड नहर के पास उतई में अज्ञात आरोपियों व्दार राजकुमार यादव 20 वर्ष निवासी ग्राम जंजगिरी की धारदार नुकीले सामग्री से सिर, सीने एवं शरीर के अन्य स्थलों पर संघातिक से बार कर ईलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। इस घटना में शामिल आरोपयो को पुलिस ने आज गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। इसकी जानकारी पुलिस ने पत्रकारों की दी। थाना उतई ने धारा 103 बीएनएस कायम कर विवेचना में लिया गया। घटना की गंभीरता, संवेदनशीलता को देखते हुए तत्काल पृथक पृथक टीम गठित कर आरोपियों की पतासाजी, गिरफ्तारी हेतु लगाया गया। टीम व्दारा पतासाजी के दौरान आसपास के क्षेत्र के लोगों से पूछताछ पर एक व्यक्ति ने बताया कि घटना के समय ही वो मोरिद से डुण्डेरा जाने वाले मार्ग पर पैदल आ रहा था। उसे भी स्कार्पियों वाले आरोपियों व्दारा लूटने हेतु दौड़ाया गया था। मृतक व्दारा अपने मरणासन्न कथन में भी स्कार्पियों वाहन में सवार आरोपियों के संबंध में बताया गया था। इस आधार पर आसपास के क्षेत्र के लगभग 150 सीसीटीवी कैमरों के फूटेज एवं लगभग 1500 मोबाईल नम्बरों का परीक्षण कर आरोपियों को पकड़ा जाकर पूछताछ पर घटना घटित करना स्वीकार किए। आरोपी लोकेश से पूछताछ में बताया कि वे राजकिशोर, आकाश, महाराजा, उमेश स्कार्पियों गाड़ी से मोरिद आ रहे थे तो रास्ते में स्कूटी वाला अकेले दिखाए जो रूककर मोबाईल से बात कर रहा था। वह महाराजा देवार एवं आकाश उर्फहड्?डी गाड़ी से उतरकर उसका मोबाईल छिनने का प्रयास किए, स्कूटी वाले के मना करने पर, उसके साथ हाथापाई किएए स्कूटी इन पर भारी पड़ने लगा तो गाड़ी में बैठ 3 भी उतरे और गाली गलौज कर मारपीट करने लगे। महाराजा व्दारा पेचकश से उसकी छाती पर वार किया गया। इसने और आकाश अपने पास रखे चाकू से उसके पैर व पेट आदि स्थलों पर वार किए एवं अन्य व्दारा हाथ.मुक्का से मारपीट कर मोबाईल एवं कुछ रकम लूटकर कर फरार हो गए। रास्ते में धौराभाठा मोड के पास हाईवा के ड्रायवर मोबाईल एवं पर्स लूटकर फरार हो गए थे। रपोर्ट पीड़ितों व्दारा थानों में नहीं किया गया था। गिरफ्तार आरोपियों की निशानदेही पर उनके कब्जे से मोबाईल, घटना में प्रयुक्त हथियार एवं स्कार्पियों वाहन को विधिवत् जप्त कर आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड पर भेजा गया है। फरार आरोपियों की पतासाजी की जा रही है। उक्त कार्यवाही में थाना उतई, रानीतराई एवं एसीसीयू टीम की उल्लेखनीय भूमिका रही।

रानी अहिल्या बाई की जयंती पर मनोहारी पेटिंग

भिलाईनगर, 9 जुलाई (देशबन्धु)। पुण्य लोक रानी अहिल्या बाई के 300 वें जयंती पर पूरे भारतवर्ष में उत्सव मनाया जा रहा है। मॉडर्न आर्ट चित्रकार डी.एस. विद्यार्थी ने इस निमित्त उनकी मनोहारी पेन्टिंग का निर्माण किया है। जिसमें उनके जीवन से संबंधित मुख्य घटनाओं का विहंगम चित्रण किया है। चित्रकार डी.एस. विद्यार्थी समकालीन भारतीय कलाजगत में रियलिस्टिक आर्ट के एक सशक्त स्तम्भ हैं। उनकी कलाएं शोख चटख रंग से परीपूर्ण है। इस कलाकार ने अपनी कला में रानी अहिल्या बाई के विधवा हो जाने पर उनके राज्य में आक्रमण करने आने वाले राजाओं को लिखे खत की कूटनीतिक परिपक्वता का वर्णन किया है। यही नहीं अलाउद्दीन खिलजी द्वारा तोडे गए भारतवर्ष के मंदिरों के जीर्णोद्धार को भी उन्होंने अपनी तूलिका से सजीव कर दिया है।

केंद्रीय विद्यालय संचालन को लेकर ग्राम बावामोहतरा में हुई सर्वपक्षीय बैठक, ग्रामीणों ने पूर्ण सहयोग का दिया आश्वासन

बेमेतरा, 9 जुलाई (देशबन्धु)। कलेक्टर रणबीर शर्मा के निर्देशानुसार आज ग्राम पंचायत भवन बावामोहतरा में केंद्रीय विद्यालय के सुचारू संचालन को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में एसडीएम बेमेतरा श्री प्रकाश भारद्वाज, तहसीलदार, जिला शिक्षा अधिकारी, विकासखंड शिक्षा अधिकारी, विद्यालय प्राचार्य, पंचायत प्रतिनिधिगण, शाला प्रबंधन समिति एवं ग्रामवासी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

बैठक में ग्रामवासियों द्वारा यह स्पष्ट रूप से सहमति दी गई कि भविष्य में केंद्रीय विद्यालय के संचालन में किसी भी प्रकार का धरना, चक्काजाम अथवा विरोध प्रदर्शन नहीं किया जाएगा। सभी पंचायत प्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों ने विद्यालय के शांतिपूर्ण संचालन में पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। जिला प्रशासन द्वारा अतिरिक्त कक्ष जिला खनिज न्यास निधि से स्वीकृति करने की बात रखी 7

महत्वपूर्ण निर्णय एवं घोषणाएं

विद्यालय भवन उपलब्धता एवं कक्ष निर्माण– ग्राम के शासकीय विद्यालय में केंद्रीय विद्यालय के अस्थायी संचालन हेतु ग्रामीणों ने सहमति प्रदान की। साथ ही, पंचायत द्वारा 6 अतिरिक्त कक्षों के निर्माण हेतु अगले चार माह में कार्य पूर्ण करने का आश्वासन दिया गया। एसडीएम महोदय द्वारा 5 कक्षों के निर्माण की प्रशासनिक स्वीकृति भी दी गई।

पूर्व घटनाओं पर स्पष्टीकरण एवं आग्रह– ग्रामीणों ने बताया कि विगत दिनों की घटनाओं का उद्देश्य विधि व्यवस्था भंग करना नहीं था। उन्होंने उनके विरुद्ध की गई आपराधिक कार्यवाहियों को समाप्त करने का आग्रह किया, जिस पर एसडीएम महोदय ने पुलिस अधीक्षक से समन्वय कर न्यायोचित कार्रवाई का आश्वासन दिया।

विद्यालय संचालन की समय–सारणी और समझौता– जिला शिक्षा अधिकारी, विकासखंड शिक्षा अधिकारी एवं प्राचार्य द्वारा विद्यालय संचालन की समय–सारणी एवं बैठक व्यवस्था तैयार की गई, जिसे ग्रामीणों एवं शाला प्रबंधन समिति के समक्ष प्रस्तुत किया गया। इस पर सभी पक्षों द्वारा सहमति जताई गई।

अधिनियम की जानकारी से संतुष्टि– एसडीएम महोदय ने ग्रामीणों को आरटीई अधिनियम के तहत मिलने वाले लाभों की जानकारी दी, जिससे ग्रामीणों में संतोष उत्पन्न हुआ और विद्यालय के संचालन में सहमति बनी।

ट्रांसफार्मर शिफ्टिंग की स्वीकृति– ग्राम स्कूल परिसर में स्थित ट्रांसफार्मर के स्थानांतरण की ग्रामीणों की लंबे समय से चली आ रही मांग को भी एसडीएम महोदय ने स्वीकार करते हुए स्वीकृति प्रदान की।

पंचायत कैशबुक एवं चार्ज रजिस्टर की समस्या पर कार्यवाही– ग्राम पंचायत द्वारा कैश बुक एवं चार्ज रजिस्टर के हस्तांतरण संबंधी शिकायत की गई, जिस पर एसडीएम महोदय ने तत्काल सीईओ जनपद को त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए। बैठक शांतिपूर्ण एवं सौहार्द्रपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई। सभी पक्षों द्वारा आपसी समन्वय, संवाद और सहयोग की भावना के साथ केंद्रीय विद्यालय के संचालन में सकारात्मक भूमिका निभाने की प्रतिबद्धता जताई।

डॉक्टर दंपत्ति हत्याकांड में पुलिस ने किया घटनास्थल पर सीन रीक्रिएशन

कवर्धा, 9 जुलाई (देशबन्धु)। नगर के बहुचर्चित डॉक्टर दंपत्ति मर्डर केस में आज एक और बड़ा मोड़ आया, जब पुलिस आरोपी को लेकर रामनगर स्थित घटनास्थल पहुंची और उसी जगह पर हत्या की पूरी पटकथा दोबारा जिंदा कारवाई गई।

दोपहर करीब 2 बजे पुलिस की गाड़ी घटनास्थल पर रुकी और आरोपी को उतारा गया। पुलिस ने पूरे घटना स्थल को सिक्योर करते हुए सीन रीक्रिएशन की प्रक्रिया शुरू की।

आरोपी को उसी रास्ते से अंदर ले जाया गया, जहां से उसने आठ साल पहले कदम रखा था। एक–एक पल, एक–एक हरकत, सबकुछ उसी क्रम में दोहराया गया — कैसे वह घर में दाखिल हुआ, डॉक्टर दंपत्ति का आपस में कैसे बहस किस बात पर हुई, कब बात बिगड़ी, और कैसे डॉक्टर ने अपनी पत्नी को और फिर आरोपी ने डॉक्टर को कैसे मौत के घाट उतारा।

पुलिस हर बिंदु पर ठहरकर आरोपी से पूछ रही थी ङ्क च्यहां क्या किया। किस दिशा में मारा ?, कब भागा ? और आरोपी बिना रुके हर सवाल का जवाब दे रहा था, जैसे उसे खुद भी अब बोझ हल्का करना हो।

इस दौरान घटनास्थल पर पुलिस अधीक्षक धर्मेन्द्र सिंह, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पुष्पेन्द्र बघेल, एसडीओपी कृष्ण कुमार चंद्राकर और फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी की टीम भी मौके पर थी। एफएसएल अधिकारियों ने हत्याकांड से जुड़े तकनीकी साक्ष्य जुटाने शुरू किए। खून के निशान कहां पर थे घटना साथ के पुराने फोटोग्राफ से मैच कराया साथ, संघर्ष की दिशा, भागने का रास्ता — सबकुछ गहराई से जांचा गया।

तकनीकी टीम ने सीन रीक्रिएशन की पूरी प्रक्रिया की वीडियोग्राफी की ताकि न्यायालय में इसे ठोस प्रमाण के रूप में प्रस्तुत किया जा सके।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, आरोपी के बयान और घटनास्थल के हालातों में काफी मेल पाया गया है। कई नई बातें भी सामने आई हैं, जो अब तक की विवेचना में नहीं थीं।

गौरतलब है कि वर्ष 2017 में कवर्धा के रामनगर में एक प्रतिष्ठित डॉक्टर दंपत्ति की घर में घुसकर हत्या कर दी गई थी। वर्षों तक यह मामला रहस्य बना रहा, लेकिन कबीरधाम पुलिस की सतत निगरानी, सूक्ष्म अनुसंधान और समर्पण के चलते अब सच सामने आ रहा है। अब पुलिस इस जघन्य हत्याकांड को न्यायालय में मजबूत साक्ष्यों के साथ प्रस्तुत करने की तैयारी में है।

स्व. श्रीमती सत्यभामा सिंघानिया स्मृति में भोरमदेव कांवर यात्रा की तैयारी पूर्ण

थानखम्हरिया, 9 जुलाई (देशबन्धु)। पावन श्रावण मास के अवसर पर विगत 9 वर्षों से स्व. सत्यभामा धर्म पत्नी संतोष सिंघानिया की स्मृति एस एस ज्वैलर्स परिवार के द्वारा भोरमदेव कांवर यात्रा सावन मास में नगर से होकर जाने वाले कांवर यात्रियों के लिए जलपान, फलाहार, भोजन व रात्रि में विश्राम की व्यवस्था रखी जाती है। यह सेवा विगत नव वर्षों से किया जा रहा है। स्थान जगदीश प्रसाद हरिलाल कंपलेक्स, झंडा चौक में किया गया है। आयोजन के प्रमुख सुरेश सिंघानिया का सामाजिक व धार्मिक कार्यों में हमेशा सहभागिता रहती है। सावन मास में आसपास ग्रामीण अंचल व नगर से कावरियों का जत्था भोरमदेव जल चढ़ाने के लिए निकलता है। आगे सुरेश सिंघानिया ने कहा, हमारे यहां अतिथि देव भव ॅ की संस्कृति को चरितार्थ करते हुए, भोरमदेव यात्रा में जाने वाले कावरियों की सेवा निस्वार्थ भाव से किया जाता हैं। इस कार्य से मन को सुकून व शांति मिलती है।

सीएमएचओ ने किया जिला चिकित्सालय का निरीक्षण दिए आवश्यक निर्देश

- प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के संचालन, दी जा रही सुविधा व्यवस्था का किया विशेष निरीक्षण
- मौसमी बीमारियों के तैयारी को लेकर दिए निर्देश

बेमेतरा, 9 जुलाई (देशबन्धु)। स्वास्थ्य विभाग सीएमएचओ डॉ अमृत रोहडेलकर आज जिला स्तरीय टीम के साथ जिला चिकित्सालय बेमेतरा का किया निरीक्षण उक्त स्वास्थ्य विभाग के निरीक्षण टीम में जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ अशोक बसोड़ , डॉ बी एल राज प्रमुख रूप से शामिल थे,सीएमएचओ निरीक्षण टीम के साथ 9 तारीख को गर्भवती महिलाओं को मिलने वाली विशेष सुविधा प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान तहत,बैठने की व्यवस्था ,पंजीयन, स्त्रीरोग ,गर्भवती जांच कक्ष, पैथोलॉजी लैब, सोनोग्राफी सेवाएं,दवाई वितरण सेवा, शुद्ध पेय जल की उपलब्धता,साफ सफाई व्यवस्था आदि का बारीकी से निरीक्षण करते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिए, सीएमएचओ डॉ रोहडेलकर ने कहा कि अस्पताल में आए हितग्राहियों को शासन स्तर पर उपलब्ध सुविधा का लाभ पूरे मिलना चाहिए किसी प्रकार से उन्हें शिकायत का मौका न मिले ये सुनिश्चित किया जाए, इसी क्रम में एम सी एच बिल्डिंग में प्रसव कक्ष,पोषण पुनर्वास केंद्र, एस एन सी यू, डायलिसिस वार्ड का भी निरीक्षण किया गया भर्ती बच्चे उनके परिजन ,मरीजों से मिलकर व्यवस्था इलाज संबंधित जानकारी लिए,जिला चिकित्सालय में ब्लड बैंक का निरीक्षण में उपलब्ध ब्लड बैग और प्रति दिन मांग की जानकारी ली जिसमें आवश्यकता देखकर रक्तदान के लिए जागरूकता अभियान के साथ समुदाय विभिन्न स्तर पर शिविर आयोजन की बात कही,ओपीडी में तय सीमा पर डॉक्टर,चिकित्सकीय स्टॉफ की उपलब्धता प्राथमिकता पर हो ,ओर आई पी डी में भर्ती मरीजों को दी जाने वाली उपलब्ध समस्त चिकित्सकीय सुविधा ,भोजन,सफाई आदि विशेष रूप से मौसम बीमारियों से संबंधित व्यस्था,बेड,दवाई की उपलब्धता सुनिश्चित करने सिविल सर्जन को निर्देशित किया।

गुरु पूर्णिमा क्यों मनाते हैं क्या है, इसका महत्व: पं.ओमप्रकाश जोशी

थानखम्हरिया, 9 जुलाई (देशबन्धु)। गुरु पूर्णिमा गुरुओं के सम्मान में उनके वंदन और उनके प्रति सम्मान प्रकट करने के लिए मनाया जाता है। गुरु पूर्णिमा का हिंदू धर्म में विशेष महत्व माना गया है। इस पूर्णिमा को व्यास पूर्णिमा के रूप में भी जाना जाता है। क्योंकि इस तिथि पर महर्षि वेदव्यास का जन्म हुआ था।

गुरु पूर्णिमा को मनाने का मूल उद्देश्य अपने गुरु के प्रति श्रद्धा, सम्मान और कृतज्ञता प्रकट करना होता है। आगे महाराज जी ने बताया, गुरु का हमारे जीवन में बहुत महत्व है। गुरु वह व्यक्ति होता है, जो हमें ज्ञान, मार्गदर्शन और सही दिशा प्रदान करता है। और हमें अज्ञानता के अधिकार से ज्ञान के प्रकाश की ओर ले जाता है। गुरु एक शिक्षक होने के साथ–साथ एक मार्गदर्शक, सलाहकार और मित्र भी होता है। जो हमें जीवन की चुनौतियों का सामना करने और अपने लक्ष्य को प्राप्त करने में मदद करता है। आगे महाराज जी ने बताया है, गुरु नाम से ही सम्मान और शिक्षा का भाव उत्पन्न होता है। इंसान अपने जीवन में सब कुछ कर सकता है। परंतु वह जो कर रहा है, वह काम सही है, या नहीं यह जानने के की सीख उसे गुरु से मिलती है। आगे महाराज जी ने बताया आज के समय में सच्चे गुरु की पहचान करना एक कठिन कार्य है। लेकिन कुछ गुण है जो एक सच्चे गुरु में पाए जाते हैं। एक सच्चा गुरु वह है, जो शास्त्रों के अनुसार साधना बताता है। और मोक्ष का मार्ग दिखाता है। इसके अतिरिक्त एक सच्चा गुरु पूर्ण ज्ञान और अनुभव का स्वामी होता है।

आकाशीय बिजली से दो महिलाओं की मौत, गांव में पसरा मातम

कवर्धा, 9 जुलाई (देशबन्धु)। कुकदूर थाना क्षेत्र के ग्राम बाहपानी के जंगल में भाजी तोड़ने गईं दो बैगा महिलाओं की आकाशीय बिजली गिरने से दर्दनाक मौत हो गई। मृतकों की पहचान तिहरी बाई और रामबाई के रूप में हुई है, जो आपस में एक ही परिवार से ताल्लुक रखते है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, मंगलवार की शाम करीब 5 बजे दोनों महिलाएं जंगल में चरोटा भाजी तोड़ने के लिए निकली थीं। क्षेत्र में उस समय मौसम अचानक खराब हुआ और तेज गर्जना के साथ बारिश शुरू हो गई। इसी दौरान जंगल में आकाशीय बिजली गिरने से दोनों महिलाएं उसकी चपेट में आ गईं।

रात भर परिजन उनकी राह देखते रहे, लेकिन जब देर रात तक कोई सुराग नहीं मिला, तो बुधवार सुबह ग्रामीणों की मदद से जंगल में उनकी तलाश शुरू की गई। थोड़ी देर बाद ही बाहपानी गांव के समीप जंगल में दोनों का शव पड़ा मिला। शवों की स्थिति से स्पष्ट था कि उनकी मौत बिजली गिरने से हुई है।

घटना की सूचना मिलते ही कुकदूर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और पंचनामा कार्रवाई के बाद शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में भी आकाशीय बिजली गिरने से मृत्यु की पुष्टि हुई है।

एक पेड़ मां के नाम अभियान में पौधारोपण किया गया

थानखम्हरिया, 9 जुलाई (देशबन्धु)। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने मन की बात कार्यक्रम में देशवासियों से एक पेड़ मां के नाम लगाने का अवाहन किया था। देश के नागरिकों से इस वर्ष वर्षा ऋतु में अपनी मां के सम्मान के लिए सम्मान स्वरूप एक पौधा लगाने का अवाहन किया। जिसके तहत सेवा सहकारी समिति ग्राम कांपा अध्यक्ष तोशू राम वर्मा अपने साथियों के साथ सोसायटी परिसर में फलदार पौधा रोपण किया गया। और आम जनों को पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस मौके पर पिंटू निर्मलकर, शेख सर, भीषम पटेल, रुपेश वैष्णव, दीपक मनु निर्मलकर, गुलाब साहू उपस्थित थे।

बाबामोहतरा ग्रामीणों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज किए जाने का पूर्व विधायक ने जताया विरोध

बेमेतरा, 9 जुलाई (देशबन्धु)। जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक आशीष छाबड़ा ने बेमेतरा विधानसभा क्षेत्र के ग्राम बाबा मोहतरा में केंद्रीय विद्यालय को शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला बाबा मोहतरा में खोले जाने को लेकर ग्रामीणों द्वारा किए जा रहे शांतिपूर्वक विरोध प्रदर्शन पर ग्रामीण जनों के विरुद्ध पुलिस थाना बेमेतरा में अपराधिक प्रकरण दर्ज किए जाने पर विरोध जताया है पूर्व विधायक आशीष छाबड़ा ने कहा कि केंद्रीय विद्यालय खोले जाने का कहीं कोई विरोध नहीं है विरोध सिर्फ इस बात का है की चलते हुए स्कूल के शाला भवन को खाली कराकर उसमें केंद्रीय विद्यालय प्रारंभ किया जा रहा है जबकि शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बाबा मोहतरा के विद्यार्थियों के लिए बैठने की व्यवस्था नहीं हो रही है जबकि शासन के पास अन्य ग्रामों में भी केंद्रीय विद्यालय को प्रारंभ किए जाने हेतु पर्याप्त भवन उपलब्ध है पूर्व में इसी तरह नवोदय विद्यालय जब प्रारंभ किया जाना था तो खिलोरा में स्कूल भवन का उपयोग किया गया था उसे भी उपयोग किया जा सकता है जबकि यहां बड़ी संख्या में आसपास ग्रामों के बच्चे उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों की शिक्षा लेने के लिए ग्राम बाबा मोहतरा विद्यालय आते हैं ऐसे में इन विद्यार्थियों का भविष्य क्या होगा जबकि केंद्रीय विद्यालय अभी प्रारंभ नहीं हुआ है प्रारंभ में इसकी कक्षाओं में विद्यार्थियों की संख्या कम होगी ऐसे में शासन को चाहिए था बाबा मोहतरा में ग्रामीणों के विरोध को जन भावना का सम्मान करते हुए केंद्रीय विद्यालय को अन्यत्र स्थानांतरित किया जाना था किंतु इसे विडंबना ही कहीं जाए भाजपा के जनप्रतिनिधियों की आर्कमण्यता और निकम्मेपन के चलते बाबा मोहतरा के ग्रामीणों को शांतिपूर्वक आंदोलन के लिए बाध्य होना पड़ा केंद्रीय विद्यालय का खोले जाने निर्णय लगभग 1 वर्ष पूर्व ही केंद्र सरकार के द्वारा लिया जा चुका है ऐसे में आनन–फानन में स्कूल भवन खोजने की आवश्यकता ही क्यों पड़ी जबकि स्कूल भवन का इंतजाम करने के लिए शिक्षा विभाग और शासन के पास पर्याप्त समय था किंतु जैसा शासन वैसा प्रशासन भाजपा आज सिर्फ और सिर्फ लूट में डूबी हुई है जनहित के कार्यों से इसे कोई सरोकार नहीं है यही कारण है कि प्रशासनिक अधिकारी भी जनहित के कार्यों में कोई दिलचस्पी नहीं लेते और जैसा कि भाजपा की नीति है सभी जन आंदोलन को कुचलना की उसी के परिपेक्ष्य में यहां के ग्रामीणों के विरुद्ध जानबूझकर झूठी रिपोर्ट दर्ज की गई है जिसका कांग्रेस पार्टी पुरजोर विरोध करती है भविष्य में आवश्यकता पड़ेगी तो कांग्रेस बाबा मोहतरा के ग्रामीणों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर बड़ा जन आंदोलन करने को भी तैयार है ।

एकेडमिक वर्ल्ड स्कूल में छात्रसंघ का गठन एवं शपथ ग्रहण समारोह

बेमेतरा, 9 जुलाई (देशबन्धु)। एकेडमिक वर्ल्ड स्कूल, बेमेतरा सत्र 2025–26 के शुभारंभ के अवसर पर विद्यालय प्रांगण में एक गरिमामय प्रार्थना सभा के दौरान छात्र परिषद् का गठन एवं शपथ ग्रहण समारोह उत्साहपूर्वक संपन्न हुआ। यह आयोजन विद्यार्थियों के नेतृत्व, अनुशासन, कर्तव्यनिष्ठा एवं विद्यालय के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का सजीव उदाहरण रहा। इस समारोह के माध्यम से योग्य, कर्मठ एवं समर्पित छात्र–छात्राओं को विभिन्न पदों पर मनोनीत कर उनके उत्तरदायित्वों से औपचारिक रूप से अवगत कराया गया।

छात्रों के इस उत्साह को देखते हुए विद्यालय प्राचार्य श्री गिरीश कुमार ने सभा को संबोधित करते हुए छात्र परिषद् के नवनिर्वाचिन सदस्यों एवं शाला के सभी विद्यार्थियों को विद्यालय के प्रति उनके दायित्व, कर्तव्यनिष्ठता, अनुशासनप्रियता जैसे गुणों से अवगत कराया, साथ ही छात्र परिषद् के लिए चुने गए नवीन सदस्यों के नाम की घोषणा की जिसमें शाला नायक के पद हेतु सीनियर विंग से दक्ष भूतड़ा (कक्षा बारहवीं) एवं जूनियर विंग से रणवीर कश्यप (कक्षा आठवीं), उसी प्रकार शाला नायिका के पद हेतु सीनियर विंग से छात्रा ऐमन खान (कक्षा बारहवीं) एवं जूनियर विंग से प्रज्ञा पटेल (कक्षा आठवीं) के नामों की घोषणा की गई। इसी प्रकार क्रमश: उप–शालानायक एवं उप–शालानायिका के पद हेतु सीनियर विंग से अर्णव गौतम (कक्षा ग्यारहवीं) एवं जूनियर विंग से आहन पाठक (कक्षा सातवीं) इसी प्रकार छात्रा सौम्य तिवारी (कक्षा ग्यारहवीं) एवं आलिया परवेज़ (कक्षा सातवीं) का नाम घोषित किया गया।

तत्पश्चात् विद्यालय में कार्यरत चारों सदनों के नेतृत्व के नामों की घोषणा की गई जिसमें सर्वप्रथम आर्यभट्ट सदन परिषद् के अंतर्गत छात्र सदन प्रमुख कृष्णा अग्रवाल (कक्षा बारहवीं,) पार्थ जैसवाल (कक्षा आठवीं) एवं छात्रा सदन प्रमुख अन्वेशा केशरवानी (कक्षा बारहवीं), मार्या अग्रवाल (कक्षा आठवीं) से हैं। उसी प्रकार छात्र सदन उप प्रमुख भव्य पटेल (कक्षा ग्यारहवीं), हर्ष कुमार देवांगन (कक्षा सातवीं) से हैं। छात्रा सदन उप प्रमुख गुनगुन वर्मा (कक्षा ग्यारहवीं) एवं कनक वर्मा (कक्षा सातवीं) से हैं।

अनुशासन छात्र प्रमुख प्रिंस रिझवानी (कक्षा बारहवीं) एवं श्रेष्ठ जैसवाल (कक्षा आठवीं) एवं छात्रा प्रमुख शुभांक्षिका पुरवार (कक्षा बारहवीं) एवं चारवी जैन (कक्षा आठवीं) से हैं।

क्रीडा छात्र प्रमुख आयन खान (कक्षा बारहवीं) एवं दिव्यान्श जैन (कक्षा आठवीं) तथा छात्रा प्रमुख अनुश्रेया पाठक (कक्षा बारहवीं) एवं आर्य केडीया (कक्षा आठवीं) से हैं।

सांस्कृतिक छात्र प्रमुख प्रियांश सिन्हा (कक्षा बारहवीं) एवं सूर्यान्श धुर्वे (कक्षा आठवीं) तथा छात्रा सांस्कृतिक प्रमुख भूमि अग्रवाल (कक्षा बारहवीं) एवं भूमि गांधी (कक्षा आठवीं) से हैं।

इसी प्रकार भाभा सदन परिषद के अंतर्गत छात्र सदन प्रमुख अंश जिंदल (कक्षा बारहवीं) एवं मोक्ष वर्मा (कक्षा आठवीं) से हैं, उसी प्रकार छात्रा सदन प्रमुख भूमिका अग्रवाल (कक्षा बारहवीं) एवं तनिशा सोनी अग्रवाल (कक्षा आठवीं) से है। उसी प्रकार छात्र सदन उप–प्रमुख पार्थ देवांगन (कक्षा ग्यारहवीं) एवं तनवीर चावला (कक्षा सातवीं) से एवं छात्रा सदन उप–प्रमुख विनीता मालनी (कक्षा ग्यारहवीं) एवं सान्वी जैसवाल (कक्षा सातवीं) से हैं।

अनुशासन छात्र प्रमुख नोवेल राठोर (कक्षा बारहवीं) एवं नेतृत्व मिश्रा (कक्षा आठवीं) से हैं, एवं छात्रा प्रमुख पलक गर्ग (कक्षा बारहवीं) एवं हरगुन खुराना (कक्षा आठवीं) से हैं।

क्रीडा छात्र प्रमुख केशरानी हेत (कक्षा बारहवीं) एवं अमृत गुप्ता (कक्षा आठवीं) से एवं छात्रा प्रमुख समृद्धि जैसवाल (कक्षा बारहवीं) एवं मनलीन कौर (कक्षा छठवीं) से हैं।

सांस्कृतिक छात्र प्रमुख सक्षम बंसल (कक्षा बारहवीं) एवं सर्वेश पोल (कक्षा छठवीं) से एवं छात्रा प्रमुख गोपिका सिन्हा (कक्षा दसवीं) एवं दिव्यान्शी तिवारी (कक्षा आठवीं) से हैं।

कलाम सदन परिषद के अंतर्गत

छात्र सदन प्रमुख ओजिस्थ चावला (कक्षा बारहवीं) एवं सिद्धार्थ अग्रवाल (कक्षा आठवीं) से हैं, छात्रा सदन प्रमुख कृतिका सोनी (कक्षा बारहवीं) एवं पीयूशा साहू (कक्षा आठवीं) से हैं।

छात्र सदन उप प्रमुख संस्कार शुक्ला (कक्षा ग्यारहवीं) एवं आविष्क तिवारी (कक्षा सातवीं) से एवं छात्रा सदन उप प्रमुख मीनल साहू (कक्षा ग्यारहवीं) एवं हितिशा ध्रुव (कक्षा सातवीं) से हैं।

अनुशासन छात्र प्रमुख हरीश सोनी (कक्षा बारहवीं) एवं गौरव साहू (कक्षा आठवीं) से हैं, एवं छात्रा प्रमुख सौम्य अग्रवाल (कक्षा ग्यारहवीं) एवं तेजश्विनी पटेल (कक्षा आठवीं) से हैं।

क्रीडा छात्र प्रमुख अनंत अग्रवाल (कक्षा बारहवीं) एवं सार्थ शर्मा (कक्षा आठवीं) एवं छात्रा प्रमुख प्रिंसी जैसवाल (कक्षा बारहवीं) एवं अरिका बिंदल (कक्षा आठवीं) से हैं। उसी प्रकार

सांस्कृतिक छात्र प्रमुख समर्थ केशरवानी (कक्षा दसवीं) एवं कल्प जैन (कक्षा छठवीं) एवं छात्रा प्रमुख समीक्षा अग्रवाल (कक्षा बारहवीं) एवं आराध्या सिंघानिया (कक्षा आठवीं) से हैं।

रमन सदन परिषद के अंतर्गत

छात्र सदन प्रमुख युवराज अग्रवाल (कक्षा बारहवीं) एवं अर्णव सोनी (कक्षा आठवीं) से हैं, छात्रा सदन प्रमुख दिशा जैन (कक्षा बारहवीं) एंव प्रांजलि शर्मा (कक्षा आठवीं) से हैं।

छात्र सदन उप प्रमुख अक्षत तिवारी (कक्षा ग्यारहवीं) एवं प्रत्यक्ष गोयल (कक्षा सातवीं) से है, एवं छात्रा सदन उप योगिता बंजारे (कक्षा ग्यारहवीं) से एवं देवांशि केडीया (कक्षा सातवीं) से हैं।

अनुशासन छात्र प्रमुख निकुंज अग्रवाल (कक्षा बारहवीं) एवं रुद्र साहू (कक्षा आठवीं) से हैं, उसी प्रकार छात्रा प्रमुख अदिति अग्रवाल (कक्षा बारहवीं) एवं श्रेया सिंह (कक्षा आठवीं) से हैं।

क्रीडा छात्र प्रमुख आशीष नायक (कक्षा बारहवीं) एवं हरिहन रोजर (कक्षा सातवीं) से उसी प्रकार छात्रा प्रमुख दिव्य शर्मा (कक्षा ग्यारहवीं) एवं अश्मित कौर (कक्षा आठवीं) से हैं।

सांस्कृतिक छात्र प्रमुख अंश पटेल (कक्षा ग्यारहवीं) एवं अभिमन्यु गोयल (कक्षा आठवीं) से एवं छात्रा सौम्य साहू (कक्षा दसवीं) एंव ऋषिका देवांगन (कक्षा आठवीं) से हैं।

संपादक मंडल (एडिटोरियल बोर्ड) के अंतर्गत भी छात्र–छात्राओं का चयन किया गया। जिसमें मुख्य संपादक शमिथा के.के, एवं सेजल सिन्हा हैं। उसी प्रकार भाषा संपादक (लैंग्वेज एडिटर) हेतु अनिमेष सिंह ,सत्यम वर्मा एवं अन्वेशा सिंघानिया के नामों का समावेश है। डिजाइनिंग संपादक (क्रिएटिव एडिटर) हेतु सुरभि मरकाम, श्रद्धा साहू के नामों का समावेश है।

इसके पश्चात विद्यालय के उप–प्राचार्य श्री राकेश कुमार ने सभी छात्र–छात्राओं को अपने चयनित पदों पर विद्यालय द्वारा दिए गए दिशा निर्देशों का सम्पूर्ण सत्र में पूरी निष्ठा के साथ पालन करने हेतू निर्देश दिए एवं छात्रसंघ में चयनित सभी विद्यार्थियों को उनकी सफलता पर शुभकामनाएं दीं।

विद्यालय के प्राचार्य श्री गिरीश कुमार ने छात्रों को संबोधित करते हुए एवं संबंधित पदों की प्रतिष्ठा और गोपनीयता की शपथ दिलाई एवं कहा कि, आप सभी छात्र अपने दायित्वों का पालन करते हुए विद्यालयीन गतिविधियों को सहजता एवं सरलतापूर्वक संचालित करें, इससे आप सभी में कर्तव्यनिष्ठता जैसे गुणों का विकास होगा। एवं आगे भी आप समाज के महत्वपूर्ण घटक के रूप में स्थापित हो सकेंगे। साथ ही उन्होंने इस समारोह में शामिल होने हेतु विद्यालय के उप–प्राचार्य, प्रधानाध्यापिका एवं शिक्षक/शिक्षिकाओं के प्रति आभार व्यक्त किया एवं चयनित छात्रों को बधाई दी।

विद्यालय संचालिका श्रीमती भावना बोहरा ने अपने संदेश के माध्यम से सभी को छात्रसंघ में चयनित होने पर हार्दिक शुभकामनाएँ एवं बधाई दीं। उन्होने कहा कि, यह अवसर केवल एक पद या सम्मान का नहीं, बल्कि एक उत्तरदायित्व, नेतृत्व और आत्मविकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण पड़ाव है।

आज जो जिम्मेदारियाँ आप सभी को सौंपी गई हैं, वे आपके चरित्र, आत्मानुशासन और कर्मठता की पहचान हैं। विद्यालय ने आपमें नेतृत्व की संभावनाएँ देखी हैं, और अब यह आपका कर्तव्य है कि आप उन संभावनाओं को दृढ़ संकल्प, टीम भावना और अनुशासन के साथ साकार करें।

मैं आप सभी से यह अपेक्षा करती हूँ कि आप अपने पद की गरिमा को बनाए रखते हुए न केवल विद्यालय में अनुशासन व सौहार्द बनाए रखें, बल्कि अपने आचरण से दूसरों के लिए प्रेरणा के स्तम्भ बनें।

आप सभी को एक बार पुन: शुभकामनाएँ — आगे बढ़ें, सशक्त बनें, और अपने सपनों को साकार करें। विद्यालय परिवार को आप पर गर्व है।

छत्तीसगढ़ व जिला हॉकी संघ ने विजेता खिलाड़ियों का किया स्वागत

- 15वी हॉकी इंडिया राष्ट्रीय चैंपियनशिप मे बी डिवीज़न चैंपियन बनकर लौटी प्रदेश की बेटियाँ
- छत्तीसगढ़ की बेटियों ने रचा इतिहास- हॉकी इंडिया सब–जूनियर राष्ट्रीय चैंपियनशिप 2025 की बी डिवीजन विजेता टीम का राजनांदगांव में स्वागत

राजनांदगांव, 9 जुलाई (देशबन्धु)। 15वीं हॉकी इंडिया सब–जूनियर राष्ट्रीय चैंपियनशिप 2025 में बी डिवीजन की चैंपियन बनकर लौटी छत्तीसगढ़ की बेटियों का राजनांदगांव रेलवे स्टेशन में भव्य स्वागत किया गया। यह स्वागत छत्तीसगढ़ हॉकी एवं जिला हॉकी संघ राजनांदगांव द्वारा, छत्तीसगढ़ हॉकी एवं जिला हॉकी संघ राजनांदगाँव के अध्यक्ष *फिरोज अंसारी* के नेतृत्व तथा जिला हॉकी संघ के सह – सचिव प्रिंस भाटिया और महेंद्र सिंह ठाकुर की प्रमुख उपस्थिति में किया गया ।

यह प्रतिष्ठित चैंपियनशिप हॉकी झारखंड द्वारा हॉकी इंडिया के तत्वावधान में 3 जुलाई से झारखंड की राजधानी रांची स्थित मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा एस्ट्रोटर्फ हॉकी स्टेडियम में आयोजित की गई थी। इस प्रतियोगिता में देशभर की 28 शीर्ष टीमें शामिल थीं।

फ़िरोज़ अंसारी ने बताया की छत्तीसगढ़ की सब–जूनियर बालिका टीम अपने पूल में सभी मैच जीतकर बी डिवीजन विजेता बनी और ए डिवीजन में क्वालीफाई होने का गौरव प्राप्त किया। टीम ने गुजरात को 8–2, तमिलनाडु को 2–1 और वेस्ट बंगाल को 5–0 से हराते हुए अपराजेय रहते हुए तीनों मैच जीतकर रिकॉर्ड हैट्रिक बनाई। साथ ही यह टीम बी डिवीजन की सबसे कम गोल खाने और सर्वाधिक गोल करने वाली टीम भी रही। इस गौरवपूर्ण उपलब्धि में खिलाड़ियों की मेहनत और अंतरराष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी और मुख्य कोच मृणाल चौबे, सहायक कोच दीपेश चौबे एवं टीम मैनेजर सुप्रिया तिग्गा की महत्वपूर्ण भूमिका रही। सभी मैचों में प्लेयर ऑफ द मैच पुरस्कार भी छत्तीसगढ़ की खिलाड़ियों ने ही प्राप्त किए, जो प्रदेश की प्रतिभा और अनुशासन का परिचायक है।छत्तीसगढ़ हॉकी के अध्यक्ष *फिरोज अंसारी* ने यह भी जानकारी दी कि इस चैंपियनशिप में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को हॉकी इंडिया के सेलेक्टर के द्वारा चयनित कर भविष्य में अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए तैयार किया जाएगा। रेलवे स्टेशन पर जिला हॉकी संघ के पदाधिकारी सहित अन्य वरिष्ठ खिलाड़ी एवं खेल प्रेमी उपस्थित रहे और खिलाड़ियों का फूल–मालाओं से स्वागत कर उन्हें शुभकामनाएं दीं। समस्त प्रदेशवासियों ने इस उपलब्धि पर गर्व व्यक्त करते हुए टीम को बधाइयाँ और भविष्य के लिए शुभकामनाएँ दीं।

प्रतिनिधित्व करने वाली विजेता खिलाड़ी-

गोलकीपर नौरीन हयात, विशाखा
डिफेंडर- केसर साहू, अंजलि एक्का, जिज्ञासा कश्यप
मिडफील्डर- सुधा साहू, श्यामली राय, सरिता मौर्य, स्मिता कुजूर, सोनाक्षी यादव, अज़्मत प्रवीन
स्ट्राइकर- ट्विंकल प्रजा, दुबी रावत, मनप्रीत कौर, काव्या सिंह ठाकुर, रश्मि निषाद, संजना, रिया खालको
मुख्य कोच- मृणाल चौबे (अंतरराष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी)
सहायक कोच- दीपेश चौबे
टीम मैनेजर- सुप्रिया तिग्गा

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र डोंगरगांव में कर्मचारियों के जन सहयोग से बना वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम

डोंगरगांव, 9 जुलाई (देशबन्धु)। नगर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में गर्मी के दिनों में पानी की किल्लत एक आम बात है क्योंकि नवीन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भवन पहाड़ी इलाके में बनने व ड्राई जोन होने के कारण चार से पांच बोर खन्न होने के बाद पानी नही निकल वहीं अस्पताल प्रांगण में एक भी वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम नहीं होने के बारिश के पानी व्यर्थ बह जाता है इन्हीं बातों को ध्यान में रखते हुए रेडियोग्राफर भोज साहू ने अपने कर्मचारियों के बीच सुझाव रखा क्यों न बारिश के पानी को संरक्षित करने के लिए वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम सोखता निर्माण जन सहयोग किया जाये इस पर सभी स्टाफ के कर्मचारियों ने सहमति जताई व अपने वेतन के आंशिक सहयोग करने के सहमति के बाद लिखित पत्र डां रागिनी चंद्रे खंड चिकित्सा अधिकारी के पास आवेदन देकर अनुमति मांगे जिस पर बीएमओ ने अनुमति प्रदान करने के पश्चात कार्य का शुभारंभ किया। अस्पताल परिसर के प्रांगन में बोर खन्न हुआ है जिसमें पानी नगण्य है उसी को वाटर रिचार्ज करने के उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए सोखता गड्ढा खोदाई किया व ईट की जोड़ाई करते हुए 8 फीट लंबा 5 फीट चौड़ा व गहराई 10 फीट का सोखता बनावाया गया है जिसमें अस्पताल बिल्डिंग के छत के पानी को सोखता निर्माण तक पाइप लाइन बिछाकर पहुंचया गया है निश्चित रूप से बारिश के पानी को संरक्षित करने का यहां पहल से वाटर रिचार्ज होगा व बोर के पानी में भी वृद्धि होगी।

अस्पताल के कर्मचारियों के साथ नगर के कुछ समाजसेवी भी इस मुहिम में जुड़कर सहयोग किया है

कर्मचारियों के द्वारा वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम बनाने के लिए अपने वेतन से आंशिक सहयोग किया व वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम में लागत 28900 रूपये में बनकर तैयार हो गया कुछ आंशिक रूपये का कम पड़ने पर नगर के समाजसेवियों ने सहयोग कर इस कार्य को पूर्ण करने में मदद किया जिसे कार्य पूर्ण हुआ और अभी लगातार बारिश होने से सोखता गड्ढा में पानी का जुमाव भी हो गया जिसे देखकर कर्मचारियों ने अपने सहयोग पर बने वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम को देखकर उत्साहित हैं बिना सरकारी फंड का उपयोग किए बिना कर्मचारियों ने इस तरह जन सहयोग से वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम बनाकर लोगों को प्रेरित कर रहे हैं कोई भी कार्य दृढ़ इच्छाशक्ति व जन सहयोग से आसानी से बन जाता है इस कार्य को पूर्ण कराने में समस्त कर्मचारियों का विशेष योगदान रहा।

नगर के अमलीपारा में युवती ने लगाई फांसी

पुलिस कर रही मामले की जांच पड़ताल

खैरागढ़, 9 जुलाई (देशबन्धु)। नगर के अमलीपारा वार्ड क्रमांक 12 में रविवार की रात लगभग 8 बजे एक युवती ने घर में ही फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। खेती–किसानी से जीवन यापन करने वाले एक साधारण परिवार की नाबालिग बेटी ने जन्म देने वाली मां की साड़ी से ही फांसी लगाकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली। किसी को अंदेशा तक नहीं था कि कुछ ही पलों में वह ऐसा भयावह कदम उठा लेगी। घटना की सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और शव को फंदे से उतारकर सिविल अस्पताल भेजा गया जहां फिलहाल शव को मरचुरी में रखवाया गया है और पुलिस मामले की गंभीरता से जांच शुरू कर दी है। मोहल्ले में मातम का माहौल गहरा गया है। युवती ने आत्मघाती कदम क्यों उठाया इसकी जानकारी नहीं मिल पाई है।

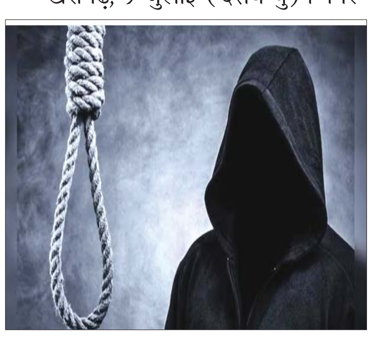

उदयपुर फाइल्स फिल्म पर प्रतिबंध लगाने मुस्लिम संगठन ने राष्ट्रपति के नाम कलेक्टर को सौपा ज्ञापन

खैरागढ़, 9 जुलाई (देशबन्धु)। उदयपुर फाइल्स फिल्म पर प्रतिबंध लगाने रजा यूनिटी फाउंडेशन के पदाधिकारियों और सदस्यों ने राष्ट्रपति के नाम कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर फिल्म पर तत्काल रोक लगाने की माँग की है। ज्ञापन का नेतृत्व जिला अध्यक्ष एडवोकेट सैय्यद अल्ताफ अली ने किया। ज्ञापन के माध्यम से उन्होंने आरोप लगाया है कि फिल्म में इस्लाम धर्म और मुस्लिम समाज की पवित्र भावनाओं को जानबूझकर आहत किया गया है साथ ही नबी–ए–पाक हज़रत मोहम्मद (सल्ल.) की शान में गुस्ताखी की गई है जो न सिर्फ धार्मिक आस्था का अपमान है बल्कि सामाजिक सौहार्द और राष्ट्रीय एकता के लिए भी घातक है। पैगम्बर मुहम्मद (सल्ल.) के प्रति आपत्तिजनक और अपमानजनक टिप्पणियाँ की गई है, इस्लाम के मूल सिद्धांतों और शिक्षाओं का गलत एवं विकृत चित्रण हुआ है, मस्जिदों और मदरसों को आतंकवाद और कट्टरता से जोड़ने की अनुचित कोशिश की गई है, मुस्लिम धार्मिक गुरुओं को बदनाम करने के प्रयास किए है, साम्प्रदायिक तनाव और नफरत फैलाने की साजशि का आरोप लगाते हुए फाउंडेशन ने राष्ट्रपति से फ़िल्म पर तुरंत प्रतिबंध लगाने तथा फिल्म निर्माताओं को सार्वजनिक रूप से माफी माँगने के निर्देश देने व मीडिया संस्थानों को अधिक जिम्मेदार और संयमित रवैया अपनाने के निर्देश देने की बात कही है ताकि समाज में शांति, भाईचारा और गंगा–जमुनी तहज़ीब सुरक्षित रह सके। साथ ही यह भी आग्रह किया गया है कि सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, गृह मंत्रालय, पुलिस महानिदेशक एवं सेंसर बोर्ड जैसी संस्थाएँ फिल्म के प्रसार को तत्काल प्रभाव से रोककर आवश्यक कानूनी कार्रवाई करें। रजा यूनिटी फाउंडेशन ने अंत में समाज के सभी वर्गों से शांति, संयम और एकता बनाए रखने की अपील भी की है ताकि किसी भी तरह की अफवाह या उकसावे से बचा जा सके और सामाजिक सद्भाव की परंपरा को मज़बूती मिले। इस दौरान अरशद हुसैन, सादिक मेमन, इमरान उद्दीन, मतीन खान, रियाज अशरफी, सकलेन सोलंकी, फारूक सोलंकी, मैनुद्दीन सहित फाउंडेशन के सदस्य मौजूद थे।

सर्विस लेन विस अध्यक्ष व सांसद के प्रयासों का परिणाम: मोनू बहादुर

राजनांदगांव, 9 जुलाई (देशबन्धु)। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा आरके नगर चौक से रेवाडीह चौक तक दोनों ओर सर्विस रोड निर्माण की स्वीकृति प्रदान किए जाने पर भारतीय जनता युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष मोनू बहादुर सिंह ने केंद्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी के प्रति आभार व्यक्त किया है।

उन्होंने कहा कि विधानसभा अध्यक्ष डा. रमन सिंह व सांसद संतोष पांडे के सतत प्रयासों का ही परिणाम है कि आज इस जनहितकारी कार्य को स्वीकृति मिली है। मेडिकल कालेज, स्कूल, व्यावसायिक प्रतिष्ठान, होटल और आरटीओ कार्यालय जैसे महत्वपूर्ण स्थलों के कारण जिस क्षेत्र में लगातार दुर्घटनाएं हो रही थीं, अब वहां 7 किलोमीटर लंबी सर्विस रोड के निर्माण से लोगों को बड़ी राहत मिलेगी और सड़क सुरक्षा भी सुनिश्चित हो सकेगी। मोनू बहादुर सिंह ने कहा कि यह फैसला जनसुविधा एवं विकास की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। युवा मोर्चा इसके लिए केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, विधानसभा अध?यक्ष डॉ. रमन सिंह और सांसद संतोष पांडे के प्रति आभार व्यक्त करता है और इस कार्य को शीघ्र प्रारंभ करने की अपेक्षा करता है।

पर्यावरण वन और जलवायु संवर्धन परिषद छत्तीसगढ़ के चेयरमेन बने पुनीत कुमार

राजनांदगांव, 9 जुलाई (देशबन्धु)। पर्यावरण वन और जलवायु संवर्धन परिषद छत्तीसगढ़ के चेयरमेन बने पुनीत कुमार ,क्षेत्रीय प्रांत मंत्री और भाजपा के संगठन महामंत्री अजय जमवाल से सौजन्य मुलाकात कर आशीर्वाद एवं मार्गदर्शन प्राप्त किया ।उन्होंने श्री जामवाल को आगामी छत्तीसगढ़ में होने कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी दी।

अजय जामवाल के द्वारा पुनीत कुमार को छत्तीसगढ़ में हर कोने–कोने में हरियाली फैलाने के लिए वृक्षारोपण और छत्तीसगढ़ में जलवायु के क्षेत्र में काम करने के लिए मार्गदर्शन दिया एवं हर प्रकार के सहयोग का भी आश्वासन दिया।

बता दे कि अजय जमवाल और पुनीत कुमार की मुलाकात के वक्त पर्यावरण वन एवं जलवायु संवर्धन परिषद के वाइस चेयरमैन निलेश श्रीवास्तव भी मौजूद थे।

सुशांत मति माताजी एवं तथामति माताजी का आज होगा मंगल प्रवेश

दिगंबर जैन मंदिर में चातुर्मास आरंभ, गुरुपूर्णिमा पर होगा विशेष अनुष्ठान

राजनांदगांव, 9 जुलाई (देशबन्धु)। गुरुपूर्णिमा के पावन अवसर पर गुरुवार प्रात: दिगंबर जैन समाज के लिए एक अत्यंत शुभ घड़ी आने वाली है। समाधि सम्राट आचार्य विद्यासागर महाराज की कृपा से आचार्य समय सागर महाराज की शिष्याएं सुशांत मति माताजी एवं तथामति माताजी का मंगल चातुर्मास हेतु आज प्रात: 6–30 बजे शहर में प्रवेश होगा।

यह जानकारी दिगंबर जैन पंचायत के सचिव सूर्यकांत जैन ने दी। उन्होंने बताया कि माताजियों का मंगल प्रवेश जनता कॉलोनी, लखोली के सामने से आरंभ होगा। इसके उपरांत माताजियों का स्वागत दिगंबर जैन मंदिर में किया जाएगा, जहां मूलनायक श्री 1008 नेमिनाथ भगवान का महामस्तकाभिषेक एवं शांतिधारा माताजी के मुखारविंद से संपन्न होगा।

विशेष रूप से गुरुपूर्णिमा के पावन अवसर पर आचार्य भगवन विद्यासागर महाराज की पूजन अष्टद्रव्य से की जाएगी। इसके पश्चात माताजियों की मंगल देशना का लाभ समाज को मिलेगा।

प्रात: 9 बजे प्रवचन के उपरांत आहार चर्या की विधि होगी। इस चातुर्मास के दौरान आने वाले चार माह तक जैन समाज को धर्म चर्चा, अनुष्ठान और प्रेरणास्पद देशनाएं सुनने का लाभ मिलेगा।

इस पावन चातुर्मास के संयोजन हेतु दिगंबर जैन पंचायत अध्यक्ष अशोक झंझरी, चातुर्मास समिति अध्यक्ष अखिलेश जैन एवं उनकी पूरी समिति द्वारा समस्त साधर्मी बंधुओं एवं अहिंसा मार्ग को मानने वाले सभी धर्मानुरागियों से कार्यक्रम में सपरिवार उपस्थित होने की सविनय अपील की गई है।

राजनांदगांव जैन समाज के लिए यह अवसर आध्यात्मिक ऊर्जा से भरपूर रहेगा और समाज को धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देगा।

राजनांदगांव, 9 जुलाई (देशबन्धु)। जीवनदायिनी शिवनाथ नदी अपने उफान पर है लगातार हो रही बारिश और मोंगरा, घुमरिया, खातूटोला, सूखानाला से बत्तीस हजार क्यूसेक पानी छोड़ा जा चुका है।

कलेक्टर ने किया पिपरिया व पैलीमेटा जलाशयों का निरीक्षण, वर्षा के मद्देनजर दिए आवश्यक निर्देश

गंडई पंडरिया, 9 जुलाई (देशबन्धु)। कलेक्टर इन्द्रजीत सिंह चंद्रवाल ने आज छुईखदान विकासखंड स्थित मध्यम जलाशय पिपरिया तथा पैलीमेटा जलाशयों का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने जलभराव की स्थिति का जायजा लेते हुए वर्षा ऋतु के दौरान जल संसाधन से जुड़ी तैयारियों की समीक्षा की।

इस अवसर पर जल संसाधन विभाग के कार्यपालन अभियंता, अनुविभागीय अधिकारी, उप अभियंता सहित सिंचाई विभाग के मैदानी कर्मचारी एवं अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

कार्यपालन अभियंता द्वारा अवगत कराया गया कि आज की स्थिति में पिपरिया जलाशय में 67.80 प्रतिशत तथा पैलीमेटा जलाशय में 48.00 प्रतिशत जलभराव दर्ज किया गया है। कलेक्टर ने उपस्थित अधिकारियों को निर्देशित किया कि संभावित अतिवृष्टि की स्थिति में आवश्यक सतर्कता एवं त्वरित कार्रवाई हेतु विभागीय अमला पूर्णत: तैयार रहे।

उन्होंने कहा कि किसानों को खरीफ फसल सीजन में सिंचाई के लिए जल की आवश्यकता के अनुसार जलाशयों से जल प्रबंधन किया जाए, ताकि कृषकों को समय पर पर्याप्त सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराई जा सके। उन्होंने जलाशयों की तकनीकी स्थिति, सुरक्षात्मक उपायों तथा जल प्रवाह तंत्र की नियमित निगरानी के भी निर्देश दिए।

कलेक्टर चंद्रवाल ने अधिकारियों से कहा कि मानसून अवधि में किसी भी आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए पूर्व से ही समुचित कार्ययोजना तैयार रखी जाए, जिससे जन–धन की क्षति से बचा जा सके।

पुलिस का 'ऑपरेशन क्रैकडाउन' गुण्डा बदमाश, हिस्ट्रीशीटर्स, असामाजिक गतिविधियों पर कड़ा प्रहार

- 9 दिनों में प्रतिबंधात्मक धाराओं में 92 आरोपी एवं आर्म्स एक्ट के तहत 3 आरोपी गए जेल

राजनांदगांव, 9 जुलाई (देशबन्धु)। पुलिस अधीक्षक मोहित गर्ग के निर्देशन में जिले के समस्त थाना चौकिया में ऑपरेशन क्रैकडाउन के तहत 01 जुलाई 2025 से गुंडा बदमाश, निगरानी बदमाश, आदतन अपराधियों, असामाजिक तत्वों, अवैध रूप से रह रहे अप्रवासी भारतीयों आदि के विरुद्ध चलाए जा रहा है अभियान।

जिले में अपराधों की रोकथाम, अपराधियों पर नकेल कसने व सुरक्षा/शांति व्यवस्था बनाये रखने के लिये पुलिस अधीक्षक मोहित गर्ग के निर्देशन पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राहुल देव शर्मा के मार्गदर्शन में जिले के समस्त थाना/चौकी प्रभारियों को ऑपरेशन क्रैकडाउन के तहत गुंडा बदमाश, निगरानी बदमाश, आदतन अपराधियों, असामाजिक तत्वों, अवैध रूप से रह रहे अप्रवासी भारतीयों, संदेही पर विशेष अभियान चलाकर प्रतिबंधात्मक कार्यवाही करने हेतु निर्देश दिया गया था। जिस पर आज दिनांक 01.07.2025 से 09.07.2025 तक थाना कोतवाली पुलिस द्वारा 07 प्रकरण में 07 आरोपी, थाना बसंतपुर में 05 प्रकरण 25 आरोपी, थाना लालबाग में 06 प्रकरण में 07 आरोपी, थाना डोंगरगांव में 12 प्रकरण में 19 आरोपी, थाना डोंगरगढ़ में 07 प्रकरण 10 आरोपी, थाना सोमनी में 03 प्रकरण 04 आरोपी, थाना बागनदी में 01 प्रकरण 01 आरोपी, ओपी चिखली में 10 प्रकरण 12 आरोपी, ओपी मोहारा में 02 प्रकरण 02 आरोपी, ओपी सुकुलदैहान में 01 प्रकरण 01 आरोपी, इस प्रकार कुल 40 प्रकरण में 66 आरोपियों के विरूद्ध प्रतिबंधात्मक धाराओं के तहत कार्यवाही की गई। थाना लालबाग पुलिस द्वारा 03 प्रकरण में 03 आरोपी के विरूद्ध आर्म्स एक्ट के तहत् कार्यवाही कर उसके कब्जे से धारदार हथियार चाकू जप्त किया गया। इस प्रकार जिले में अपराधों की रोकथाम हेतु लघुअधिनियम एवं प्रतिबंधात्मक कार्यवाही आगे भी जारी रहेगी।

उल्टा पुल्टा

एक आदमी को उसका ससुर जूते मार रहा था..!
राहगीर - क्यों मार रहे हो इसको...?
ससुर - मैंने इसको अस्पताल से व्हाट्सएप किया कि तुम बाप बन गए हो' और इसने उसको भी 50 लोगों को फॉरवर्ड कर दिया...!

ऑयल पॉम खेती के संबंध में एकदिवसीय कार्यशाला का आयोजन

बलौदाबाजार, 9 जुलाई (देशबन्धु)। कलेक्टर दीपक सोनी के निर्देश पर सीईओ जिला पंचायत सुश्री दिव्या अग्रवाल की अध्यक्षता में बुधवार को जिला पंचायत के सभागार में नेशनल मिशन ऑन एडिबल ऑयल ऑयल पॉम का एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में जिले के किसानों को ऑयल पाम खेती के फायदे एवं सरकार द्वारा दी जाने वाली सब्सिडी के बारे में जानकारी दी गई।

ऑयल पॉम के कंपनी प्रियूनिक एशिया प्राईवेट लिमिटेड के अधिकारी द्वारा उत्पादन संबंधी समस्त क्रियाकलापों एवं विक्रय से संबंधित विस्तृत जानकारी कृषकों को देते हुए बताया कि प्रति हेक्टेयर 143 नग ऑयल पॉम पौधे हेतु 29000 रूपये अनुदान प्रदाय किया जाता है साथ ही प्रथम वर्ष से चतुर्थ वर्ष तक रखरखाव, उर्वरक खाद आदि हेतु भी अनुदान राशि प्रदान की जाती है। ऑयल पॉम की खेती से वार्षिक उत्पादन प्रति एकड़ 10 से 12 टन उत्पादन होता है।उत्पादन के लिए न्यूनतम मजदूरों की आवश्यकता होती है। ऑयल पॉम की खेती हेतु प्रति हेक्टेयर पहले 4 वर्षों में 25000 से 30000 हजार प्रति वर्ष (भूमि की तैयारी, पौध रोपण, सिंचाई, खाद इत्यादि) अनुमानित लागत आता है। उसके पश्चात 4 से 6 वर्ष में प्रति हेक्टेयर खरीदी मूल्य 18351 प्रति टन के आधार पर रूपये 70,000 से 2,70,000 रूपये तक अनुमानित आय भी प्राप्त होता है। अनुबंधित संस्था द्वारा उत्पादन का क्रय किया जाना अनिवार्य होता है। खरीदी दर पर 100 प्रतिशत उत्पादन खरीदी कंपनी की जवाबदारी होगी, अन्य तिलहन की तुलना में ऑयल पॉम में 5 से 6 गुना अधिक तेल उत्पादन होती है। इस संबंध में दुर्ग जिले के प्रगतिशील किसान श्री देवांगन ने ऑयल पॉम की खेती के बारे में अपना अनुभव साझा करते हुए बताया कि 40 हजार प्रति एकड़ प्रत्येक माह आय प्राप्त होता है। कार्यशाला में सभी अधिकारी, कर्मचारी एवं कृषकों द्वारा प्रोत्साहित किया गया। इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य ईशान वैष्णव, उपसंचालक कृषि दीपक नायक, सहायक संचालक उद्यान आभा पाठक, अनुविभागीय अधिकारी कृषि जयइन्द्र कंवर, अवधेश उपाध्याय, कृषि विज्ञान केन्द्र से डॉ.सविता राजपूत, डॉ. सागर आनंद पाण्डेय, स्वाति ठाकुर सहित उद्यान विभाग के अधिकारी-कर्मचारी, कृषक संगठन, कृषक एवं ऑयल के अनुबंधित कंपनी के अधिकारी उपस्थित थे।

किसानों को बताया गया ऑयल पाम खेती के फायदे

त्रिवेणी संगम उफान पर, नजारा हुआ आकर्षक

राजिम, 9 जुलाई (देशबन्धु)। लगातार हो रही बारिश के चलते त्रिवेणी संगम का नजारा इन दोनों आकर्षक हो गया है। महानदी और सोंढूर, पैरी तीनों नदी उफान पर है। लगातार जलस्तर बढ़ रहा है जिसके चलते कुलेश्वरनाथ महादेव का प्रसिद्ध मंदिर चारों ओर से पानी से गिर गया है। श्रद्धालु अब नदी मार्ग से मंदिर नहीं पहुंच पा रहे हैं बल्कि उन्हें लक्ष्मण झूला का सहारा लेना पड़ रहा है। लक्ष्मण झूला के माध्यम से बड़ी संख्या में लोग महादेव का दर्शन करने के लिए पहुंच रहे हैं। इधर बढ़ते हुए जल स्तर का नजारा देखने के लिए शहर के लोग शाम होते ही महानदी पुल तथा वीआईपी रोड पर देखे जा रहे हैं। वही राजिम एनीकट से गिरता हुआ पानी का दृश्य लोगों का मन मोह रही है।

महापौर और आयुक्त ने किया नालों का निरीक्षण

धमतरी, 9 जुलाई (देशबन्धु)। नगरनिगम धमतरी द्वारा वर्षा ऋतु को ध्यान में रखते हुए जल निकासी व्यवस्था को दुरुस्त करने लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। आज महापौर रामू रोहरा एवं आयुक्त प्रिया गोयल द्वारा सोरिद नाला, पी.डी. नाला एवं नवागांव क्षेत्र में जल निकासी व्यवस्था का निरीक्षण किया गया। इस दौरान अधिकारियों ने देखा कि पहले की अपेक्षा नालों की सफाई औरं मरम्मत के चलते जल निकासी व्यवस्था में सुधार हुआ है। भारी बारिश के बावजूद जलभराव की समस्या में कमी देखी गई है।

नालियों में कचरा नहीं डालने और स्वच्छता बनाए रखने शहरवासियों से की अपील

महापौर श्री रोहरा ने नगर निगम के अमले को धन्यवाद देते हुए निर्देशित किया कि नियमित निगरानी एवं साफ-सफाई कार्यों को जारी रखा जाए, ताकि >> शेष पृष्ठ 9 पर >

ननिहाल में विश्राम करने के पश्चात भगवान जगन्नाथ भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा वापस मंदिर लौटे

धमतरी, 9 जुलाई (देशबन्धु)। 27 जून को गौशाला जनकपुर पहुंचे भगवान जगन्नाथ, भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा ननिहाल में 11 दिन विश्राम करने के बाद मंगलवार 8 जुलाई को दोपहर 2.30 बजे रामबाग, गणेश चौक, चमेली चौक, मठमंदिर चौक, गोलबाजार, बड़ी चौक, सिहावा चौक होते हुए बैंडबाजे के साथ वापस श्री जगन्नाथ मंदिर पहुंचे। जहां वे पुन: विराजित किए गए। वापसी के दौरान भी भक्तों को गजामूंग प्रसाद का वितरण किया गया।

रथयात्रा की वापसी में मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष गगन कुमार गांधी, उपाध्यक्ष सत्यनारायण राठी, सचिव प्रकाश गांधी, सहसचिव मोहन अग्रवाल, कोषाध्याक्ष लखूभाई भानुशाली सहित श्यामसुंदर अग्रवाल, डॉ. हीरा महावर, श्याम अग्रवाल, हर्षद मेहता, गोपाल शर्मा, लक्ष्मी बाहिती, अजय अग्रवाल, विपीन >> शेष पृष्ठ 9 पर >

राष्ट्रीय पर्यावरण एवं खनिज संरक्षण मंच के नरेश गुप्ता बने जिलाध्यक्ष

बलौदाबाजार, 9 जुलाई (देशबन्धु)। राष्ट्रीय पर्यावरण एवं खनिज संरक्षण मंच छत्तीसगढ़ के प्रदेश अध्यक्ष के.के. वर्मा ने नरेश गुप्ता को संगठन के बलौदाबाजार जिला अध्यक्ष नियुक्त किया है। यह नियुक्ति नरेंद्र मोदी विचार मंच के राष्ट्रीय मुख्य संयोजक रवि चांडक्य एवं राष्ट्रीय पर्यावरण एवं खनिज संरक्षण मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ लक्ष्मी नारायण आमेटा के अनुमति से किया गया है। श्री वर्मा ने नियुक्ति प्रदान करते हुए कहा है कि आप राष्ट्र के पुनर्निर्माण में तन, मन, जीवन से प्रमाणिकता एवं पारदर्शितापूर्ण कार्य करेंगे एवं आपके कार्य से भारत के परम वैभव राष्ट्र का हम सब का स्वप्न पूरा होगा। इसे स्वीकार करते हुए नव नियुक्त जिला अध्यक्ष नरेश गुप्ता ने कहा कि जिस उद्देश्य से मुझे इतनी बड़ी जिम्मेदारी दी गई है उसे पूरे आत्मविश्वास के साथ पूरा करने में कोई कसर नहीं छोड़ा जाएगा। जिले के अधिक से अधिक लोगों को पर्यावरण एवं खनिज संरक्षण मंच से जोड़ कर पर्यावरण को बढ़ावा देने के लिए हरदम प्रेरित करता रहूंगा। इन्होने इस नियुक्ति के लिए रवि चांडक्य, डॉ लक्ष्मी नारायण आमेटा एवं के के वर्मा के प्रति आभार व्यक्त किया है।

कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन ने मांग को लेकर सौंपा ज्ञापन

बलौदाबाजार, 9 जुलाई (देशबन्धु)। कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन जिला बलौदाबाजार द्वारा अपर कलेक्टर को विभिन्न कर्मचारी अधिकारी की समस्याओं से अवगत कराया गया। जिसमें कलेक्टर कबीर धाम द्वारा कर्मचारियों को कान पकड़ कर उठक बैठक के साथ माफी मंगवाने के प्रकरण का फेडरेशन विरोध करते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की और सभी संलग्निकरण समाप्त करने और प्रत्येक तिमाही में जिला परामर्श दात्रि बैठक आयोजित करने संबंधी मुद्दों पर ज्ञापन सौंपा गया। जिसमें जिला संयोजक डॉ एल एस ध्रुव, जिला महासचिव अविनाश तिवारी, जिला उपाध्यक्ष कामता जांगड़े, जिला उपाध्यक्ष विजय कुमार साहू, जिला उपाध्यक्ष संतोष साहू, जिला प्रवक्ता रमेश नेगी, दिगेन्द्र वर्मा जिला कार्यकरणी अध्यक्ष, जिला सचिव सत्यनारायण यादव उपस्थित रहे।

डॉ. विमल चोपड़ा के जन्मदिन पर रक्तदान शिविर आज

महासमुंद, 9 जुलाई (देशबन्धु)। 10 जुलाई को पूर्व विधायक ,भाजपा प्रदेश प्रवक्ता डॉ विमल चोपड़ा के जन्मदिन के अवसर पर जिला भाजपा कार्यालय महासमुंन्द में सुबह 10 बजे से रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया है। भाजपा शहर मण्डल अध्यक्ष महेंद्र सिका ने पूर्व विधायक डॉ विमल चोपडा के जन्मदिन के अवसर पर होने वाले कार्यक्रम की जानकारी देते हुए बताया कि 10 जुलाई को जिला भाजपा कार्यालय में सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक रक्तदान शिविर का आयोजित है जिसमे भाजपा कार्यकर्ताओं सहित विभिन्न सामाजिक सेवा संगठनों और नागरिको द्वारा जरूरतमंदों के लिए एरक्तदान किया जाएगा। जिला कार्यालय में पूर्व विधायक का जन्मदिन समारोह का आयोजन भी रखा गया है। जिसमे क्षेत्र के कार्यकर्ता और नागरिक पूर्व विधायक को शुभकामनाएं देने शामिल होंगे। कार्यालय में भोजन की व्यवस्था की गई है। महेंद्र सिका ने भाजपा के सभी मंडलों में निवासरत भाजपा और मोर्चा प्रकोष्ठ के प्रदेश ,जिला,मण्डल पदाधिकारी कार्यकर्ताओं जनप्रतिनिधियों सहित शक्तिकेन्द्र और बूथ समिति के सदस्यों और आम नागरिकों से रक्तदान शिविर और जन्मदिन समारोह में उपस्थित होने की अपील किया है।

बारिश को देखते हुए राहत एवं बचाव दल को सतर्क रहने के निर्देश

- अब तीन माह का राशन 31 जुलाई तक मिलेगा
- जिला पंचायत सीईओ ने ली समय सीमा की बैठक

महासमुंद, 9 जुलाई (देशबंधु)। कलेक्टर विनय कुमार लंगेह के निर्देशानुसार मंगलवार को जिला पंचायत सीईओ एस आलोक ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में समय.सीमा बैठक लेकर जिले के विभिन्न विभागों की योजनाओं और कार्यक्रमों की समीक्षा की। बैठक में अपर कलेक्टर रवि कुमार साहू एवं रविराज ठाकुर एसडीएम, डिप्टी कलेक्टर सहित जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे। सीईओ एस आलोक ने वर्षा ऋतु के चलते जिले में संभावित बाढ़ एवं जलभराव की स्थिति को लेकर निर्देश दिए कि जिले के निचले क्षेत्रों में विशेष निगरानी रखी जाए, जहाँ जलभराव या बाढ़ की संभावना अधिक है। इन क्षेत्रों की सूची तैयार कर राहत एवं बचाव दल तैनात किए जाएं। जिला प्रशासन द्वारा पंचायतों और नगरीय निकायों को निर्देशित किया गया है कि जल निकासी व्यवस्था को चुस्त.दुरुस्त किया जाए तथा नालियों की समय पर सफाई सुनिश्चित हो। वर्षा के कारण कई स्थानों पर गंदे पानी का जमाव होने से संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है। गंदे पानी के सेवन से डायरिया, टाइफाइड, हैजा, पीलिया जैसी बीमारियाँ फैल सकती हैं। मौसम को देखते हुए डायरिया एवं अन्य मौसमी बीमारियों के लिए स्वास्थ्य विभाग को सतर्क रहने के निर्देश दिए हैं। लोगों से अपील की गई है कि उबालकर या फिल्टर किए हुए पानी का ही सेवन करें। जिला आपदा प्रबंधन समिति को सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं। आपात की स्थिति में जिला कंट्रोल रूम से दूरभाष क्रमांक 07723.223505 पर संपर्क किया जा सकता है। उन्होंने बारिश सर्पदंश की संभावित खतरों को देखते हुए सभी उप स्वास्थ्य केन्द्रों में एंटी वेनम वैक्सीन पर्याप्त मात्रा में रखने के निर्देश दिए। बैठक में सीईओ श्री आलोक ने जिले में मुख्यमंत्री घोषणाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा करते हुए कार्य एजेंसियों को समय.सीमा में कार्य पूर्ण करने के सख्त निर्देश दिए गए। उन्होंने सभी निर्माण एजेंसियों को त्वरित कार्य करने के निर्देश दिए हैं तथा प्रगति की नियमित रूप से जानकारी देने कहा गया। उन्होंने पीएम श्री स्कूलों में मरम्मत एवं निर्माण कार्य तेज करने के निर्देश दिए हैं। धरती आबा जनजाति उत्कर्ष अभियान की प्रगति की समीक्षा करते हुए हितग्राहियों द्वारा किए गए पंजीयन का विभिन्न विभागों द्वारा आगामी एक सप्ताह के भीतर निराकरण करने कहा गया है। मोर गांव मोर पानी अभियान अंतर्गत डबरी निर्माण और जनभागीदारी से सोख्ता गड्ढा निर्माण में तेजी लाने के निर्देश दिए गए। अभी तक लगभग 04 हजार सोख्ता गड्ढा और 103 इंजेक्शन वेल के माध्यम से जल संचयन का कार्य किया गया है। सीईओ श्री आलोक ने खाद.बीज वितरण की समीक्षा करते हुए कहा कि जिले में खाद का पर्याप्त स्टॉक है। वर्तमान में 18520 मीट्रिक टन खाद का भंडारण किया गया है। इसका समय पर वितरण सुनिश्चित किया जाए। निजी दुकानों में नियमित निरीक्षण करने के निर्देश एसडीएम को दिए गए। उन्होंने कहा कि हितग्राहियों को तीन माह का एकमुश्त राशन सुरक्षित तरीके से वितरित किया जाए। खाद्य अधिकारी ने बताया कि राशन वितरण का कार्य अब 31 जुलाई तक बढ़ा दिया गया है।

सड़कों में बैठे मवेशियों के उचित व्यवस्थापन के निर्देश दिए हैं और सीएमओ को एवं ग्रामीण क्षेत्र में पंचायत सचिवों को मुख्य मार्ग से मवेशियों को हटाने के निर्देश दिए। बैठक में सभी कार्यालय प्रमुखों को ई.ऑफिस के माध्यम से पत्राचार एवं शासकीय कार्यां को संचालन करने के निर्देश दिए इस संबंध में बैठक के दौरान ही हैंड्स ऑन ट्रेनिंग दिए। पीएम जनमन, स्वामित्व योजना, भू.अर्जन, नक्शा अपडेशन, आयुष्मान कार्ड, प्रधानमंत्री आवास योजना और अन्य कल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की भी विस्तार से समीक्षा की गई। राजस्व एवं खनिज विभाग को अवैध रेत उत्खनन, भण्डारण एवं परिवहन पर निगरानी रखने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि लंबित मामलों का शीघ्र और प्रभावी निराकरण सुनिश्चित किया जाए।

खाद, बीज उर्वरक का पर्याप्त भंडारण करने कलेक्टर ने दिए निर्देश

गरियाबंद, 9 जुलाई (देशबन्धु)। कलेक्टर बी.एस. उइके ने मंगलवार को संयुक्त जिला कार्यालय के सभाकक्ष में समय-सीमा की समीक्षा बैठक ली। उन्होंने विभागीय योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। जनदर्शन, जनचौपाल, जन शिकायत, पीजी पोर्टल, लोक संवाद, सीपी ग्राम और उच्च कार्यालयों से जुड़े लंबित प्रकरणों के समय पर निराकरण नहीं होने पर नाराजगी जताई। बैठक में अनुपस्थित अधिकारियों को भी कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। इसके अलावा सभी लंबित प्रकरणों का जल्द निराकरण करने के निर्देश दिए। आवेदनों की मॉनिटरिंग और ऑनलाइन अद्यतन भी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। नगरीय निकायों को बारिश में नालियों और गलियों में भरे पानी को तुरंत खाली कराने के के निर्देश दिए। सड़कों पर घूमते मवेशियों से हो रही दुर्घटनाओं को रोकने नियमित अभियान चलाने के निर्देश दिए। उन्होंने स्वास्थ्य कार्ड, किसान क्रेडिट कार्ड और अन्य योजनाओं के लाभ हितग्राहियों तक पहुंचाने के निर्देश दिए। किसानों के लिए खाद-बीज की उपलब्धता पर जानकारी ली। सभी केंद्रों में पर्याप्त भंडारण और नियमित वितरण सुनिश्चित करने को कहा। डीएपी के विकल्प के रूप में सिंगल सुपर फास्फेट और एनपीके उर्वरक के उपयोग के लिए किसानों को जागरूक करने के निर्देश दिए। बताया कि जिले में एसएसपी और एनपीके का पर्याप्त भंडारण है। किसानों को संतुलित मात्रा में उर्वरक उपयोग के लिए प्रेरित किया जाए। सभी एसडीएम को अपने क्षेत्रों की सहकारी समितियों का निरीक्षण करने को कहा। जहां खाद-बीज की कमी हो, वहां आसपास की समितियों से उठाव कराकर किसानों को परेशानी से बचाने के निर्देश दिए। विद्युत विभाग को सभी शासकीय और अर्द्धशासकीय कार्यालयों में स्मार्ट मीटर लगाने को कहा।

बैठक में मुख्यमंत्री जनदर्शन, कलेक्टर जनदर्शन और जनप्रतिनिधियों से प्राप्त आवेदनों की स्थिति की समीक्षा की गई। आरबीसी 6-4 के प्रकरण, लंबित मुआवजा, अतिक्रमण और बेदखली पर कार्रवाई की स्थिति पर भी चर्चा हुई। कलेक्टर ने बताया कि सोमवार को गरियाबंद विकासखंड के सढ़ौली गांव में ब्लॉक प्लांटेशन हुआ। 10 जुलाई को फिंगेश्वर के कौंदकेरा, 11 जुलाई को छुरा के रसेला, 12 जुलाई को मैनपुर के जिडार और 15 जुलाई को देवभोग के गोहरापदर में ब्लॉक प्लांटेशन कार्यक्रम होंगे। बैठक में जिला पंचायत सीईओ जी.आर. मरकाम, अपर कलेक्टर अरविंद पांडेय, नवीन भगत, सभी एसडीएम, जनपद सीईओ और जिला अधिकारी मौजूद रहे।

निशुल्क सिलाई प्रशिक्षण हेतु एससी युवाओं से 15 तक आवेदन आमंत्रित

बिलाईगढ़, 9 जुलाई(देशबंधु)। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार कौशल विकास योजना अंतर्गत् अनुसूचित जाति युवाओं के लिए सेल्फ एम्प्लॉयड टेलर प्रशिक्षण हेतु इच्छुक प्रार्थी कार्यालय छ.ग. राज्य अंत्यावसायी व्यवसायिक प्रशिक्षण केन्द्र टीसीपीसी परिसर श्री राधाकृष्ण हॉस्पिटल के सामने बिलासपुर रोड़ खैरहा में 15 जुलाई 2025 तक कार्यालयीन समय पर आवेदन पत्र प्राप्त कर जमा कर सकते है। इसमें 380 घण्टे का नि:शुल्क प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षार्थी अनुसूचित जाति वर्ग का हो, जिसकी आयु 18 से 45 वर्ष के मध्य हो और कम से कम 8 वीं उत्तीर्ण हो।आवश्यक दस्तावेज में प्रशिक्षार्थी का आधार कार्ड, जाति प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र, पासपोर्ट साईज फोटो 02 नग, अंतिम अंक सूची, राशन कार्ड की छायाप्रति आवेदन के साथ संलग्न किया जाना अनिवार्य है।

बाढ़ आपदा राहत कंट्रोल रूम और अधिकारियों का नंबर जारी

- एसडीएम और तहसीलदार होंगे स्थानीय नियंत्रण अधिकारी

बिलाईगढ़, 9 जुलाई(देशबंधु)। कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे ने मानसून और महानदी में बढ़ते हुए जलभराव से संभावित बाढ़ आपदा को दृष्टिगत रखते हुए सारंगढ़ बिलाईगढ़ जिले में जिला मुख्यालय में बाढ़ आपदा राहत कन्ट्रोल रूम की स्थापना किया है, जिसका दूरभाष नंबर 07768-299016 है। जिला कलेक्टर कार्यालय में तैनात नगर सैनिकों का मोबाइल नंबर 7987686766, 9601497767, 8815413648, 9340115072 है। इसी प्रकार जिले के सभी तहसील मुख्यालयों में भी कन्ट्रोल रूम स्थापित किए गए हैं। अपर कलेक्टर एस के टंडन को बाढ़ आपदा राहत का नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है, जिनका मोबाइल नंबर 9425564594 है और शाखा का ईमेल rahat.sarangarh@gmail.com(राहत डॉट सारंगढ़ एट जीमेल डॉट कॉम) है।

अनुविभागीय और तहसील स्तर पर प्रभारी अधिकारी बाढ़ नियंत्रण के नियंत्रण अधिकारी होंगे। इसके अनुसार कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी राजस्व सारंगढ़ के बाढ़ नियंत्रण रूम का फोन नंबर 07768-233706 है। एसडीएम प्रखर चंद्राकर का मोबाइल नंबर 9340160796 है। इसी प्रकार कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी राजस्व बिलाईगढ़ के प्रभारी अधिकारी एसडीएम डॉ. वर्षा बंसल का मोबाइल नंबर 8103365300 है। सरिया तहसील के बाढ़ नियंत्रण रूम का फोन नंबर 07768-265041 और नियंत्रण अधिकारी तहसीलदार कोमल साहू का मोबाइल नंबर 8817131042 है। सारंगढ़ तहसील के लिए तहसीलदार मनीष सूर्यवंशी 87708 83650, बरमकेला तहसील के लिए पुष्पेंद्र राज का मोबाइल नंबर 8269967979, बिलाईगढ़ तहसील के लिए तहसीलदार कमलेश सिदार 9406468597, भटगांव तहसील के लिए नीलिमा अग्रवाल 8319302665, उप तहसील सरसींवा के लिए तहसीलदार आयुष तिवारी 9617296226 और उप-तहसील कोसीर के तहसीलदार खोमन लाल ध्रुव का मोबाइल नंबर 9424235416 है।

15 अगस्त तक मत्स्याखेट पर पाबंदी

बिलाईगढ़, 8 जुलाई(देशबंधु)। वर्षा ऋतु में मछलियों के प्रजनन को दृष्टिगत रखते हुये उन्हें सरंक्षण देने और बारिश में आम जन के द्वारा मछली पकड़ने कार्य में रोकथाम हेतु राज्य में छत्तीसगढ़ नदी मत्स्योद्योग अधिनियम 1972 की धारा 3 उपधारा-2 (दो) के तहत 15 अगस्त तक की अवधि को बंद ऋतु (क्लोज सीजन) के रूप में घोषित किया है। जिले के मछली पालन विभाग के प्रभारी अधिकारी एन पी ओगरे ने आम जनता को जानकारी दी है कि छत्तीसगढ प्रदेश के सभी तालाबों एवं जल स्त्रोतों में जिनका संबंध नदी नालों से नही है, के अतिरिक्त जलाशयों में किये जा रहे केज कल्चर को छोड़कर सभी प्रकार के जल संसाधन के जलाशय, नदी आदि में 15 अगस्त 2025 तक मत्स्याखेट कार्य पूर्णतः निषिद्ध रहेगा। इन नियमों का उल्लंघन करने पर छत्तीसगढ़ मत्स्य क्षेत्र (संशोधित) अधिनियम के नियम- 3 (5) के अंतर्गत अपराध सिद्ध होने पर एक वर्ष का कारावास अथवा 10000/-रूपये का जुर्माना अथवा दोनो एक साथ होने का प्रावधान है।

महासमुंद 9 जुलाई (देशबंधु)। भगवान जगन्नाथ के बाहुड़ा यात्रा का स्वागत न.पा. उपाध्यक्ष देवीचन्द राठी, भाजपा शहर मण्डल अध्यक्ष महेन्द्र सिक्का भाजपा, भाजपा नेता शरद राव मराठा, राजू यादव ने स्थानीय गंजपारा चौक में किया। इस अवसर पर उक्त नेताओं ने भगवान जगन्नाथ, भैया बलभद्र एवं बहन शुभद्रा की पूजा अर्चना कर यात्रा में शामिल लोगों को बधाई दी गई । भगवान नौ दिन उपरान्त सोमवार को मंदिर में वापस लौट कर विराजित हुये । जिस-जिस मार्ग से बाहुड़ा यात्रा गुजर रही थी उल्लास का वातावरण था लोंग अपने घरों से निकलकर भगवान की पूजा आरती कर रहे थे।

विधायक चातुरी नन्द ने शासकीय महाविद्यालय में पौधा रोपा

सरायपाली, 9 जुलाई (देशबन्धु)। विधायक चातुरी नंद ने सरायपाली के स्व. राजा वीरेंद्र बहादुर सिंह शासकीय महाविद्यालय परिसर में वृक्षारोपण किया।

विधायक चातुरी नंद, महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ संध्या भोई एवं अन्य अतिथियों ने ईको क्लब, राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित वृक्षारोपण कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती के सामने दीप प्रज्वलित कर किया ।

इस अवसर पर विधायक चातुरी नंद ने कहा कि वृक्षारोपण सिर्फ एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि यह भावी पीढ़ियों के लिए जीवनदायिनी सौगात है। वृक्षारोपण केवल एक औपचारिकता नहीं, बल्कि यह धरती मां के प्रति हमारी जिम्मेदारी का प्रतीक है। यदि हम आज एक पौधा लगाते हैं, तो भविष्य में वह कई पीढ़ियों को शुद्ध वायु, छाया और जीवन प्रदान करेगा।

कार्यक्रम को स्व. राजा वीरेंद्र बहादुर सिंह शासकीय महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ संध्या भोई ने भी संबोधित किया।

कार्यक्रम के दौरान महाविद्यालय परिवार की ओर से प्राचार्य डॉ संध्या भोई ने विधायक चातुरी नंद को सम्मानित भी किया।

कार्यक्रम में पूर्व पार्षद सुरेश भोई, वरिष्ठ कांग्रेस नेता कमल अग्रवाल, केशव अग्रवाल, प्रखर शर्मा, जयंत यादव सहित संकाय सदस्य, महाविद्यालय के प्रोफेसर गण, कर्मचारीगण सहित छात्र छात्राएं विशेष रूप से उपस्थित थे

एमएसएमई पर एक दिवसीय कार्यशाला आज

धमतरी, 8 जुलाई (देशबन्धु)। रेजिंग एंड एक्सेलरेटिंग एमएसएमई परफॉर्मेंस योजना के तहत 10 जुलाई को ''एमएसएमई के लिए वैकल्पिक वित्तपोषण ''विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। महाप्रबंधक, जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र ने बताया कि स्थानीय रूद्री रोड स्थित जिंजर लीफ रेस्टोरेंट में सुबह 10 से दोपहर 2 बजे तक आयोजित इस कार्यशाला में एमएसएमई उद्यमियों को वित्तीय साधनों की जानकारी दी जाएगी। इसके तहत एनएसई स्टॉक एक्सचेंज में सूचीकरण की प्रक्रिया, आवश्यकताएं एवं लाभ, इवॉयसमेंट एवं ट्रेड्स प्लेटफॉर्म के माध्यम से बिल डिस्काउंटिंग की प्रक्रिया और सिडबी द्वारा एमएसएमई को दी जाने वाली वित्तीय सहायता योजनाओं की जानकारी भी दी जाएगी। यह कार्यशाला विशेष रूप से सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम, महिला उद्यमी और कंपनी सेक्रेटरी एवं चार्टर्ड एकाउंटेंट के लिए लाभदायक सिद्ध होगी। महाप्रबंधक ने जिले के सभी इच्छुक उद्यमियों एवं लाभार्थियों से इस नि:शुल्क कार्यशाला में भाग लेने की अपील की है। इस संबंध में अधिक जानकारी के लिए प्रशांत चन्द्राकर के मोबाईल नंबर 81037-18222 पर सम्पर्क किया जा सकता है।

जिला पंचायत सदस्यों के लिए एक दिवसीय विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

धमतरी, 9 जुलाई (देशबन्धु)। जिले के नव निर्वाचित जिला पंचायत सदस्यों का पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग प्रशिक्षण संस्थान छत्तीसगढ़ एक दिवसीय विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में मुख्य रुप से टीकाराम कंवर, अजय फत्तेलाल ध्रुव, मोनिका ऋषभ देवांगन, धनेश्वरी भूमेश साहू, पूजा सिन्हा, कुलेश्वरी सुनील गायकवाड़, मीना डेमू साहू, गरिमा धनुष नेताम, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी रोमा श्रीवास्तव, हेमन्त ठाकुर प्राचार्य क्षेत्रीय पंचायत एवं ग्रामीण विभाग प्रशिक्षण छत्तीसगढ़ कुरुद सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे, जिसमें जिला पंचायत सदस्यों को केंद्र और राज्य शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं की जानकारी दी गई। इस कार्यक्रम का उद्देश्य पंचायत प्रतिनिधियों की कार्यक्षमता बढ़ाना और योजनाओं के क्रियान्वयन में उनकी भागीदारी सुनिश्चित करना था। प्रशिक्षण में प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण, महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण और ग्राम पंचायत विकास योजना जैसे कार्यक्रमों पर विशेष रूप से प्रकाश डाला गया।

इस अवसर पर सीईओ जिला पंचायत ने बताया कि इस प्रशिक्षण को 09 थीम में भी विभाजित किया गया है जिसमें सामाजिक समावेशन, गरीबी उन्मूलन, स्वच्छता एवं स्वास्थ्य, सतत आजीविका इन थीमों के माध्यम से ग्राम पंचायतें ग्राम विकास योजना को बेहतर तरीके से बना सकती हैं और संसाधनों का समुचित उपयोग सुनिश्चित किया जा सकता है।

आगे उन्होंने यह भी कहा कि पंचायत प्रतिनिधियों को योजनाओं की समुचित जानकारी और प्रशिक्षण देना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है ताकि शासन की मंशा अनुरुप प्रत्येक योजना का लाभ ग्रामीण जनता को मिले। चूंकि पंचायत प्रतिनिधियों की सक्रिय भूमिका ही ग्रामीण विकास की कुंजी है। योजनाओं की जानकारी और सही दिशा में कार्य करना ही जमीनी बदलाव ला सकता है।

इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्यों ने प्रशिक्षण में उत्साहपूर्वक भाग लिया और योजनाओं से संबंधित विभिन्न जमीनी अनुभवों को साझा किया।

प्रकृति वंदन सायकल यात्रा का कुकरेल में हुआ समापन

धमतरी, 9 जुलाई (देशबन्धु)। विवेकानंद यूथ सर्किल एवं पर्यावरण संरक्षण गतिविधि जिला धमतरी के द्वारा 5 जुलाई को मां विंध्यवासिनी मंदिर से प्रारंभ हुई सायकल यात्रा 6 जुलाई को शाम 5 बजे कुकरेल में समापन हुआ। इस समापन कार्यक्रम में पूरे सायकल यात्रा के अनुभवों को साझा किया गया।जिसमें बताया गया कि इस यात्रा के स्वागत हेतू बड़ी संख्या में समाजजनों द्वारा उत्साह देखने को मिला लोग फूल वंदन के साथ इंतजार कर रहे थे,अनेक गांवों में यात्रियों को पानी, चाय, काढ़ा एवं अल्पाहार देकर उत्साह वर्धन किया गया। ग्राम मोहंदी में तो पटाखे फोड़कर, ग्राम लूगे में डीजे के साथ स्वागत किया गया। इस यात्रा में 118 सायकल यात्री 34 स्थानों से धमतरी नगर एवं 4 खंडों से सम्मिलित हुए। इन यात्रियों में कालेज के प्रोफ़ेसर, व्याख्याता, कृषि विस्तार अधिकारी, मार्क फेड के कर्मचारी, पत्रकार, नगर निगम के पार्षद, राजनीतिक दल के मण्डल अध्यक्ष, समाज सेवी के साथ बड़ी संख्या में कालेज एवं स्कूल के विद्यार्थीयों ने भाग लिया।

यह दो दिन की यात्रा धमतरी नगर निगम से प्रारंभ हो कर 2 नगर पंचायत एवं 32 ग्रामों तक पहुंची। दो दिन की इस यात्रा सभी ग्रामों सौ से अधिक पौधों का रोपण एवं वितरण का कार्य किया गया। 1000 सीड बाल, एवं 2000 से अधिक की संख्या में चन्दन, कपास एवं नीम के बीजो का वितरण किया गया। इस यात्रा में सभी सायकल में जागरुकता हेतु अथर्ववेद, स्कंद पुराण, दुर्गा शप्तशदी शास्त्रों में उद्धृत प्रकृति के महिमा एवं नारों की तख्तियां लगायी गयी थी। यात्रा में सभी सायकल यात्री कपड़े के थैले रखे थे जिसमें पौधे थे जो यह संदेश दे रहे थे कि पालिथीन का प्रयोग न करें अपने साथ हमेशा एक थैला लेकर चले। ग्राम मेघा में सबसे अधिक पौधे आक्सीजोन के रूप मे महानदी के किनारे रोपे गये। यात्रा के दौरान लगातार पानी बरसने पर भी यात्री रेनकोट पहनकर चलते रहे।

इस समापन कार्यक्रम में प्रांत पर्यावरण संयोजक अक्षय अलकरी का उदबोधन प्राप्त हुआ एवं इस समापन कार्यक्रम मे नगरी खंड संघचालक डॉ गोकुल देवांगन, जनपद सदस्य शुभम यदु, टेलेश्वर ठाकुर,जनपद सदस्य चंद्रकला साहू,मोहन साहू, महेंद्र नेताम उपस्थित रहे। इस यात्रा के सफल संचालन में आयोजक राकेश साहू, भेदू साहू एवं पीताम्बर सिन्हा द्वारा यात्रा में शामिल सभी स्वयंसेवक का आभार व्यक्त किया गया।

आज गुरु पूर्णिमा से शुरू होगा वृहद् वृक्षारोपण अभियान

- 2000 विद्यालयों के 5 लाख से अधिक विद्यार्थी पीपल का पेड़ लगायेंगे बल्कि 5 वर्षों तक खाद, पानी और सुरक्षा भी प्रदान करेंगे: सुबोध राठी

धमतरी, 9 जुलाई (देशबन्धु)। छत्तीसगढ़ राज्यअशासकीय विद्यालय संचालक संघ द्वारा ग्लोबल वार्मिंग के खतरे से निपटने व्यापक अभियान प्रारंभ किया जा रहा है जिसका शुभारंभ 12 जून को रायपुर में आयोजित वृहद् कार्यक्रम में प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने किया था। इसकी शुरुआत 10 जुलाई गुरु पूर्णिमा से हो रही है।

उक्त अभियान की विस्तृत जानकारी देते हुए प्रदेश अध्यक्ष सुबोध राठी ने बताया की अभियान के प्रारंभिक चरण की शुरुआत 10 जुलाई गुरु पूर्णिमा से होगी जो 5 सितम्बर शिक्षक दिवस तक चलेगा। इस अवधि में हमारी संस्था से जुड़े लगभग 2000 विद्यालयों के 5 लाख से अधिक विद्यार्थी पीपल का पेड़ लगायेंगे। कुल 11,11,111 पीपल पेड़ लगाने का लक्ष्य है जिसमें प्रथम वर्ष 5 लाख से अधिक पीपल पेड़ लगाये जा रहे है।

इस पंचवर्षीय योजना में हमारे विद्यार्थी न सिर्फ पेड़ लगायेंगे अपितु 5 वर्षों तक उसे खाद पानी एवं सुरक्षा भी प्रदान करेंगे। सम्पूर्ण कार्यक्रम की मॉनिटरिंग के लिए पोर्टल तैयार किया गया है, जिसमें प्रत्येक विद्यार्थी का पंजीयन हो रहा है। विद्यार्थी प्रत्येक तीन माह में उस पौधे की प्रगति की फोटो खींचकर पोर्टल में अपलोड करेगा। हमारे कक्षा शिक्षक सम्पूर्ण कार्यक्रम की मॉनिटरिंग करेंगे तथा बच्चों को सतत मार्गदर्शन भी प्रदान करते रहेंगे।

इस अभियान में बच्चे स्वयं से पीपल का पेड़ एकत्र कर रहे हैं। सर्वप्रथम उसे अपने घर में गमले में रोपित कर रहे है। फिर अपने आस-पास के उचित स्थान का चयन कर वहां अपने पालक के साथ जाकर उसे भूमि में रोपित करेंगे एवं उसकी सुरक्षा व्यवस्था करेंगे। बच्चा स्वयं उस पौधे में नियमित खाद, पानी देता रहेगा। पीपल का वैज्ञानिक एवं धार्मिक दोनों महत्व बच्चो को बताया जाएगा। यदि संभव हो तो सप्ताह में एक दिन पीपल पेड़ में जल चढ़ाने बच्चो को प्रेरित किया जाएगा। 10 जुलाई से 5 सितम्बर के बीच कोई भी उपयुक्त दिन बच्चे अपनी सुविधा से वृक्षारोपण करेंगे।

सभी विद्यालयों ने यह तय किया है कि इसे प्रोजेक्ट के रूप में बच्चों को दिया जाय तथा सही कार्य करने वाले बच्चे को 10 अंक तक बोनस के रूप में प्रदान किया जाय। हमारे संगठन से जुड़े सभी विद्यालयों में इस अभियान को लेकर बड़ा उत्साह है और बच्चे भी पूरे मनोयोग से अभियान को सफल बनाने में लगे हुए है।

जिले में अब तक 303 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज

धमतरी, 9 जुलाई (देशबन्धु)। जिले में एक जून से अब तक 303.8 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज की गई है। भू-अभिलेख शाखा से मिली जानकारी के मुताबिक जिले में अब तक सर्वाधिक औसत वर्षा 385 मि.मी. कुकरेल तहसील और सबसे कम 165.1 मि.मी. औसत वर्षा मगरलोड तहसील में दर्ज की गई है।

कलेक्टर ने स्कूल, अस्पताल का किया आकस्मिक निरीक्षण

कलेक्टर ने स्कूली बच्चों से सवाल पूछकर उनके पढ़ाई को परखा

बिलाईगढ़, 9 जुलाई(देशबंधु)। कलेक्टर डॉ. संजय कन्नौजे सारंगढ़ विकासखंड के दौरे में रहे। उनके साथ नरेश चौहान नोडल अधिकारी समग्र शिक्षा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे। उन्होंने एक बच्चे से पूछा कि क्या नाम है, बच्चे ने बताया पुष्कर, पुष्कर क्यों प्रसिद्ध है यह भी कलेक्टर ने पूछा। बाद में स्वयं कलेक्टर ने बताया कि पुष्कर एकमात्र स्थान है, जहां ब्रम्हदेव का मंदिर है। इसके अलावा स्वामी आत्मानंद स्कूल सारंगढ़ के 12वीं के विद्यार्थियों से विषय शिक्षकों की कमी के बारे में जानकारी लेकर शिक्षक व्यवस्था के लिए प्राचार्य सहित अन्य शिक्षकों के शैक्षणिक स्तर की जानकारी लेकर उन्हें निर्देशित किया कि समन्वय कर भौतिकी और गणित पढ़ाने के निर्देश दिए। कलेक्टर डॉ. कन्नौजे गांव कोतरी के मलीय कीचड़ प्रबंधन इकाई गए जहां उन्होंने वृक्षारोपण किया

और सरपंच सहित स्वसहायता समूह बिहान की महिलाओं से मुलाकात कर उनके कार्य की जानकारी ली।

कलेक्टर डॉ. कन्नौजे गांव रेड़ा के प्राथमिक, पूर्व माध्यमिक और उप स्वास्थ्य केन्द्र का निरीक्षण किए, जहां उन्होंने स्कूली बच्चों से शब्द, अक्षर, दीवार में लिखे दिन के नाम, गिनती, पहाड़ा आदि पूछकर प्राथमिक स्कूल के बच्चों के ज्ञान को परखा, वहीं पूर्व माध्यमिक विद्यालय के बच्चों से सौर ग्रह के ग्रहों के नाम, कौन बड़ा आदि पूछकर उनके ज्ञान स्तर को जांचा। कलेक्टर ने कहा कि दो तीन बच्चों के अलावा सभी बच्चों को भी यह ज्ञान होना चाहिए। कलेक्टर ने प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र रेड़ा के दवाईयों का चेककर वहां कार्यरत विनीता पटेल नर्स से आयुष्मान, टीबी मरीज, गर्भवती महिलाओं का चेकअप, संस्थागत प्रसव के बारे में जानकारी लेकर कहा कि प्रसव कक्ष में प्रसव कराएं।

इसी प्रकार कलेक्टर ने गुड़ेली में एक पेड़ मां के नाम से वृक्षारोपण किया। इसके बाद डॉ. कन्नौजे ने कुंवरगुड़ा के प्राथमिक स्कूल का आकस्मिक निरीक्षण किया और बच्चों से 6, 7, 8 का पहाड़ा पूछे, बच्चों ने पहाड़ा सुनाएं। कलेक्टर ने स्कूली ड्रेस कब दिए और मध्यान्ह भोजन में कल क्या खाएं थे, पूछे। बच्चों ने बताया कि कुछ दिन पहले स्कूली ड्रेस दिए हैं वहीं खाने में दाल और चना की सब्जी कल बनी थी। रसोईयां ने बच्चों के लिए खाना पकाए थे। कलेक्टर ने स्कूल परिसर देखकर खुश हुए और एक जर्जर बंद भवन को तोड़ने के निर्देश दिए। इस दौरान सीईओ जिला पंचायत इंद्रजीत बर्मन, सीईओ जनपद पंचायत सारंगढ़ राधेश्याम नायक उपस्थित थे।

सडक दुर्घटना पीड़ितों को डेढ़ लाख तक कैशलेश उपचार की सुविधा राहवीर व्यक्ति को 25 हजार पुरस्कार राशि

बलौदाबाजार, 9 जुलाई (देशबन्धु)। केंद्र सरकार ने देशभर में सड़क दुर्घटना पीड़ितों के लिए कैशलेस ईलाज की योजना से सम्बंधित अधिसूचना जारी कर दी है। इसके तहत सड़क दुर्घटना पीड़ितों को प्रति व्यक्ति डेढ़ लाख रुपये तक का कैशलेस ईलाज की पात्रता होगी।

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने इस संबंध में अधिसूचना जारी किया है। यह योजना 5 मई 2025 से लागू हो गई है। जारी अधिसूचना के अनुसार कोई भी व्यक्ति जो किसी सड़क पर मोटर वाहन के उपयोग से होने वाली दुर्घटना पीड़ित होता है, वह ऐसी दुर्घटना की तारीख से अधिकतम 7 दिन की अवधि के लिए किसी भी नाम निर्दिष्ट अस्पताल में प्रति पीड़ित व्यक्ति 150000 रुपये तक कैशलेस इलाज की पात्रता प्रावधानित है। इसके साथ ही राहवीर योजनान्तर्गत कोई भी व्यक्ति जो गंभीर सडक दुर्घटना में पीड़ित की तत्काल सहायता करके अस्पताल या ट्रामा केयर सेंटर में पहुंचाकर चिकत्सा उपचार हेतु पहल कर जान बचाई हो ऐसे राहवीर व्यक्ति (गुड सेमेरिटन) को 25000 रुपये तक पुरस्कार की राशि देने का प्रावधान है। कलेक्टर दीपक सोनी ने जिले में इन दोनों योजनाओं के क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिये हैं।

लईका घर कार्यक्रम से अवगत हुए जनपद पदाधिकारी

नगरी 9 जुलाई (देशबन्धु)। मोबाईल क्रैशिज व अजीम प्रेमजी फाउंडेशन के द्वारा आज जनपद पंचायत सभाकक्ष में लईका घर कार्यक्रम को लेकर जनपद पंचायत प्रतिनिधियों का उन्मुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में जनपद पंचायत के पदाधिकारी सहित ब्लाक स्तर के अधिकारी कर्मचारी गण बड़ी संख्या में उपस्थित थे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जनपद अध्यक्ष महेश गोटा ने कहा कि लईका घर बच्चों की देखभाल के लिए अनिवार्य जरूरत है। उन्होंने क्रियान्वयन संस्था मोबाईल क्रैशिज व अजीम प्रेमजी फाउंडेशन को अधिकाधिक बच्चों तक पहुंच बनाने पर जोर दिया। मुख्य कार्यपालन अधिकारी रोहित कुमार बोर्झा ने कहा कि एपीएफ जैसी संस्थाएं धमतरी जिले में लगातार कई वर्षों से शिक्षा व पोषण विषय पर गुणवत्तापूर्ण निशुल्क सेवाएं प्रदान कर रही है। नगरी विकासखंड में मोबाईल क्रैशिज व एपीएफ के द्वारा लईका घर का संचालन कार्य सराहनीय प्रयास है। अतिथियों के उद्बोधन के पूर्व संस्था के द्वारा स्वागत कार्यक्रम तथा लईका

घर की सारगर्भित जानकारी साझा की गई। तत्पश्चात मोबाईल क्रैशिज की यात्रा की जानकारी फिल्म के माध्यम से प्रस्तुत की गई। एपीएफ से रिंकेश मेंढे ने संस्थागत जानकारी प्रदान की। नगरी विकासखंड में लईका घर की आवश्यकता विषय पर स्टेट लीड अजीत मोहन चौधरी ने विस्तार से जानकारी साझा की। तत्पश्चात् लईका घर स्थापना के विभिन्न चरण की जानकारी प्रोजेक्टर के माध्यम से प्रस्तुत की गई। लईका घर प्रबंधन समिति व जनपद पंचायत से अपेक्षित सहयोग के संस्था के द्वारा प्रकाश डाला गया। कार्यरत पंचायतों में नये लईका घर की स्थापना की जानकारी उपस्थित पदाधिकारियों को दी गई। इस अवसर पर शिक्षा, उद्यान, वन, कृषि, महिला एवं बाल विकास, पशु, क्रेडा, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी आदि विभाग के अधिकारी गण उपस्थित थे।

कार्यक्रम को सफल बनाने में संतोषी साहू, श्याम सिंह, मुकेश वर्मा, लोकेश सिन्हा, दीपक गोस्वामी आदि का सराहनीय प्रयास रहा। कार्यक्रम के अंत में सभी के प्रति आभार ज्ञापित किया गया।

सेन समाज सामुदायिक भवन भूमि पूजन कार्यक्रम मे शामिल हुए विधायक संदीप साहू

लवन 9 जुलाई (देशबन्धु)। देढ़ीपारा देशहा सेन समाज नगर पंचायत लवन द्वारा सामुदायिक भवन निर्माण हेतु भूमि पूजन एवं त्रैमासिक अधिवेशन का भव्य आयोजन किया गया। इस गरिमामयी कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में क्षेत्रीय विधायक संदीप साहू भूमि पूजन अनुष्ठान में सम्मिलित होकर समाज को शुभकामनाएं प्रेषित कीं

विधायक संदीप साहू ने इस अवसर पर कहा कि सेन समाज की एकता अनुशासन और परंपराएं अनुकरणीय हैं।उन्होंने सामुदायिक भवन के लिए हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया तथा समाज के युवाओं को शिक्षा और स्वरोजगार की दिशा में आगे बढ़ने का आव्हान किया। उन्होंने कहा कि सामाजिक भवन किसी भी समाज के एकजुटता और गतिविधियों का केंद्र होता है और यह भवन सेन समाज के विकास में मील का पत्थर साबित होगा वही त्रैमासिक अधिवेशन में समाज के विभिन्न मुद्दों पर विचार-विमर्श किया गया जिसमें शिक्षा रोजगार सामाजिक एकजुटता युवाओं की भागीदारी जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर मंथन किया गया। वक्ताओं ने समाज को संगठित रूप से आगे बढ़ने का संदेश दिया।कार्यक्रम का संचालन सेन समाज के लोगो द्वारा कुशलता पूर्वक किया गया वहीं आयोजन की व्यवस्थाएं भी सराहनीय रहीं।कार्यक्रम के अंत में अतिथियों एवं समाज के वरिष्ठजनों का सम्मान किया गया कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर पंचायत अध्यक्ष शिव मंगल सिंह चौहान ने की। इस अवसर पर सेन समाज के अध्यक्ष हरिशंकर श्रीवास, नगर पंचायत उपाध्यक्ष नरेन्द्र साहू, पूर्व पार्षद अजय ताम्रकार, सतीश पाण्डेय, गुरु दयाल यादव, कोमल वर्मा, अजय बार्वे सहित समाज के वरिष्ठजन, युवा एवं महिलाएं बड़ी संख्या में उपस्थित रहीं।

मौली माता मंदिर परिसर में आज मनाई जाएगी गुरु पूर्णिमा

फिंगेश्वर 9 जुलाई (देशबन्धु)। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी कल दिनांक 10 जुलाई को मौली माता मंदिर परिसर मे गुरु पूर्णिमा पर्व बड़े ही धूमधाम से मनाया जाएगा। पूरे आयोजन को लेकर पंडित दिनेश्वर प्रसाद शर्मा भगवताचार्य ने बताया प्रात: 10-00 बजे से गुरु पादुका पूजन की जाएगी तत्पश्चात गुरुवाणी व्यासपीठ से तत्पश्चात आगुंतक मानस मंडलियों के द्वारा संगीतमय रामायण भजन संकीर्तन की प्रस्तुति देर रात्रि तक होगी उक्त आयोजन में अधिक से अधिक संख्या में भक्तजनों को आने की अपील पंडित रामानुज अनिरुद्ध दास अमन शर्मा भगवताचार्य के द्वारा की गई है। इसी तरह नगर में राष्टीय स्वयंसेवक संघ द्वारा समता क्लब परिसर पर गुरु के रूप में ध्वजसम्मान कर गुरुपर्णिमा पर्व मनाया जाएगा।

जिले में आज से 16 जुलाई तक चलेगी कांग्रेस की जन न्याय पदयात्रा, दीपक बैज मैनपुर से करेंगे शुभारंभ

गरियाबंद 9 जुलाई (देशबन्धु)। जिले में कांग्रेस पार्टी की जन न्याय पदयात्रा आगामी 10 जुलाई से 16 जुलाई तक निकाली जाएगी। यह सात दिवसीय यात्रा गरियाबंद जिले की बिंद्रानवागढ़ विधानसभा के मैनपुर से शुरू होकर रायपुर स्थित राजभवन में समाप्त होगी। यात्रा का शुभारंभ गुरुवार को कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज करेंगे, जो पहली बार गरियाबंद जिले में आ रहे हैं। उनके आगमन को लेकर पार्टी कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह देखा जा रहा है।

यात्रा के दौरान प्रदेश कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता, पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल होंगे। पदयात्रा मैनपुर से निकलकर धवलपुर, बिंद्रानवागढ़, जोबा, गरियाबंद, बारुका, पांडुका, कोपरा, राजिम, मानिकचौरी, अभनपुर, केंद्री और सदानी दरबार होते हुए राजभवन रायपुर पहुंचेगी। अंतिम पड़ाव में भी कांग्रेस के दिग्गज नेता शिरकत करेंगे। गौरतलब है कि दीपक बैज के आगमन से जिले में कांग्रेस के आंतरिक समीकरणों में बदलाव की संभावना जताई जा रही है। अब तक जिले में कांग्रेस दो धड़ों में बंटी रही है — पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और वरिष्ठ नेता टीएस सिंहदेव (टीएस बाबा) के समर्थकों में। वहीं राजिम विधानसभा में पूर्व मंत्री अमितेश शुक्ला का दबदबा माना जाता रहा है। ऐसे में बैज की पहली यात्रा से संगठन में नई ऊर्जा और नए समीकरण की चर्चा भी तेज हो गई है।

ग्राम पंचायत सीतापार में स्वच्छ भारत मिशन के तहत लिया गया स्वच्छता और विकास का संकल्प

खरोरा 9 जुलाई (देशबन्धु)। ग्राम पंचायत सीतापुर में स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत ग्रामवासियों, महिला समूहों और पंचायत प्रतिनिधियों द्वारा गांव को आदर्श स्वच्छ एवं निर्मल ग्राम बनाने का संकल्प लिया गया है।

ग्राम पंचायत की सरपंच श्रीमती कुंती अकबर साहू ने अपने विचार रखते हुए कहा कि पंचायत शासन की सभी योजनाओं का लाभ गांव की महिलाओं, स्वयं सहायता समूहों एवं आम जनता तक पहुंचाने हेतु प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायत सीतापुर को स्वच्छ एवं विकसित बनाने के लिए पंचायत प्रतिनिधि, महिला संगठन एवं वरिष्ठ नागरिक पूरी तरह से समर्पित हैं।

विद्यार्थियों को दिया गया आत्मरक्षा का प्रशिक्षण

आरंग 9 जुलाई (देशबन्धु)। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गुजरा के शाला विकास समिति अध्यक्ष चंद्रशेखर बघेल के पहल पर आरंग युवा एवं खेल संगठन द्वारा विद्यार्थियों को आत्मरक्षा प्रशिक्षण दिया गया.आरंग युवा एवं खेल संगठन अध्यक्ष अमन साहू ने बताया कि संगठन के योजनाओं के तहत पूरे आरंग विधानसभा में खेलो को बढ़ावा देने का कार्य किया जा रहा है.जिसके तहत गुजरा में भी विभिन्न खेलो के रेगुलर अभ्यास के लिए शाला समिति अध्यक्ष चंद्रशेखर बघेल और प्रभारी प्राचार्य भानु प्रताप डहरिया से खेल संबंधित चर्चाएं किया गया.उनका कहना है कि आरंग युवा एवं खेल संगठन के मार्गदर्शन में गुजरा को भी खेल क्षेत्र में आगे बढ़ाना हमारी प्राथमिकता है.सदैव विद्यार्थियों की सहयोग करेंगे.इस अवसर पर आरंग मार्शल आर्ट प्रशिक्षक नटवर निषाद,शिक्षक टीकाराम साहू,गंगाधर बिंझाडेकर,व्यायाम शिक्षक शारदा देवदास उपस्थित थे।

आरंग में बीएलओ एवं सुपरवाइजर के 7 दिवसीय प्रशिक्षण का समापन

आरंग, 9 जुलाई (देशबन्धु)। जिला निर्वाचन कार्यालय रायपुर के आदेशानुसार एवं एसडीएम आरंग पुष्पेंद्र शर्मा तथा तहसीलदार ज्योति मसियारे के मार्गदर्शन में शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय आरंग के शैक्षिक हाल में सात दिवसीय(दिनांक 3 जुलाई से 9 जुलाई)मतदाता सूची विषयक बीएलओ एवं सुपरवाइजर गण का प्रशिक्षण संपन्न हुआ। इस अवसर पर मास्टर ट्रेनर व्याख्याता माणिक लाल मिश्रा, व्याख्याता विजय चंद्राकर, संकुल समन्वयक राजेंद्र देवांगन के द्वारा मतदाता सूची में नाम जोड़ना, नाम काटना एवं संशोधन के लिए विस्तार से प्रशिक्षण दिया गया एवं प्रारूप 6,प्रारूप 6(क), प्रारूप 7 एवं प्रारूप 8 के बारे में जानकारी दी गई साथ ही विधानसभा आरंग 52 के समस्त 251 मतदान केंद्रों के बीएलओ

को 50-50 के ग्रुप बनाकर प्रशिक्षण दिया गया ,प्रशिक्षण के दौरान मास्टर ट्रेनरद्वय ने बताया प्रारूप 8 एक बहुउद्देशीय फार्म है इसके माध्यम से आम मतदाता अपने नामों की त्रुटि सुधार, पता परिवर्तन,जैसे संशोधन करा सकते हैं वही वोटर हेल्प लाइन एप की देते हुए आम मतदाओं के लिए उपयोगी बताया कोई भी मतदाता इस एप के माध्यम से नाम जोड़ने आदि के लिए स्वयं ऑनलाइन आवेदन कर सकता है ।प्रशिक्षण में सहायक के रूप में संकुल समन्वयक गण मंजूर साहू व जग्गू राम साहू, शिक्षक गण शरद अग्रवाल,आनंद सोनी एवं तहसील से राकेश साहू की सहभागिता रही एवं बूथ लेवल ऑफीसरों ने नुक्कड़ नाटक की सहायता से मतदाताओं को जागरूक करने का डेमोंसट्रेशन भी प्रस्तुत किया तथा दिल्ली से प्रशिक्षण प्राप्त बीएलओ एल पी मनहरे ने सभी के साथ महत्वपूर्ण जानकारी शेयर किए।

कुरूद में उड़नदस्ता पायलेंटिग वाहन का शुभारंभ

कुरूद 9 जुलाई (देशबन्धु)। कुरूद नगर में आज से नगर पंचायत अध्यक्ष ज्योति भानु चन्द्राकर के सहयोग से नगर प्रशासन और पुलिस प्रशासन द्वारा उड़नदस्ता पायलेंटिग वाहन का शुभारंभ नगर के सभी वार्डो मे जागरूकता अभियान, ट्रैफिक व्यवस्था, तेज रफ्तार वाहनों की निगरानी, अतिक्रमणकारियों की निगरानी, सार्वजनिक स्थलों में नशाबंदी के लिए सावधान एवं कार्यवाही करने प्रशासन द्वारा नगर में आगामी 3 माह तक पायलेटिंग वाहन चलाया जायेगा जिसमे पुलिस स्टाप एवं नगर पंचायत के स्टाप का दल सुबह से लेकर रात तक सर्चिंग करते रहेंगे। इस अभियान का शुभारंभ आज नगर पंचायत कार्यालय मे नगर पंचायत अध्यक्ष ज्योति चन्द्राकर, स्छ्हक्क मैम रागिनी मिश्रा के करकमलों से हरी झंडी दिखाकर संपन्न किया गया । इस अवसर पर नगर पंचायत के जनप्रतिनिधियों में नगर पंचायत

उपाध्यक्ष देवव्रत साहु, विधायक प्रतिनिधि भानु चन्द्राकर, सभापतियों में मिथलेश बैस, महेन्द्र गायकवाड़, राजकुमारी ध्रुव, पार्षदगणों मे वरिष्ठ पार्षद मनीष साहु, प्रमोद साहु, रवि मानिकपुरी, कविता चन्द्राकर, ष्टस्न्ह्व गुप्ता जी, टी.आई. जगत जी सहित नगर पंचायत के कर्मचारीगण, पुलिस स्टॉफ मौजूद थे।

सरपंच दुलेश्वरी दीवान द्वारा ठाकुरदिया कला के शाला परिसर में पौधा रोपण संपन्न

पिथौरा 9 जुलाई (देशबन्धु)। शासकीय पूर्व माध्यमिक एवं प्राथमिक शाला ठाकुरदिया कला में 9 जुलाई बुधवार को सरपंच श्रीमती दुलेश्वरूरी दीवान ने प्रधान पाठक छबिराम पटेल, श्रीमती कुसुमलता कुर्रे,शिक्षक मोहितराम पटेल , मुकेशकुमार सिन्हा, विजय कुमार अनंत, रोजगार सहायक रामकुमार पटेल ,सक्रिय महिला समूह की छाया दीवान, ललिता ठाकुर, रोशनी दीवान,लक्ष्मी दीवान तथा मितवा समिति की नीरा ठाकुर की उपस्थिति एवं सहयोग से शाला परिसर में पौधा रोपण कार्यक्रम के तहत 25 से ज्यादा पौधों का रोपण किया गया। इस दौरान स्कूली बच्चों ने भी चढ़- बढ़ कर हिस्सा लिया।

प्रादेशिकी का शेष...

महापौर और आयुक्त ने किया...

नागरिकों को बारिश के मौसम में किसी प्रकार की असुविधा न हो। आयुक्त श्रीमती गोयल ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि जल निकासी के क्षेत्र में टीम तैनात रहे तथा बारिश की स्थिति में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। नगर निगम द्वारा नागरिकों से भी अपील की गई है कि वे नालों में कचरा न डालें तथा स्वच्छता बनाए रखने में सहयोग करें।

ननिहाल में विश्राम करने के...

पटेल, मदन मोहन खंडेलवाल, बिहारीलाल अग्रवाल, दयाराम अग्रवाल, रमेश लाट, भरत सोनी, अनिल मित्तल, दिलीप सोनी, प्रितेश गांधी, महेन्द्र पंडित, कीर्ति शाह, संजय अग्रवाल, निर्मल बरड़िया, सूरज शर्मा, प्रदीप सोनी, पुजारी पं. बालकृष्ण शर्मा, गौरव शर्मा आदि शामिल हुए।

तहसील अधिवक्ता संघ गरियाबंद चुनाव: नामांकन प्रक्रिया पूर्ण, अध्यक्ष सहित सभी पदों के लिए सूची जारी

गरियाबंद ,9 जुलाई (देशबन्धु)। तहसील अधिवक्ता संघ गरियाबंद के चुनाव की प्रक्रिया जारी है। अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, कोषाध्यक्ष, सचिव एवं सह सचिव सहित कुल छह पदों के लिए नामांकन प्रक्रिया पूर्ण हो चुकी है। निर्वाचन अधिकारी बी.आर. देवांगन ने बताया कि सभी नामांकन नियमानुसार प्राप्त हुए है। 09 जुलाई को नामांकन पत्रों की छंटनी के बाद उम्मीदवारों की प्रारंभिक सूची का प्रकाशन कर दिया गया है। अध्यक्ष पद के लिए तीन नाम सामने आए हैं, जिनमें नरेन्द्र कुमार देवांगन, शिवदयाल साहू और विजय सिन्हा ने दावेदारी पेश की है। उपाध्यक्ष पद के लिए प्रशांत मानिकपुरी, होमेवर सिंह यदु और घनश्याम प्रसाद पात्र देवभोग ने नामांकन दाखिल किया है। कोषाध्यक्ष पद के लिए विजय सिन्हा, नोकेश साहू और हेमराज दास ने आवेदन किया है। वहीं, सचिव पद के लिए झनक राम साहू और प्रदीप लांबा ने नामांकन भरा है। सह सचिव पद के लिए गंगानंद सिन्हा एवं रामेश्वर निर्मलकर का नाम सामने आया है।इधर, नामांकन प्रक्रिया के बाद चुनावी माहौल गरमा गया है।निर्वाचन अधिकारी बी.आर. देवांगन ने बताया कि सभी नामांकन नियमानुसार प्राप्त हुए हैं।

नए युवा नेतृत्व से सजेगी तैलिक साहू महासभा की दिशा

छत्तीसगढ़ से पवन साहू व मनीष साहू को अहम भूमिका

पलारी 9 जुलाई (देशबन्धु)। अखिल भारतीय तैलिक साहू महासभा ने पवन कुमार साहू को राष्ट्रीय युवा महामंत्री तथा मनीष कुमार साहू को राष्ट्रीय युवा संगठन सचिव (छत्तीसगढ़ एवं उड़ीसा राज्य प्रभारी) के महत्वपूर्ण पद पर मनोनीत किया है। यह दायित्व राष्ट्रीय युवा अध्यक्ष एवं कसडोल विधायक संदीप साहू की संस्तुति पर, राष्ट्रीय अध्यक्ष जयदत्त क्षीरसागर एवं राष्ट्रीय महामंत्री रामलाल प्रसाद गुप्ता की अनुशंसा व अनुमोदन तथा छत्तीसगढ़ प्रदेश साहू संघ के

प्रदेश अध्यक्ष टहल सिंह साहू के मार्गदर्शन में सौंपा गया है।

पवन साहू, वर्तमान में छत्तीसगढ़ प्रदेश साहू संघ ङ्क युवा प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक के रूप में कार्यरत हैं, वहीं मनीष साहू आई.टी. प्रकोष्ठ ङ्क प्रदेश प्रभारी महामंत्री के रूप में अपने दायित्वों का सफलता से निर्वहन कर रहे हैं। दोनों ही युवा कार्यकर्ताओं ने अपने पूर्ववर्ती दायित्वों में उल्लेखनीय संगठनात्मक कार्य, सामाजिक सहभागिता, तकनीकी नवाचार व युवा सशक्तिकरण के क्षेत्र में प्रेरणादायक कार्य किए हैं। संगठन निर्माण में दीर्घकालिक योगदान, विनम्र व्यवहार, जनसंपर्क कौशल एवं समाज-कल्याण के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को देखते हुए यह नियुक्तियाँ की गई हैं। राष्ट्रीय अध्यक्ष जयदत्त क्षीरसागर ने दोनों पदाधिकारियों को शुभकामनाएँ देते हुए आशा व्यक्त की कि उनके नेतृत्व में युवा विंग और अधिक सक्रिय, संगठित व सशक्त बनेगा।

मीडिया से संयुक्त चर्चा में पवन एवं मनीष ने कहा कि - हम दोनों के लिए यह राष्ट्रीय दायित्व अत्यंत गौरव की बात है। समाज के शीर्ष नेतृत्व, शुभचिंतकों और सहयोगियों के प्रति हम हृदय से आभार व्यक्त करते हैं। माता कर्मा, माता राजिम, माता-पिता, गुरुजनों एवं समस्त सामाजिकजनों के आशीर्वाद से मिली यह जिम्मेदारी हमें और अधिक प्रतिबद्ध होकर कार्य करने की प्रेरणा देती है। हम पूर्ण ऊर्जा, समर्पण और निष्ठा के साथ युवा वर्ग को जोड़ने, सामाजिक एकता को सुदृढ़ करने एवं राष्ट्र निर्माण में समाज की भागीदारी बढ़ाने हेतु कार्यरत रहेंगे। इस अवसर पर समाज के विभिन्न प्रांतों से जुड़े वरिष्ठजनों, जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों व परिजनों ने दोनों पदाधिकारियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

निधन

जसराज लोढ़ा

महासमुंद 09 जुलाई (देशबंधु)। स्थानीय स्टेशन रोड निवासी श्री जैन संघ के पूर्व अध्यक्ष, वरिष्ठ पत्रकार, नगर के प्रतिष्ठित बर्तन व्यवसायी जसराज लोढ़ा

का बुधवार की सुबह निधन हो गया। अंतिम संस्कार भलेसर रोड स्थित मुक्तिधाम में किया गया। वे अलसीचंद, गौतमचंद, स्व. पारस लोढ़ा के बड़े भाई व दिनेश, हेमंत लोढ़ा के पिता थे।

शपथ लेना आसान हैं लेकिन उसे निभाना बहुत कठिन होता है : प्राचार्य गौरीशंकर निर्मलकर

सशिमं नवापारा में छात्रसंघ पदाधिकारियों का चयन एवं शपथ ग्रहण समारोह आयोजित

नवापारा-राजिम, 9 जुलाई (देशबन्धु)। सरस्वती शिशु मंदिर नवापारा में छात्रसंघ पदाधिकारियों का गठन एवं शपथ ग्रहण समारोह विद्यालय प्रांगण में किया गया।कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया।विभाग प्रमुख नरेश यादव, नरेंद्र साहू, किशोर भारती प्रमुख -दीपक देवांगन,कन्या भारती प्रमुख -सरोज कंसारी, परीक्षा विभाग -कृष्ण कुमार वर्मा के मार्गदर्शन में लोकतांत्रिक मत पद्धति से छात्रसंघ पदाधिकारियों का चुनाव किया गया। जिसमें जगदीशचंद्र बसु विज्ञान परिषद के अध्यक्ष- योगराज साहू, उपाध्यक्ष-अपूर्वा ध्रुव सचिव-योगिता सिन्हा,सहसचिव- विकास वर्मा कोषाध्यक्ष -गणिता यादव, श्रीनिवास रामानुजन गणित परिषद के अध्यक्षा-, -निलेश यादव,उपाध्यक्ष- तान्या ठाकुर सचिव-कबीर साहू,सहसचिव- अंकित साहू, किशोर भारती अध्यक्ष- युवराज साह,उपाध्यक्ष -रोहन दास मानिकपुरी,सचिव- गुलशन सेन,सहसचिव- सन्नी निर्मलकर, सेनापति-देवेंद्र कंडरा, अनुशासन -लावेंद्र साहू,, गणेश साहू, प्रार्थना प्रमुख -अपूर्वा ध्रुव, हिमांशी साहू, जिनेन्द्र साहू ,कन्या भारती अध्यक्ष-गीतांजली साहू, उपाध्यक्ष-मुस्कान साहू, सचिव-गायत्री सोनकर, सह सचिव टामीनी साहू ।बाल भारती अध्यक्ष-रिमसा साहू, उपाध्यक्ष-आदित्य राजपूत ,सचिव- शैलेन्द्र सूर्यवंशी, सहसचिव -टीसा साहू ,सांस्कृतिक- भाविका चंद्राकर, खेल गगन सेन,शिशु भारती अध्यक्ष- प्रहलाद साहू,उपाध्यक्ष- याचना साहू,सचिव- तेजस्वी साहू, सहसचिव-जिया मेमन सांस्कृतिक, -भाविका चंद्राकर,पूजन- खुशबू साहू, सिमरन सेन, साक्षी साहू ।जन्मदिन -गुनीता यादव, चुने गए।

विद्यालय के प्राचार्य गौरीशंकर निर्मलकर ने समस्त पदाधिकारियों को अपने पद की गोपनीयता की शपथ दिलाई। कहा की पद ग्रहण करना आसान होता हैं लेकिन उसका पालन करना बहुत ही मुश्किल हैं ।अगर ईमानदारी से अपने दायित्व का निर्वहन करें तो आपने जिम्मेदारी की भावना का विकास होगा जो हर क्षेत्र में काम आएगा। इस अवसर पर वरिष्ठ शिक्षक नरेश यादव, दीपक देवांगन, नरेंद्र साहू, सरोज कंसारी, नंद कुमार साहू ,तामेश्वर साहू ,वाल्मीकि, धीवर,रेणु कुमार निर्मलकर ,नारायण पटेल, संजय सोनी ,कृष्ण कुमार वर्मा, परमेश्वर सिन्हा, नेहा सोनकर,हुलेश्वरी चेतन साहू,लोमेश साहू आदि उपस्थित रहें।

किसी भी समाज की सबसे बड़ी ताकत उसकी एकजुटता होती है : शिवरतन शर्मा

भाटापारा, 9 जुलाई (देशबन्धु)। श्री दोसर वैश्य समाज हमेशा से ही जरूरतमंदों की मदद के लिए अग्रणी रहा है और समाज का मार्गदर्शन करता रहा है। भाटापारा उपाध्यक्ष भाजपा छत्तीसगढ़ शिवरतन शर्मा मंगलवार को श्री दौसर वैश्य गुप्ता समाज द्वारा आयोजित स्वागत समारोह 2025 में छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी मर्यादित बैंक अध्यक्ष केदारनाथ गुप्ता एवं नगर पालिका अध्यक्ष अश्वनी शर्मा के साथ सम्मिलित हुए।

शिवरतन शर्मा ने समाज को सम्बोधित करते हुए कहा कि श्री दोसर वैश्य समाज हमेशा से ही अपने सामाजिक कार्यों के जरिए दूसरों की मदद करता आया है।

शिवरतन शर्मा ने यह भी कहा कि, किसी भी समाज की एकजुटता उसकी सबसे बड़ी ताकत होती है। एकजुट समाज में लोगों के बीच आपसी सहयोग, विश्वास और सामंजस्य होता है, जिससे समाज में सकारात्मक ऊर्जा और विकास की गति बनी रहती है। पैसे से सभ्यता नहीं आती; इसके लिए संस्कारों और नैतिक मूल्यों की आवश्यकता होती है। संस्कार और नैतिक मूल्य समाज के सदस्यों को सही दिशा में मार्गदर्शित करते हैं और उन्हें एक सभ्य और सशक्त समाज का निर्माण करने में मदद करते हैं।

शिवरतन शर्मा ने आगे कहा कि श्री दोसर वैश्य समाज आज सामाजिक, धार्मिक और आर्थिक गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभा रहा है। साथ ही समाज युवाओं में शिक्षा, संस्कार, और नेतृत्व के गुण विकसित करने पर विशेष ध्यान दे रहा है।

कार्यक्रम को नगर पालिका अध्यक्ष अश्वनी शर्मा ने भी सम्बोधित करते हुए कहा कि समाज में इस तरह के आयोजन से सामाजिक एकता, पारिवारिक मूल्यों, और सामुदायिक विकास को सुदृढ़ करने का मार्ग प्रसास्त होता हैं।

आयोजन की सफलता के लिए आयोजकों और समाज के सभी सदस्यों को अतिथियों द्वारा बधाई शुभकामनायें दी गई।

इस अवसर पर छत्तीसगढ़ प्रदेश दोसर वैश्य समाज के अध्यक्ष विनोद गुप्ता,पंकज गुप्ता, रमेश गुप्ता, नरेंद्र गुप्ता, मुरली लाल गुप्ता, रामचंद गुप्ता, शिव गुप्ता,महेश गुप्ता, किशोर गुप्ता,शशांक गुप्ता, देवेश गुप्ता सहित समाज के गणमान्यजन एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

श्रेया अग्रवाल सीए बनकर परिवार एवं समाज को किया गौरान्वित

सरसींवा/बलौदाबाजार, 9 जुलाई (देशबन्धु)। सरसींवा की श्रेया अग्रवाल सीए बनकर परिवार, समाज एवं नगर को गौराविंत की है। उन्होने दो बार कठिनाइयों का सामना करते हुए परीक्षा नही देने का फैसला की लेकिन एक ही बार के अथक प्रयास से श्रेया अग्रवाल सीए का फाइनल परीक्षा क्लियर कर लिया जिससे अग्रवाल समाज मे हर्ष व्याप्त है।

श्रेया अग्रवाल शुरू से मेधावी छात्रा है। बीच मे पारिवारिक घटना के नाम से दो बार उन्होंने परीक्षा नही दिलाई लेकिन हार नही मानने वाली श्रेया ने कड़ी मेहनत करते हुए सीए क्लियर कर लिया। उन्होंने इसका सारा श्रेय अपने पिता गोविंद अग्रवाल एवं माता सुनीता अग्रवाल के साथ साथ मामा टेकचंद अग्रवाल को दिया जिन्होंने कभी भी हताश नही होने दिया और हिम्मत देते रहे। आगे उन्होंने कहा कि वे आगे भी अच्छे मुकाम के लिए प्रयासरत रहेगी। उन्होंने कहा कि सच्ची लगन और मेहनत हो तो कुछ भी हासिल किया जा सकता है।

राजकुमार मल बने प्रेस क्लब अध्यक्ष

भाटापारा, 9 जुलाई (देशबन्धु)। भाटापारा प्रेस क्लब के वरिष्ठ सदस्य राजकुमार मल को नया अध्यक्ष चुना गया है। श्रीमल बहुत जल्द अपनी नई कार्यकारिणी का गठन करेंगे।

चयन उपरांत श्रीमल ने कहा कि वह अपनी जिम्मेदारी पूरी कर्तव्यनिष्ठा के साथ वहन करेंगे। उन्होंने बहुत जल्द नई कार्यकारिणी का गठन किए जाने के संकेत दिए हैं। श्रीमल को शहर के विभिन्न स्वयं सेवी संगठनों और वरिष्ठों ने बधाई दी है। प्रेस कल्ब की आज की मिटींग में संरक्षक संजीव तिवारी, संतोष अग्रवाल, गुरमीत गुम्बर,राजीव तिवारी,राजेश शर्मा,सत्यनारायण पटेल,आयशा खांन,जुगलकिशोर तिवारी,विनोद शर्मा,शत्रुध्न साहू, श्यामसुन्दर पुरोहित,वीरेन्दं उपाध्याय,मो. हारून, शमीम खांन, ललित तिवारी,नितेश गुप्ता,शत्रुध्न सोनवानी,माखन लाल साहू आदि सदस्य उपस्थित थे।

झारा में भाजपाइयों ने सायकल वितरण कर किया पौधारोपण

बागबाहरा, 9 जुलाई (देशबन्धे)। खल्लारी विधानसभा क्षेत्र के ग्राम पंचायत झारा के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय एवं शासकीय प्राथमिक शाला चितमखार में नि:शुल्क सायकल वितरण एवं पौधारोपण का कार्यक्रम शाला परिवार द्वारा आयोजित किया गया। जिसमें क्षेत्र के जनप्रतिनिधि एवं शाला प्रबंधन समिति के सदस्य शामिल हुए।

इसी कड़ी में जिला पंचायत उपाध्यक्ष एवं भाजपा के दबंग युवा नेता भीखम सिंह ठाकुर, श्रीमती अलका चंद्राकर प्रदेश उपाध्यक्ष महिला मोर्चा, लोकेश पनुरिया मंडल अध्यक्ष खल्लारी, अजजा मोर्चा अध्यक्ष पूरन सबर, श्रीमती चंद्रकला जांगड़े सरपंच ग्राम पंचायत झारा, भुनेश्वर लोधी सरपंच ग्राम पंचायत पाली, प्राचार्य डी एन साहू शास.उ.माध्य. विद्यालय झारा, शाला विकास प्रबंधन समिति अध्यक्ष उमाशंकर नेताम, व्याख्याता टी के साहू, लेखराम ध्रुव, हेमंत देवांगन, श्रीमती लीना, श्री दीवान, गुलशन, वनराज, चुरामन, पदुम साहू, माखन लाल पनुरिया सहित शासकीय प्राथमिक शाला चितमखार के प्रधान पाठक अर्जुन गिरी गोस्वामी व शिक्षक विश्वनाथ ध्रुव, ओमप्रकाश ध्रुव, बहुर देशकर एवं समस्त शाला परिवार के शिक्षकगण सहित छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

भारतीय जीवन बीमा निगम द्वारा टेमरी स्कूल में किया गया वृक्षारोपण

कसडोल/बलौदाबाजार, 9 जुलाई (देशबन्धु)।स्थानीय भारतीय जीवन बीमा निगम सेटेलाइट शाखा द्वारा समीपस्थ ग्राम पंचायत टेमरी के शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय परिसर मे बुधवार को वृक्षारोपण का कार्यक्रम किया गया। जिसमें पंचायत प्रतिनिधियों के अलावा ग्रामींणजन एवं स्कूली बच्चें काफी संख्या में शामिल हुए।

ज्ञात हो कि भारतीय जीवन बीमा निगम सैटेलाइट शाखा द्वारा यहां प्रति वर्ष वृक्षारोपण किया जाता है इसी कड़ी में बुधवार को ग्राम पंचायत टेमरी में इस वर्ष यह कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस अवसर पर शाखा प्रबंधक पुरुषोत्तम साहू, विकास अधिकारी दुर्गेश सोनी, मुख्य जीवन बीमा सलाहकार एवं वरिष्ठ पत्रकार द्वय देवेन्द्र साहू एवं सुनील तिवारी, अभिकर्ता गण कमलेश साहू, टिकेश्वर चेलक, परमेश्वर कैवर्त, पुरुषोत्तम कठोत्रे, सरपंच लक्ष्मी सुनील पैकरा, शाला प्रबंधन समिति के अध्यक्ष सोनसिंह पैकरा, पंच डुमर सिंह पैकरा, संतोष पैकरा, शिक्षक गण स्नेहलता साहू, सुमित्रा पैकरा, नीलम साहू, योगेश साहू, संजय विजन, प्रदीप कैवर्त्य सहित स्कूल स्टाफएवं ग्रामीण जन सहित बड़ी संख्या में स्कूल के बच्चे शामिल हुए। स्कूली बच्चों में वृषारोपण करते काफी उत्साह देखा गया।

उन्होंने वृक्षारोपण करते हुए पौधों के संरक्षण की भी जिम्मेदारी ली।

छत्तीसगढ़ चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज की बैठक

60 साल में पहली बार इतनी बड़ी तादाद में पहुंचे पदाधिकारी एवं सदस्यगण

नवापारा राजिम, 9 जुलाई (देशबन्धु)। छत्तीसगढ़ चैंबर ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज कार्यकारिणी बैठक 08 जुलाई मंगलवार को रखी गई थी इस बैठक में 60 साल में पहली बार बड़ी तादाद में पदाधिकारी और सदस्य गण पहुंचे थे।

जबकि अंचल में विगत तीन दिनो से भारी बारिश और नदी नाले उफान पर है इसके बावजूद चेंबर में अधिकांश सदस्यों का आना चेम्बर्स के प्रति आस्था एवं विश्वास दिखाता है ।

नगर छत्तीसगढ़ चैंबर ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष जवाहर जीवनानी कहा कि इससे साफजाहिर है की लोगो को सिर्फ व्यापारियों की सबसे बड़ी संस्था चेंबर पे ही विश्वास , आस्था और भरोसा है साथ ही शासन की पहली प्राथमिकता भी छत्तीसगढ़ चैंबर ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज एवं विकसित व्यापार का आधार है चेम्बर परिवार ।

टैक्स वसूली में तेजी लाने पालिका अध्यक्ष ने ली राजस्व कर्मियों की बैठक

प्रभार वार्ड के अलावा अन्य वार्ड का टैक्स रसीद नहीं काट सकेंगे मोहर्रिर

महासमुंद, 9 जुलाई (देशबन्धु)। अब कोई भी मोहर्रिर अपने प्रभार वार्ड के अलावा किसी अन्य वार्ड से संबंधित टैक्स रसीद नहीं काट सकेंगे। इस संबंध में नगर पालिका अध्यक्ष निखिलकांत साहू ने सभी वार्ड प्रभारी मोहर्रिरो को सख्त निर्देश दिए हैं। श्री साहू ने कहा कि संबंधित वार्ड के अलावा प्रभारी मोहर्रिरों द्वारा अन्य वार्डों के टैक्स रसीद काटने से दस्तावेजों के अव्यवस्थित होने की संभावनाएं रहती है, इसलिए अपने प्रभार क्षेत्र के वार्ड का ही मोहर्रिर टैक्स रसीद काट सकेंगे। उक्त निर्णय नगर पालिका अध्यक्ष ने बुधवार को राजस्व विभाग की समीक्षा बैठक के दौरान ली। बैठक में टैक्स वसूली को लेकर कड़े फैसले लिए गए। राजस्व विभाग के प्रभारी व मुहर्रिरों को पालिका अध्यक्ष ने सख्त निर्देश देते हुए टैक्स वसूली में तेजी लाने नियमानुसार कार्रवाई करने कहा। उन्होंने कहा कि बड़े बकाएदारों के घर जाकर उन्हें नोटिस दें तथा टैक्स भुगतान के लिए अपील करें। यदि इस माह के अंत तक बड़े बकायेदार भुगतान नहीं करते तो मूलभूत सुविधाएं बंद करने की कार्रवाई भी करें। पालिकाध्यक्ष श्री साहू ने मुहर्रिरों से कहा कि संपत्ति कर, समेकित कर, बाजार साइड सहित जलकर वसूली में कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रत्येक दिन वार्ड मोहर्रीर वार्डो में जाकर टैक्स वसूली करें, जितने भी बड़े बकायादार है उन्हें नोटिस जारी कर उनसे टैक्स जल्द से जल्द वसूली करें, जिन दुकानों और मकानों का नाप जोख नहीं हुआ है उनका नाप जोख कर टैक्स जमा करें, राजस्व बढ़ोतरी के लिए जो भी उचित कार्रवाई करनी पड़े वह नियम अनुसार करें। बैठक में राजस्व व्यवस्था सुधारने के लिये कई बिंदु पर निर्देश दिए गए हैं।

चातुर्मास हेतु जैन संतों का हुआ शहर आगमन

महासमुंद, 9 जुलाई (देशबन्धु)। चातुर्मास के अवसर पर उपाध्यायद्वय अध्यात्मयोगी महेंद्रसागर जी मसा एवं युवा मनीषी मनीषसागर जी मसा के सुशिष्य परम पूज्य विवेकसागर जी मसा आदि ठाना.2 का सोमवार 7 जुलाई को महासमुंद नगर में प्रवेश हुआ ।रायपुर, दुर्ग, राजिम, फिंगेश्वर, धमतरी, नगरी, दल्ली राजहरा सहित महाराष्ट्र के चंद्रपुर एवं हिंगनघाट से श्रावक और श्राविकाएं इस कार्यक्रम में शामिल हुए ।प्रात: चम्पालाल, बस्तीमल, प्रेमचंद चोपड़ा के निवास स्थान से नवकारसी के पश्चात प्रवेश यात्रा जैन मंदिर के लिए बाजे गाजे के साथ प्रस्थान की ।बचपन स्कूल के बच्चों द्वारा पूज्य गुरुदेव के आगमन पर विशेष प्रस्तुति दी गई ।श्रीमती प्रियंका चोपड़ा ने मंगलाचरण से कार्यक्रम की शुरुवात की ।हेमंत झाबक, यतन मगन बहु मंडल ने अपने भाव गीत के माध्यम से व्यक्त किए ।श्री संघ की ओर पारस चोपड़ा ने इस कार्यक्रम में पधारे सभी भक्तों का स्वागत व्यक्त किया और सीए रितेश गोलछा ने सबका आभार व्यक्त किया ।कार्यक्रम का संचालन कुशल चोपड़ा ने किया ।सभा को संबोधित करते हुए विवेकसागर जी मसा ने फरमाया की चातुर्मास में हमारा प्रवेश महासमुंद में आप लोगों ने करवा दिया है किंतु वास्तव में अपने स्वयं के अंदर में चातुर्मास का प्रवेश किया जाना चाहिए । उन्होंने इस चातुर्मास में अधिक से अधिक तप जप से जुड़कर अपनी आत्मा के उत्थान के लिए कार्य करने का उपदेश दिया ।बाहर से पधारे अतिथियों के भोजन की व्यवस्था नेमीचंद कानमल चोपड़ा की ओर से शांतिनाथ भवन में रखी गई थी ।

9 जुलाई से चातुर्मास का प्रारंभ: पूज्य विवेकसागर जी मसा ने अपने प्रवचन में फरमाया कि ये चार महीने हमे विशेष रूप से धर्म आराधना के लिए मिले हैं, जिसका हम सबको अधिकाधिक लाभ उठाना है । जिनशासन हमे स्वयं को तराशने का सुअवसर प्रदान करता है ।जिनशासन का प्रमुख लक्ष्य दान, शील, तप और भाव है, जिसे अपनाकर हमे आत्मकल्याण की ओर अग्रसर होना है ।दान का अर्थ सिर्फपैसों का दान ही नहीं है अपितु अभयदान, सेवादान एवं समय का दान भी महत्वपूर्ण होता है । इस चातुर्मास में क्या करने योग्य है और क्या नहीं करने योग्य है इस विषय में विस्तार से समझाकर इस चातुर्मास में अपना जीवन सफल बनाने का मूलमंत्र उन्होंने दिया । जैन श्री संघ के सचिव रितेश गोलछा ने बताया की जैन मंदिर के वल्लभ भवन व लूनिया भवन में 9 जुलाई से व्याख्यान, स्वाध्याय, आराधना की श्रृंखला प्रारंभ हो चुकी है ।प्रतिदिन सुबह 8.45 से 10 बजे तक व्याख्यान होगा ।दोपहर 2.30 से 3.30 बजे तक स्वाध्याय की क्लास होगी ।शाम 4 बजे से 5 बजे तक बच्चों की क्लास होगी, और रात्रि 8.30 से 9.15 तक पुरुषों का स्वाध्याय होगा ।गुरूवार को गुरुपूर्णिमा एवं पूज्य उपाध्यायद्वय के 25 वें दीक्षा दिवस में प्रवेश के उपलक्ष्य में वल्लभ भवन में अनेक कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं । उक्त जानकारी जैन श्री संघ से श्रीमती ललिता बरड़िया ने दी है ।

श्रम विभाग ने मजदूरों को दिलाई लंबित मजदूरी राशि

बलौदाबाजार, 9 जुलाई (देशबन्धु)। श्रम विभाग बलौदाबाजार ने एक निजी कंपनी में काम करने वाले 33 मजदूरों का दो माह से लंबित मजदूरी राशि 5 लाख 73 रुपये का भुगतान कराया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार डीसीपीएल रेल एण्ड इंजीनियरिंग प्रा.लि. बलौदाबाजार अंतर्गत फेब्रिकेशन का कार्य करने वाले मजदूरों को माह मई एवं जून कुल दो माह की मजदूरी राशि प्रदान नहीं किया गया था। बलौदाबाजार विकासखण्ड के मगरचबा रोड, खोरसीनाला पनगांव निवासी अस्थेश्वर रात्रे एवं अन्य 32 मजदूरों के साथ कार्यालय श्रम पदाधिकारी बलौदाबाजार में शिकायत दर्ज कराई। श्रम विभाग ने उक्त शिकायत पर संज्ञान लेते हुए दोनो पक्षों को बैठक बुलाया गया। बैठक में अनावेदक संस्थान द्वारा उक्त राशि दिलाये जाने के संबंध में आश्वासन दिया गया था। श्रम विभाग द्वारा मजदूरों को उनकी बकाया मजदूरी राशि 573112 रूपये चेक के माध्यम से प्रदान की गई। मजदूरी राशि मिलने पर सभी मजदूरों द्वारा शासन एवं प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

नवापारा में सीएमओ प्रदीप मिश्रा ने नए पदस्थ सीएमओ लवकेश कुमार को कार्यभार सौंपा

पालिका परिषद के कर्मचारियों ने पुष्पमाला पहनाकर उनका स्वागत किया। साथ ही पूर्व सीएमओ प्रदीप मिश्रा को कर्मचारियों ने बिदाई दी

नवापारा राजिम, 9 जुलाई (देशबन्धु)। गोबरा नवापारा परिषद में नए सीएमओ लवकेश कुमार ने आज मंगलवार 8 जुलाई को नगर परिषद कार्यालय पहुंचकर विधिवत अपना कार्यभार ग्रहण किया और सभी कर्मचारियों से परिचय प्राप्त किया। उन्होंने कहा कि नगर को साफस्वच्छ बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। स्वच्छता और मूलभूत सुविधाएं उनकी प्राथमिकता होंगी। वे सभी विभागों की प्रतिदिन मॉनिटरिंग करेंगे।

नए सीएमओ ने स्पष्ट किया कि सुबह-शाम नगर की स्वच्छता पर कड़ी नजर रखी जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शासन की प्राथमिकता वाले कार्यक्रमों और योजनाओं को पूरी ईमानदारी और पारदर्शिता से पूरा करें। उन्होंने कहा कि नागरिकों की समस्याओं का समयबद्ध समाधान किया जाएगा। साथ ही कर्मचारियों को निर्देश दिए कि काम में किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

वहीं पालिका के कर्मचारियों ने पूर्व सीएमओ प्रदीप मिश्रा को भावभीनी विदाई दी। विदाई समारोह में उन्हें सम्मानित किया गया और उनके कार्यकाल के दौरान किए गए कार्यों की सराहना की गई। कर्मचारियों ने श्री मिश्रा के साथ अपने अनुभव साझा किए और उनके मार्गदर्शन और सहयोग के लिए धन्यवाद दिया। प्रदीप मिश्रा ने भी सभी को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि नवापारा में काम करना उनके लिए एक यादगार अनुभव रहा है और वे हमेशा इस शहर को याद रखेंगे।